THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 51 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **ज्येष्ठ कृ.5 2080 बुधवार, 10 मई 2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

पूर्व पीएम इमरान खान गिरफ्तार

पाकिस्तान में बवाल, सेना के मुख्यालय में तोड़-फोड़ और अफसरों के घर हमला

‘इमरान की गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तान में बवाल मच गया है। इमरान समर्थकों ने सेना के हेडक्वार्टर पर भी हमला कर दिया है। उनकी पार्टी पीटीआई के कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए हैं। पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों में कार्यकर्ता उग्र प्रदर्शन कर रहे हैं। पीटीआई के कार्यकर्ता लाहौर कैंट में मिलिट्री अधिकारियों के रिहायशी इलाके में घुस कर तोड़फोड़ शुरू कर दी है। खैबर पखतुनवा प्रांत में लक्खी मारवात जिले में सड़कों पर उग्र प्रदर्शन किया जा रहा है। इंडस हाइवे को पीटीआई कार्यकर्ताओं ने बंद कर दिया है। जगह-जगह टायर जला कर रास्ता जाम कर दिया गया है। चारों तरफ अफरा-तफरी का माहौल है, लोग बदहवास हो कर जान बचा कर भाग रहे हैं।’

इस्लामाबाद, 9 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई (पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ) के अध्यक्ष इमरान खान को गिरफ्तार कर लिया गया है। मंगलवार को पाक रेंजर्स ने उन्हें कोर्ट रूम से ही गिरफ्तार कर लिया। इस्लामाबाद पुलिस के मुताबिक खान को अल कादिर ट्रस्ट मामले में गिरफ़्तार किया गया है। रेंजर्स ने उन्हें नैब (नेशनल अकाउंटेबिलीटी ब्यूरो) को सौंप दिया है। ऐसा लगता है कि खान को गिरफ्तारी की खबर कुछ घंटे पहले ही लग गई थी क्योंकि अदालत जाने से पहले पीटीआई प्रमुख ने कहा था, अगर किसी के पास वारंट है, तो उसे सीधे मेरे पास लाना चाहिए।

वारंट लाओ, मेरा वकील होगा। मैं खुद जेल जाने को तैयार हूं। इमरान खान ने 26 दिसंबर 2019 को अल कादिर ट्रस्ट का पंजीकरण कराया था। इस ट्रस्ट में सिर्फ दो टस्ट्री हैं, एक इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी और दूसरे खुद इमरान खान। प्रधानमंत्री रहते हुए इमरान खान ने अल कादिर यूनिवर्सिटी बनवाई थी, जिसके लिए पाकिस्तान के रईस और बहरिया टाउन के सीआईओ मलिक रियाज ने ट्रस्ट के जरिए जमीन दान दिया था। आरोप है कि इमरान खान और उनकी पत्नी ने रियाज को डरा धमका कर जमीन ली थी। इस मामले की जांच नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो (नैब) कर रहा है। गिरफ्तारी से कुछ घंटे पहले ही इमरान खान ने पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग आईएसपीआर पर पलटवार किया था। इमरान खान ने कहा था कि भ्रष्ट लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने से संस्थाएं मजबूत होती हैं। उन्होंने ने सेना के वरिष्ठ अधिकारी जनरल फैसल नसीर पर आरोपों को दोहराते हुए कहा था, जब भी जांच होगी मैं साबित कर दूंगा कि यह वही आदमी था, जिसने मेरा कत्ल करवाने की कोशिश की।खान के आरोपों को खारिज करते हुए आईएसपीआर ने कहा था कि वे अपने राजनीतिक हितों को साधने के लिए पिछले एक साल से सेना और खुफिया अधिकारियों को बदनाम कर रहे हैं। विभाग ने उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी थी।

इमरान खान ने आरोप लगाया था कि पूर्व प्रधानमंत्री होते हुए भी मैं जनरल फैसल नसीर के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं करवा पाया था। पाकिस्तान की सेना ने सोमवार को इमरान खान को गैर-जिम्मेदाराना और निराधार आरोप लगाने से बचने की सलाह दी थी। >14

सोमेश कुमार सीएम केसीआर के मुख्य सलाहकार नियुक्त

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पूर्व मुख्य सचिव सोमेश कुमार को मंगलवार को मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव का मुख्य सलाहकार नियुक्त किया गया। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में आदेश जारी कर सोमेश कुमार को तीन साल की अवधि के लिए कैबिनेट मंत्री के स्तर का अपना मुख्य सलाहकार बनाया है। उन्हें दिसंबर 2019 में मुख्य सचिव के रूप में नियुक्त किया था। इस साल जनवरी में तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा एक आदेश जारी करने के बाद पद छोड़ना पड़ा। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) द्वारा दायर उस रिट याचिका को स्वीकार कर लिया था, जिसमें विभाजन के बाद तेलंगाना को सोमेश कुमार को आवंटित करने वाले केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) के आदेश को चुनौती दी गई थी। 1989 बैच के नौकरशाह तेलंगाना में पांचवें और सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्य सचिव थे, और चंद्रशेखर राव-सरकार की कई प्रमुख पहलों का नेतृत्व करने के लिए जाने जाते हैं। हालांकि यहां से रिलीव होने के बाद उन्होंने आंध्र प्रदेश में ड्यूटी के लिए रिपोर्ट किया था, लेकिन बाद में उन्होंने वीआरएस के लिए आवेदन किया।

मोदी ने कर्नाटक के लोगों से वोट की अपील की

वीडियो संदेश में कहा-राज्य को इन्वेस्टमेंट, इनोवेशन और इंडस्ट्री में नंबर-1 बनाना चाहते हैं

बेंगलुरू, 9 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में आज यानी 10 मई को विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव प्रचार पूरा हो चुका है। वोटिंग से एक दिन पहले पीएम मोदी ने कर्नाटक की जनता के नाम एक वीडियो संदेश जारी किया है।

उन्होंने लोगों से अपील की है कि राज्य को इन्वेस्टमेंट, इनोवेशन और इंडस्ट्री में नंबर-1 बनाने के लिए भाजपा को वोट दें। आपने मुझे जो प्रेम दिया है, वो मेरे लिए ईश्वर के आशीर्वाद की तरह है। कर्नाटक के लोगों का आह्वान अब भी मेरे कानों में गूंज रहा है। आजादी के अमृतकाल में हम भारतीयों ने अपने देश को विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है। कर्नाटक विकसित भारत का नेतृत्व करने की क्षमता से भरा हुआ है। हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। हमें इसे जल्दी से जल्दी टॉप 3 में ले जाना है। ये तभी होगा जब कर्नाटक की इकोनॉमी तेजी से आगे बढ़ेगी। आपने अभी कर्नाटक में डबल इंजन की सरकार का साढ़े तीन साल का कार्यकाल देखा है। भाजपा सरकार की निर्णायक, केंद्रित और भविष्य को बेहतर बनाने वाली नीतियां कर्नाटक की अर्थव्यवस्था के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के बावजूद कर्नाटक में भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान सालाना 90 हजार करोड़ रुपये का विदेशी निवेश आया, जबकि पिछली सरकार के समय सही आंकड़ा सालाना सिर्फ 30 हजार करोड़ रुपये के आसपास था।

कर्नाटक चुनाव में 375 करोड़ रुपये जब्त किए गए : ईसीआई

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने मंगलवार को कहा कि 10 मई को होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान कुल 375 करोड़ रुपये की जब्ती की गई, जबकि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दक्षिणी राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद 288 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की। चुनाव आयोग ने यह खुलासा 8 मई को प्रचार समाप्त होने के एक दिन बाद किया। कर्नाटक में 10 मई को मतदान होना है।

गहलोत की नेता सोनिया नहीं वसुंधरा : पायलट

चिट्ठी लिखी, अनशन किया पर सीएम ने भ्रष्टाचार पर एक्शन नहीं लिया-11 से पदयात्रा करेंगे

जयपुर, 9 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस के नेता और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के बीच की लड़ाई अब खुलकर सामने आ गई है। उन्होंने गहलोत के आरोपों पर मंगलवार को खुलकर जवाब दिया।

उन्होंने कहा, पहली बार देख रहा हूं कि कोई अपनी ही पार्टी के सांसदों और विधायकों की आलोचना कर रहे हैं। भाजपा नेताओं की तारीफ और कांग्रेस नेताओं का अपमान मेरी समझ से बाहर है। यह पूरी तरह गलत है। मुख्यमंत्री की बातों से लगता है कि उनकी नेता वसुंधरा राजे हैं, सोनिया गांधी नहीं। अपने नेताओं को खुश करने के लिए बहुत सारे लोग बहुत सारी बातें करते हैं, चुगली करते हैं। ऐसी बातें मुझसे भी की जाती हैं, लेकिन मैं मंच पर ये कहूं तो यह शोभा नहीं देता है। पायलट ने कहा, हमने दिल्ली जाकर अपनी बात कही। वसुंधराजी के भ्रष्टाचार पर कई महीनों से चिट्ठियां लिखीं। अनशन पर बैठा। अब भी जांच नहीं हुई। समझ में आ रहा है क्यों एक्शन नहीं लिया। अब मैं नाउम्मीद हूं। जनता ही भगवान है। जनता के सामने सभी को नतमस्तक होना रहेगा। भ्रष्टाचार के खिलाफ 11 मई को अजमेर से जयपुर तक यात्रा निकालेंगे। 125 किलोमीटर लंबी पैदल यात्रा होगी और इसमें 5 दिन का वक्त लगेगा।

गहलोत ने अमित शाह का पैसा वापस लौटाने की सलाह दी थी

गहलोत ने धौलपुर में पायलट कैंप के विधायकों पर सियासी संकट के वक्त 10 से 20 करोड़ रुपये लेने के आरोप लगाया था। गहलोत ने विधायकों को अमित शाह का पैसा वापस लौटाने की सलाह भी दी। अमित शाह, धर्मेंद्र प्रधान और गजेंद्र सिंह शेखावत इन सबने मिलकर हमारी सरकार को गिराने का षड्यंत्र किया। राजस्थान में विधायकों को पैसे बांट दिए। यह लोग पैसा वापस नहीं ले रहे हैं। मुझे चिंता लगी हुई है, >14

सुनवाई करते समय सेंसिटिव और अलर्ट रहें जज : हाईकोर्ट

कोर्ट ने नाबालिग से यौन उत्पीड़न के 15 साल पुराने मामले मे आरोपी को बरी किया

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)। आरोपी के बचाव पक्ष ने लड़की की काउंसिलिंग करने वाले काउंसलर से गवाह के रूप में पूछताछ की, जिससे बच्ची की कॉन्फिडेंशियल रिपोर्ट पब्लिक डोमेन में आ गई। दिल्ली हाईकोर्ट ने जजों से कहा कि गवाहों के बयान दर्ज करने और बच्चों के साथ यौन उत्पीड़न के मामलों की सुनवाई करते समय सेंसिटिव हार्ट और अलर्ट माइंड रखने की जरूरत है। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा, राज्य सरकार व प्रशासन कोर्ट को जरूरी और मॉडर्न इन्फ्रास्ट्रक्चर तो दे सकता है, लेकिन जज को संवेदनशील दिल नहीं दे सकता।

जज को खुद ही सेंसिटिव हार्ट डेवलप करना होगा, ताकि यौन उत्पीड़न के दौरान बयान दर्ज करते समय दिमाग सतर्क हो। इससे मुकदमे को एक ही डायरेक्शन में न मोड़ा जा सके। ऐसा उन्होंने 15 साल पुराने यौन उत्पीड़न के मामले में ट्रायल कोर्ट के फैसले को रद्द करते हुए कहा। दरअसल, ट्रायल कोर्ट ने संजीव कुमार नाम के व्यक्ति को नाबालिग लड़की के रेप के केस में दोषी ठहराते हुए 10 साल की सजा सुनाई थी। जिसके बाद आरोपी ने हाईकोर्ट में केस को लेकर अपील की थी।

नाबालिग लड़की के रेप केस का पूरा मामला समझिए...

नाबालिग लड़की के वकीलों ने कोर्ट में कहा था कि 24 अप्रैल 2008 को विक्टिम अपने माता-पिता के साथ राजस्थान के मेंहदीपुर बालाजी से दिल्ली के नांगली पुना में हनुमान मंदिर के दर्शन के लिए आई थी। इस दौरान उसके माता-पिता मंदिर में दर्शन के लिए गए और वह मंदिर के बाहर सामान की रखवाली कर रही थी। इसी बीच कार सवार दो लोग वहां आए और कार चालक ने उसे कार में अंदर खींच लिया। अपीलकर्ता संजय और एक अन्य व्यक्ति पर आरोप लगाया गया कि दोनों ने 12 साल की नाबालिग लड़की का रेप किया और दो घंटे बाद मंदिर के बाहर छोड़ दिया। नाबालिग लड़की के पिता की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर संजीव व नरेश को गिरफ्तार किया।

ट्रायल कोर्ट ने साल 2010 में सुनाई 10 साल की सजा

इसके बाद मामला ट्रायल कोर्ट में पहुंचा। कोर्ट ने सितंबर 2010 में विक्टिम के बयान के आधार पर संजीव व नरेश को अपहरण व रेप सहित अन्य धाराओं के तहत दोषी ठहराया। दोनों को 10 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई, जिसके बाद संजीव ने फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी।

मई 2021 में संजीव की हुई मौत, पत्नी ने जारी रखी सुनवाई

15 मई 2021 को संजीव की मौत हो गई, लेकिन उनकी पत्नी केस लड़ती रहीं। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की बेंच ने 1 मई 2023 को हुई सुनवाई में पाया कि जिस काउंसलर ने केस के दौरान 12 साल की बच्ची की काउंसिलिंग की थी, उससे बचाव पक्ष ने गवाह के रूप में पूछताछ की, जिससे बच्ची की काउंसिलिंग से जुड़ी कॉन्फिडेंशियल रिपोर्ट पब्लिक डोमेन में आ गई। कॉन्फिडेंशियल रिपोर्ट में विक्टिम ने अपने पिता द्वारा यौन शोषण करने का जिक्र किया था। साथ ही विक्टिम ने रेप को लेकर अलग-अलग बयान दिए थे। कोर्ट ने कहा कि हम 12 साल के बच्ची की उस बेचैनी को महसूस कर सकते है कि जो वो अपने पिता के सामने महसूस कर रही होगी। साथ ही बच्ची पर पीटे जाने का दबाव भी था, जिसके चलते उसने पहले आरोपियों द्वारा शोषण किए जाने की बात कही थी। कोर्ट ने आगे कहा कि नाबालिग लड़की के वकीलों ने संजीव के खिलाफ जो सबूत दिए थे वो उसे दोषी करार देने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसलिए उसे बरी किया जाता है।

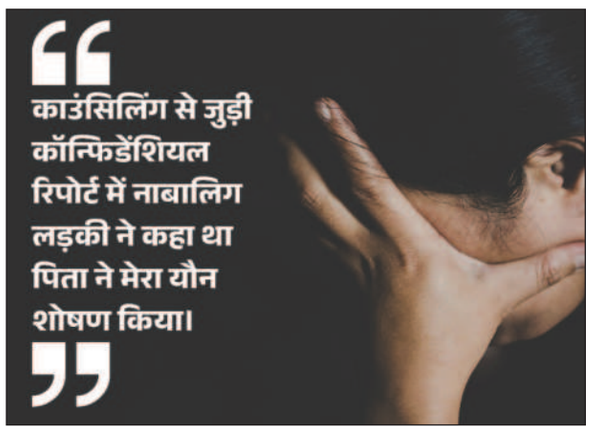

किसानों को समय से मिले खाद, बीज और फसल ऋण

महाराष्ट्र कृषि मंत्री ने अधिकारियों को दिए निर्देश

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कृषि मंत्री अब्दुल शट्टार ने कोंकण क्षेत्र के अधिकारियों से मंगलवार को मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने किसानों को समय से खाद, बीज और फसली ऋण मिलने की बात को सुनिश्चित करने के आदेश भी दिए।

उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा कि सरकार द्वारा दिए जा रहे योजनाओं का लाभ किसानों को मिल रहा है या नहीं। शट्टार ने कहा कि अधिकारियों को क्षेत्र की भौतिक स्थितियों के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए और उसी के हिसाब से खरीफ कार्यक्रम की योजना बनानी चाहिए। राज्य कृषि मंत्री के अनुसार बड़े क्षेत्र में आम, काजू और धान की खेती का प्रयास करना चाहिए। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए की बेमौसन बारिश में बर्बाद हुए फसलों के बदले किसानों को मुआवजा मिले।

कार्यवाहक संभागीय आयुक्त राजेंद्र भोसले ने मीटिंग में बताया कि खरीफ मैसम के लिए 4,29,000 हेक्टेयर जमीन निर्धारित किया गया है। 11,61,000 मीट्रिक टन के उत्पादन लक्ष्य की योजना के साथ औसतन22 फीसदी की वृद्धि का अनुमान किया गया है।

7 साल में 30 बच्चों का रेप कर मार डाला

बच्चों की तलाश में 40 किलोमीटर तक पैदल चलता था; 20 मई को होगी सजा

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)। दिल्ली की रोहिणी कोर्ट ने 6 मई को 6 साल की लड़की के रेप और हत्या से जुड़े केस में एक व्यक्ति को दोषी ठहराया। आरोपी को 2015 में नाबालिग से रेप, अपहरण और हत्या के केस में गिरफ्तार किया गया था। कोर्ट 20 मई को आरोपी की सजा को लेकर अपना फैसला सुनाएगी।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी का नाम रविंदर है। वह एक सीरियल रेपिस्ट और किलर है। वह दिल्ली में मजदूरी करता था और नशे का आदि था। रविंदर ने 7 साल में 30 बच्चों का रेप किया और उन्हें मार दिया था। उसने ज्यादातर रेप दिल्ली-एनसीआर और पश्चिमी यूपी के इलाकों में किए थे। पुलिस के मुताबिक, रविंदर ने खुद अपना गुनाह कबूल किया था। उसने बताया था कि 2008 में वह उत्तर प्रदेश के कासगंज से दिल्ली आया था। उस समय उसकी उम्र 18 साल थी। उसके पिता प्लम्बर का काम करते थे और मां लोगों के घरों में खाना और साफ-सफाई का काम करती थी। दिल्ली आने के बाद वह शराब और ड्रग्स का आदि हो गया। साथ ही उसको पोर्न वीडियो देखने की लत लग गई।

उसने बताया कि वह हर शाम शराब पीता या ड्रग्स लेता और फिर अपने टारगेट यानी नाबालिग बच्चों की तलाश में निकल जाता था। इसके लिए वो एक दिन में 40 किमी तक पैदल भी चल लेता था। सबसे पहले उसने 2008 में एक बच्ची का रेप कर उसे मार दिया था। पहली बार अपराध करके पकड़े नहीं जाने पर उसकी हिम्मत बढ़ गई। फिर यह उसका रोज का सिलसिला बन गया।

बच्चों को पास बुलाने के लिए नोट और टॉफी का देता था लालच

रविंदर ने बताया कि वह बच्चों को पास बुलाने के लिए 10 रुपए के नोट या टॉफी का लालच देता था। फिर उन्हें पकड़कर सुनसान इलाके में ले जाता था। वहां वह उनका रेप करता और बाद में उनकी हत्या कर देता। दोषी ने अपने बयान में बताया कि उसने 7 सालों में 6 से 12 साल की उम्र के बच्चों का रेप किया था।

पुलिस ने आरोपी को दो बार पकड़ा था

रवींद्र कुमार को पुलिस ने पहली बार 2014 में पकड़ा था। उस पर 6 साल के बच्चे के अपहरण, हत्या की कोशिश और शारीरिक शोषण का आरोप लगाया गया था। हालांकि बाद में उसे छोड़ दिया गया था। इसके बाद 2015 में 6 साल की बच्ची के अपहरण के केस में जांच कर रही पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। दिल्ली के रोहिणी में सुखबीर नगर बस स्टैंड के पास से उसे पकड़ा गया था। पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए दर्जनों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली थी। मुखबिरों से भी पूछताछ की थी। पुलिस के मुताबिक, रविंदर पर आरोप था कि उसने लड़की का अपहरण करने के बाद रेप किया फिर गला काट कर हत्या कर दी। उस पर यह भी आरोप था कि हत्या के बाद उसने लड़की की बॉडी को सेप्टिक टैंक में फेंक दिया था। इसी केस में कोर्ट ने उसे दोषी ठहराया है।

सामने चल रहा था भोजपुरी गाना..स्टूडेंट्स दे रहे थे एग्जाम

11वीं की बायोलॉजी परीक्षा का वीडियो; मोबाइल से चल रही थी चीटिंग

नालंदा, 10 मई (एजेंसियां)। नालंदा में 11वीं की बायोलॉजी परीक्षा का एक वीडियो सामने आया है। इसमें एग्जाम हॉल के अंदर एक एलईडी टीवी पर भोजपुरी गाना चल रहा है और क्लास रूम में छात्र बैठकर एग्जाम दे रहे हैं। वीडियो में स्टूडेंट्स मोबाइल से चीटिंग करते भी नजर आ रहे हैं। मामला बौरीसराय गांव के उच्च माध्यमिक विद्यालय का है। सोमवार को यहां परीक्षा हुई थी। बिहार सरकार की ओर से शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने के लिए स्मार्ट क्लास चलाई जा रही है। इसी के तहत क्लास रूम में टीवी लगाए गए हैं, लेकिन नालंदा में इसका गलत इस्तेमाल किया जा रहा है।

एग्जामिनेशन हॉल से दो वीडियो सामने आया है। पहला वीडियो 1 मिनट 4 सेकेंड का है। वीडियो की शुरुआत में सामने एक ओएमआर शीट दिखती है..फिर कैमरा सामने लगी एलईडी टीवी पर जाता है। इसके बाद हॉल में परीक्षा देते बच्चे नजर आते हैं। इस दौरान भोजपुरी का गाना राशि में तोड़ा बदमाशी लिखल बा...चल रहा है। क्लास रूम में एक बेंच पर तीन-तीन स्टूडेंट बैठकर एग्जाम दे रहे हैं। सभी एक-दूसरे की कॉपी से चीटिंग कर रहे हैं। स्टूडेंट के सामने मोबाइल भी रखा हुआ है।

दूसरा वीडियो 44 सेकेंड का है। इसमें पवन सिंह का गाना पियर फराक वाली चल रहा है। कुछ लड़के डेस्क पर बैठकर गाने पर झूमते दिखे तो कुछ मोबाइल से आंसर शीट को भरते दिखे। इस दौरान क्लास रूम के दोनों दरवाजे बंद हैं। क्लास में कोई टीचर भी नहीं दिखाई दे रहा है। क्लास रूम के अंदर मौजूद किसी छात्र ने ही ये वीडियो शूट किया। जो अब तेजी से वायरल हो रहा है। इस मामले को लेकर दैनिक भास्कर ने स्कूल के प्रिंसिपल से बात करनी चाही, लेकिन प्रिसिंपल ने फोन नहीं उठाया।

डीईओ बोले-वीडियो मिला है, जांच होगी

जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) केशव प्रसाद ने कहा कि वायरल वीडियो का मामला संज्ञान में आया है। इस्लामपुर प्रखंड के शिक्षा पदाधिकारी को जांच का जिम्मा दिया गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही कार्रवाई की जाएगी।

निजी लग्जरी और राज्य परिवहन बस की टक्कर में पांच की मौत

अहमदाबाद, 10 मई (एजेंसियां)। गुजरात के गांधीनगर जिले के कलोल कस्बे में बुधवार सुबह एक तेज रफ्तार वाली निजी बस, राज्य परिवहन (एसटी) की बस से टकरा गई। इस टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना सुबह 7:30 बजे की है जब यात्री बस का इंतजार कर रहे थे। यात्री एसटी बस के नीचे आ गए थे और उसी समय पीछे से निजी लग्जरी बस ने धक्का दे दिया। इस घटना में जहां पांच लोगों की मौत हो गई है तो वहीं पांच से सात लोगों के घायल होने की सुचना मिली है। घायलों का फिलहाल सरकारी अस्पताल में इलाज जारी है। मरने वालों के शरीर को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बहू ने सास की फ्राइंग पैन से पीट-पीटकर हत्या की

उसकी बीमारी से परेशान थी आरोपी

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के नेब सराय इलाके में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। 48 साल की महिला ने सास की बीमारी से परेशान होकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के 12 दिन बाद सीसीटीवी फुटेज से इसका खुलासा हुआ। पुलिस ने दावा किया कि महिला की सास कई समय से बीमार थी। उसकी देखभाल करनी पड़ती थी। महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मृतक महिला के बेटे का नाम सुरजीत सोम है। वह बहू सरमिष्ठा और बेटी के साथ 2014 से दिल्ली में रह रहा है। मां पश्चिम बंगाल में रहती थी। तबीयत खराब होने की वजह से उसे 2022 में दिल्ली ले आया था और अपने फ्लैट के सामने एक घर किराया पर दिला दिया।

पुलिस को किचन में पड़ी मिली थी मृतक बुजुर्ग

यह घटना 28 अप्रैल की है। दरअसल, उस दिन एक व्यक्ति ने पुलिस को जानकारी दी थी कि उसके दोस्त की मां अपने फ्लैट में गिर गई है और उनकी हालत खराब है। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो उन्होंने देखा कि महिला की सास किचन में पड़ी हुई थी। पुलिस ने छानबीन शुरू की। पोस्टमॉर्टम में पता चला कि बॉडी में जो चोट के निशान हैं, वह घर में गिरने की वजह से नहीं हैं। बॉडी पर 14 चोट के निशान थे।

हिंसा के बाद मणिपुर की स्थिति में हो रहा सुधार 11 जिलों में कर्फ्यू में दी गई ढील

इंफाल, 10 मई (एजेंसियां)। मणिपुर में फैली हिंसा में अबतक 60 लोगों की मौत हो गई है तो वहीं हजारों की संख्या में लोग बेघर हो चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार राज्य में हिंसा का कहर कम होता दिख रहा है। पिछले दो दिनों से किसी के भी हताहत होने की कोई खबर सामने नहीं आई है। राज्य की मौजूदा स्थिति को देखते हुए 11 जिलो में कर्फ्यू में ढील दी गई है। इन जिलों में इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, चुराचांदपुर और जिरिबाम शामिल है जहां सुबह के पांच बजे से छह घंटे के लिए कर्फ्यू में छूट दी गई है। मंगलवार को इन क्षेत्रों में चार घंटों के लिए कर्फ्यू में छूट दी गई थी। अधिकारियों ने बताया कि चुराचांदपुर से 2,500 से भी अधिक और सीमा क्षेत्र वाले मोरेह से 500 फंसे लोगों को निकालकर मंगलवार को इंफाल लाया गया था। सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री सपम रंजन सिंह ने मंगलवार रात संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा-4000 लोगों को हिंसाग्रस्त क्षेत्रों से निकालकर सुरक्षित कैंप में पहुंचाया गया है। यहां लोगों को नियमित स्वास्थ्य चिकित्सा और मनोवैज्ञानिक से परामर्श करने की भी सुविधा दी जा रही है। वहीं 26,000 लोगों को अन्य सुरक्षित स्थानों में भेजा गया है और उनमें से अधिकतर अपने रिश्तेदारों के घर शरण ली है। मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह ने सोमवार को कहा-राज्य में फैली इस हिंसा में 60 लोगों की मौत हो गई है, वहीं 231 लोग घायल हुए हैं और 1700 घरों को जला दिया गया है। राज्य में हिंसा तीन मई को 10 पहाड़ी क्षेत्रों में आयोजित आदिवासी एकता मार्च के दौरान भड़की थी, जिसमें मैतेई समुदाय को अनुसुचित जनजाति में शामिल करने मांग की जा रही थी। मणिपुर में 53 फीसदी मैतेई समुदाय के लोग हैं जो मुख्यत इंफाल घाटी के पास रहते है।

कांतिलाल भूरिया का विवादित बयान, कहा-कांग्रेस की सरकार आई तो एमपी में भी बजरंग दल पर लगेगा प्रतिबंध

रतलाम, 10 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाए जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। अब इस मुद्दे को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री और झाबुआ विधायक कांतिलाल भूरिया का विवादित बयान सामने आया है। रतलाम आए भूरिया ने कहा कि यदि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आती है तो यहां भी बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाया जायेगा। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाए जाने के मामले में मंगलवार को रतलाम आये मध्यप्रदेश कांग्रेस के आदिवासी नेता, पूर्व सांसद और वर्तमान झाबुआ विधायक कांतिलाल भूरिया द्वारा बजरंगदल को लेकर दिए गए बयान के बाद देर शाम को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने अपना विरोध अलग तरीके से जताया। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने हनुमान जी के सामने हनुमान चालीसा का पाठ कर कांग्रेस नेताओं को सद्बुद्धि देने के लिए प्रार्थना की।

रोचक खबरें

कभी देखा है बॉडीबिल्डर कबूतर? घर के बाहर देखते ही उड़े लोगों के होश

पक्षी छोटे होते हैं. उन्हें देखकर मन खुश हो जाता है. लेकिन समय के साथ इंसानों ने कई तरह के एक्सपेरिमेंट किये हैं. कई जानवरों को इंसानों ने क्रॉसब्रीड करवाया है. चाहे डॉग्स हो या कैट. कई तरह के क्रॉसब्रीड जानवरों को देखने के बाद लोगों को यकीन ही नहीं होता. लेकिन कुछ क्रॉसब्रीड को देखने के बाद यकीन ही नहीं होता कि क्या असल में ऐसे जानवर भी एक्सिस्ट करते हैं. इसी का उदहारण हाल ही में सोशल मीडिया पर देखने को मिला.

बेहद अजीब से दिखने वाले इस कबूतर को देख लोग हैरान हो गए. इसे एक घर के गार्डन में स्पॉट किया गया. इसका वीडियो ट्विटर पर शेयर किया गया. इसमें दिख रहा कबूतर काफी हट्टा-कट्टा नजर आ रहा था. इसे देखने के बाद लोगों को यकीन नहीं हुआ. जैसे डॉग्स को क्रॉसब्रीड करवाया जाता है, उसी तरह इस कबूतर को भी पैदा करवाया गया. पहली नजर में तो ये नॉर्मल ही नजर आ रहा था लेकिन जब इसे गौर से देखा तो समझ आया कि ये आम कबूतर नहीं है.

हैरान रह गए लोग

जैसे ही शख्स ने इस कबूतर का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, ये वायरल हो गया. एक ने लिखा कि ये हल्क क्या वाकई कबूतर है? वहीं एक यूजर कि लिखा कि बचपन में मजाक-मजाक में ऐसी चिड़ियां ड्रा की जाती थी. उसने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा रियल में भी होगा. वहीं कुछ ने इस ब्रीड की जानकारी देते हुए लिखा इसे पॉटर पिजन कहते हैं. लेकिन जब लोगों ने इसे सर्च किया तो जानकारी गलत निकली. इसके बाद शख्स ने माफ़ी मांग ली.

कुत्ते के सामने किी पड़ी शेर की दहाड़

भौंक भौंककर किया भागने पर मजबूर, लोग बोले-'कैमरा देख शर्मा गया शिकारी'

सोशल मीडिया पर जंगल और जानवरों से जुड़े ढेरों वीडियोज़ शेयर किए जाते हैं जो लोगों को देखना बेहद पसंद होता है. कुत्ते की वफादारी और समझदारी, तो वहीं शेर की बादशाहत अक्सर देखने को मिल जाती है. शेर इतना खूंखार शिकारी होता है कि उसकी जद में आया शिकार कभी नहीं बच सकता. बड़े से बड़े जानवर को शेर एक बार में चित्त कर देता है. शेर को देखकर ही दहशत से भर जाते हैं लोग. लेकिन एक कुत्ते ने शेर के सामने जो हिम्मत दिखाई वो काबिले तारीफ थी. क्योंकि अपनी हिम्मत के बल पर उस कुत्ते ने शेर को मात दी थी. इंस्टाग्राम अकाउंट ilhanatalay पर शेयर एक वीडियो में आप कुत्ते और शेर का आमना सामना देखकर दंग रह जाएंगे. कुत्ते के सामने शेर जैसा खूंखार शिकारी खड़ा था, लेकिन उससे डरने की बजाय कुत्ते ने ऐसी हिम्मत दिखाई कि बेचारा शेर ही भीगी बिल्ली बन गया. कुत्ते ने भौंक भौंक कर शेर की दहाड़ को धीमा कर दिया और उसे भागने पर मजबूर कर दिया. लोग कुत्ते की हिम्मत से प्रेरणा लेने की बात कर रहे हैं.

कुत्ते की हिम्मत देख डर गया शेर

वायरल वीडियो में शेर और कुत्ता आमने सामने नजर आ रहे हैं. कुत्ते को सड़क पर देखते ही शेर आगे बढ़ा, ये सोच कर कि उसे आसानी से एक शिकार मिल गया है. और कुत्ते को डराने की नीयत से शेर ने जोरदार दहाड़ लगाई, मगर उसने कुत्ते को कमजोर समझने की गलती कर दी थी. क्योंकि अगले ही पल शेर की दहाड़ के आगे जब कुत्ते ने पूरी हिम्मत कि साथ भौंकना शुरू किया, तो शेर भी सहम गया. अपनी दहाड़ भूल वह कुत्ते को देखता ही रह गया और आखिरकार उसे शिकार का विचार छोड़ कर मौके से भागना पड़ा.

नन्हें जानवर ने शिकारियों को दी शिकस्त, 3 तेंदुओं के चंगुल से निकल भागा हनी बेजर

सोशल मीडिया पर जंगल की दुनिया और जानवरों से जुड़े ऐसे तमाम वीडियो देखने को मिल जाते हैं जो आपको हैरान परेशान तो करते ही हैं साथ ही कई ऐसा सबक और सीख भी दे जाते हैं जो इंसानों से नहीं मिल पाता. साथ ही वीडिओज़ इतने मजेदार भी होते हैं जिसे देखना लोगों को बेहद पसंद होता है यही वजह है कि सोशल मीडिया पर वाइल्ड लाइफ से जुड़े वीडियो सबसे ज्यादा देखे और पसंद किए जाते हैं आप में इन दिनों कैसा वीडियो वायरल हो रहा है जहाँ नन्हें जानवर ने शिकारियों को शिकस्त देकर लोगों को कभी हार ना मानने की प्रेरणा दी है. आईएफएस सुशांत नंदा ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें हनीबैजर नाम का एक नन्हा सा जानवर तीन तीन खूंखार तेंदुओं के चंगुल से निकल भागता है. वो छोटा सा जानवर अपनी हिम्मत और हौसले के दम पर शिकारियों को मात देने में कामयाब रहा. वीडियो वायरल हो रहा है. जिसे अब तक 80,000 से ज्यादा बार देखा जा चुका है.

नन्हे जानवर से हार गए खूंखार शिकारी

वीडियो में तीन खूंखार तेंदुए एक छोटे से जानवर का शिकार करने की पुरज़ोर कोशिश करते देखे जा सकते हैं. जो जानवर पर लगातार हमला कर रहे थे. नन्हे जानवर का नाम है हनीबैजर. लेकिन वो जानवर कितना हिम्मती और समझदार हैं कि बार बार शिकारियों के चंगुल में फंसने के बाद भी वो बचने की उम्मीद और कोशिश नहीं छोड़ता. बल्कि डरकर हार मानने की बजाय लगातार कोशिश बनाए रखता है और आखिरकार तीन-तीन तेंदुओं की मजबूत पकड़ से खुद को बचाने में कामयाब हो ही जाता है.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

सुविचार

किसी ने सच ही कहा है कि खूबसूरत शरीर एक दिन मिट्टी में मिल जाता है लेकिन खूबसूरत विचार हमेशा लोगों के दिलों में अमर रहते है।

मधुमक्खी हमले में 50 नरेगा मजदूर घायल

जगतियाल, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कोडिमियल मंडल मुख्यालय में मंगलवार को मधुमक्खियों के हमले में मनरेगा के कम से कम 50 मजदूर घायल हो गए। ग्रामीणों के अनुसार, 250 मजदूर बुरुगुकुंता के पास पहाड़ियों पर काम कर रहे थे। क्षेत्र की सफाई करते समय, कुछ श्रमिकों ने एक पेड़ की शाखा को छू लिया जिस पर मधुमक्खियों का छत्ता स्थित था।

तेलंगाना के पांच लोगों को मध्य प्रदेश एटीएस ने हिरासत में लिया

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पांच लोगों को मध्य प्रदेश के आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) ने मंगलवार को एक कथित आतंकी मामले में हिरासत में ले लिया।

मध्य प्रदेश एटीएस द्वारा प्राप्त कुछ सूचनाओं के आधार पर शहर के रहने वाले पांच लोगों को हिरासत में ले लिया गया था, जिसमें मध्य प्रदेश में 11 लोगों को हिरासत में लिया गया था। पुलिस ने इनके पास से इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, लैपटॉप, मोबाइल फोन आदि जब्त किए हैं। सभी पांचों को मध्य प्रदेश स्थानांतरित कर दिया गया।

भारी मात्रा में प्रतिबंधित सिगरेट बरामद, एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नगर आयुक्त की टास्कफोर्स, पश्चिम क्षेत्र की टीम ने सीतारामपेट, मंगलहाट, हैदराबाद से विपुल रांका नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से आठ लाख रुपये मूल्य के प्रतिबंधित सिगरेट के पैकेट बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपी विपुल रांका आदतन अपराधी है। वह पहले भी इसी तरह के मामलों में शाहइनायगंज और बेगमबाजार पुलिस स्टेशनों से शामिल था और हैदराबाद शहर का मूल निवासी है।

उसने बेगमबाजार में अपना कन्फेक्शनरी व्यवसाय शुरू किया। इसके अलावा उसने प्रतिबंधित सिगरेट के परिवहन और बिक्री का अवैध कारोबार शुरू किया। वह प्रतिबंधित सिगरेट को स्टोर करता था। उसने दिल्ली में कुछ ट्रांसपोर्टरों से संपर्क किया। उनसे सबसे कम कीमत पर प्रतिबंधित सिगरेट खरीदना शुरू कर दिया और हैदराबाद में उच्चतम कीमत पर बेचकर अवैध रूप से पैसा कमाना शुरू कर दिया। वह प्रतिबंधित सिगरेट सबसे कम कीमत पर खरीद रहा है और उसी कीमत पर हैदराबाद शहर में बेचता था।

यह भी पाया गया है कि सिगरेट के पैकेट पर कोई चित्रात्मक चेतावनी नहीं होती है। आरोपी बेईमानी से और धोखाधड़ी से सिगरेट खरीद रहा था ताकि सीमा शुल्क से बचा जा सके और जीएसटी से भी बचा जा सके जिससे सरकार को गलत नुकसान हो रहा है और मूल सिगरेट की आड़ में भोले-भाले लोगों को धोखा दे रहा है, जो मानव जीवन को खतरे में डालने का कार्य है। सीतारामपेट, मंगलहाट, हैदराबाद में प्रतिबंधित सिगरेट का परिवहन व बिक्री करते हुए वेस्ट जोन टास्क फोर्स की टीम ने उसे प्रतिबंधित सिगरेट के साथ गिरफ्तार कर लिया। जब्त सामग्री के साथ गिरफ्तार आरोपी को आगे की जांच के लिए एसएचओ, मंगलहाट पुलिस स्टेशन, हैदराबाद को सौंप दिया गया। आरोपी की गिरफ्तारी पी.राधा किशन राव, पुलिस उपायुक्त (ओएसडी) कमिश्नर टास्क फोर्स, हैदराबाद की देखरेख में मोहम्मद खलील पाशा, पुलिस इंस्पेक्टर, कमिश्नर टास्क फोर्स, वेस्ट जोन टीम, और एसआई शेख कविउद्दीन आदि द्वारा की गई थी।

मिर्जा रहमत बेग ने एमएलसी पद की शपथ ली

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता मिर्जा रहमत बेग ने मंगलवार को यहां तेलंगाना विधान परिषद के सदस्य के रूप में शपथ ली। तेलंगाना विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेन्द्र रेड्डी ने विधानसभा में अपने कक्ष में शपथ ग्रहण समारोह का संचालन किया। विधायी मामलों के मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी, विधान परिषद के उपसभापति बंदा प्रकाश, मिर्यालगुडा के विधायक नल्लामोथु भास्कर राव, नामपल्ली के विधायक जाफर हुसैन मेराज, याकूतपुरा के विधायक सैयद अहमद पाशा कादरी और अन्य नेता उपस्थित थे। मिर्जा रहमत बेग को 27 फरवरी को सर्वसम्मति से हैदराबाद स्थानीय निकाय निर्वाचन क्षेत्र से एमएलसी के रूप में चुना गया था।

दूरसंचार के मामले में तेलंगाना कई राज्यों से आगे : शांति कुमारी

राज्य ब्रॉडबैण्ड समिति की बैठक में अंतर्विभागीय मुद्दों पर चर्चा

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी की अध्यक्षता में हुई राज्य ब्रॉडबैण्ड समिति की बैठक में दूरसंचार क्षेत्र में अधोसंरचना से जुड़े अंतर्विभागीय मुद्दों पर चर्चा हुई. बैठक में विशेष मुख्य सचिव ऊर्जा सुनील शर्मा, प्रमुख सचिव आईटी जयेश रंजन, सचिव आर एंड बी श्रीनिवास राजू, सचिव पीआर एंड आरडी संदीप कुमार सुल्तानिया, बीएसएनएल के अधिकारी शामिल हुए। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य कई दूरसंचार संकेतकों में अन्य राज्यों से काफी आगे है। लगभग 3.5 करोड़ की आबादी के लिए चार करोड़ से अधिक मोबाइल कनेक्शन के साथ, टेली-घनत्व (1077) देश में सबसे अधिक है। 97.7 प्रतिशत गांव मोबाइल कनेक्टिविटी से आच्छादित हैं। तेलंगाना देश के उन कुछ राज्यों में से एक है जहां 5G को आक्रामक तरीके से लॉन्च किया गया है। बैठक में रास्ते के लंबित आवेदनों की स्थिति की समीक्षा की गई। 5जी सेवाओं में तेजी लाने के लिए एक कार्य समिति गठित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य सचिव के संज्ञान में यह भी लाया गया कि राज्य सरकार के सभी इंजीनियरिंग विभागों को किसी भी प्रकार की खुदाई करने के लिए "कॉल बिफोर यू डिग" (सीबीयूडी) ऐप के माध्यम से पूर्व सूचना देने के बाद ही आवश्यक निर्देश जारी करें और पहले ऐप का उपयोग करें।

कार्यस्थल पर महिला मजदूर की मौत

मनचेरियल, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) की एक महिला मजदूर की मंगलवार को चेन्नूर मंडल के शंकरम गांव में काम करने के दौरान संदिग्ध लू लगने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने कहा कि मोगिली लच्छू (67) कार्यस्थल पर गिर गए और चेन्नूर क्षेत्र के अस्पताल के डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के समय वह मिट्टी खोदने में लगी हुई थी। आशंका जताई जा रही थी कि उसकी मौत लू लगने से हुई है। मजदूर इसी तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए साइटों पर एहतियाती उपाय चाहते थे। इस बीच, जिला ग्रामीण विकास संगठन के सहायक परियोजना अधिकारी गंगा भवानी ने कहा कि पीड़ित के परिजनों को सरकार द्वारा 2 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा।

प्रियंका के युवा घोषणापत्र को भारी प्रतिक्रिया : वीएच

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व सांसद वी. हनुमंत राव ने आज कहा कि उनकी पार्टी की राष्ट्रीय नेता प्रियंका गांधी द्वारा घोषित युवा घोषणापत्र को राज्य के बेरोजगार युवाओं और लोगों से भारी समर्थन मिला है। वीएच ने यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव राज्य में प्रति घर एक नौकरी के अपने वादे को पूरा करने में पूरी तरह से विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवा घोषणा पत्र जारी होने के बाद तेलंगाना में पार्टी कार्यकर्ताओं में सकारात्मक भावना है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि गांधी परिवार अपने द्वारा किए गए वादों पर कायम रहेगा और याद दिलाया कि सोनिया गांधी ने पार्टी के कुछ नेताओं द्वारा इसके गठन के कड़े विरोध के बावजूद अलग तेलंगाना राज्य की अनुमति दी थी।

वीएच ने यह भी कहा कि वे युवा घोषणा को राज्य के हर गांव में ले जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि न तो सीएम केसीआर और न ही उनके बेटे केटीआर 1969 में अलग तेलंगाना राज्य आंदोलन के पहले चरण में थे। उन्होंने केसीआर से पूछा कि वह मदन मोहन और मेरी चन्ना रेड्डी जैसे आंदोलन के तत्कालीन नेताओं के नामों का उल्लेख क्यों नहीं किया। उन्होंने सत्ताधारी पार्टी के नेताओं द्वारा पार्टी नेता सोनिया गांधी की लगातार आलोचना पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि तेलंगाना राज्य के गठन का विरोध करने वाले नेता कांग्रेस पार्टी में भी थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने तेलंगाना राज्य के गठन की अनुमति देने से पहले सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के कांग्रेस में विलय के लिए शर्त नहीं रख कर गलती की है।

भाकपा ने केंद्र से की सांसद बृजभूषण सिंह को गिरफ्तार करने की मांग

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा के राज्य सचिव कुनामनेनी संबाशिव राव ने आज केंद्र सरकार से सत्तारूढ़ भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की।

उन्होंने शहर के राज्य पार्टी मुख्यालय मकदूम भवन में एनएफआईडब्ल्यू द्वारा आयोजित हस्ताक्षर संग्रह अभियान में एक सभा को संबोधित करते हुए ये टिप्पणी की। राव इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले चार महीने से दिल्ली में धरना प्रदर्शन कर रही महिला पहलवान द्वारा आरोपी सांसद को गिरफ्तार करने की मांग पर केंद्र सरकार की ओर से कोई जवाब नहीं आया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र अब महिला पहलवानों को धमका रहा है और उनके विरोध कार्यक्रमों को जारी रखने के लिए परेशान कर रहा है।

उन्होंने कहा कि आरोपी सिंह के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर हो रहे उत्पीड़न से तंग आकर पहलवानों ने अपना विरोध कार्यक्रम शुरू किया था। उन्होंने कहा कि देश में महिला पहलवानों के विरोध कार्यक्रम के लिए कोई प्रतिक्रिया नहीं है, जहां उन्हें हिंदू धर्म के अनुयायी देवी के रूप में पूजते हैं। उन्होंने कहा कि यह क्रूर है कि केंद्र सरकार के आदेश पर दिल्ली पुलिस ने महिला पहलवानों पर लाठीचार्ज किया। राव ने सभी आंदोलनकारी महिला पहलवानों को उचित और पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने के अलावा भारत के सर्वोच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश के साथ एक व्यापक जांच की मांग की। एनएफआईडब्ल्यू के वरिष्ठ नेता पश्या पद्मा ने कहा कि आरोपी को केंद्र सरकार द्वारा तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए और कहा कि उसे उसके द्वारा रखे गए सभी पदों से निष्कासित कर दिया जाना चाहिए।

हम केसीआर सरकार को उखाड़ फेंकेंगे : भट्टी

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस विधायक दल के नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने आज कहा कि वे राज्य में गरीब लोगों की जमीनों पर कब्जा करने के लिए बहुत जल्द केसीआर सरकार को उखाड़ फेंकेंगे। महेश्वरम विधानसभा क्षेत्र के बदनपेट में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, सीएलपी नेता ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल ने राज्य में पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा गरीब लोगों को वितरित की गई सभी जमीनों को जबरन ले लिया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने डबल बेडरूम हाउस, तीन एकड़ जमीन आदि जैसे अपने चुनावी वादों को पूरा नहीं किया है। उन्होंने यह भी कहा कि लोग केसीआर के शासन में राज्य प्रायोजित हिंसा देख रहे हैं और कहा कि राज्य सरकार उन लोगों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज कर रही है जो इसकी विफलताओं और गलतियों पर सवाल उठा रहे हैं। सीएलपी नेता ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कई नागरिक समाज संगठन और विपक्षी राजनीतिक दल, जो अतीत में राज्य सरकारों की ज्यादतियों के खिलाफ आवाज उठाते थे, सीएम केसीआर के "तानाशाही" शासन पर चुप हो गए हैं। उन्होंने बुद्धिजीवियों से बीआरएस पार्टी सरकार की राज्य प्रायोजित हिंसा पर मुंह खोलने का आग्रह किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी सरकार को यह अधिकार नहीं है कि वह गरीब लोगों को आवंटित जमीन वापस ले। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने इब्राहिमपट्टनम विधानसभा क्षेत्र के गरीब परिवारों से 10,000 एकड़ की 5 लाख करोड़ रुपये की जमीन वापस ले ली है और कहा कि इसने गरीब परिवारों से राज्य की राजधानी के आसपास स्थित 25 लाख करोड़ रुपये की जमीन को जबरदस्ती वापस ले लिया है। उन्होंने तेलंगाना राज्य में कांग्रेस सरकार की वापसी तक गरीब लोगों से अपनी भूमि की रक्षा करने का आग्रह किया।

40 स्कूल निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव अधिकारियों ने सचिवालय का दौरा किया

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आज का दिन एक ऐतिहासिक दिन रहा, क्योंकि 40 स्कूल निर्वाचन क्षेत्रों (स्कूलों) के चुनाव अधिकारियों ने तेलंगाना सचिवालय का दौरा किया था, जो व्हाट्समाइगोल द्वारा आयोजित अंडर 18 चुनावों के हिस्से के रूप में था। अप्रैल में, आईटी मंत्री के टी रामा राव ने अंडर -18 चुनावों की शुरुआत की, और 51 स्कूलों के 200 छात्रों ने तेलंगाना की विधान सभा का दौरा किया। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को राजनीतिक प्रक्रिया को समझने और अपने देश के भविष्य को आकार देने में सक्रिय रुचि लेने में मदद करना है।

सचिवालय की यात्रा को वी हब फाउंडेशन, तेलंगाना सरकार द्वारा सुगम बनाया गया था। सिल्वर ओक्स इंटरनेशनल, बिड़ला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल, द गौडियम, ग्लेनडेल अकादमी, पल्लवी मॉडल, डीपीएस, और कई अन्य जैसे शीर्ष स्कूलों के छात्र तेलंगाना के सचिवालय का दौरा करने और तेलंगाना सरकार के आंतरिक कामकाज के बारे में जानने का अवसर पाकर रोमांचित थे।

वी हब की सीईओ दीप्ति रावुला ने छात्रों को संबोधित किया और तेलंगाना में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र और नीति निर्माण में महिलाओं की भूमिका के बारे में जानकारी साझा की। अंडर-18 चुनावों की मुख्य चुनाव आयुक्त चित्राली शर्मा ने शासन में छात्रों की भागीदारी और अंडर-18 दुनिया में उनकी आवाज की पहचान के महत्व के बारे में बात की। उसने द किंग के प्रसिद्ध शब्दों को दोहराया: "भविष्य हमारा है, वर्तमान भी हमारा है।" चित्राली शर्मा ने निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव अधिकारियों के साथ अंडर-18 के चुनाव निष्पक्ष और सुचारू रूप से कराने का संकल्प लिया।

हैदराबादियों ने उठाया 'जीरो शैडो डे' का आनंद

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के निवासियों ने आज 'जीरो शैडो डे' के रूप में जानी जाने वाली एक अनोखी खगोलीय घटना देखी। यह घटना शहर में दोपहर 12:12 बजे देखी गई और यह कुछ समय के लिए जारी रही। गौरतलब है कि 'जीरो शैडो डे' एक दुर्लभ खगोलीय घटना है जो तब होती है जब सूर्य आकाश में अपने उच्चतम बिंदु पर पहुंच जाता है। इस समय, लंबवत वस्तुओं की छाया जमीन पर नहीं पड़ेगी। 'जीरो शैडो डे' साल में दो बार होता है, एक बार उत्तरी गोलार्ध में और दूसरा दक्षिणी गोलार्ध में। घटना खगोलविदों और फोटोग्राफरों दोनों के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण है। खगोलविद इस अवसर का उपयोग सूर्य की गति का अध्ययन करने के लिए करते हैं, जबकि फोटोग्राफर इसका उपयोग आश्चर्यजनक छवियों को पकड़ने के लिए करते हैं।

हैदराबाद के निवासी खगोलीय घटनाओं से मोहित

हैदराबाद के कई निवासी 'जीरो शैडो डे' सहित खगोलीय घटनाओं से रोमांचित हैं। जब भी ऐसी घटनाएँ होती हैं, जैसे कि सूर्य ग्रहण या चंद्र ग्रहण, वे उन्हें अनुभव करने के लिए समय निकालते हैं। हाल ही में, हैदराबाद में उपछाया चंद्रग्रहण देखा गया। यह घटना तब होती है जब चंद्रमा केवल पृथ्वी की उपछाया में गुजरता है। पेनुमब्रल चंद्र ग्रहण के दौरान, चंद्रमा पृथ्वी की छाया के बाहरी हिस्से में प्रवेश करता है, जिसके परिणामस्वरूप चंद्रमा की सतह का एक सूक्ष्म कालापन होता है।

इंटरमीडिएट फेल छात्र फंदे पर लटका मिला

जगतियाल, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक इंटरमीडिएट छात्र, जिसने पाया कि वह मंगलवार को घोषित किए गए प्रथम वर्ष के परीक्षा परिणामों में विफल रहा था, मंगलवार दोपहर जगतियाल जिले के मेदिपल्ली मंडल मुख्यालय में लटका हुआ पाया गया। पुलिस के अनुसार, बोड्डुपल्ली अभिषेक (18) अपने घर में तब लटका हुआ पाया गया जब उसके परिवार के सदस्य, जो दोपहर 2 बजे बाहर गए थे, घर लौटे। जगतियाल के अल्फोरेस जूनियर कॉलेज में इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष में पढ़ने वाले अभिषेक पर परीक्षा में असफल होने के बाद से परेशान होने का संदेह है।

बिजली गिरने से महिला की मौत, पति घायल

जगतियाल, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सारंगपुर मंडल के पेनबटलकोनापुर में मंगलवार की शाम आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक महिला किसान की मौत हो गयी, जबकि उसका पति घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, जोगिनी पद्मा और उसका पति गंगामल्लू एक हार्वेस्टर की मदद से धान की कटाई में लगे हुए थे. बारिश शुरू होते ही उन्होंने एक पेड़ के नीचे शरण ली। दुर्भाग्य से, पेड़ पर बिजली गिरी, जिसके बाद पद्मा की मौके पर ही मौत हो गई और गंगामल्लू को चोटें आईं।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

निम्नलिखित ई-निविदा सं. (1) बी./एसजी/सीएन/एस एण्ड टी/जीएनटी/2/2023-24 दि. 05-05-2023 (2) बी/एसजी/सीएन/एस एण्ड टी/जीएनटी/3/2023 दि. 06-05-2023 के लिए निविदा आमंत्रण सूचना

पीयूबी/0473

(ireps.gov.in के माध्यम से)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से सिग्नल एवं टेलीकॉम (निर्माण), दक्षिण मध्य रेलवे, जीएनटी @ विजयवाड़ा द्वारा निविदाकरण के सार्वजनिक निविदा/दो लिफाफा प्रणाली में नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं।

क्र.सं. 01. निविदा सूचना सं. : बी/एसजी/सीएन/एस एण्ड टी/जीएनटी/2/2023-24, दि. 05-05-2023, **कार्य का नाम** : दक्षिण मध्य रेलवे के सिकन्दराबाद डिवीज़न में केआई - केजेडजे सेक्शन के बीच तीसरी लाइन कार्य के मद्देनजर टीएनजीएम-एमडीआर के बीच तोनडालागोपावरम पर डिस्ट्रीब्यूटेड इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (व्हाट स्टैंडबाई) एवं मधिरा, आईबीएस पर सेन्ट्रलाइज्ड इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (हॉट स्टैंडबाई) के साथ एमएसीएलएस इंडोर एवं आउटडोर का प्रावधान। **निविदा मूल्य** : रु. 12,98,78,235.95 पैसे, **पूरा करने की अवधि** : 09 महीने, **बंद होने की तिथि एवं समय** : 31-05-2023 को 15.00 बजे.

क्र.सं. 02. निविदा सूचना सं. : बी/एसजी/सीएन/एस एण्ड टी/जीएनटी/3/2023-24, दि. 06-05-2023, **कार्य का नाम** : दक्षिण मध्य रेलवे के सिकन्दराबाद डिवीज़न में केआई - केजेडजे सेक्शन के बीच तीसरी लाइन कार्य के मद्देनजर एमटीएमआई-बीकेएल के बीच बोनकालु एवं मोतुमरी आईबीएस परडिस्ट्रिब्यूटेड इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (हाट स्टैंडबाई) के साथ एमएसीएलएस इंडोर एवं आउटडोर का प्रावधान। **निविदा मूल्य** : रु. 13,28,64,489.88 पैसे, **पूरा करने की अवधि** : 09 महीने, **बंद होने की तिथि एवं समय** : 01-06-2023 को 15.00 बजे.

1) बोली दस्तावेज एवं अन्य विवरणों के लिए, कृपया वेबसाइट https://ireps.gov.in को लॉगइन करें।
2) निविदादाता अपने प्रस्ताव निविदा प्रस्तुत करने/बोली लगाने की अवधि, जो निविदा बंद होने की तिथि से पंद्रह दिन पूर्व है, में ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं।
3) निविदादाताओं को निविदा प्रस्तुत करने /बोली लगाने की अवधि प्रारंभ होने की तिथि तक किसी शुद्धिपत्र (केवल ऑनलाइन जारी किये हुए) के लिए देखना होगा।

डिप्टी चीफ सिग्नल एण्ड टेलीकॉम इंजीनियर, (निर्माण), गुंटूर @ विजयवाड़ा

सार्वजनिक ई-निविदा सूचना सं. डीआरएम/वर्क्स/एससी/66-71/2023/ओटी, दि. 08-05-2023

पीयूबी/0475

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए 06-06-2023 को 14.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

क्रम सं. 01. ई-निविदा सं. : 66_एन_एससी_23_ओटी. **कार्य का नाम** : एसडब्ल्यू-1. एडीईएन/केआरएमआर सब-डिवीजन के अंतर्गत स्टेशनों एवं कॉलोनियों को पेयजल की आपूर्ति। एसडब्ल्यू-2. एडीईएन/आरडीएम सब-डिवीजन के अंतर्गत स्टेशनों एवं कॉलोनियों को पेयजल की आपूर्ति। **अनुमानित निविदा मूल्य** : रु. 31,21,725/-, **पूधरा** : रु. 62,500/-, **पूरा करने की अवधि महीनों में** : 12, **रखरखाव अवधि महीनों में** : नगण्य।

क्रम सं. 02. ई-निविदा सं. : 67_एन_एससी_23_ओटी. **कार्य का नाम** : केजेडजे-बीपीक्यू एवं पीडीपीएल- एनजेडबी सेक्शंस : सीनि. डीईएन/एन/ एससी अधिकार क्षेत्र में एडीईएन/आरडीएम, बीपीए एवं केआरएमआर सब-डिवीजनों के अंतर्गत प्रस्तावित आपातकालीन डिवाटरिंग एक्यूमुलेटेड रेन वाटर एवं सिल्ट की सफाई। **अनुमानित निविदा मूल्य** : रु. 78,47,550/-, **पूधरा** : रु. 1,57,000/-, **पूरा करने की अवधि महीनों में** : 06, **रखरखाव अवधि महीनों में** : नगण्य।

क्रम सं. 03. ई-निविदा सं. : 68_डब्ल्यू_एससी_23_ओटी. **कार्य का नाम** : एससी-डब्ल्यूडी सेक्शन : एसडब्ल्यू-1. एससी-डब्ल्यूडी सेक्शन के एनपीएल- एलपीआई स्टेशनों के मध्य किमी. 152/4-6 पर एलसी नं. 23 (एम) के स्थान पर आरयूबी का प्रस्तावित निर्माण। एसडब्ल्यू-2. एससी-डब्ल्यूडी सेक्शन के एनपीएल- एलपीआई स्टेशनों के मध्य किमी. 152/4-6 पर एलसी नं. 23 (एम) के स्थान पर प्रस्तावित आरयूबी हेतु एडीशनल वेंट (डिपाजिट)। **अनुमानित निविदा मूल्य** : रु. 6.71.42.627/-, **पूधरा** : रु. 4,85,800/-, **पूरा करने की अवधि महीनों में** : 09, **रखरखाव अवधि महीनों में** : 36.

क्रम सं. 04. ई-निविदा सं. : 69_डब्ल्यू_एससी_23_ओटी. **कार्य का नाम** : डीईएन/वेस्ट/ एससी अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत ऑफिसर्स रेस्ट हाउस एवं सबऑर्डिनेट रेस्ट हाउस हेतु हाउसकीपिंग एवं रखरखाव उपलब्ध कराना। **अनुमानित निविदा मूल्य** : रु. 25,19,152/-, **पूधरा** : रु. 50,400/-, **पूरा करने की अवधि महीनों में** : 12, **रखरखाव अवधि महीनों में** : कुछ नहीं।

क्रम सं. 05. ई-निविदा सं. : 70_डब्ल्यू_एससी_23_ओटी. **कार्य का नाम** : एसडब्ल्यू-1. चन्दानगर रेलवे स्टेशन पर 2 नग लिफ्ट्स का प्रावधान, एसडब्ल्यू-2. लिंगमपल्ली स्टेशन पर पीएफ 2/3 एवं 4/5 पर 2 नग एस्केलेटर्स का प्रावधान। **अनुमानित निविदा मूल्य** : रु. 1,55,15,321/-, **पूधरा** : रु. 2,27,600/-, **पूरा करने की अवधि महीनों में** : 09, **रखरखाव अवधि महीनों में** : 36.

क्रम सं. 06. ई-निविदा सं. : 71_सीओ_एससी_23_ओटी. **कार्य का नाम** : 12 माह की अवधि हेतु एडीईएन/एसडब्ल्यू/ एससी सब-डिवीजन के अंतर्गत एसएसई/वर्क्स/ एचवाईबी सेक्शन के आईटीकेएम पर आधारित 'आउटकम एण्ड एक्टिविटी" आधारित आउटसोर्सिंग लेबर के लिए एफओबीस प्रति वर्ग मीटर मूल्य गणना, स्टेशन बिल्डिंग्स, सर्विस बिल्डिंग्स, पीएफ कवर्ड एरिया और अनकवर्ड एरिया, जलापूर्ति, पम्पिंग स्टेशनों, सैनिटरी सिस्टमों, सर्क्युलेटिंग एरिया, अप्रोच रोड्स का आउटकम आधारित विस्तृत रखरखाव। **अनुमानित निविदा मूल्य** : रु. 20,28,775/-, **पूधरा** : रु. 40,600/-, **पूरा करने की अवधि महीनों में** : 12, **रखरखाव अवधि महीनों में** : कुछ नहीं।

1. निविदादाताओं को केवल ई-निविदाकरण के माध्यम से भाग लेना होगा और कोई भी मैनुअल प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जाएगा।
2. सभी संभावित निविदादाताओं से आग्रह है कि पूर्व धरोहर राशि केवल ऑनलाइन पेमेंट्स/बीजी के माध्यम से प्रेषित करें।
3. रेलवे बिना कोई कारण बताए निविदा को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
4. सभी संभावित निविदादाताओं से आग्रह है कि जीएसटीआईएन पहचान नंबर प्राप्त करें और अपने प्रस्तावों के साथ प्रस्तुत करें।

सीनि. डीईएन/को-आर्ड/सिकन्दराबाद

A0667

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट : http://www.ireps.gov.in' या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, MOHAMMED ALI R/O.H.NO.19-2-137/B/40, RAMNASTHPURA, BAHADURPURA, HYD, CHANGED MY NAME AS MOHD NAWAB KHAN S/O. AHMED KHAN.

I, MOHAMMEDDI BEGUM R/O.H.NO.19-2-137/B/40, RAMNASTHPURA, BAHADURPURA, HYD, CHANGED MY NAME AS SHAHNAZ BEGUM W/O. MOHD NAWAB KHAN.

FLATS FOR SALE

New Apartments, 3BHK Super Deluxe Flats, Ready to Occupy, GHMC & RERA Approved Project, Good Vastu, OC Received Bank Loan available, @ Pragati Colony, Near Aram Ghar X Roads, Before Shamshabad International Airport. Contact: 9100015559, 9100015558.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

रामपुर-मिर्जापुर उपचुनाव पर बोले ब्रजेश पाठक-हम जीत रहे

सपा के आरोपों पर कहा-जो हारता है, वो आरोप लगाता रहता है

लखनऊ, 10 मई (एजेंसियां)। रामपुर की स्वार और मिर्जापुर की छानबे विधानसभा सीटों पर उपचुनाव में बुधवार को मतदान हो रहा है। सपा लगातार घालमेल के आरोप लगा रही है। ऐसे में दैनिक भास्कर ने यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक से बात की। उन्होंने कहा- दोनों ही सीट पर बीजेपी जीत रही है। रहा सवाल सपा के आरोपों का, तो जो हारता है, वो ऐसे ही आरोप लगाता है।

उपचुनाव में बुधवार सुबह 11 बजे तक स्वार में 18.40% तो छानवे में 19.16% वोटिंग हुई है। इधर, सपा ने ट्वीट कर आरोप लगाया है कि मिर्जापुर की छानबे विधानसभा के बूथ संख्या 145, 146, 137, 138, 270, 271 पर सपा के बूथ एजेंट को पीठासीन अधिकारी एजेंट नहीं बना रहे हैं। इलेक्शन एजेंट रोहित शुक्ला के हस्ताक्षर को मान्य नहीं कर रहे हैं। यही नहीं, वोटिंग को प्रभावित करने के लिए कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल सपा कार्यकर्ताओं को फोन करके धमका रहे हैं। इसका एक ट्वीट भी वायरल हुआ है।

योगी ने 22, अखिलेश ने 5 जनसभाएं कीं

मायावती-प्रियंका मैदान में नहीं उतरीं; निकाय चुनाव में कई दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर

लखनऊ, 10 मई (एजेंसियां)। यूपी निकाय चुनाव को बीजेपी ने प्रतिष्ठा का सवाल बना लिया है। सोमवार को दूसरे चरण का प्रचार थमने से पहले सीएम योगी ने 22 जनसभाएं की। मेयर, चेयरमैन और पार्षदों के प्रत्याशियों को जिताने की अपील की। दोनों डिप्टी सीएम, केंद्रीय और राज्य मंत्री सड़कों पर पब्लिक के बीच नजर आए। विपक्ष की बात करें, तो सपा से अखिलेश यादव, उनकी पत्नी डिंपल और चाचा शिवपाल यादव ने जनसभाएं कीं। वहीं, बसपा और कांग्रेस के बड़े चेहरे पब्लिक के बीच नजर नहीं आए।

अलीगढ़, मेरठ सीटों पर ज्यादा फोकस

बीजेपी के लिए पहले चरण की तुलना में दूसरे चरण का मुकाबला काफी कांटे का है। अलीगढ़ और मेरठ सीट भाजपा के लिए चुनौतीपूर्ण है। यही कारण है कि सीएम योगी और प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने पूरी ताकत इन दोनों सीटों पर ही झोंकी है। दूसरी तरफ सपा ने पूरे दमखम से जनसभाएं की हैं। पार्टी की तरफ से सीएम योगी के बयानों पर सवाल खड़े किए जाते रहे। लोकल स्तर पर जन समस्याओं के समाधान को लेकर घोषणाएं की गईं।

बसपा, कांग्रेस नहीं आए मैदान में

निकाय चुनाव के पहले चरण में बसपा सुप्रीमो मायावती ने सिर्फ ट्विटर के जरिए ही अपने वोटरों को संदेश दिया। उन्होंने कहा, "बीजेपी-सपा के बहकावे में न आएं।" वहीं, कांग्रेस ने सभी नगर निगम में अपने प्रत्याशी तो खड़े किए। मगर किसी दिग्गज नेता की जनसभा नहीं हुई। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वैसे तो यूपी से जुड़े मुद्दों को लेकर काफी मुखर रहती हैं, लेकिन

निकाय चुनाव में वो भी मैदान से बाहर रहीं।

अयोध्या में सपा-बीजेपी में टक्कर

अयोध्या में भाजपा और सपा की सीधी टक्कर देखने को मिल रही है। शुरुआत में भाजपा प्रत्याशी को लेकर कार्यकर्ताओं में काफी असंतोष देखने को मिला। प्रदेश के प्रभारी राधा मोहन सिंह ने बैठक बुलाकर सबको संतुष्ट करने का काम किया। अयोध्या भाजपा का पहले से ही गढ़ रहा है। यही नहीं, यहां सांसद और विधायक भी भाजपा से ही हैं।

बीजेपी के गढ़ गाजियाबाद में भी चुनौतियां

गाजियाबाद वैसे तो बीजेपी का गढ़ रहा है। मगर इस बार गाजियाबाद में भी कांटे की टक्कर देखने को मिली है। जहां एक तरफ गाजियाबाद में भाजपा से सीएम योगी, दोनों डिप्टी सीएम, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मैदान में उतरे, तो दूसरी तरफ सपा से अखिलेश यादव और डिंपल यादव ने रैली की।

मेरठ में भाजपा के सामने सपा-रालोद गठबंधन

मेरठ नगर निगम चुनाव के लिए कुल 15 मेयर प्रत्याशी मैदान में हैं। जहां भाजपा ने पूर्व मेयर हरिकांत आहलूवालिया पर भरोसा जताया है। वहीं सपा से सीमा प्रधान, बसपा से हसमत मलिक और कांग्रेस से नसीम कुरैशी और आप से रिचा सिंह मैदान में हैं। लेकिन मेरठ की सीट पर मुकाबला साफ तौर पर भाजपा और सपा में देखने को मिल रहा है।

बरेली में बीजेपी के मंत्रियों की प्रतिष्ठा दांव पर

बरेली नगर निगम चुनाव में भी भाजपा बनाम सपा देखने को मिल रहा है। जहां भाजपा ने बरेली सीट से उमेश गौतम पर भरोसा जताया है। वहीं सपा ने संजीव सक्सेना को मैदान में खड़ा किया है। भाजपा की कई मंत्रियों को बरेली सीट को जिताने की जिम्मेदारी मिली हुई है। इसमें प्रदेश के वन मंत्री अरुण कुमार सक्सेना, सांसद व पूर्व मंत्री संतोष गंगवार, विधायक संजीव अग्रवाल के साथ ही भाजपा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल की साख भी दांव पर लगी हुई है। वहीं सपा की तरफ से विधायक शाहजिल इस्लाम और अताउल रहमान के लिए भी ये चुनाव नाक का सवाल है।

शाहजहांपुर में तीन मंत्रियों ने जोर लगाया

शाहजहांपुर में पहली बार नगर निगम चुनाव हो रहे हैं। शाहजहांपुर वहीं क्षेत्र है, जहां से सपा की घोषित प्रत्याशी अर्चना वर्मा ने अचानक बीजेपी का दामन थाम लिया। शाहजहांपुर में उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद और सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर की साख दांव पर लगी हुई है।

कानपुर में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना कर रहे प्रचार

कानपुर मेयर पद पर भाजपा 3 बार से जीत हासिल कर रही है। यह चौथी बार है, जब जीत के लिए प्रचार चल रहा है। इस बार का मुकाबला भाजपा प्रत्याशी प्रमिला पांडे और सपा के विधायक अमिताभ वाजपेई की पत्नी वंदना वाजपेई के बीच है। कानपुर में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। यही कारण है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समय दोनों डिप्टी सीएम और तमाम मंत्रियों ने मैदान में उतरकर रैलियां की। तो वहीं समाजवादी पार्टी की तरफ से विधायक अमिताभ वाजपेई ने पूरी ताकत झोंक दी है। 2017 में अलीगढ़ मेयर सीट पर बसपा ने अपनी जीत दर्ज कराई थी। इस बार भाजपा का मुकाबला साफ तौर पर बसपा से देखने को मिल रहा है।

मॉल से चॉकलेट चुराने पर बच्चे को पीटा तो खुदकुशी कर ली

बेतिया, 10 मई (एजेंसियां)। बेतिया के एक मॉल से 12 साल के छात्र ने 20 रुपए की चॉकलेट चुराई तो मैनेजर ने उसकी पिटाई कर दी। कुछ घंटे बाद बच्चे की लाश मिली। मामला 2 मई का है। मॉल में बच्चे की पिटाई का सीसीटीवी फुटेज अब सामने आया है। छात्र 2 मई को एक मॉल गया था। मैनेजर का आरोप है कि उसने वहां से 20 रुपए की डेयरी मिल्क चॉकलेट चोरी की। बच्चे की इस हरकत को स्टोर मैनेजर ने देख लिया और पकड़कर उसकी पिटाई कर दी। मैनेजर ने पहले उसके पिता को फोन किया। फोन नहीं लगा तो उसका बैग और साइकिल अपने पास रख ली। मॉल से निकलने के बाद बच्चे ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। बच्चा मॉल से 12 बजे निकला था। दोपहर करीब 3 बजे उसकी लाश मॉल से थोड़ी दूर मिली थी। मामला चनपटिया थाना क्षेत्र के टिकुलिया चौकी का है।

ट्रक के रौंदने से तीन लोगों की मौत

मुजफ्फरपुर, 10 मई (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर-छपरा मुख्य मार्ग में बुधवार को भीषण सड़क हादसा हुआ। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि, एक युवक घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला जिले के सरैया थाना क्षेत्र के रेवा घाट के पास की है। यहां सड़क किनारे कुछ लोगों ने तरबूज की दुकान लगा रखी थी और इसी बीच यह हादसा हुआ। मृतकों की पहचान सरैया के मानिकपुर निवासी 16 वर्षीय मो. महफूज, सरैया के 19 वर्षीय आकाश कुमार और अहियापुर दादर स्तिथ हरपुर लाहौरी निवासी 20 वर्षीय नीरज कुमार है। जबकि, घायल में 12 वर्षीय मो. जावेद है। उसे पटना रेफर किया गया है। इधर, घटना की सूचना लोगों ने सरैया थाना की पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची सरैया पुलिस ने घटनास्थल की जांच की। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया गया है।

यूपी निकाय चुनाव : दूसरे चरण का मतदान आज, जिलों में भारी पुलिस बल तैनात

लखनऊ, 10 मई (एजेंसियां)। यूपी निकाय चुनाव के दूसरे चरण में 38 जिलों में गुरुवार को मतदान होगा।

इसके लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रदेश के स्पेशल डीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार का कहना है कि निकाय चुनाव के लिए दूसरे चरण का मतदान कल होगा। इसके लिए बड़ी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की गई है जिससे कि सुचारु रूप से मतदान हो सके।

गौरीगंज कोतवाली में सपा विधायक ने अपने समर्थकों सहित भाजपा प्रत्याशी के पति को पीटा, माहौल तनावपूर्ण

अमेठी, 10 मई (एजेंसियां)। यूपी निकाय चुनाव के दूसरे चरण में मतदान से एक दिन पहले अमेठी के गौरीगंज नगर पालिका में माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया है। सपा विधायक राकेश प्रताप सिंह ने गौरीगंज नगर पालिका की प्रत्याशी रश्मि सिंह के पति दीपक सिंह को गौरीगंज कोतवाली के अंदर अपने समर्थकों संग मिलकर पीट दिया। सपा विधायक मंगलवार शाम से ही कोतवाली में धरने पर बैठे थे। सपा विधायक का आरोप है कि भाजपा प्रत्याशी के पति दीपक अपने समर्थकों के साथ मिलकर सपा समर्थकों को पीट रहे थे पर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की जिसे लेकर वह धरने पर बैठे थे लेकिन अभी तक सुनवाई नहीं हुई। इसी बीच दीपक सिंह गौरीगंज कोतवाली पहुंचे जहां पहले से मौजूद सपा विधायक व उनके समर्थकों ने उन्हें पीट दिया। दीपक सिंह को किसी तरह बचाकर कोतवाली के अंदर लाया गया।

स्थिति बिगड़ते देख कई और थानों की पुलिस वहां बुला ली गई है। कप्तान डॉ. इलामारन जी कई थानों की पुलिस के साथ गौरीगंज कोतवाली पहुंचे। बाहर कुछ सपा कार्यकर्ताओं को भी मारा पीटा गया है। दोनों पक्ष मुकदमे की मांग को लेकर अड़े हुए हैं फिलहाल स्थिति बेहद तनावपूर्ण है। अमेठी जिले में कल गुरुवार को निकाय चुनाव के दूसरे चरण का मतदान होना है। यहां से सपा की प्रत्याशी तारा पत्नी केडी सरोज हैं। कहा जा रहा है कि वह विधायक राकेश प्रताप सिंह की अगुवाई में ही चुनाव लड़ रही हैं। वहीं, भाजपा से रश्मि सिंह प्रत्याशी हैं। सपा विधायक राकेश प्रताप सिंह ने बयान दिया है कि दीपक सिंह अपराधी हैं। गौरीगंज में चार दिन से गुंडागर्दी चल रही थी। उसने मेरे भाई और भतीजे पर हमला किया था। रात भर मैं थाने में बैठा रहा पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। दीपक को पुलिस संरक्षण दे रही थी। मैं अपने गुस्से पर काबू नहीं रख सका। अगर पुलिस ने कार्रवाई की होती तो शायद यह घटना नहीं होती।

आप नेता संजय सिंह ने थाने में मारपीट पर भाजपा नेता पर उठाए सवाल

अमेठी, 10 मई (एजेंसियां)। अमेठी के गौरीगंज में सपा विधायक व उनके समर्थकों द्वारा भाजपा नेता दीपक सिंह की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। भाजपा ने सपा नेता व उसके समर्थकों पर गुंडई करने का आरोप लगाया है। इस पर आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह सपा विधायक राकेश प्रताप सिंह के समर्थन में ट्वीट किया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि पहले भाजपाईयों ने सपा विधायक के मामा के लड़के राहुल और कई लोगों को मारा उन पर एफआईआर के लिए विधायक थाने में बैठे थे। भाजपा नेता की हिम्मत देखिये थाने में आकर विधायक को गाली दी।

दरभंगा की कांग्रेस समर्थित मेयर जेडीयू में शामिल

नीतीश की पार्टी में वह होंगी अंजुम आरा-2

दरभंगा/पटना, 10 मई (एजेंसियां)। 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के घूमने से बिहार के अंदर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। मुख्यमंत्री आज झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिल रहे हैं। इधर, पटना में मौसम की गरमी के साथ राजनीतिक तापमान भी तेजी से बढ़ रहा है।

लालू प्रसाद यादव के राष्ट्रीय जनता दल में उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी को एंट्री दिलाई तो नए हफ्ते में नई खबर नीतीश कुमार के जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) से है। खबर एक ही है, लेकिन जदयू से नहीं, बल्कि कांग्रेस से भी जुड़ी। दरभंगा की मेयर अंजुम आरा ने महागठबंधन के घटक कांग्रेस का हाथ छोड़ते हुए जदयू का दामन थाम लिया है। यह जदयू में दूसरी 'अंजुम आरा' होंगी। अंजुम आरा

दरभंगा नगर निगम की दो बार वार्ड पार्षद भी रह चुकी हैं। इनके पति सिबगतुल्लाह खान उर्फ डब्बू खान दरभंगा नगर निगम के वार्ड पार्षद रह चुके हैं। दरभंगा मुहर्रम कमिटी के अध्यक्ष भी हैं अभी। जिला कांग्रेस कमिटी के सदस्य भी हैं। हाल ही में हुए नगर निगम के चुनाव में जीतकर महापौर बनी हैं। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा की धर्मशीला गुप्ता 8734 मतों से हराया था। इस चुनाव में अंजुम आरा को कुल रिकार्ड मत 30114 मिले थे। इस बार, पहली बार बिहार में मेयर चुनाव सीधे जनता के वोट से हुए थे। ऐसे में यह माना जा सकता है कि दरभंगा की राजनीति में अंजुम आरा का जनता के बीच सीधा प्रभाव है। 2012 में पहली बार अंजुम आरा वार्ड 24 की पार्षद बनी थीं। उस वक्त वह किसी राजनीतिक दल से सम्बद्ध नहीं थी। दोबारा वह 2017 में भी वार्ड पार्षद चुनी गईं और अब वह निगम की मेयर हैं। अंजुम आरा अब भी खुलकर कांग्रेस के किसी कार्यक्रम में शिरकत नहीं कर रही थीं, लेकिन उनके पति कांग्रेस में काफी सक्रिय हैं। मेयर चुनाव में अंजुम आरा को भाजपा विरोध, कांग्रेस-राजद समर्थन का वोट के रूप में फायदा मिला, क्योंकि डब्बू खान पहले राजद में थे और पूर्व मंत्री अली अशरफ फातमी के बेहद करीबी थे।

पहले वाली अंजुम आरा हैं प्रवक्ता

जनता दल यूनाईटेड में लंबे समय से एक्टिव अंजुम आरा नंबर- 1 पेशे से अधिवक्ता हैं और पार्टी के अंदर वह फिलहाल प्रवक्ता के रूप में सेवा दे रही हैं। यह अंजुम आरा पटना जिले की निवासी हैं और इन्हें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ पार्टी के सभी ओहदेदारों के बीच पुराना नाम माना जाता है। पटना यूनिवर्सिटी की सेनेट मेंबर अंजुम आरा बिहार राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं।

लिफ्ट देने के बहाने महिला से कार में दुष्कर्म

भाजपा नेता सहित तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

आगरा, 10 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा में करीब तीन माह पूर्व एक महिला से लिफ्ट देने के बहाने कार में दुष्कर्म किया गया था। आरोप भाजपा किसान मोर्चा के ब्रज क्षेत्र उपाध्यक्ष हरेंद्र सिंह और उनके दो अज्ञात साथियों पर है। आरोपियों ने वारदात के बाद रिवॉल्वर निकालकर धमकाया और महिला को कार से फेंककर भाग निकले। अदालत के आदेश पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। शमसाबाद थाने में दर्ज कराए गए मुकदमे के मुताबिक एक गांव की रहने वाली महिला के पति की मौत हो चुकी है। महिला 12 फरवरी को अपने गांव से पैदल जा रही थी। रास्ते में कार सवार आरोपियों ने उसे आगे लिफ्ट देने के बहाने बैठा लिया। कार को सुनसान जगह पर ले जाकर महिला के साथ कार में सवार हरेंद्र सिंह ने दुष्कर्म किया।

'ईवीएम में दब रहा सिर्फ एक बटन'

बरेली में सपा समर्थित मेयर प्रत्याशी ने लगाया धांधली का आरोप, हंगामा

बरेली, 10 मई (एजेंसियां)। बरेली में नगर निकाय चुनाव के लिए पोलिंग पार्टियों की रवानगी के दौरान बुधवार को हंगामे की पैदा स्थिति हो गई। सपा समर्थित मेयर प्रत्याशी डॉ. आईएस तोमर ने चुनाव में धांधली का आरोप लगाया। उनका कहना है कि ईवीएम में सिर्फ एक ही बटन दब रहा है। वहीं हंगामे की सूचना मिलते ही फोर्स के साथ प्रेक्षक, डीएम और एसएसपी रवानगी स्थल बरेली कॉलेज पहुंचे। उन्होंने लोगों को शांत कराया।

नगर निकाय चुनाव को लेकर गुरुवार को मतदान है। बरेली नगर निगम में मेयर और पार्षद का चुनाव ईवीएम से होना है। बुधवार को मतदान केंद्रों के लिए पोलिंग पार्टियों की रवानगी से पहले ईवीएम की जांच की गई। सपा समर्थित मेयर प्रत्याशी डॉ. आईएस तोमर ने चुनाव में धांधली का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ईवीएम में सिर्फ एक बटन दब रहा है। यह धांधली नहीं है तो क्या है। तोमर ने कहा कि वो प्रेसवार्ता में अपनी बात रखेंगे।

जदयू अब कहीं नंबर वन नहीं-शपथ के साथ विधान परिषद् में बीजेपी सबसे बड़ी, विस में पहले ही राजद सर्वाधिक

पटना, 10 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात के पहले बिहार विधान परिषद् के नव-निर्वाचित सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह में शरीक हुए।

इसके साथ ही वह इस बात के भी गवाह बन गए कि अब उनकी पार्टी जनता दल यूनाईटेड (जेडीयू) बिहार के दोनों में से किसी सदन में ऊपर नहीं रही। 2020 के चुनाव के पहले की स्थितियों से पूरी तरह उलट जैसी परिस्थिति सामने है। बुधवार को शपथ ग्रहण के साथ बिहार विधान परिषद् में जदयू से ज्यादा सदस्यों की संख्या भाजपा की हो गई। बिहार विधानसभा में पहले ही जदयू तीसरे नंबर पर है। वहां जदयू के साथ सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) पहले

नंबर पर और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) दूसरे नंबर पर है।

दो-दो सीटें भाजपा-जदयू ने जीती, एक में पीके समर्थित

बुधवार को गया स्नातक सीट से नव-निर्वाचित अवधेश नारायण सिंह (बीजेपी), सारण स्नातक क्षेत्र के नव-निर्वाचित वीरेंद्र नारायण यादव (जेडीयू), कोसी शिक्षक सीट से नव-निर्वाचित डॉ. संजीव कुमार सिंह (जेडीयू), गया शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से नव-निर्वाचित जीवन कुमार (बीजेपी) ने शपथ ली। पिछले दिनों हुए पांच सीटों के चुनाव में दो-दो सीटें भाजपा और जदयू को मिली थीं, जबकि एक सीट प्रशांत किशोर समर्थित उम्मीदवार आफाक अहमद ने अपने नाम की थी। आफाक पहले ही शपथ ले चुके हैं।

24 सदस्यों के साथ परिषद् में भाजपा नंबर वन

सत्तारूढ़ जदयू के विधान परिषद् में 24 सदस्य थे। अब इस चुनाव में दो की जीत के बावजूद जदयू के सदस्यों की संख्या 23 रह गई है। भाजपा के सदस्यों की संख्या पहले 23 थी। उसके दो सदस्य निर्वाचित हुए, लेकिन नए सदस्य एक बढ़ने से संख्या 24 हो गई। विधान परिषद् में राजद के 14, कांग्रेस के चार, सीपीआई, हम और राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के एक-एक सदस्य हैं। इसके अलावा छह सदस्य निर्दलीय हैं। इन चुनावों के आसपास ही उपेंद्र कुशवाहा ने जदयू से इस्तीफा देते हुए विधान परिषद् की सीट भी छोड़ी थी, लेकिन इस सीट पर उप-चुनाव नहीं हो सका है। यह सीट खाली है अभी।

करेंसी बदलने वाले तीन कारोबारियों पर आईटी रेड

कानपुर, 10 मई (एजेंसियां)। कानपुर में आयकर विभाग (आईटी) की टीम ने करेंसी बदलने वाले तीन कारोबारियों के घरों और दुकानों पर छापा मारा। अब तक करीब एक करोड़ 10 लाख रुपए की नकदी और 20 किलो चांदी बरामद होने की सूचना है। करीब 29 घंटे तक चली कार्रवाई अब खत्म हो गई है।

काफी मात्रा में नकदी होने की सूचना पर आईटी की टीम ने मारा छापा कलक्टर गंज की मोती बिल्डिंग के नीचे संजय जैन, धनीराम मार्केट शक्कर पट्टी में संजय गुप्ता और मनोज गुप्ता की करेंसी बदलने की दुकानें हैं। उनके घर नौघड़ा में हैं। आईटी ने काफी ज्यादा कैश एकत्र होने की सूचना पर उनके यहां छापा मारा। तीन दुकानों और 2 घरों पर छापा मारा गया।

एक साथ 5 जगह हुई छापेमारी

आयकर आयुक्त की जांच के मुताबिक, एक साथ 5 स्थानों पर रेड की गई थी। इसमें कटे-फटे नोट बदलने के कारोबारी संजय गुप्ता, संजय जैन और मनोज गुप्ता के प्रतिष्ठान और घरों की तलाशी ली गई। संजय गुप्ता के घर और प्रतिष्ठान और संजय जैन की दुकान से कुल 1 करोड़ 10 लाख रुपए कैश बरामद किया गया है। संजय गुप्ता के घर से 20 किलो चांदी भी बरामद की गई है।

मनोज गुप्ता के घर से कुछ भी बरामद नहीं किया गया। करीब 29 घंटे बाद रेड खत्म हो गई है। रेड के दौरान कारोबारियों के पास से कटे-फटे नोट नहीं बरामद नहीं किए गए। जबकि ये कारोबार ही कटे-फटे नोट बदलने का करते हैं। कारोबारी और उनके परिजन भी कैश के बारे में कोई जानकारी नहीं दे सके। कैश जब्त कर जांच शुरू कर दी गई है।

भीषण आग में चार मासूमों सहित पांच की मौत, मचा हड़कंप

कुशीनगर, 10 मई (एजेंसियां)। कुशीनगर जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां रामकोला थाना क्षेत्र के माघी मठिया गांव में बुधवार दोपहर में भीषण आग लग गई। इस आग में चार बच्चियों सहित पांच लोगों की मौत हो गई है। वहीं एक अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मची हुई है। ये सभी लोग एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। अग्निशमन विभाग का दस्ता सूचना देने के दो घंटे विलंब से पहुंचा। इस वजह से ग्रामीणों में नाराजगी रही। गांव में अभी अफरा-तफरी का माहौल है। मरने वालों में चार बच्चियां रुकई (6) अमीना (चार), आयशा (2) साल, खतीजा (दो माह) और उनकी मां फातिमा (30) पत्नी शेख मोहम्मद शामिल हैं। वहीं एक बहन कुलशुम 8 और दादा शफीद (70) दादी मोतीरानी (62) की हालत गंभीर बनी हुई है।

15 साल की गर्लफ्रेंड, 16 के बॉयफ्रेंड की लाश एक चिता पर जल रही थी

मोतिहारी, 10 मई (एजेंसियां)। मोतिहारी में बॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड की अधजली लाश मिली है। दोनों की हत्या की गई है। इतना ही नहीं, साक्ष्य मिटाने के लिए लाश को जलाने की कोशिश की गई। पुलिस ने जलती चिता से लाश को बाहर खींच लिया और आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तब 70 प्रतिशत तक दोनों लाशें जल चुकी थी। चिता से उतारी लाशों को पुलिस ने जांच के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि ऑनर किलिंग का मामला है। हत्या के आरोप में लड़की की मां समेत कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है। घटना सुगौली थाना क्षेत्र के डुमरी गांव की है।

दोनों की लाश को एक ही चिता पर रखकर जलाने लगा

घटना की जानकारी के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। मरने वाले की पहचान बिजूल सहनी के 16 वर्षीय बेटे मुस्कान कुमार और जादोलाल की 15 वर्षीय पुत्री विनीता कुमारी के रूप में हुई। मुस्कान कुमार की मां मौलेशरी देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। उनका कहना कि मुस्कान 12वीं का छात्र था। मंगलवार रात 9 बजे वह गांव में ही डांस प्रोग्राम देखने गया था। इसी दौरान गांव के ही जादोलाल ने उसे पकड़ लिया। इसके बाद रस्सी से बांधकर उसकी बेरहमी से पिटाई की और फिर उसी के सहारे काबू में करते हुए गला भी रेत डाला गया। इतना ही नहीं, उसने अपनी बेटी को भी मार डाला। इसके बाद दोनों की लाश को एक ही चिता पर रखकर जलाने लगा।

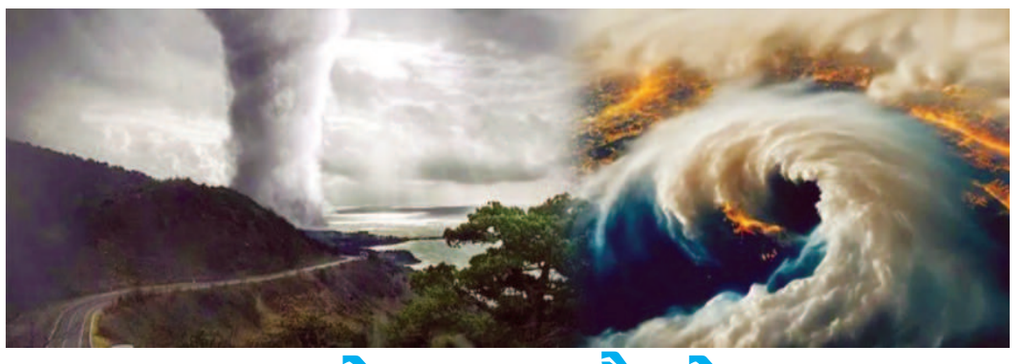

खतरनाक हो सकता है मोचा तूफान

प. बंगाल, ओडिशा व आंध्र प्रदेश के लिए अलर्ट, 130 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है हवा की रफ्तार

नई दिल्ली, 9 मई अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय मौसम विभाग ने मोचा साइक्लोन को लेकर चेतावनी जारी की है। विभाग का कहना है कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बन रहा साइक्लोन एक बहुत ही गंभीर तूफान में बदल सकता है और इसमें हवा की गति 130 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। सोमवार को बंगाल की खाड़ी के दक्षिण पूर्व और उससे सटे दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बना। 12 मई के आसपास मोचा साइक्लोन के बांग्लादेश और म्यांमार के तटों की ओर बढ़ने की उम्मीद है। मोचा साइक्लोन का असर पश्चिम बंगाल पर कितना पड़ेगा, यह इस बात पर निर्भर करता है कि यह तूफान बांग्लादेश की तरफ बढ़ते हुए तटीय इलाकों से कितनी दूर रहेगा।

तीन राज्यों के लिए अलर्ट जारी

मौसम विभाग ने पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के लिए भी अलर्ट जारी किया है। विभाग ने छोटे समुद्री जहाजों और मछुआरों को मंगलवार से बाहर नहीं निकलने के लिए कहा है। इसके साथ ही 8 से 12 मई के बीच अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के पास पर्यटन और शिपिंग को को सीमित और कड़ी नजर रखने की बात कही है। सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बयान जारी कहा था कि साइक्लोन से डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा अगर मुश्किल हालात बनते हैं तो तटीय इलाकों से लोगों को बचाया जाएगा।

ढाई महीने में आए 15 तूफानों से कम हुआ तापमान, 15 मई के बाद बढ़ेगा पारा

मौसम विज्ञानी आरके जेनामनी बताते हैं- 28 अप्रैल से लेकर 4 मई के बीच लगातार 3 सक्रिय और मजबूत पश्चिमी विक्षोभ आए। गर्मी के मौसम में एक हफ्ते के अंदर एक के बाद एक 3 पश्चिमी विक्षोभ आना बीते 20 साल में दुर्लभ घटना है। सर्दियों जैसी इस घटना के चलते ही गर्मी में दिन के तापमान में 10 से 15 डिग्री तक की गिरावट आई। स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष महेश पलावत ने कहा, मार्च में 7, अप्रैल में 5-6 और मई में दो पश्चिमी विक्षोभ आए। यानी गर्मियों में 15 पश्चिमी विक्षोभ आए हैं। अभी एक और आना है। इससे 3-4 दिन बारिश के आसार हैं। 15 मई के बाद तापमान बढ़ेगा। जून में मानसूनी बारिश शुरू हो जाएगी। ऐसे में यह दो दशक की सबसे छोटी गर्मी होने वाली है। मोचा तूफान के पॉथ को लेकर आईएमडी ने नया अपडेट दिया है। पहले अनुमान लगाया गया था कि चक्रवात भारत के दक्षिण तटीय क्षेत्रों, ओडिशा और दक्षिण-पूर्व गंगीय पश्चिम बंगाल से होकर गुजरेगा। मगर अब चक्रवात के फॉर्मेशन देखने के बाद पता चला कि यह बंगाल की खाड़ी से उठकर उत्तर-पूर्वोत्तर बांग्लादेश-म्यांमार तट की ओर मुड़ जाएगा।

खरगोन में यात्रियों से भरी बस 50 फीट ऊंचे पुल से गिरी

22 की मौत, पीएम-सीएम ने जताया दुख

इंदौर 9 मई (एजेंसियां)। मप्र के खरगोन जिले में बड़ा हादसा हुआ है। बोराड़ नदी पर बने पुल से एक यात्री बस 50 फीट नीचे गिर गई। हादसे में कुल 22 लोगों की मौत हो गई है, बताया जा रहा है कि 15 लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया था। जिला प्रशासन ने मौत की पुष्टि कर दी है। 20-25 लोग घायल हैं। हादसे में ड्राइवर, कंडक्टर और क्लीनर की भी मौत होने की सूचना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने खरगोन में हुई बस दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। हादसे में नौ महिलाएं, तीन बच्चे और नौ पुरुषों समेत कुल 22 लोगों की मौत हुई है। सभी मृतक खरगोन के बताए जा रहे हैं। 10 घायलों को इंदौर रेफर किया गया है। 22 घायलों का खरगोन जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। बस श्रीखण्डी से इंदौर जा रही थी। हादसा सुबह नौ बजे हुआ। मध्यप्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि बेहद दुखद घटना है। घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दे दिए गए हैं। घटनास्थल पर अधिकारी तत्काल पहुंच गए हैं। घायलों को इलाज के लिए तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया है। मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं। खरगोन में कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने कहा कि हादसे में 15 लोगों की मौत मौके पर ही हो गई थी। एक यात्री की मौत अस्पताल में हुई है। राज्य सरकार ने आर्थिक सहायता की घोषणा कर दी है। बस ओवरलोड थी या नहीं, इसकी जांच की जा रही है।

45 से ज्यादा यात्री सवार थे

बस क्रमांक एमपी 10-पी-7755 मां शारदा ट्रैवल्स की बताई जा रही है, जो खरगोन जिले से इंदौर जा रही थी। यह हादसा खरगोन-ठीकरी मार्ग पर हुआ। बस नदी पर बने पुल से गुजर रही थी, जब वह एकाएक नीचे गिर गई। जोर से आवाज आई और अफरा-तफरी मच गई। बस में 40 से अधिक यात्री सवार थे। हादसा दसंगा गांव के करीब हुआ है। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। ग्रामीणों के साथ मिलकर पुलिस जवानों ने घायलों को बाहर निकलवाया और अस्पताल भिजवाया। घटना की सूचना मिलने के बाद विधायक रवि जोशी भी घटनास्थल के लिए रवाना हुए। ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि रोजाना बसें ओवरलोड होकर तेज रफ्तार में गुजरती है। कई बार हमने बस वालों को टोका, लेकिन वह लोग दादागिरी करते हैं। कलेक्टर ने कहा कि बस में 45 से ज्यादा यात्री सवार थे। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि बस तेज रफ्तार थी और ड्राइवर उस पर काबू नहीं रख सका और रैलिंग तोड़ते हुए बस सूखी नदी में जा गिरी।

मृतकों के परिजनों को मिलेंगे 6-6 लाख

केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों के लिए आर्थिक सहायता घोषित की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से खरगोन हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये दिए जाएंगे। इसी तरह मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हादसे पर दुख जताते हुए हादसे में मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता घोषित की है। राज्य सरकार ने खरगोन में हुई बस दुर्घटना में मृतकों के परिवारजनों को चार लाख रुपये की सहायता राशि, गंभीर घायलों को 50 हजार रुपये, कम एवं साधारण घायलों को 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। साथ ही दुर्घटना में घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्था राज्य सरकार द्वारा की जाएगी।

गनीमत है कि सूखी थी नदी

नदी सूखी होने से मौतों की संख्या 22 के आसपास बताई जा रही है। यदि नदी में पानी होता तो मृतकों का आंकड़ा अधिक हो सकता था। इसी तरह का हादसा पिछले साल खलघाट पर हुआ था, जब एक बस नर्मदा नदी पर बने पुल से गिर गई थी और कोई भी नहीं बचा था।

कमलनाथ ने भी जताया दुख

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा कि खरगोन जिले में एक बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 15 लोगों की मृत्यु और बहुत से लोगों के घायल होने का दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। मैं ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति की प्रार्थना करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना है। राहत और बचाव दल को अपने अभियान में शीघ्र सफलता मिले ऐसी प्रार्थना है।

मंत्री कमल पटेल जाएंगे खरगोन

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कैबिनेट बैठक में खरगोन में हुए बस हादसे में जान गंवाने वाले यात्रियों के प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। कैबिनेट बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने भी मृतकों के प्रति शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कैबिनेट बैठक में बताया कि बस दुर्घटना में अब तक प्राप्त जानकारी में 22 लोगों का असामायिक निधन हुआ है।

खत्म हुआ कोरोना का कहर! वीकली केस में 57 फीसदी गिरावट, मौतें भी 30 फीसदी कम

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। देश भर में कोरोना के मामलों में तेजी से गिरावट हो रही है। कोविड-19 केस में दूसरे हफ्ते भी गिरावट जारी है। जानकारी के मुताबिक पिछले हफ्ते की तुलना में इस हफ्ते आधे से भी कम संख्या में दर्ज किए गए। भारत ने 1 से 7 मई तक 21,798 मामले दर्ज किए। वहीं पिछले हफ्ते देश में 50,769 मामले दर्ज किए गए। इस हफ्ते के मामले पिछले सप्ताह के मुकाबले 57% कम है। इसके अलावा पहले सप्ताह से मौतें 131 से घटकर 95 हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 86 जिलों में पॉजिटिविटी रेट 10% से अधिक या इसके बराबर है। इसमें से सबसे अधिक 12 जिले असम में हैं। उसके बाद केरल में 10 और उत्तराखंड में 9 जिले हैं। जानकारी के मुताबिक रविवार 7 मई को पूरे हफ्ते का पॉजिटिविटी रेट 2.24% थी। वहीं इसके एक हफ्ते पहले पॉजिटिविटी रेट 4.47% थी। पिछले हफ्ते, घोषणा की थी कोविड-19 अब पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न नहीं है।

कथा पूरी होते ही यजमान की पत्नी को लेकर फरार हुआ कथावाचक धीरेंद्र आचार्य का शिष्य, चौंकाने वाला मामला

छतरपुर, 9 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के छतरपुर से एक चौंकाने वाली घटना सामने आ रही है यहाँ एक यजमान को रामकथा करवाना बड़ा महंगा पड़ गया। हुआ यूं कि कथावाचन के लिए आए कथावाचक का शिष्य ही यजमान की पत्नी को भगाकर ले गया। पीड़ित पति ने कोतवाली थाने में इस सिलसिले में शिकायत दर्ज करवाई। इस पर पुलिस ने गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कर लिया। वही एक महीने पश्चात जब शिकायतकर्ता की पत्नी मिल गई तो पुलिस ने उसे बयान लेने थाने बुलाया। मगर महिला ने पति के साथ रहने से मना करते हुए चित्रकूट धाम के धीरेंद्र आचार्य के शिष्य नरोत्तम दास दुबे के साथ रहने की इच्छा जताई। दरअसल, मामला वर्ष 2021 से आरम्भ हुआ था। जब महिला के पति राहुल तिवारी ने गौरीशंकर मंदिर में रामकथा का आयोजन करवाया था। कथा वाचन के लिए चित्रकूट के कथावाचक धीरेंद्र आचार्य बुलाए गए थे। आचार्य अपने शिष्य नरोत्तम दास दुबे के साथ रामकथा करने आए थे। पति राहुल का आरोप है कि कथा के चलते उसकी पत्नी को नरोत्तम दास दुबे ने अपने प्रेमजाल में फंसा लिया था तथा फिर मोबाइल नंबर लेकर दोनों बातें करने लगे थे। पिछले 5 अप्रैल को नरोत्तम उसकी पत्नी को भगाकर ले गया। इस मामले में जिले के एसपी अमित सांघी का कहना है कि विवाद के कारण महिला अपने पति के साथ रहना नहीं चाहती थी, इसलिए कोई केस नहीं बनता है। फिर भी पुलिस तहकीकात कर रही है।

तमिलनाडु के 4 जिलों में एनआईए की ताबड़तोड़ छापेमारी

हिरासत में पीएफआई का रीजनल चीफ

चेन्नई, 9 मई (एजेंसियां)। नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) मंगलवार को तमिलनाडु की कुछ जगहों पर ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है। ये छापेमारी अब प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) को लेकर की जा रही है। जानकारी के मुताबिक एनआईए 4 में छापेमारी कर रही है। इनमें कोयंबटूर, मदुरै, थेनी जैसे जिले शामिल हैं। इसके अलावा , ओट्टेरी और थिरुवोट्टियूर में भी छापेमारी की जा रही है। इस बीच एनआईए ने प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के मदुरै क्षेत्रीय अध्यक्ष मोहम्मद कैसर को हिरासत में लिया गया है। एनआईए ने उन्हें तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले के पझानी से हिरासत में लिया इसी तरह की छापेमारी जम्मू-कश्मीर में भी की जा रही है। ये छापेमारी टेरर फंडिंग केस में की जा रही है। एनआईए कई जगहों पर छापेमारी कर रही है। इनमें श्रीनगर, अनंतनाग, पुंछ, राजौरी और किश्तवाड़ शामिल है। मामला फिजिकल और साइबर स्पेस दोनों में साजिश रचने और प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों द्वारा स्टीकी बम, आईईडी और छोटे हथियारों के साथ जम्मू और कश्मीर में हिंसक आतंकवादी हमलों की साजिश से जुड़ा है। इससे पहले भी एनआईए ने पीएफआईए से जुड़ी 17 जगहों पर छापेमारी की थी।

मणिपुर हिंसा से क्यों डरे हुए हैं हिंदी भाषी राज्य, होनहारों के लिए कैसे एजुकेशन हब बन गया था इंफाल

इंफाल, 9 मई (एजेंसियां)। मणिपुर में अब घाटी और पहाड़ी लोगों के बीच की तकरार इस कदर बढ़ गई है कि पूरे राज्य में करीब 23 हजार लोग विस्थापित हो चुके हैं। राज्य में अब तक करीब 60 लोगों की मौत हो चुकी है और 231 लोग इस हिंसा में जख्मी हो चुके हैं। वहीं कई राज्यों ने हिंसा की खबर सुनने के बाद आनन-फानन में अपने राज्यों के छात्रों को इंफाल और आस-पास के इलाकों से बाहर निकाला है। कई राज्य अभी भी अपने क्षेत्र के लोगों को वहां से बाहर निकालने की कोशिश में जुटे हुए हैं। सीएम एन बीरेन सिंह राज्य में लोगों से शांति बहाल करने की अपील कर रहे हैं। लेकिन मामला अभी भी पूरी तरह से शांत होने का नाम नहीं ले रहा है। जानकारी के मुताबिक 10 हजार से ज्यादा सुरक्षाकर्मियों को यहां पर तैनात किया गया है। वहीं कई जिलों में कर्फ्यू लगाया गया है। सरकार ने शांति कायम करने के लिए शूट एट साइट का ऑर्डर भी दिया है।

कई राज्य रेस्क्यू में जुटे

राज्य की इस स्थिति में एक बात सामने निकलकर आ रही है कि कई राज्यों के छात्र यहां पर अपनी पढ़ाई के लिए गए हुए थे। महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, केरल, उत्तराखंड आदि राज्य अपने प्रदेश के रहने वाले छात्रों को रेस्क्यू करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश ने तो अपने छात्रों को निकालने के लिए स्पेशल फ्लाइट्स अरेंज कराई हैं, वहीं अन्य राज्य भी इसी तरह की कोशिशों में जुटे हुए हैं। मणिपुर के पड़ोसी राज्य असम, मेघालय और त्रिपुरा अपने प्रदेश के फंसे हुए लोगों को मणिपुर से निकालने की कोशिश में जुटे हुए हैं। वहीं राज्य में नॉर्थ ईस्ट स्टूडेंट ऑर्गेनाइजेशन (एनईएसओ) भी राज्य से दूसरे राज्यों के छात्रों को बाहर निकालने में पूरी कोशिश मे जुटा हुआ है।

क्यों बन रहा है एजुकेशन हब

मणिपुर में भड़की हिंसा से एक बात तो स्पष्ट है कि पूरे भारत के कई राज्यों के छात्र मणिपुर पढ़ाई के लिए जा रहे हैं। आखिर घाटी और पहाड़ों पर बसा यह प्रदेश छात्रों के लिए पहली पसंद कैसे बन गया? पूरे भारत के कई राज्यों के छात्र अपना भविष्य संवारने के लिए मणिपुर को प्राथमिकता क्यों दे रहे हैं? दरअसल राज्य में नामी शिक्षण संस्थाओं की भरमार है और जो छात्र रैंक में थोड़े पिछड़ रहे होते हैं वह इन शिक्षण संस्थाओं को चुनकर अपनी पसंदीदा फील्ड में आसानी से करियर बना पाते हैं।

ये शिक्षण संस्थाएं हैं छात्रों की खास पसंद

सिर्फ इंफाल की बात करें तो यहां पर रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस कॉलेज स्थित है। यह मेडिकल कॉलेज एमसीआई से अप्रूव्ड है और इसकी सालाना फीस भी बहुत कम है। इसे एनआईआरएफ (नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क) की रैंकिंग में टॉप 50 में से 46वां स्थाना हासिल हुआ है। वहीं दूसरे नंबर पर यहां एनआईटी भी मौजूद है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त है। इसकी सालाना फीस थोड़ी ज्यादा है। इसे भी एनआईआरएफ ने टॉप 300 में से 108वां स्थान दिया है। यहां पर देश की गिनी चुनी एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटीज में से एक सेंट्रल एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी स्थित है। इसे भी एनआईआरएफ ने 200 में से 151वां स्थान दिया है। इन नेशनल इंस्टीट्यूट के अलावा यहां पर इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी भी है। प्रदेश के चुराचांदपुर में संगाई इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी भी है। यह यूनिवर्सिटी भी यूजीसी से मान्यता प्राप्त है। सिर्फ यही नहीं इसके अलावा इंफाल में टेक्नीकल यूनिवर्सिटी मौजूद हैं। इसके अलावा कई अन्य तकनीकि शैक्षणिक संस्थान भी यहां पर मौजूद हैं। यहां पर एडमिशन और रहना भी छात्रों के लिए सस्ता और आसान है। इस वजह से यह छोटा सा प्रदेश छात्रों की पसंद बना हुआ है।

करनाल में परिवार को बिना बताए पत्रकार को किया गिरफ्तार

करनाल, 9 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के करनाल से पत्रकार आकर्षण उप्पल को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनकी पत्नी का कहना है कि शाम को आकर्षण रोज की तरह सैर पर गए थे लेकिन वापस नहीं लौटे। ना ही उनका फोन लगा। इससे पहले सुबह कई धाराओं के तहत उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया था। मामला सोमवार का बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक दिन में आकर्षण उप्पल तहसील में रजिस्ट्री ना होने से परेशान लोगों की समस्या को कवर करने के लिए पहुंचे थे। जानकारी के मुताबिक उन्हें देखते ही तहसीलदार मैडम वॉशरूम चली गई। इसके बाद आकर्षण उप्पल भी कैमरा लेकर उनके पीछे-पीछे अंदर बने कमरे तक चले गए। इसके बाद तहसील में हंगामा हो गया। तहसीलदार कुछ टाइम बाद वॉशरूम से बाहर निकलीं। इसके बाद कई धाराओं के तहत उनके खिलाफ केस दर्ज हो गया और शाम को सीआईए की टीम परिवार को बिना बताए उन्हें ले गई। वहीं आकर्षण की गिरफ्तारी के बाद उनकी पत्नी सिविल लाइन थाना के बाहर बैठ गई और रिहाई की मांग करने लगीं। कई राजनेता, किसान नेता, आम नागरिक उनके समर्थन में पहुंचे और रिहाई की मांग की।

मानसून से पहले कूनो के खुले जंगल में छोड़े जाएंगे 5 और चीते

श्योपुर, 9 मई (एजेंसियां)। कूनो नेशनल पार्कः मध्य प्रदेश के श्योपुर में स्थित कूनो नेशनल पार्क में बारिश से पहले पांच और चीतों को खुले जंगल में विचरण करने के लिए स्वतंत्र तरीके से छोड़ दिया जाएगा। इनमें तीन फीमेल और दो मेल चीते हैं। बता दें कि पूर्व में अफ्रीका के नामीबिया से चीतों को कूनो लगाया गया था। इसमें से 4 चीतों को पहले ही खुले जंगल में छोड़ दिया गया और अब जून में मानसून की बारिश के शुरू होने से पहले ही 5 और चीतों को बाड़े से बाहर जंगल में छोड़ दिया जाएगा। बता दें कि नामीबिया से आए एक चीते की मौत हो चुकी है। नामीबिया के साथ ही दक्षिण अफ्रीका से भी 12 चीतों को कूनो नेशनल पार्क लाया गया था। इसमें 7 नर और 5 मादा चीते शामिल थे। इन सभी को 18 फरवरी को लाया गया था। तब से ये सभी अपने बाड़ों में क्वारन्टीन हैं। वहीं राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण का मानना है कि खुले में घूमने वाले चीतों को अब कूनो से बाहर जाने की भी इजाजत दी जाएगी। बाहर घूमने वाले चीतों को तभी पकड़ा जाएगा जब वो ऐसे क्षेत्रों में जाएंगे जहां उनकी जान को खतरा होगा। वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि चीतों को खुला छोड़ना बहुत जरूरी है। उनको खुले में घूमने देना कोई आश्चर्य की बात नहीं। चीते की प्रवृत्ति विचरण करने की होती है। जरूरी है वो जहां रहे उस वातावरण और वहां के संसाधनों को जान सके। ताकि वो वहां आसानी से बच सके। वहीं वो जिस क्षेत्र में बसेंगे, वह उनके एक्सप्लोर करने वाले एरिया से बहुत छोटा ही होगा। वहीं बता दें कि नामीबिया से लाई गए 8 चीतों में से एक मादा चीता साशा की इसी साल मार्च में मौत हो गई थी।

12 साल की लड़की के साथ छेड़खानी, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के नंद नगरी इलाके में 12 साल की बच्ची के साथ छेड़छाड़ करने और जान से मार देने की धमकी का मामला सामने आया है। जिसके बाद पुलिस ने इमामुद्दीन नाम के शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद पुलिस का कहना है कि जैसे ही हमें जानकारी मिली हमने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आरोपी से पूछताछ कर रही है। आरोपी इमामुद्दीन के खिलाफ दर्ज शिकायत में लिखा है कि लड़की कुछ सामान लेने के लिए पास की दुकान पर गई थी और तब इमामुद्दीन ने लड़की के साथ छेड़खानी की। इसके साथ ही घटना को लेकर किसी को बताने से इनकार कर दिया। छेड़खानी के बाद आरोपी ने बच्ची को जान से मारने की धमकी भी दी। जिसके बाद पुलिस ने शिकायत दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है। दरअसल, यह पूरा मामला दिल्ली के नंद नगरी इलाके का है, जहां 12 साल की बच्ची के साथ छेड़खानी की गई। यह घटना उस दौरान हुई जब लड़की पास की दुकान में कुछ सामान लेने गई थी। इस दौरान आरोपी को मौका मिल गया और उसने लड़की के साथ छेड़खानी करना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं छेड़खानी करने के बाद आरोपी ने लड़की से यह बात किसी से न कहने के लिए भी कहा और जान से मारने तक की धमकी दे डाली।

हरियाणा में जेजेपी ने किया बड़ा बदलाव, चुनावों से पहले इन पर किया भरोसा, बनाई खास रणनीति

चंडीगढ, 9 मई (एजेंसियां)। हरियाणा की जननायक जनता पार्टी में बदलाव का सिलसिला लगातार जारी है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी में 33 वरिष्ठ पदाधिकारियों की नियुक्ति के बाद अब 22 जिलों में जिला अध्यक्षों को बदला गया है। कई जिलों में कुछ नए चेहरों पर जजपा ने विश्वास जताया है। पार्टी की तरफ से किए गए इस बदलाव में युवाओं को ज्यादा तरजीह दी गई है। आपको बता दें कि अगले साल हरियाणा में विधानसभा चुनावों को लेकर पार्टी अपने आप को मजबूत बनाने की दिशा में कदम उठा रही है, जिसके तहत लगातार पार्टी में बदलाव किए जा रहे है। अंबाला से दलबीर पूनिया, भिवानी से जोगेंद्र बागनवाला, दादरी से नरेश द्वारका, फरीदाबाद से कृष्ण जाखड़, गुरुग्राम से श्योचंद यादव, हिसार से अमित बूरा, फतेहाबाद से रविंद्र सरपंच, महेंद्रगढ़ से डॉ। मुनीष शर्मा, झज्जर से संजय कबलाना, पंचकूला से दिलबाग नैन, जींद से कृष्ण राठी, कैथल से रणदीप कौल, नूंह से एडवोकेट जावेद खान, करनाल से गुरदेव रंभा, पलवल से देवेंद्र सौरोत, कुरुक्षेत्र से कुलदीप जाखवाला, पानीपत से सुरेंद्र धौला, रोहतक से दलबीर भराण, रेवाड़ी से विजय पंच गुर्जर, सोनीपत से राज सिंह दहिया,

श्रद्धा वालकर हत्याकांड में लिव-इन पार्टनर आफताब अमीन पूनावाला के खिलाफ हत्या का आरोप तय

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। श्रद्धा वालकर हत्याकांड के आरोपी आफताब अमीन पूनावाला के खिलाफ आज दिल्ली की साकेट कोर्ट ने आईपीसी की धारा 302 (हत्या) और 201 (अपराध के सबूत मिटाने) के तहत आरोप तय कर दिए हैं। आफताब अमीन पूनावाला पर अपनी लिव-इन पार्टनर की गला रेतकर हत्या करने और उसके शव को 35 टुकड़ों में काटने का आरोप है। टुकड़ों को उसने दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में फेंका था। साथ ही उसने ग्राइंडर से हड्डियों को पीसा था,

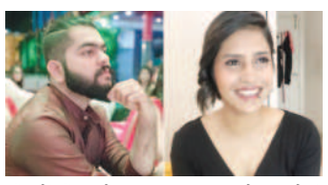

जिन्हें ठिकाने लगाया था। साकेत कोर्ट में आफताब अमीन पूनावाला पर आरोप तय होने के बाद उस पर आईपीसी की धारा 302 (हत्या) और 201 (अपराध के सबूत मिटाने) के तहत केस चलेगा। हालांकि कोर्ट के इस फैसले पर आरोपी आफताब ने कहा कि मैं मुकदमे का सामना करूंगा और कोर्ट में इसके खिलाफ केस लड़ूगा। कोर्ट ने 29 अप्रैल को अफताब पूनावाला के खिलाफ आरोप तय करने के आदेश स्थगित कर दिया था, क्योंकि संबंधित न्यायाधीश छुट्टी पर थे। अदालत ने श्रद्धा के पिता विकास वालकर की याचिका पर सुनवाई नौ मई तक के लिए स्थगित कर थी, जिसमें न्यायाधीश से अनुरोध किया गया था कि परंपरा और संस्कृति के अनुसार, उनकी बेटी के शव को अंतिम संस्कार के लिए परिवार को सौंप दिया जाए।

बड़ा रिटर्न देने के नाम पर ठगे 240 करोड़ ईडी ने केरल के फाइनेंसर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने सोमवार को केरल के एक फाइनेंसर को गिरफ्तार किया है जिसने कथित तौर पर 1,000 लोगों से उनकी जमा राशि पर ऊंची दर पर वापसी का वादा कर उनसे करीब 240 करोड़ रुपये ठगे। केचेरी एंटरप्राइजेज के मालिक वेणुगोपाल एस को एजेंसी द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत की मंजूरी मिलने के बाद हिरासत में ले लिया है। वह पहले से ही केरल पुलिस-कोल्लम जिले के पुनालुर पुलिस स्टेशन की हिरासत में था। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अदालत ने वेणुगोपाल को ईडी के चार दिन के रिमांड पर भेज दिया है। जनता से 240 करोड़ रुपये की अवैध जमा राशि के संग्रह के संबंध में मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध की जांच की जा रही है। ईडी ने आरोप लगाया कि वेणुगोपाल ने जमाकर्ताओं से एकत्र की गई राशि का भुगतान नहीं करके धोखा किया। एजेंसी ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने आम जनता से जमा स्वीकार करते हुए हर साल 15-18 प्रतिशत से उच्च रिटर्न का आश्वासन दिया और उन्हें कहा कि केचेरी एंटरप्राइजेज को आरबीआई की मान्यता प्राप्त है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 10 मई- 2023

जातिवाद की राजनीति को ध्वस्त करती सरकारी योजनाएं

माना जाता है कि सम्पूर्ण भारत में लगभग 12 हजार से अधिक जातियों के लोग निवास करते है। भारत के संविधान में सभी जातियों को बराबर का अधिकार तो दिया जाता रहा परन्तु वोट की राजनीति ने मतदान के मौसम में समाज को जबरदस्त तरीके से जातियों में विभक्त कर दिया है। जाति आधारित राजनीति करने के लिए विशेष राजनीतिक दलों का गठन किया गया तथा विभिन्न जातियों का राजनीतिक लाभ लेने हेतु गठबंधन की राजनीति शुरु हो गयी तथा वर्तमान में भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में भी विशेष धर्म को लेकर भी तुष्टिकरण की राजनीति शुरु हो गई क्योंकि धर्म विशेष के लोग एकुजट होकर मतदान करते है जिससे विशेष दलों को चुना जाता रहा है। इसलिए राजनीतिक दल बहुसंख्यकों के हितों की उपेक्षा करते रहे है। भारत में गत दशक से नित्य प्रति कहीं न कहीं किसी क्षेत्र में आम चुनाव होते ही रहते है जिसमें चुनावी लाभ लेने के लिए अब राजनीतिक दल जातिगत आधारित जनगणना करवाने के लिए सरकारों को विवश करते रहते है। जातिगत व धर्म आधारित आरक्षण को मजबूत करते हुए योग्यता व निम्न आर्थिक स्थिति को दर किनारे करते हुए प्रशासन चलाने की कोशिश की जाती है, जिससे जहां प्रतिभाओं अर्थात योग्यता से सम्पन्न युवा विदेशों को पलायन कर गये तथा अपेक्षाकृत द्वितीय श्रेणी के योग्य युवा भारत में ही रह जाते है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, जापान आदि देशों के विकसित होने का मूल कारण भारतवंशी युवा वर्ग ही है जिन्होने इन देशों के प्रत्येक आर्थिक क्षेत्र में अपनी गहरी पैठ बनायी हुई है। जतिवादी राजनीति से लड़ने के लिए प्रलोभन व मुफ्तखोरी की राजनीति का सहारा लिया जा रहा है। जबसे दिल्ली में आम पार्टी ने मुफ्त बिजली व पानी देने की राजनीति शुरु की तो सारे जातिवादी राजनीतिक दल देखते रह गये तथा साम्प्रदायिक राजनीति भी धराशायी हो गई। अब प्रत्येक दल चुनावी घोषणा पत्रों में विकास की बात न करके सीधे सीधे मुफ्त में वस्तुऐं व सुविधाएँ प्रदान करने की बात करते है। छोटे बड़े राजनीतिक दल अपने जाति आधारित वोट बैंक को मुफ्त में सुविधाएँ देकर अपने हितों को साधने की कोशिश करते देखे जा सकते है। स्वतंत्रता के बाद से नित्य प्रति राजनीतिक दलों की संख्या बढ़ती जा रही है जो जाति विशेष की राजनीति करते है। सरकारी नौकरियों व अन्य सुविधाओं में जातिगत आरक्षण भी अब राजनीतिक दलों का प्रमुख राजनीतिक अस्त्र बन गया है। गत कुछ ही वर्षों में जाति, सम्प्रदाय तथा क्षेत्र विशेष को केन्द्र में रख कर राजनीति करने वाले राजनीतिक दलों की संख्या में बहुत बृद्धि हुई है। क्षेत्र में 3-5 प्रतिशत जाति विशेष के लोग भी राजनीतिक दलों का निर्माण करके राष्ट्रीय राजनीतिक दलों से वोटों की सौदेबाजी करते है जिससे सत्ता में किसी न किसी प्रकार से साझेदारी स्थापित हो जाये तथा राजनीति में उनके प्रतिनिधि दिखाई देने लगें तथा नारा लगाते है कि जिसकी जितनी हिस्सेदारी उसकी उतनी भागीदारी परन्तु ऐसे राजनीतिक दल राजनीति में थोडी सी महत्वतता प्राप्त करने के उपरान्त ही स्वयं के परिवार तथा जाति विशेष के लोगों तक ही लाभ देने की लालसा करते देखे गये है। कितनी ही पीढियों तक अयोग्य लोग पार्टी का नेतृत्व परिवार के आधार पर करते रहते है। लोकतंत्र व भारतीय संविधान की घोर उपेक्षा करते हुए परिवारवादी सामंतशाही चलाये रखते है। देश के प्रमुख धर्म सनातन व इस्लाम दोनों ही अनेकों जातियों में विभामिजत है। हिन्दू समाज दलित, पिछड़ा, सवर्ण में बंट गया है। मुस्लिम समाज अजलाफ, अशरफ, अरजाल आदि में बंटा हुआ देख सकते है। मुस्लिम समाज के पसमांदा, शिया, सुन्नी इत्यादि में लामबंद होते रहते हैं जिससे मुस्लिम समाज में भी जाति व्यवस्था देखी जा सकती है। हिन्दू धर्म से दूसरे धर्म में परिवर्तित होने वाले लोग भी वहां पंहुच कर दलित के दलित ही रह जाते है। मतदाता को मतदान करते समय प्रत्याशी को जाति व सम्प्रदाय में नही तौलना चाहिए तथा देश हित में कार्य करने में सक्षम प्रत्याशी को ही मतदान करना चाहिए। प्रत्येक राजनीतिक दल मतदाताओं को उनकी जाति व धर्म के आधार पर मतदान करने का प्रलोभन देते रहते है। इसलिए आम जनता राजनीति दल के वोट बैंक बन जाते है तथा राजनीतिक दलों के राजनेता अपने वोट बैंक के मतदाताओं की सौदे बाजी राष्ट्रीय राजनीतिक दलों से करते रहते है। गत मात्र एक दशक से ही मतदाताओं की प्रवृति थोड़ी बहुत परिवर्तित होती जा रही है। अब लोग अपना वोट इस आधार पर भी देने लगे है कि गत सरकार के द्वारा किये गये वायदों को निभाने में कहाँ तक सफल रही है तथा लोगों की समस्याओं को किस हद तक निपटा सकी है । भारतीय जनता पार्टी ने अपनी कुछ सरकारी योजनाओं जिनका उसने अपने चुनावी घोषणा पत्रों में ज्यादा जिक्र नहीं किया जैसे आवास, रसोई गैस, राशन, बिजली को जहां सर्व समाज के हित में लोगों तक पंहुचाया, वहीं आम जनता को इसका अहसास भी हुआ तथा शीर्ष स्तर पर भ्रष्टाचार को प्रतिबन्धित करने में सरकार सफल भी हो पायी। आम आदमी पार्टी को दो चुनावों में दिल्ली में मुफ्त बिजली व पानी देने पर विजय हासिल हुई। सरकारी योजनाओं का लाभ लेने वाले लाभार्थी अब जाति धर्म से परे जाकर राजनीतिक दल को मतदान करते है। जनकल्याण के लिए केन्द्र व राज्य जो योजनाऐं चला रही है और वे जनता में निम्न स्तर तक दृष्टिगोचर होती है तो जातिगत राजनीति का भ्रमजाल तोड़ा जा सकता है। अब लाभार्थी वोट बैंक के रुप में काम करने लगे है। समझदार लोग विकास का मतलब समझने लगे है तथा वे विकास का दृष्टिकोण रखने वाले राजनीतिक दलों को जाति सम्प्रदाय से ऊपर उठ कर मतदान करने लगे है। इस से पहले लोग विकास का अर्थ ही नहीं समझ पाते थे। अब लोग एक्सप्रेस वे, मैट्रो रेल, स्पीड़ रेल, पुल, हवाई अडडे, अस्पताल, स्कूल, विश्वविद्यालय, मेडिकल कालेज अदि की स्थापना का मतलब समझ चुके है जिससे विकास चाहने वालों का भी वोट बैक बन चुका है। परन्तु अभी लाभार्थी की तुलना में विकासार्थी बहुत कम है। इसी प्रकार कानून एवम् व्यवस्था को सूधारने वाले राजनीतिक दल का भी वोट बैंक बन चुका है क्योंकि देश व प्रदेशों में व्यापार, उद्योग जिसमें बड़ी समख्या में लोगों को रोजगार दे सकने का सामथ्र्य है तभी पनप सकते है जबकि प्रदेश में कानून व्यवस्था व शांति व्यवस्था स्थापित की जा सके। गुंडा राज व जंगल राज जैसे शब्द लुप्त होते जा रहे है। सुशासन से वोट बैंक का निर्माण किया जाय तो जाति आाधारित राजनीति करने वाले वंशवादी राजनीतिक दल स्वंय ही लुप्त होने की कगार पर पंहुच जायेंगे । सरकारों में सभी जाति समूहों को योग्यता के आधार पर प्रतिनिधित्व देकर जातिवादी राजनीति को समाप्त किया जा सकता है। अब जो राजनीतिक दल स्वंय को कानून व्यवस्था स्थापित करने, बड़ी मात्रा में विकास करने, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने, शिक्षा व चिकित्सा व्यवस्था में सुधार करने, जनसंख्या में होती बृद्धि को रोकने तथा युवाओं को रोजगार देने की योजनाऐं बनायेगा, वहीं जातिवादी राजनीति के दल दल से देश के लोकतंत्र को निकाल पायेगा। अब लोगों के नामों में जाति प्रदर्शित करने वाले शब्द हटाने के लिए भी एक आंदोलन चलाया जाना चाहिए।

जो भी जाति किसी भी व्यक्ति की हो वह उसके द्वारा भरे जाने वाले सरकार के फार्म तक ही सीमित होनी चाहिए ना कि जाति को कहीं भी किसी भी रुप में प्रदर्शित किया जाना चाहिए। इसी प्रकार जाति आधारित सार्वजनिक संगठनों को भी प्रतिबंधित करने का कानून बना कर किया जाना चाहिए। अब सभी जातिवादी राजनीतिक दलों को यह समझ लेना चाहिए कि स्वतंत्रता के 75 वर्ष में भारत जो तेजी से विकास नहीं कर सका है, उसके पीछे उनकी वोट बैंक की राजनीति ही रही है। अब समय आ गया है जब सभी लोगों को यह निर्णय लेना पड़ेगा कि उनको किसी भी राजनीतिक दल का जाति के आधार पर वोट बैंक नहीं बनना है। देश व राष्ट्रहित सर्वोपरि है. उससे ही लोगों का जीवन स्तर उच्च स्तर पर पंहुच सकेगा और विश्व में हम भारतीयों को मान सम्मान प्राप्त हो सकेगा।

-ड़ा. सूर्य प्रकाश अग्रवाल

राजस्थान कांग्रेस में घमासान

तो आज बारी थी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट की। उन्होंने रविवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के एक-एक आरोपों का खुलकर जवाब दिया। गहलोत पर पलटवार करते हुए उन्होंने सभी आरोपों को झूठा और बेबुनियाद बताया। पायलट ने तो यहां तक कह दिया कि अशोक गहलोत की नेता सोनिया गांधी न होकर वसुंधरा राजे हैं। अब यह लड़ाई इस स्तर तक पहुंच चुकी है कि यहां से पीछे लौटना सचिन पायलट के लिए मुश्किल होगा। गहलोत का नाम न लेते हुए सचिन ने कहा कि कुछ लोग चाहते हैं कि राजस्थान में कांग्रेस कमजोर हो। मैं कांग्रेस को बचाने के लिए पांच दिन के लिए अजमेर से जयपुर तक पदयात्रा कर लोगों को मुद्दे उठाऊंगा। सचिन के पलटवार से कांग्रेस खेमे में खलबली मच गई है। आज दस मई को कर्नाटक में विधानसभा चुनाव है, ऐसे में वहां के मतदाताओं के बीच क्या संदेश जाएगा इसे लेकर भी कांग्रेस की बेचैनी समझी जा सकती है। बता दें कि इसके पहले रविवार को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दावा किया था कि 2020 में जब उनकी सरकार को गिराने की साजिश रची गई थी, तब पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता वसुंधरा राजे सिंधिया ने उनका साथ दिया था। उनकी मदद की वजह से ही वह साजिश नाकाम हो सकी थी। गहलोत ने आरोप लगाया था कि उस समय सरकार गिराने के लिए कांग्रेस विधायकों के बीच पैसे भी बांटे गए थे। चूंकि बगावत के प्रयास के बाद भी सरकार नहीं गिराई जा सकी, इसलिए उन्होंने अपने विधायकों से कहा कि वे पैसे वापस कर दें। उन्होंने यह भी तंज कसा था कि 'जिन्होंने पैसे दिए थे, पता नहीं क्यों वे वापस ले ही नहीं रहे।' इस पूरे मामले पर देखा जाए तो कई गंभीर सवाल उठने लग थे। अव्वल तो गहलोत ने जो बात नहीं कही, वह यह कि सरकार गिराने की उस कथित साजिश में प्रत्यक्ष भूमिका सचिन पायलट की थी, जो उनकी अपनी पार्टी के हैं। दूसरी बात यह कि अगर खुद गहलोत के कहे मुताबिक उनकी अपनी पार्टी के विधायकों ने पैसे स्वीकार किए तो बतौर मुख्यमंत्री उनका दायित्व है कि उन विधायकों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज क्यों नहीं कराए थे। देखा जाए तो कानूनन रिश्वत देना और लेना दोनों अपराध है। बीजेपी ने भी इस मुद्दे को लपकते हुए ऐसी मांग कर भी दी। लेकिन इन कानूनी पहलुओं से अलग शुद्ध राजनीतिक नजरिए से देखा जाए तो संसदीय लोकतंत्र में विभिन्न पार्टियों के बीच की रस्साकशी कई बार किस तरह के नाटकीय दृश्य उपस्थित कर देती है, उसका यह सबसे दिलचस्प उदाहरण है। हालांकि राजनीतिक हल्के की अंतिम सच्चाई कभी सामने नहीं आती। इस मामले में भी किसकी बातों में कितनी सचाई है यह पता करना करीब-करीब नामुमकिन है। वसुंधरा राजे ने तुरंत कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए सीएम गहलोत की बातों को सफेद झूठ करार दिया। लेकिन यह तो सच है कि जब सचिन पायलट अपने करीबी विधायकों के साथ हरियाणा जाकर बैठ गए थे और कांग्रेस विधायकों में अफरातफरी का माहौल बनने लगा था, बगावती विधायकों की संख्या जब पूरी नहीं हो सकी तभी कांग्रेस के कुछ बगावती विधायक गहलोत के समर्थन में आने लगे और यह स्पष्ट हो गया कि पायलट गहलोत की सरकार गिराने की स्थिति में नहीं रह गए हैं। उस समय भी मीडिया में ये खबरें बहुचर्चित थीं कि परदे के पीछे गहलोत को वसुंधरा राजे का समर्थन मिल चुका है। उसके बाद यह धारणा बनी कि कांग्रेसी विधायकों का सचिन धड़ा यदि समर्थन वापस ले ले तो भी गहलोत की सरकार को गिराना नामुमकिन है। वजह साफ थी कि दूसरी तरफ से उसकी भरपाई हो सकती है। स्वाभाविक ही उसके बाद कांग्रेस विधायकों में बगावत का जोश ठंडा पड़ गया था। देखा जाए तो राजनीति में ऐसे दांव-पेंच नए नहीं हैं। लेकिन दिलचस्प है कि एक समय जिनकी मदद से सरकार बची, दूसरे समय उन्हीं को एक्सपोज करने में सीएम गहलोत ने तनिक भी राजनीतिक मर्यादा का ध्यान नहीं रखा और जिन लोगों ने कथित तौर पर मदद की, वे धन्यवाद स्वीकार करने तक में न केवल घबरा रहे हैं बल्कि सराहना का जवाब आक्रामक आरोपों से दे रहे हैं। सचमुच राजनीति के खेल ही निराले हैं, यहां कब क्या हो जाए कहा नहीं जा सकता।

क्या कर्नाटक में 'केरला स्टोरी' की अफ़वाह हारेगी नहीं ?

श्रवण गर्ग

कर्नाटक के परिणामों की नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी के अलावा जो एक तीसरा व्यक्ति सबसे ज़्यादा प्रतीक्षा कर रहा होगा उसका नाम सुधीर मिश्रा हो सकता है ! इस व्यक्ति को अपनी फ़िल्म 'अफ़वाह' की सफलता/असफलत से ज़्यादा चिंता शायद इस बात की होगी कि कर्नाटक के मतदाता अफ़वाहों को परास्त करेंगे कि 'द केरला स्टोरी' के कथित झूठ को भी नतीजों में तब्दील कर देंगे ? 'अफ़वाह' सुधीर मिश्रा की नई राजनीतिक फ़िल्म का नाम है। दोनों ही फ़िल्मों के कथानकों में भाजपा और कांग्रेस के चुनावी पात्रों के चेहरे और प्रचार के क्लायमेक्स तलाशे जा सकते हैं ! ' द केरला स्टोरी' का प्रधानमंत्री द्वारा अपनी चुनावी सभा में किए गए उल्लेख और भाजपा-शासित राज्यों द्वारा उसे दी गई मनोरंजन कर की छूट में हम आने वाले दिनों की पद्चाप सुन सकते हैं ! कांग्रेस-शासित राज्य चूँकि आपसी झगड़ों में ही व्यस्त हैं इसलिए न तो 'द केरल स्टोरी ' पर प्रतिबंध लगाने और न ही 'अफ़वाह' को करों से छूट देने के सवाल पर कोई फ़ैसला नहीं ले पा रहे होंगे ! यह भी मुमकिन है कि वे ऐसा करने से ख़ौफ़ खा रहे हों ! (गौर किया जा सकता है कि 'द केरला स्टोरी' को ग़ैर-कांग्रेसी राज्य पश्चिम बंगाल में प्रतिबंधित कर दिया गया है और तमिलनाडु में थिएटरों से उतार लिया गया है ।) मामला सिर्फ़ दो फ़िल्मों की सफलता-असफलता का नहीं है ! कर्नाटक चुनावों के ज़रिए स्थापित यह होने वाला है कि भाजपा-शासित राज्यों में आगे कौन सी विचारधारा चलने दी जाएगी । वही विचारधारा फिर आगे फ़िल्में ,थिएटर और दर्शकों की भीड़ भी तय करेगी ! नरेंद्र मोदी की किसी जीवनी में इस बात का विस्तार से उल्लेख होना अभी बाक़ी है कि पूर्ववर्ती प्रधानमंत्रियों (यथा पंडित जवाहर लाल नेहरू और अटल बिहारी वाजपेयी,आदि) की तरह उनकी भी फ़िल्मों और कला-संस्कृति से जुड़े विषयों में रुचि कितनी गहरी है ! इतनी जानकारी तो सार्वजनिक है कि साल 2014 में गुजरात से दिल्ली आने के बाद उन्होंने दो फ़िल्मों पर उनका नाम लेकर टिप्पणियाँ कीं हैं । प्रधानमंत्री ने पहली टिप्पणी विवादास्पद फ़िल्म 'द कश्मीर फ़ाइल्स' को लेकर की थी। फ़िल्म के पिछले साल मार्च में रिलीज़ होने के चार-पाँच दिन बाद हुई भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक में मोदी ने फ़िल्म पर और कई बातों की चर्चा के साथ-साथ यह भी पूछा था :' भारत विभाजन की वास्तविकता पर क्या कभी कोई फ़िल्म बनी ? अब इसलिए आपने देखा होगा कि इन दिनों जो नई फ़िल्म 'द कश्मीर फ़ाइल्स' आई है उसकी चर्चा चल रही है। जो लोग फ्रीडम ऑफ़ एक्सप्रेशन के झंडे बुलंद किए रहते हैं वह पूरी जमात बौखलाई हुई है ! बीते पाँच-छह दिनों से इस फ़िल्म की तथ्यों और बाक़ी चीजों के आधार पर विवेचना करने के बजाए उसके ख़िलाफ़ मुहिम चलाए हुए हैं।' 'द कश्मीर फ़ाइल्स' के बाद पीएम ने दूसरी महत्वपूर्ण टिप्पणी पिछले दिनों अपने चुनाव प्रचार के दौरान बल्लारी में 'द केरला स्टोरी' को लेकर की। पीएम ने कुछ यूँ कहा : 'फ़िल्म आतंकी साज़िश पर आधारित है। यह आतंकवाद की बदसूरत सच्चाई को दिखाती है और आतंकवादियों के डिज़ाइन को उजागर करती है। कांग्रेस आतंकवाद पर बनी इस फ़िल्म का विरोध कर रही है और आतंकी प्रवृत्तियों के साथ खड़ी है । कांग्रेस ने वोट बैंक के लिए आतंकवाद का बचाव किया है ।' 'द केरला स्टोरी' आख़िर है क्या ? फ़िल्म के यूट्यूब ट्रेलर में कथित तौर पर दावा किया गया था कि बत्तीस हज़ार हिन्दू-ईसाई महिलाओं को केरल से ग़ायब कर उनका जबरिया या अन्य उपायों से धर्म-परिवर्तन करने के बाद उन्हें इस्लामिक स्टेट ऑफ़ इराक़ एंड सीरिया (ISIS) में भर्ती करवा दिया गया। ट्रेलर के आँकड़ों को जब चुनौती दी गई तो फ़िल्म में केरल से ग़ायब हुई महिलाओं की संख्या को बत्तीस हज़ार से घटाकर सिर्फ़ तीन पर ला दिया गया ,पर तब तक काफ़ी देर हो चुकी थी ! केरल की सीमा से लगे कर्नाटक में ट्रेलर का ही भरपूर चुनावी इस्तेमाल कर लिया गया था।

याद किया जा सकता है कि पिछले साल गोवा में संपन्न हुए अंतर्राष्ट्रीय फ़िल्म समारोह के समापन अवसर पर जब चेयरपर्सन इसराइल के नादव लिपिड ने 'द कश्मीर फ़ाइल्स' को एक प्रोपेगंडा फ़िल्म करार देकर सनसनी पैदा कर दी थी तब सुदीप्तो सेन ('द केरला स्टोरी' के निदेशक) पहले ऐसे जूरी सदस्य थे जिन्होंने (नादव की) उक्त टिप्पणी से अपने आपको अलग कर लिया था।'द केरला स्टोरी' को फ़िल्म 'अफ़वाह' से साथ जोड़कर देखना-समझना इसलिए ज़रूरी है कि सुधीर मिश्रा ने बहुत ही साहसपूर्ण तरीक़े से लव जेहाद के झूठ के राजनीतिक शोषण का पर्दाफ़ाश किया है। पाँच मई को ही रिलीज़ हुई इस फ़िल्म में बताया गया है कि एक राजनीतिक दल का नेता पहले तो कैसे अपनी ही रैली पर हमला करवाता है और बाद में सोशल मीडिया (ट्वीटर) पर षड्यंत्रपूर्वक फैलाई गई 'अफ़वाह' के ज़रिए लव जेहाद की झूठी घटना को विध्वंसक सांप्रदायिक संघर्ष में तब्दील कर देता है। इसे संयोग नहीं माना जा सकता कि दोनों ही फ़िल्में एक ही दिन रिलीज़ हुईं पर भाजपा ने अपने चुनावी इस्तेमाल के लिए केवल 'द केरला स्टोरी' को चुना और पीएम ने भी उसके ही बारे में टिप्पणी की। फ़िल्म के रिलीज़ होने के बाद केवल तीन दिन की बॉक्स ऑफिस पर हुई पैंतीस करोड़ की कमाई से उसकी सफलता भी आंकी जा सकती है।

इसके विपरीत , 'अफ़वाह' की कमाई एक करोड़ से कम की रही। (सिनेमाघर की खिड़की पर 'अफ़वाह' के टिकिट ख़रीदते समय जब मैंने किसी सुविधाजनक सीट का अनुरोध किया तो जवाब मिला -'कहीं भी बैठ जाइए, पूरा थिएटर ख़ाली पड़ा है !' फ़िल्म रिलीज़ होने के तीसरे दिन पूरे हॉल में कुल जमा सात दर्शक थे।) सुधीर मिश्रा इस बात पर दुख प्रकट कर सकते हैं कि तमाम तथाकथित सुधारवादी, उदारवादी और धर्मनिरपेक्ष बुद्धिजीवी सोशल मीडिया पर तो सांप्रदायिक ताक़तों के ख़िलाफ़ चौबीसों घंटे जुगाली करते रहते हैं पर जब कोई निदेशक जोखिम मोल लेकर 'अफ़वाह' जैसी फ़िल्म बनाता है तो थिएटरों तक चलने में उनके घुटने टूट जाते हैं। यह भी हो सकता हो कि डर लगता हो ! आश्चर्य नहीं व्यक्त किया जाना चाहिए अगर 'अफ़वाहों' के दम पर 'द केरला स्टोरी' 'द कर्नाटक स्टोरी' बनकर चुनावी बॉक्स ऑफिस पर भाजपा को जिता दे !

http://shravangarg1717.blogspot.com

जनता की नजर में बदल रहे हैं न्याय के मानक और नतीजे?

इसमें कोई संदेह नहीं है कि सम्पूर्ण भारत देश की जनता कानून और उससे सम्बन्धित नियमों, उप नियमों के परिपालन में अन्य देशों की अपेक्षा अधिक रूचि लेती है। अगर हम अन्य देशों की अपेक्षा भारत में शान्ति व्यवस्था की तुलना करें तो कुछ अपवादों को छोडकर अन्य अधिकाँश देशों की तुलना में भारत की जनता अपेक्षाकृत शांत और संयत है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि भारत के बहुसंख्यक मूल निवासियों को घुट्टी के साथ ही 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और आपसी भाईचारे का मन्त्र दिया जाता है। परिणाम स्वरूप भारत का बहुसंख्यक समाज अपवादों को छोडकर शान्ति, परस्पर हित समन्वय और समाज के अन्य वर्गों के प्रति वैमनस्य नहीं सौमनस्य भाव रखता है किन्तु जैसा कि हर समाज में पाया जाता है, देश का अपराधी वर्ग, उसके पक्ष को न्यायालय में रखने वाले तन्त्र का एक हिस्सा और वोटबैंक की राजनीति से प्रेरित राजनीतिबाजों का एक वर्ग सामाजिक शान्ति व्यवस्था और सामाजिक नियमों के परिपालन में विश्वास नहीं रखता है और उन्हें तोड़ने में उसे पुलिस और न्याय व्यवस्था की सशक्त प्रणाली होते हुए भी उसकी कमजोरियों को जानने के कारण व्यवस्था भंग करने के प्रयास करता है।

पुलिस और न्याय व्यवस्था के बीच समाज में एक वर्ग ऐसा भी जिसे नियमों के अधीन किसी निरपराध व्यक्ति को सजा होने से बचाने की जिम्मेदारी दी गयी है, इसे नियमों की विशेष जानकारी देने की विशेष व्यवस्था की जाती है ताकि यह निर्दोष व्यक्तियों का पक्ष माननीय न्यायतंत्र और कमजोर व्यक्ति की सुरक्षा के लिए पुलिसतन्त्र के समक्ष उसका पक्ष रख सके। किन्तु जैसा कि माना जाता है कि कोई भी व्यवस्था और तन्त्र दोषरहित नहीं होता। इन तीनों व्यवस्थाओं में भी कुछ अपवाद पाए जाते हैं और वे इन व्यवस्थाओं की कमियों और छिद्रों का अपने अपने निहित स्वार्थों की प्रतिपूर्ति में निर्विघ्न प्रयोग करते हैं। जिससे आम जनता, जिसके सामने पूरी असलियत होती है, इन व्यवस्थाओं की खामियों का लाभ लेकर जब कोई दोषी व्यक्ति निरपराध सिद्ध हो जाता है तो उसमें आंतरिकआक्रोश पैदा होता है और वह दोषी को तत्काल दंड की कामना के चलते कुछ अन्य उपायों का समर्थन करने लगता है। वर्तमान में देश के कुछ राज्यों में यही असंतोष व्यापक रूप ले चुका है और जनता शान्ति व्यवस्था के रखवालों से यह अपेक्षा करने लगी है कि वे लीक से हट कर अन्य उपायों से शान्ति व्यवस्था की रखवाली करें। उदाहरण के रूप में पिछले महीने उप्र में हुए अतीक अहमद और उसके साथियों के एनकाउंटर और हत्याओं को लिया जा सकता है। इतना बड़ा काण्ड हो जाने के बाद भी पूरे देश में इने-गिने लोगों द्वारा किये गये विरोध को अगर छोड़दें तो पूरे देश में कहीं भी इतनी बड़ी घटना का व्यापक तो छोडिये सामान्य विरोध तकन होना और इसके बजाय काण्ड की प्रशंसा होना यह सिद्ध करता है कि जनता की नजर में न्याय के मानक बदल रहे हैं। विगत दिनों एक एडवोकेट विशाल तिवारी ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर करके याचना की है कि अतीक और अशरफ की ही नहीं, 2017 से अब तक हुए एनकाउंटरों में 183 अपराधियों के मरने की भी सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज से जांच करायी जाय। विशाल तिवारी का कहना है सजा देने का अधिकार पुलिस के पास होना लोकतंत्र के लिए खतरा है और ये अधिकार केवल न्यायपालिका के पास होना चाहिए। विद्वान वकील विशाल तिवारी की बात ठीक है कि सजा देने का अधिकार न्यायपालिका का है लेकिन जब माफिया, लोगों पर अत्याचार करके हत्याएं, लूट औरजमीनें हड़प कर अपना अपना साम्राज्य स्थापित कर लेते हैं और राजनैतिक हस्तक्षेप के चलते पुलिस उनके खिलाफ कुछ करने में पंगु हो जाती है, जज कुर्सी छोड़ कर भाग जाते हैं, तब किस कानून और न्यायपालिका पर भरोसा किया जा सकता है। अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी, शहाबुद्दीन, दाऊद, विकास दुबे जैसे लोग जिनकी वजह से आम जनता का जीना दूभर था क्या उन्हें उनके अंजाम तक कानून पहुंचा रहा था।

विशाल तिवारी के कुछ वकील साथी ही उनके मुक़दमे 20-30 साल तक लटका कर अपराध बढ़ाने में मददगार होते रहे हैं। अतीक अहमद और अशरफ की हत्या के तुरंत बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने घटना का संज्ञान लेते हुए इसकी न्यायिक जांच कराने के आदेश दे दिए थे क्योंकि वे जानते थे कि कोई न कोई व्यक्ति सुप्रीम कोर्ट जाएगा और ऐसी ही जांच की मांग करेगा। घटना के दूसरे दिन ही योगी ने 3 सदस्यीय आयोग जिसकी अध्यक्षता इलाहाबाद हाई कोर्ट के पूर्व न्यायमूर्ति अरविन्द कुमार त्रिपाठी करेंगेका गठन भी कर दिया और पूर्व पुलिस महानिदेशक सुवेश कुमार सिंह एवं पूर्व न्यायाधीश ब्रजेश कुमार सोनी अन्य दो सदस्य होंगे।

-राज सक्सेना

उड़ते ताबूत आखिर कब तक ?

सुनील कुमार महला

हाल ही में राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले की पीलीबंगा तहसील के बहलोलनगर गांव में भारतीय वायुसेना का मिग-21 फाइटर जेट विमान क्रैश होकर एक घर पर गिर गया जिससे हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो गई, जबकि तीन महिलाएं घायल हो गई।हालांकि फाइटर जेट के पायलट और को-पायलट इस हादसे में सुरक्षित बच गए। मीडिया के हवाले से खबरें मिली हैं कि हादसे के दौरान पायलट और को-पायलट ने पैराशूट के जरिए कूदकर अपनी जान बचा ली, लेकिन मकान पर विमान गिरने से आसपास के लोग इसकी चपेट में आ गए। मिग-21 के क्रैश होने का यह पहला मामला नहीं है, अनेकों बार मिग-21 के क्रैश होने की घटनाएं हमारे यहाँ हो चुकी हैं और यही कारण भी है कि इनको अब 'उड़ते हुए ताबूत' तक की संज्ञा दे दी गई है। दरअसल इस लड़ाकू जहाज की लैंडिंग स्पीड ही 300 किलोमीटर प्रतिघंटा होती है। तो आसमान में इसकी रफ्तार का अंदाजा हम आसानी से लगा सकते हैं कि इतनी स्पीड कितनी होती होगी। इतनी अधिक स्पीड वाले फाइटर को उड़ाना कभी भी आसान काम नहीं होता है और इसे उड़ाने के लिए बहुत ही धैर्य, उच्च प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। यहाँ जानकारी देना चाहूंगा कि वर्ष 2021 में पांच मिग-21 विमान हादसे हुए थे। इससे पहले 2013 में दो, 2014 में तीन, 2015 में दो, 2016 में तीन, 2018 में दो, 2019 में तीन और 2022 में राजस्थान के बाड़मेर में मिग-21 क्रैश हुआ था। राजस्थान में हुए इस हादसे में तो दोनों पायलटों की मौत हो गई थी। पूर्व रक्षामंत्री एके एंटनी ने 2012 में MIG-21 से जुड़े विमान हादसों को लेकर एक बयान जारी किया था। उन्होंने बताया था कि वायु सेना में शामिल होने के बाद से लेकर साल 2012 तक 482 मिग-21 विमान हादसे के शिकार हो चुके थे। इन हादसों में 171 पायलट, 39 आम नागरिक और आठ अन्य की मौत हुई थी। आखिर मिग-21 है क्या ? और इनके क्रैश होने के पीछे कारण क्या है ? यदि हम यहाँ इसकी बात करें तो हमें जानकारी मिलती है कि मिग-21 एक सुपरसोनिक फाइटर प्लेन है और इसे रूस द्वारा तैयार किया गया है। दरअसल, इसका निर्माण सोवियत संघ(अब रूस) के मिकोयान-गुरेविच डिज़ाइन ब्यूरो ने किया है। इसे ₹बलालैकार₹ के नाम से बुलाया जाता था क्योंकि यह रुसी संगीत वाद्य ऑलोवेक (यानी कि पेन्सिल) की तरह दीखता था। वास्तव में, इसमें इस्तेमाल की गई तकनीक व इसका इंजन काफी पुराना है। ये सिंगल या यूं कहें कि एक ही इंजन वाला फाइटर प्लेन होता है, जिसमें थोड़ी सी गड़बड़ी पर ही आग लगने की संभावना बन जाती है।

जांच में यह बात सामने आई है कि इसकी खिड़कियों की डिजाइन में भी कुछ गड़बड़ी पाई गई है, जिसकी वजह क्रैश जैसे हादसे जन्म लेते हैं। जानकारी मिलती है कि इसे 2025 में रिटायर किया जाएगा। जानकारी देना चाहूंगा कि इसने अपनी पहली उड़ान साल 1955 में भरी थी और भारतीय वायु सेना में साल 1963 में शामिल किया गया था। वैसे 1963 के समय में मिग-21 बहुत ही उन्नत किस्म के विमानों में से एक माना जाता था। और शायद यही कारण था कि भारत ने कुल 874 मिग-21 विमानों को अपने बेड़े में शामिल किया।

कभी ये भी खाएं

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

डाइट एक्सपर्ट डॉक्टर फेंकूचंद कहते हैं कि विटामिन बाहरी हमलों से हड्डियों को मजबूत बनाने, शरीर को जुमला बाते सहने की एनर्जी देने और कई असहनीय बीमारियों से बचाने का काम करते हैं, लेकिन कन्फूजन यहां हो जाती है कि किन विटामिन का सेवन सेहत के लिए जरूरी है। अगर आपके मन में भी यही सवाल उठ रहा है तो परेशान न हों, हम आपको कुछ ऐसे जरूरी विटामिन के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए। नीचे जानिए उनके बारे में- इन विटामिन को डाइट में शामिल करने से मिलेंगे शानदार फायदे -1.विटामिन सी यानी चाटुकारिता विटामिनः यह महत्वपूर्ण विटामिनों में से एक है, जो न केवल महंगाई के जमाने में सहने की इम्यूनिटी को बढ़ाने, बल्कि चमड़ी को गेंडे की माफिक एकदम मोटा बनाए रखने में मदद कर सकता है। विटामिन चाटुकारिता की कमी को दूर करने के लिए व्हाट्सप समूहों, ट्विटर, सोशल मीडिया पर जाकर खट्टी-खटट्टी बातें, कांटेदार फल, नागपुर के विशेष संतरों का लाभ उठाएँ। आपकी चाटुकारिता न सहने वाले को टमाटर से मारने के लिए विटामिन सी की प्रचुर उपलब्धता वाले सड़े-गले टमाटरों की पूरी व्यवस्था कर लें। 2. विटामिन के (कोई कुछ भी बोले) - हेल्थ एक्सपर्ट्स कहते हैं कि विटामिन के- कोई कुछ भी बोले की कमी से शरीर में कमजोरी महसूस होती है। दूसरे हम पर हावी होने लगते हैं। इसलिए आलाकमान का टीवी चैनल देखना और कोई कुछ भी बोले उसका मुँहतोड़ जवाब देने की सीख मिलती है। इसकी कमी को दूर करने के लिए आँखों पर हरी पत्तेदार सब्जियों के स्थान पर केवल केसरिया गाजर का सेवन करना पर्याप्त होगा। हरी सब्जियों से धार्मिक सद्भावना बिगड़ने की पूरी संभावना रहती है। 3.विटामिन ई (ईंट का जवाब पत्थर से) - विटामिन ई में सामने वाले की हड्डियाँ तोड़ने के गुण होते हैं, जो किसी भी प्रकार के हमले से बचाने और चमड़ी उधेड़ने और झोटा खिंचवाने से बचाता है। । यह गुण लाल मिर्च की तरह चेहरे के तमतमाने, मूंगफली की छिलकों की तरह अलग-अलग खेमों में बैठने का भरपूर अवसर देता है। 4. विटामिन ए (एसीबी) - यह उन लोगों के लिए बहुत जरूरी होता है जो हमारा कहा न मानकर गीदड़ भभकियाँ देता रहता है। ऐसे लोगों को एसीबी की ओर से एक फोन जाए तो उनकी हवा टाइट हो जाती है। यह पक्ष को मजबूत और विपक्ष को कमजोर बनाने के अलावा जितना भी रुपया खा लो बावजूद इसके पाचन को बेहतर रखता है।

मधुकामिनी का प्लांट घर में क्यों लगाएं?

मधुकामिनी के फूल गर्मियों में खिलते हैं। घर में अगर एक बार आपने कामिनी के फूल का पौधा लगा दिया तो 4-5 साल या इससे अधिक समय तक फूल आते रहेंगे। सौंधी और मनमोहक खुशबू के कारण इसे अपने घर की बालकनी में लगाना बहुत ही आसान है। मधुकामिनी प्लांट को सबसे अच्छे इनडोर और आउटडोर पौधों में से एक माना जाता है। वास्तु के अनुसार यह प्लांट घर-आंगन को खुशियों से भर सकता है।जरूरी बात यह है कि यह कम रखरखाव वाला पौधा है और इसमें सुगंधित फूलों के गुच्छे होते हैं जो सुंदर तितलियों और चिड़ियों को बहुत आकर्षित करते हैं।

मधुकामिनी फूल का वनस्पति नाम है मुराया पैनीकुलेटम। यह एक सफेद रंग का फूल है जो घर की सज्जा के साथ औषधि के लिए भी प्रयोग किया जाता है।

खूशबूदार फूलों में से मधुकामिनी दिन रात महकने वाला प्लांट है। यह एक सदाबहार झाड़ीनुमा पौधा है जिसका

आकार 5-15 फिट तक होता है। नारंगी यानी संतरा जैसी सुगंध आने के कारण इसको ऑरेंज जैस्मीन नाम से भी जाना जाता है। इसके फूलों का रंग सफेद होता है! इसके फूलों की मनभावन सुगंध मानसिक तनाव को दूर करने वाली होती है!

मान्यता है कि जो तीन फूल स्वर्ग से आए हैं उसमें अपराजिता, पारिजात के साथ तीसरा फूल मधुकामिनी ही है...

मधुकामिनी के लाभ

इसके मात्र 2 पत्तों को उबाल कर पीने से श्वास रोग में बहुत ज्यादा लाभ होता है। गला साफ़ होता है।

इसके फूलों को बेडरूम में रखने से दाम्पत्य जीवन सुखी रहता है। ऐसा माना गया है।

मधुकामिनी की पत्तियां शुभकारी होती हैं इसीलिए विवाह मण्डपों में इसका प्रयोग होता है।

तमिल भाषा में इसे वेंगराए और तेलगु में नागागोलुंग , मराठी में कुंती तो मणिपुरी में कामिनी कुसुम कहा जाता है। कन्नड़ में काडु कारिबेयु तो मलयालम में मारामुला कहा जाता है।

यह पौधा घर में खुशियों की सौगात लाता है। तितलियों-चिड़ियों के साथ यह शुभ ऊर्जा को भी अपनी तरफ आकर्षित करता है। अच्छी और शुभ चीजें इसके होने भर से घर में आने लगती है।

शमी का पौधा घर में अवश्य लगाएं

शमी का पौधा या पेड़ शनि ग्रह का कारक है। शमी के वृक्ष को कुंडली की स्थिति जानकर ही उचित दिशा में लगाना चाहिए। यह बहुत ही शुभ पौधा है परंतु जानिए कि शमी का पौधा घर में क्यों लगाना चाहिए?

- जिस व्यक्ति को शनि से संबंधित बाधा दूर करना हो उसे शमी का वृक्ष लगाना चाहिए।
- शमी के पौधे की पूजा करने से शनिदेव की कृपा प्राप्त होती है, क्योंकि शमी के पौधे का संबंध शनिवार और शनिदेव से होता है।
- अगर शमी के पौधे को तुलसी के साथ लगाया जाए तो इससे दुगुना फायदा मिलने लगता है।
- शनि का पौधा शनिवार के दिन वायव दिशा में लगाना चाहिए। वायव दिशा शनि की होती है।
- इस वृक्ष के पूजन से शनि प्रकोप शांत हो जाता है क्योंकि यह वृक्ष शनिदेव का साक्षात्त रूप माना जाता है।
- दशहरे पर खास तौर से सोना-चांदी के रूप में बांटी जाने वाली शमी की पत्तियां, जिन्हें सफेद कीकर, खेजडो, समडी, शाई, बाबली, बली, चेत्त आदि भी कहा जाता है, हिन्दू धर्म की परंपरा में शामिल है।
- विजयादशमी के दिन शमी वृक्ष पूजा करने से घर में तंत्र-मंत्र का असर खत्म हो जाता है।
- मान्यता अनुसार बुधवार के दिन गणेश जी को

शमी के पत्ते अर्पित करने से तीक्ष्ण बुद्धि होती है। इसके साथ ही कलह का नाश होता है।

- आयुर्वेद के अनुसार यह वृक्ष कृषि विपदा में लाभदायक है। इसके कई तरह के प्रयोग होते हैं।
- जहां भी यह वृक्ष लगा होता है और उसकी नित्य पूजना होती रहती है वहां विपदाएं दूर रहती हैं।
- प्रदोषकाल में शमी वृक्ष के समीप जाकर पहले उसे प्रणाम करें फिर उसकी जड़ में शुद्ध जल अर्पित करें। इसके बाद वृक्ष के सम्मुख दीपक प्रज्वलित कर उसकी विधिवत रूप से पूजा करें। शमी पूजा के कई महत्वपूर्ण मंत्र का प्रयोग भी करें। इससे सभी तरह का संकट मिटकर सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है।

चाणक्य के अनुसार धन कब कैसे और कितना खर्च करना चाहिए?

धन को लेकर आचार्य चाणक्य बहुत कुछ कहते हैं और यह भी सही है कि धन ही सबकुछ नहीं होता लेकिन धन से ही सबकुछ पाया जा सकता है।

धन आदमी के जीवन में बहुत महत्व रखता है। चाणक्य कहते हैं कि धन से आपके जीवन की लगभग 70 प्रतिशत समस्याएं स्वतः ही समाप्त हो जाती है। यह अलग बात है कि आप धन के बल पर समस्याएं खड़ी करने में लग जाएं।

1. जरूरतमंदों की मदद करें-

चाणक्य कहते हैं कि यदि आप सामर्थ्यवान है तो जरूरतमंद, असहाय तथा गरीब लोगों की मदद करने के लिए हमेशा अपना हाथ बढ़ाए, अपने पैसे खर्च करके उनकी सहायता करें और इस समय कंजूसी बिलकुल ना करें।

2. शिक्षा और स्वास्थ्य-

चाणक्य के अनुसार यदि आप अपने धन का सदुपयोग करना चाहते हैं तो जरूरतमंदों की मदद केवल पैसे देकर ही नहीं, बल्कि उन्हें शिक्षण सामग्री और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं में भी आप धनराशि देकर उनकी सहायता कर सकते हैं। इससे आपको लोगों की दुआएं भी मिलेंगी और आप आर्थिक स्थिति से मजबूती भी पाएंगे।

3. समाज सेवा-

चाणक्य नीति के अनुसार हर व्यक्ति को सामाजिक कार्य के लिए धन खर्च करना चाहिए। यह बात ध्यान रखें कि समाज का कल्याण यानी देश का कल्याण है। अतः सामाजिक भलाई के कार्य करते समय धन खर्च करने में कंजूसी ना करें और जहां तक हो सके स्कूल, हॉस्पिटल तथा सामुदायिक भवन और अन्य जरूरी कार्यों में धन देते समय बिलकुल भी संकोच न करें।

4. धार्मिक कार्य-

आजकल भागदौड़ भरे समय में लोग धर्म-कर्म के लिए अधिक समय नहीं निकाल पाते हैं। ऐसे समय में आपको धार्मिक कार्यों में दिल खोलकर धन खर्च करना चाहिए, इतना ही नहीं धर्म कार्यों में रुपए खर्च करते समय पीछे नहीं हटना चाहिए। वे कहते हैं कि अपनी कमाई तथा बजट के अनुसार धर्म-कर्म, मंदिर, तीर्थ स्थल पर दान तथा पुण्य कार्यों में धन जरूर खर्च करें।

5. धन का उपयोग-

चाणक्य नीति के अनुसार कमाया धन तभी काम आता है, जब आप उसका सही उपयोग करें, यानी उपरोक्त रीति से आप धन खर्च करके यश व कीर्ति प्राप्त कर सकते हैं, इतना ही नहीं इन स्थानों पर धन का दान करने से आपके घर में कभी दरिद्रता भी नहीं आती है।

स्वामी विवेकानंद की सीख

स्वामी विवेकानंद से जुड़ा किस्सा है। स्वामी जी अमेरिका में व्याख्यान दे रहे थे। व्याख्यान सुनने वालों में अधिकतर भारतीय ही थे। स्वामी जी ने देसी कपड़े पहने थे और वे स्वदेशी वस्तुएं अपनाने के लिए ही बोल रहे थे। वहां मौजूद सभी लोग उनकी बातें ध्यान से सुन रहे थे। उस समय किसी ने भी स्वामी जी के पैरों पर ध्यान नहीं दिया। दरअसल, उन्होंने कपड़े तो देसी पहने थे, लेकिन उनके जूते विदेशी थे।

व्याख्यान खत्म होने के बाद एक अंग्रेज महिला उनके पास पहुंची। महिला ने कहा कि स्वामी जी, आपने स्वदेशी वस्तुएं अपनाने के लिए अच्छा व्याख्यान दिया है, मैं आपकी बातों से बहुत प्रभावित हूं, लेकिन जब मैंने आपके पैरों की ओर देखा तो आपने विदेशी जूते पहन रखें। ऐसा क्यों?

स्वामी जी ने किसी मजबूरी की वजह से वे जूते पहने थे। उन्होंने अपनी मजबूरी वाली बात नहीं कही। उन्होंने कहा कि हमारे देश में अंग्रेजों का स्थान क्या होना चाहिए, ये बताने के लिए मैं कभी-कभी विदेशी जूते पहनता हूं।

उस महिला की और स्वामी जी के बातें कई लोग सुन रहे थे। स्वामी जी का उत्तर सुनकर सभी लोग तालियां बजाने लगे। अंग्रेज महिला के चेहरे पर भी इस बात से मुस्कान आ गई थी। विवेकानंद जी ने ये उत्तर देकर अपना विरोध अंग्रेजी व्यवस्था के खिलाफ प्रकट किया था, लेकिन हंसी-मजाक के साथ।

स्वामी जी की सीख

कई बार जाने-अनजाने में हमसे चूक हो जाती है और मौका मिलते ही लोग हमारी आलोचना भी करते हैं। ऐसी स्थिति में गुस्सा आना स्वाभाविक है, लेकिन हमें गुस्से को काबू करना चाहिए और धैर्य बनाए रखना चाहिए। शांति के साथ सोच-समझकर आलोचकों को जवाब देंगे तो विवाद टाल सकते हैं और स्थितियों को सामान्य किया जा सकता है।

बंगाल की खाडी में गंगासागर

मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अन्तर्गत इंदौर जिले के वरिष्ठ नागरिकों को हवाई जहाज से, 'इंदौर से गंगासागर की तीर्थ यात्रा' करायी जाएगी। गंगासागर को हिन्दू धर्म का सबसे पवित्र तीर्थ स्थल माना जाता है। उत्तराखंड के गंगोत्री से मां गंगा निकलकर गंगासागर में लुप्त हो जाती है। आखिर यह गंगासागर कहां है और क्या है इसका महत्व।

कहां है गंगासागर तीर्थ : गंगासागर तीर्थ पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले के सागर आईलैंड को गंगासागर कहते हैं। गंगासागर बंगाल की खाड़ी के कॉण्टीनेण्टल शैल्फ में कोलकाता से 150 किलोमीटर दक्षिण में एक द्वीप है। यात्री कोलकाता से नाव से गंगा सागर जाते हैं। हिन्दू पौराणिक ग्रंथों में बंगाल की खाड़ी को महोदधि कहा गया है। मध्यकाल में इसे 'गंगा की खाड़ी' कहा जाता था। कालांतर में इसे बंगाल क्षेत्र के नाम पर बंगाल की खाड़ी नाम मिला। गंगा, ब्रह्मपुत्र, कावेरी, गोदावरी और स्वर्णरेखा आदि कई नदियां इसी में विसर्जित हो जाती है। बंगाल की खाड़ी में मिलकर गंगा, ब्रह्मपुत्र एवं मेघना विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा सुंदरबन बनाती हैं जो भारत के पश्चिम बंगाल एवं बांग्लादेश में आता है। गंगासागर भारत के पश्चिम बंगाल राज्य में स्थित है।

गंगासागर तीर्थ दर्शन का महत्व : कहते हैं कि सारे तीरथ बार बार, गंगासागर एक बार। यहां पर मकर संक्रांति के दिन मेला लगता है। ऐसा कहा जाता है कि जो लोग इस जगह के दर्शन कर लेते है, वो बहुत भाग्यशाली होते हैं।

कैसे पहुंचे गंगा सागर : बस, ट्रेन या हवाई जहाज के माध्यम से भारत के किसी भी बड़े शहर से भारत के

पश्चिम बंगाल राज्य की राजधानी कोलकाता पहुंचने के बाद गंगासागर जाने के लिए ट्रेन, बस और हाउस बोट का उपयोग कर सकते हैं। कोलकाता के बस स्टेंड से आपको नामखाना जगह के लिए बस से जाना होगा। वहां से अन्य साधन का उपयोग करें। हाउस बोट, स्टीमर या क्रूज से आप यहां बहुत जल्दी पहुंच सकते हैं। जल जहाज से आप कचुबेरिया आइसलैंड तक जाना होगा। यहां से आपको करीब 4 घंटे की यात्रा करनी होगी। आइसलैंड जाने के बाद गंगा सागर की दूरी सिर्फ 30 किमी की रहती हैं।

गंगा सागर कब जाएं : यहां पर अक्टूबर महीने से लेकर मार्च महीने के बीच में जा सकते हैं। बहुत से पर्यटक सर्दियों के मौसम यहां पर घूमने के लिए जाते हैं। प्रतिवर्ष मकर संक्रांति के दिन यहां पर मेला लगता है।

रुकने की व्यवस्था : गंगासागर में आप किसी आश्रम, धाम या होटल में रुक सकते हैं। यहां पर 500 रुपए से लेकर 5000 रुपए तक के रूम अवेलेवल हैं।

ज्येष्ठ महीने में कैसा हो आपका रूटीन

6 मई से ज्येष्ठ मास शुरू हो गया है। ये नया हिंदी महीना 4 जून तक रहेगा। इस महीने के दौरान स्नान-दान करने का विधान है। इस महीने के दौरान कुछ खास बातों का ध्यान रखने की सलाह भी हमारे धर्म ग्रंथों में दी गई है।

ज्येष्ठ मास के दौरान कब उठे, कब सोएं, क्या खाएं और क्या न खाएं। इन बातों सहित किन चीजों का दान करें। जिससे उम्र और पुण्य, दोनों ही बढ़ते हैं। इन बातों का जिक्र पुराणों में किया गया है।

ग्रंथों का कहना है कि ज्येष्ठ मास के दौरान वातावरण और शरीर में जल का स्तर कम होने लगता है। इसलिए पानी का सही और पर्याप्त इस्तेमाल करना चाहिए। इस महीने पेड़-पौधों में पानी डालें और लोगों को पानी पिलाने की व्यवस्था करना चाहिए। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि पानी की बर्बादी न हो।

आइए जानते हैं ज्येष्ठ महीने के दौरान क्या करना चाहिए और क्या नहीं...

ज्येष्ठ मास में सूर्योदय से पहले उठकर नहाना चाहिए। तीर्थ स्नान करने का विधान है, लेकिन रोज ऐसा न कर पाएं तो घर पर ही पानी में गंगाजल की कुछ बूंदे मिलाकर नहाने से तीर्थ स्नान माना जाता है। इसके बाद उगते हुए सूरज को अर्घ्य देकर नमस्कार करें।

ज्येष्ठ महीने के दौरान दिन में नहीं सोना चाहिए। ग्रंथों के मुताबिक इस महीने दिन में सोने की मनाही है। शारीरिक परेशानी या अन्य समस्या हो तो एक मुहूर्त यानी करीब 48 मिनट तक सो सकते हैं। इस महीने धूप में चलने से भी बचना चाहिए।

क्या खाएं और क्या नहीं

महाभारत के अनुशासन पर्व में लिखा है कि ज्येष्ठ मास में एक वक्त खाना खाने से उम्र बढ़ती है। ऐसा इंसान धनवान भी होता है, इसलिए एक समय ही भोजन करने की कोशिश करें। इस महीने में ज्यादा मसालेदार खाना खाने की भी मनाही है। इससे घबराहट और चक्कर आने की समस्या हो सकती है। पेट बिगड़ सकता है और डाइजेशन गड़बड़ा सकता है। जिससे पुरानी बीमारियां भी बढ़ सकती हैं।

इस माह में गर्मी ज्यादा रहती है, इसलिए डिहाइड्रेशन से बचने के लिए रसदार फल खाने की सलाह आयुर्वेद में दी गई है। साथ ही लिक्विड डाइट लेना चाहिए और खाना समय पर खाएं। इस महीने में बैंगन नहीं खाया जाता। ग्रंथों के मुताबिक इससे संतान को कष्ट मिलता है। वहीं आयुर्वेद का कहना है कि इससे शरीर में वात रोग और गर्मी बढ़ती है, इसलिए पूरे महीने बैंगन खाने से परहेज करें।

किन चीजों का दान करें

पूरे महीने जल दान करना चाहिए। महाभारत, पद्म और स्कंद पुराण में कहा गया है कि ज्येष्ठ मास में पानी से भरे घड़े और छाते का दान करना चाहिए। इन दिनों तिल का दान करना भी बहुत पुण्य दायी माना गया है। ऐसा करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और स्वास्थ्य सुख मिलता है। इस महीने में पानी का इस्तेमाल किफायत से करना चाहिए। फालतू पानी बहाने से दोष लगता है, इसलिए पानी बचना चाहिए।

आम्रपाली जब गौतम बुद्ध पर हो गई मोहित, तब क्या हुआ...

1. आम के वृक्ष के नीचे मिली आम्रपाली : बिहार में एक जिला है जिसका नाम वैशाली है। यहां की नगरवधू आम्रपाली और यहां के राजाओं के किस्से इतिहास में भरे पड़े हैं। कहते हैं कि एक गरीब दंपति को एक अबोध मासूम लड़की आम के पेड़ के नीचे मिली। पता नहीं कौन थे उसके माता-पिता और क्यों उसे आम के वृक्ष ने नीचे छोड़कर चले गए। आम के नीचे मिलने के कारण उसका नाम आम्रपाली रखा गया।

2. सुंदरता की चर्चा पूरे नगर में जब फैल गई : आम्रपाली जब किशोरावस्था में पहुंची तो उसके रूप और सौंदर्य की चर्चा नगर में फैल गई। नगर का हर पुरुष उससे विवाह करने के लिए लालायित हो उठा। राजा से लेकर व्यापारी हर कोई आम्रपाली को पाना चाहता था। उसके माता पिता के समक्ष अब दुविधा और भय उत्पन्न हो चला था। अगर आम्रपाली किसी एक को चुनती तो राज्य में अशांति फैल जाती।

3. इस तरह बनीं नगरवधू : जब वैशाली के राज प्रशासन को यह पता चला तो उन्होंने नगर में शांति स्थापित करने के लिए आम्रपाली को क्रमानुसार अंत में नगरवधू बना दिया। आम्रपाली को जनपथ कल्याणी की उपाधि 7 साल के लिए दी गई। इसे साम्राज्य की सबसे खूबसूरत और प्रतिभाशाली महिला को दिया जाता था।

4. खुद के महल और दासियों से घिरी रहती थीं आम्रपाली : नगरवधू बनते और जनपथ कल्याणी की उपाधि मिलते ही उसे एक आलीशाल महल और उसकी देखरेख करने के लिए नौकर एवं दासियां मिली। आम्रपाली को संपूर्ण स्वतंत्रता थी। उसे लोगों से शारीरिक संबंध बनाने के लिए चयन का अधिकार भी मिला। इसके साथ ही वह दरबार की नर्तकी भी बन गई।

5. दूर देशों तक थी उसके रूप की चर्चा : आम्रपाली के रूप की चर्चा जगत प्रसिद्ध थी और उस समय उसकी एक झलक पाने के लिए सुदूर देशों के अनेक राजकुमार उसके महल के चारों ओर अपनी छावनी डाले रहते थे। उसके महल के आसपास निरंतर गतिविधियां चलती रहती थी। उसकी सुरक्षा में कई सैनिक तैनात रहते थे। कहते हैं कि मगध के राजा बिंबिसार ने आम्रपाली को पाने के लिए वैशाली पर आक्रमण कर दिया था। आम्रपाली बिंबिसार के बच्चे की मां बनी। यह भी कहा जाता है कि बाद में बिंबिसार का पुत्र भी आम्रपाली के मोह में पड़ गया था।

6. एक दिन नगर में आए गौतम बुद्ध : वैशाली में गौतम बुद्ध के प्रथम पदार्पण पर उनकी कीर्ति सुनकर उनके स्वागत के लिए सोलह

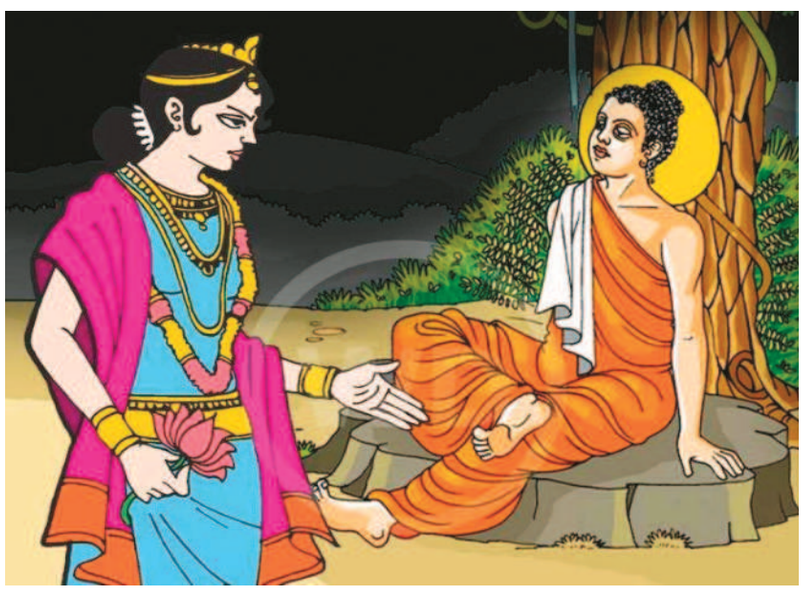

श्रृंगार कर अपनी कई परिचारिकाओं सेविकाओं सहित आम्रपाली गंडक नदी के तट पर पहुंची। वे गौतम बुद्ध से मिलना चाहती थी। उसके वहां पहुंचते ही भिक्षुओं में हलचल मच गई।

7. बुद्ध ने भिक्षुओं को चेताया : कहते हैं कि आम्रपाली को देखकर बुद्ध को अपने शिष्यों से कहना पड़ा कि तुम लोग अपनी आंखें बंद कर लो या नीचे कर लो..., क्योंकि भगवान बुद्ध जानते थे कि आम्रपाली के सौंदर्य को देखकर उनके शिष्यों के लिए संतुलन रखना कठिन हो जाएगा। उनका वैराग्य खत्म हो जाएगा। वे मार्ग से भटक जाएंगे।

8. आम्रपाली ने किया बुद्ध का स्वागत : कहते हैं कि ज्ञान प्राप्ति के 5 वर्ष पश्चात भगवान बुद्ध का वैशाली आगमन हुआ और उनका स्वागत वहां की प्रसिद्ध राजनर्तकी आम्रपाली ने किया था। बौद्ध धर्म के इतिहास में आम्रपाली द्वारा अपने आम्रकानन में भगवान बुद्ध और उनके शिष्यों को निमंत्रित कर भोजन कराने के बाद दक्षिणा के रूप में वह आम्रकानन भेंट देने की बड़ी ख्याति है।

9. भिक्षु पर मोहित हो गई आम्रपाली : यह भी कहते हैं कि आम्रपाली एक बौद्ध भिक्षु पर मोहित हो गईं थी। आम्रपाली ने बौद्ध भिक्षु को ना केवल खाने पर आमंत्रित किया बल्कि 4 महीने के प्रवास के लिए भी अनुरोध किया था। बौद्ध भिक्षु ने उत्तर दिया कि वह अपने गुरु बुद्ध की आज्ञा के बाद ही ऐसा कर सकते हैं। कहते हैं कि गौतम बुद्ध ने उस भिक्षु को 4 माह के लिए आम्रपाली के साथ रहने की अनुमति दे दी।

अंत में आम्रपाली ने गौतम बुद्ध से कहा कि मैं आपके भिक्षु को मोहित नहीं कर पाई और उनकी आध्यात्मिकता ने मुझे ही मोहित कर धम्म की राह पर चलने को विवश कर दिया है।

10. भिक्षुणी बन गई आम्रपाली : आम्रापानी ने गौतम बुद्ध के समक्ष भिक्षु बनने की इच्छा प्रकट की परंतु पहले तो बुद्ध ने इसके लिए इनकार कर दिया। हालांकि इस घटना के बाद ही बुद्ध ने स्त्रियों को बौद्ध संघ में प्रवेश की अनुमति दी थी। आम्रपाली इसके बाद सामान्य बौद्ध भिक्षुणी बन गई और वैशाली के हित के लिए उसने अनेक कार्य किए। उसने केश कटा कर भिक्षा पात्र लेकर सामान्य भिक्षुणी का जीवन व्यतीत किया।

बुद्ध और आम्रपाली की कथा-

आम्रपाली और गौतम बुद्ध की कहानी कई तरह से पढ़ने को मिलते हैं। इस संबंध में एक कथा मिलती है कि एक बार भगवान बुद्ध विचरते हुए वैशाली के वन-विहार में आए। नगर में उनके दर्शन करने के लिए आमजनों के साथ ही नगर के बड़े-बड़े श्रेष्ठिजन भी उनके दर्शन के लिए पहुंचे।

हर किसी की इच्छा थी कि तथागत उसका निमंत्रण स्वीकार करें और उसके घर भोजन करने के लिए पधारें। वैशाली की सबसे सुंदर और प्रतिष्ठित गणिका आम्रपाली भी बुद्ध के तपस्वी जीवन को देखकर प्रभावित हो चुकी थी तथा वह भी अपना यह घृणित जीवन छोड़कर भिक्षुणी बनना चाहती थीं। यही सोचकर वह भी गौतम बुद्ध को निमंत्रण देने पहुंच गई।

बुद्ध ने उनका निमंत्रण स्वीकार कर लिया और वे उसके घर हो भी आए। जब उनके शिष्यों को इस बात का पता चला तो उन्होंने बुरा मान कर उनसे स्पष्ट रूप से कहा कि उन्होंने एक गणिका के घर जाकर बड़ा ही अनुचित कार्य किया है। अपने शिष्यों की बात सुनकर तथागत उन सबसे बोले, 'श्रावको! आप लोगों को आश्चर्य है कि मैंने गणिका के घर कैसे भोजन किया। उसका कारण यह है कि वह यद्यपि गणिका है किंतु उसने अपने को पश्चाताप की अग्नि में जलाकर निर्मल कर लिया है।

जिस धन को पाने के लिए मनुष्य मनौतियां करता हैं और न जाने क्या-क्या तरीके इस्तेमाल करता है, उसी को आम्रपाली ने तुच्छ मानकर लात मारी है और अपना घृणित जीवन त्याग दिया है। ऐसे में मैं उसका निमंत्रण कैसे अस्वीकार कर सकता था। आप लोग स्वयं सोचे कि क्या अब भी उसे हेय माना जाए?'

आसाराम बापू ट्रस्ट ने 'सिर्फ एक बंदा काफी है' मेकर्स को नोटिस भेजा; कहा- फिल्म में बापू की गलत छवि दिखाई

मनोज बाजपेयी की अपकमिंग फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफी है' पर विवाद हो गया है। 8 मई को फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने के बाद आसाराम बापू ट्रस्ट ने फिल्म के मेकर्स को नोटिस जारी किया है। ट्रस्ट के वकील ने कोर्ट से अनुरोध किया है कि फिल्म की रिलीज और प्रमोशन को कैसे भी करके रोक दिया जाए। वकील का कहना है कि ये फिल्म उनके मुवक्किल की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा रही है।

दरअसल फिल्म में दिखाया गया है कि एक बाबा ने 16 साल की लड़की का रेप किया है। चूंकि डिस्क्लेमर में साफ लिखा है कि ये फिल्म सच्ची घटनाओं पर प्रेरित है। फिल्म में दिख रहे बाबा का हुलिया सीधे तौर पर आसाराम से मिलता जुलता है, इसलिए ये अंदाजा लगाया जा सकता है फिल्म आसाराम के विवाद से ही जुड़ी है।

'हमने फिल्म के लिए राइट्स खरीदे, कोई अब कुछ भी कहे'

इस पूरे मामले में फिल्म के प्रोड्यूसर आसिफ शेख से बात करते हुए कहा, 'हां हमें नोटिस मिला है। अब इस मामले में अगला कदम क्या होगा वो हमारे लॉयर्स तय करेंगे। हमने पीसी सोलंकी पर बायोपिक बनाई है और इसके लिए हमने उनसे राइट्स भी खरीद लिए हैं।

अब, अगर कोई आकर कह रहा है कि ये फिल्म उस पर आधारित है तो इसमें हम लोग

कुछ नहीं कर सकते। हम किसी की सोच को नहीं रोक सकते। जब फिल्म रिलीज होगी तो सच अपने आप बता देगी।' जानकारी के लिए बता दें कि फिल्म 23 मई को OTT प्लेटफॉर्म ZEE 5 पर रिलीज होगी।

कौन हैं पीसी सोलंकी?

ये फिल्म आसाराम के खिलाफ केस लड़ने वाले वकील पीसी सोलंकी पर बेस्ड है। फिल्म में मनोज बाजपेयी ने उन्हीं का रोल प्ले किया है। पीसी सोलंकी का पूरा नाम पूनम चंद सोलंकी है। पीसी सोलंकी वो शख्स हैं जिन्होंने आसाराम केस में रेप विक्टिम की तरफ से पैरवी की। सोलंकी ने न केवल इस केस को लड़ा बल्कि उस बच्ची को न्याय भी दिलाया।

फोटो में दिख रहे शख्स पीसी सोलंकी हैं।

फोटो में दिख रहे शख्स पीसी सोलंकी हैं।

इस दौरान उन्हें केस छोड़ने को लेकर लालच और धमकियां भी मिलीं, लेकिन उन्होंने इसकी परवाह नहीं की। यही वजह रही कि आज आसाराम जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा है। आसाराम की तरफ से देश के नामचीन और दिग्गज वकीलों ने केस की पैरवी की। इन वकीलों के सामने पीसी सोलंकी ने बड़ी सूझबूझ के साथ विक्टिम का पक्ष रखा और बिना डरे केस को अंजाम तक पहुंचाया।

बिना फीस लिए लड़ा था केस

पीसी सोलंकी 2014 में इस केस से जुड़ें थे। तब से वे लगातार केस की पैरवी कर रहे थे। केस जीतने के बाद ही वो संतुष्ट हुए। गौर करने वाली बात ये है कि इस केस के लिए सोलंकी ने कोई फीस नहीं ली और अपने खर्चे पर ही वे दिल्ली और अन्य जगहों पर भी जाते थे।

उन्हें इस केस से हटने के लिए तरह-तरह के लालच दिए गए। जब उन्होंने केस नहीं छोड़ा तो उन्हें जान से मारने की भी धमकी दी गई, लेकिन वे बिना परेशान हुए केस लड़ते रहे।

नाबालिग से रेप का लगा था इल्जाम, उम्रकैद की सजा काट रहा आसाराम

आसाराम के गुनाहों का सबसे पहले पता 2013 में चला था। अगस्त 2013 में एक नाबालिग लड़की ने आसाराम पर रेप का मुकदमा दर्ज कराया था। उसके मां-बाप का आरोप था कि आसाराम ने बेटी को भूत-प्रेत के झाड़-फूंक के नाम पर दुष्कर्म किया। दरअसल उस लड़की से कहा गया था कि तुम्हारे ऊपर भूत प्रेत का साया है और इसे सिर्फ आसाराम बाबू ही ठीक कर सकते हैं।

पीड़ित लड़की 15 अगस्त 2013 आसाराम के जोधपुर स्थित आश्रम गई। उसी दिन आसाराम ने लड़की के साथ बलात्कार किया। 20 अगस्त 2013 को विक्टिम के मां-बाप ने FIR कराई। पांच साल बाद अप्रैल 2018 में जोधपुर की कोर्ट में वो मुजरिम पाया गया और सजा के तौर पर उसे आजीवन कारावास हो गई।

कूल एंड कम्फी लुक में नजर आईं सारा अली खान

सारा अली खान को हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जिसका एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में सारा कूल एंड कम्फी लुक में नजर आ रही हैं। उन्होंने ब्लैक एंड व्हाइट टॉप के साथ व्हाइट जीन्स पहनी हुई है। इस लुक को उन्होंने व्हाइट कैप, और ब्लैक गॉगल्स के साथ कम्पलीट किया।

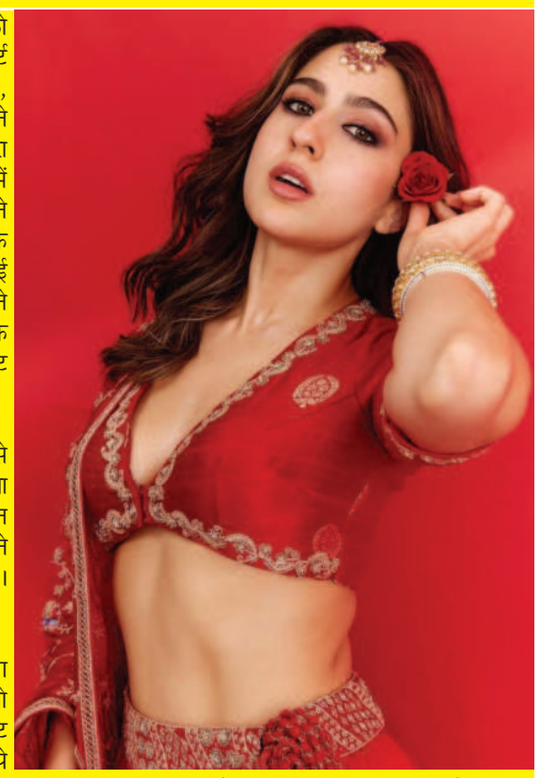

फैंस के साथ ली सेल्फी

सारा को एयरपोर्ट से बहार निकलते हुए देखा जा सकता है। इस दौरान उन्होंने वहां पर मौजूद अपने फैंस के साथ सेल्फी भी ली।

सारा के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

सारा के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करे तो वह हाल ही में गैसलाइट फिल्म में नजर आई थीं। ये फिल्म OTT प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई थी। सारा अब जल्द ही 'ऐ वतन मेरे वतन' में दिखाई देंगी, जो अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

इसके अलावा वह लक्ष्मण उटेकर की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'जरा हटके जरा बच के' में विक्की कौशल के साथ नजर आएंगी। वहीं उनके पास 'मर्डर मुबारक' भी है।

'कंगना अपने काम से काम रखें तो उनसे बेहतर अदाकारा कोई नहीं है': जिमी शेरगिल

हिंदी और पंजाबी फिल्मों में लंबी पारी खेल रहे जिमी शेरगिल फिल्म 'माचिस' के बाद से लगातार बढ़िया काम करते रहे हैं। 'हासिल', 'मोहब्बतें', 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' और 'तनु वेड्स मनु' जैसी फिल्मों में जिमी के अभिनय की खूब जय जयकार हुई है। इन दिनों वह चर्चा मे हैं अपनी आने वाली फिल्म 'आजम' को लेकर। इस फिल्म के सिलसिले में जिमी से मुलाकात हुई तो फिर ढेर सारी बातें हुईं। हालांकि, इस दौरान किसान आंदोलन का जिक्र चलने पर वह थोड़ा खफा भी हुए। जिमी मानते हैं कि मौजूदा दौर में कंगना रणौत से बेहतर अभिनेत्री दूसरी नहीं है।

कंगना के साथ फिल्म 'तनु वेड्स मनु' में काम करने को जिमी महज एक संयोग मानते हैं, वह कहते हैं, 'इस फिल्म को बनाने वाले आनंद एल राय मेरे दोस्त हैं। उन्होंने अपनी पहली फिल्म मेरे साथ की थी और वहीं से हमारी दोस्ती हुई। उस फिल्म का नाम 'स्ट्रेंजर्स' था। उसके कई साल बाद आनंद और उनके लेखक हिमांशु मेरे पास ये फिल्म लेकर आए। उन्होंने कहानी सुनाई तो मुझे सोचने की जरूरत नहीं पड़ी कि फिल्म करनी चाहिए या नहीं। ये फिल्म करने में बहुत मजा आया।' और, इस फिल्म की हीरोइन कंगना रणौत की बात चलने पर जिमी शेरगिल कहते हैं, 'कंगना बहुत ही अच्छी अदाकारा हैं।मुझे लगता है उनको इस समय अपने अभिनय पर ही ज्यादा ध्यान देना चाहिए। मुझे लगता है अगर वह अपना पूरा ध्यान सिर्फ अभिनय पर लगा कर रखेंगी तो उनसे अच्छा कलाकार इंडस्ट्री में इस समय कोई नहीं है। मेरा मानना है कि बाकी सारी चीजों से उनको दूर ही रहना चाहिए।' जिमी शेरगिल ने पंजाबी सिनेमा के लिए बहुत मेहनत की है। लेकिन, वह ये भी मानते हैं कि समय के साथ पंजाबी सिनेमा में भी बदलाव जरूरी है। जिमी के मुताबिक, 'जब मैंने पंजाबी सिनेमा देखा तब मुझे लगा कि यहां पर एक बहुत बड़ी इंडस्ट्री बनने का स्कोप है। क्योंकि पंजाबी सुनने और देखने वाले दर्शक भरे पड़े हैं। मैंने आधा आधा साल लगा कर एक एक फिल्में बनाई। 12-13 साल पहले उस दौरान ऐसी फिल्में आईं जिन्होंने कई हिंदी फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़ दिए। अब भी मैं साल-दो साल में मैं पंजाबी फिल्में करता रहता हूं। लेकिन अब मैं चाहता हूं कि कुछ अलग तरह का काम करूं।'

जिमी शेरगिल कहते हैं, 'मुझे लगता है एक समय बाद फिल्मों का ट्रेंड बदलना बेहद जरुरी है। कब तक हम पंजाबी फिल्मों के नाम पर सिर्फ कॉमेडी फिल्में ही देखते रहेंगे। फिल्मों में वैरायटी लाने की बेहद जरूरत है तभी फिल्में चलेंगी। हमें अलग-अलग तरह की फिल्में बनानी होंगी। यह छोटे छोटे काम होंगे तब जा कर हम सोच सकते हैं कि पंजाबी फिल्मों की टक्कर तमिल, तेलुगू या हिंदी फिल्मों से हो सकती है।'

और, 'आजम' कितनी अलग तरह की फिल्म है? इस सवाल के जवाब में जिमी शेरगिल बताते हैं, 'इस फिल्म में मुंबई की एक रात को दिखाया गया है। कुछ ऐसे अजीबोगरीब हादसे होते हैं जो अंडरवर्ल्ड से लेकर, मुंबई पुलिस और सत्ताधारियों तक सभी को हिला कर रख देते हैं।

शालिनी उन्नीकृष्णन के किरदार ने मुझे फिजिकली और इमोशनली झकझोर कर रख दिया : अदा शर्मा

द केरल स्टोरी हर दिन कमाई के नए आंकड़े छू रही है। कर्नाटक और बंगाल जैसे राज्य में बैन होने के बावजूद फिल्म ने अब तक तकरीबन 67.42 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है, हालांकि अभी ऑफिशियल कलेक्शन नहीं आया है। इस बीच फिल्म की लीड अदा शर्मा ने फिल्म की सक्सेस पर बात की। फिल्म को लेकर एक्सपीरिएंस शेयर करते हुए अदा ने बताया कि शालिनी उन्नीकृष्णन के किरदार ने उन्हें शारीरिक और भावनात्मक तौर पर तोड़ दिया था। उनके दिल पर इस किरदार का असर बेहद गहरा रहा है।

द केरल स्टोरी ने मुझे इमोशनली और फिजिकली झकझोर दिया है

इंटरव्यू में अदा से सवाल किया गया कि - 'आपको इस किरदार ने कितना प्रभावित किया?' इस पर उन्होंने कहा- 'मुझे इस किरदार ने फिजिकली और इमोशनली दोनों तरह से प्रभावित किया है। इनके निशान मेरे दिल तक पहुंचे हैं, ऐसे निशान जो कभी भी मिट नहीं पाएंगे।'

फिल्म की सक्सेस के बारे में बात करते अदा ने कहा- 'फिल्मी बैकग्राउंड से न आने के बावजूद मुझे जो प्यार मिला, मुझे वाकई इसकी उम्मीद नहीं थी। पूरा देश आज मेरा हौसला बढ़ा रहा है। मैं बेहद शुक्रगुजार हूं। यह ऐसा मौका है जब मैं अपनी खुशी जाहिर नहीं कर पा रही।'

अदा ने बॉलीवुड फिल्म 1920 से अपना डेब्यू किया था।

फिल्म के मैसेज शायद कई लड़कियों की जिंदगी बचा पाए

फिल्म में दिए मैसेज के बारे में बात करते हुए अदा ने कहा- 'फिल्म के जरिए हमने जो मैसेज देने की कोशिश की है, वो शायद कई लड़कियों की जिंदगी बचा पाएगा। ऑडियंस से हमें जो प्यार मिला, वो वाकई बहुत बड़ी बात है। मुझे बेहद खुशी होती है।'

आतंकवाद का मुद्दा वकाई खतरनाक है

अदा से सवाल किया गया- 'यह फिल्म खुद में एक सेंसिटिव और डिस्टर्बिंग मुद्दे को उठाती है, जिसमें इस्लामिक कन्वर्जन की कहानी है। ऐसे में फिल्म को करने में आपको कोई हिचक हुई?'

जवाब में अदा ने कहा- पहले दिन सक्रिप्ट पढ़ने से लेकर फिल्म की शूटिंग तक, द केरल स्टोरी की कहानी एक ऐसी लड़की की थी, जो ISIS में धकेल दी जाती है। इस दौरान उसे आतंकवाद का भयानक रूप देखने को मिलता है। आतंकवाद वाकई एक खतरनाक मुद्दा है, लेकिन किसी न किसी को तो यह कहानी दिखानी ही थी।

कोई भी फैसला करने से पहले 2 बार सोचना चाहिए

इस तरह के ट्रैप में फंसी लड़कियों के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने लड़कियों को सलाह दी और कहा- 'जिंदगी में कोई भी सिचुएशन हो। चाहे वो कोई भी फैसला हो- बड़ा या छोटा। लड़की होने के नाते आपको दो बार सोचना चाहिए। अपने परिवार से सलाह लेनी चाहिए।'

इस कहानी के जरिए कहानियों को अपनी आवाज मिली

सफलता के बारे मे खुशी जाहिर करते हुए अदा ने कहा- 'यह जानने के बाद कि द केरल स्टोरी कई महिलाओं की जिंदगी बदल देगी। मुझे वाकई बेहद खुशी हुई है। इस फिल्म के जरिए कई अनसुनी कहानियों को अपनी आवाज मिली है। यही मेरा असल सेलिब्रेशन है।'

ट्रोलिंग से डिप्रेस हो गई थीं अर्चना गौतम, 'खतरों के खिलाड़ी 13' के लिए भी बना मजाक, अब एक्ट्रेस ने दिया मुंहतोड़ जवाब

ट्रोलिंग से डिप्रेस हो गई थीं अर्चना गौतम , 'खतरों के खिलाड़ी 13' के लिए भी बना मजाक 'बिग बॉस 16' फेम अर्चना गौतम जल्द ही 'खतरों के खिलाड़ी 13' में अपने स्टंट से धमाल मचाने वाली हैं. कई लोग उन्हें स्टंट शो में जाने के लिए ट्रोल भी कर रहे हैं. साउथ की सनी लियोनी कही जानी वाली एक्ट्रेस अर्चना गौतम को कॉन्ट्रोवर्शियल शो 'बिग बॉस 16' से पॉपुलैरिटी मिली है. शो के जरिए अर्चना 'एंटरटेनमेंट क्वीन' के नाम से मशहूर हो गईं. एक्ट्रेस की वजह से शो की टीआरपी भी काफी बढ़ गई थी. अब अर्चना गौतम एंटरटेनमेंट को छोड़ स्टंट करने जा रही हैं. ऐसे में जहां उनके फैंस खुश हैं तो वहीं दूसरी ओर नेटिजंस का एक ग्रुप उन्हें बुरी तरह ट्रोल कर रहे हैं. अब एक्ट्रेस का ट्रोलिंग पर गुस्सा फूटा है.

अर्चना गौतम रोहित शेट्टी के रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 13' में कंफर्म कंटेस्टेंट हैं. जैसे ही ये खबर आग की तरह फैली, कई लोगों ने कहा कि अर्चना ने शो को इसलिए जॉइन किया, ताकि वह लोगों को हंसा सके. अब ईटाइम्स संग बातचीत में अर्चना गौतम ने ट्रोलर्स को निशाना बनाया है.

अर्चना का ट्रोलर्स को करारा जवाब

अर्चना ने कहा, "कई लोगों को लगता है कि मुझे शो में सिर्फ इसलिए लिया गया है ताकि मैं लोगों को हंसा सकूं. मैं उनसे कहना चाहती हूं कि क्या मैं कार्टून लगती हैं? जो मुझे हंसाने के लिए शो में बुलाएंगे. ये उनकी बहुत बड़ी गलतफहमी है और मैं जल्द ही इसे क्लियर कर दूंगी. अगर अर्चना गौतम एंटरटेनमेंट दे सकती है, वह शेरनी भी है और मैं कुछ भी कर सकती हूं. मैं सभी स्टंट्स को परफॉर्म करना चाहती हूं और साबित करूंगी कि अर्चना लोगों को हंसा ही नहीं सकती बल्कि सारे स्टंट्स भी कर सकते हैं. मैं मजबूत हूं."

ट्रोलिंग से डिप्रेस हो गई थीं अर्चना गौतम

अर्चना गौतम ने बताया कि शुरू-शुरू में वह ट्रोलिंग से काफी परेशान हो गई थीं. एक्ट्रेस ने कहा, "पहले ये कमेंट्स मुझे हर्ट करते थे और मैं डिप्रेस हो गई थी. मैं सदमे में चली जाती थी, लेकिन किसी ने मुझे समझाया कि मुझे कमेंट्स पढ़ना बंद कर देना चाहिए. कुछ लोग दूसरों के फॉलोअर्स होते हैं और वे फेक आइडी बनाकर आपको ट्रोल करते हैं. तो इसलिए मैंने उन पर ध्यान देना बंद कर दिया, क्योंकि मैं अपनी ऑडियंस को जानती हूं, जो मुझसे बहुत प्यार करते हैं."

टाइगर श्रॉफ का फिटनेस देख फैंस ने की तारीफ, बोले- रियल एक्शन हीरो

बॉलीवुड के एक्शन हीरो टाइगर श्रॉफ एक बेहतरीन एक्टर होने के साथ- साथ फिटनेस फ्रीक भी हैं। अब हाल ही में टाइगर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह एक स्टेचू को हाई जंप किक मारते हुए नजर आए। वीडियो सामने आते ही फैंस ने टाइगर की जमकर तारीफ की है।

वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट कर लिखा, रियल एक्शन हीरो, दूसरे यूजर ने लिखा, 'ये बंदा ऑल राउंडर है, कोई भी नहीं भाई जैसा।' वहीं तीसरे यूजर ने लिखा, 'रियल टाइगर'।

बड़े मियां छोटे मियां में आएंगे नजर

टाइगर के वर्कफ्रंट की बात करे तो वह जल्दी ही अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' में नजर आएंगे। वहीं अलाया एफ और सोनाक्षी सिन्हा भी फिल्म में अहम किरदार निभाएंगे। बड़े मियां छोटे मियां के डायरेक्टर अली अब्बास जफर हैं। वहीं, वाशु भगनानी, दीपशिखा देशमुख और हिमांशु किशन मेहरा फिल्म प्रोड्यूस कर रहे हैं। बड़े मियां छोटे मियां' बड़े लेवल पर बनने वाली एक्शन फिल्म है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म का बजट 300 करोड़ रखा गया है। इसे 100 दिनों में दुनिया के चार देशों में शूट किया जाना है। वहीं फिल्म की शूटिंग अप्रैल 2023 में खत्म हो जाएगी।

जब विद्या बालन को रिपोर्टर ने दी थी वजन कम करने की सलाह, एक्ट्रेस ने दिया था करारा जवाब

विद्या बालन एक ऐसी अभिनेत्री हैं जिनकी कला का जीता-जागता सबूत उनके जीते हुए ढेरों पुरस्कार हैं. लोग जितना उनकी बोल्डनेस पर फिदा हैं उतना ही उनकी ट्रेडिशनल लुक के भी दीवाने हैं. सोशल मीडिया पर लाखों की संख्या में मौजूद उनके फॉलोवर्स इस बात के गवाह हैं कि विद्या आज भी उतनी ही पॉपुलर हैं जितना वे 2006 में आई बॉलीवुड फिल्म परिणीता के समय थीं. लेकिन इन सबके बावजूद एक्ट्रेस अक्सर बॉडी शेमिंग का शिकार हो जाती हैं और लोग उन्हें अपना वजन घटाने की सलाह देते हैं. लेकिन विद्या भी ऐसे लोगों को जवाब देना बखूबी जानती हैं.

टीवी शो हम पांच से अपने करियर की शुरुआत करने वाली विद्या बालन को अपने फिगर की वजह से ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ता है. हालांकि विद्या के मुताबिक उन्हों अपने फिगर की वजह से अपने काम में किसी तरह की बाधा महसूस नहीं होती. लेकिन इसके बावजूद कई लोग उनकी आलोचना करते हैं. ऐसा ही कुछ साल 2017 में हुआ जब उनकी फिल्म 'तुम्हारी सुलु' रिलीज हुई थी. तब विद्या बालन के एक कॉन्फ्रेंस में एक रिपोर्टर ने उन्हें ग्लैमरस रोल्स निभाने के लिए अपना वजन कम करने की सलाह दी थी. लेकिन विद्या तब बिल्कुल भी हिचकिचाई नहीं बल्कि उन्होंने रिपोर्टर को करारा जवाब दिया.

वजन कम करने के लिए अपनाया था यह तरीका

विद्या बालन ने रिपोर्टर को जवाब देते हुए कहा था, मैं जो कर रही हूं उससे बहुत खुश हूं, बहुत अच्छा होगा अगर आपकी धारणा बदल सके. ऐसा पहली बार हुआ था जब विद्या को उनके वजन को लेकर इस तरह खुलेआम निशाना बनाया गया था. हालांकि इसके बाद भी कई ऐसा मौके आते रहे जिसका एक्ट्रेस ने बहुत समझदारी के साथ सामना किया है. अपने वजन को लेकर ट्रोल किए जाने पर विद्या एक इंटरव्यू में कहती हैं, जब मैं 17 साल की थी तो किसी ने मुझसे कहा था कि अगर मैं एक दिन में 10 लीटर पानी पीती हूं, तो मेरा वजन कम हो जाएगा.

जिसके बाद मैंने ऐसा करना शुरू भी कर दिया. लेकिन लगभग हर रात मुझे उल्टी हो जाती थी. विद्या ने बताया कि इसकी वजह से उनके परिवार के लोग परेशान थे और जब विद्या ने उन्हें बताया कि वे क्या कर रही हैं तो उन्हें डॉक्टर के पास ले जाया गया. विद्या ने कहा कि जब उन्होंने इस तरह पानी पीना छोड़ दिया तो उनका वजन दोबारा बढ़ गया.

बच्चे के सवाल पर विद्या बालन ने दिया ये जवाब!

विद्या बालन ने सिद्धार्थ रॉय कपूर से शादी की थी. अब उनकी शादी को ग्यारह साल हो चुके हैं और इतने सालों बाद भी दोनों की केमिस्ट्री वैसी ही है जैसी तब थी जब दोनों शुरूआत में एक-दूसरे से मिले थे.

शादी को 11 साल होने के बाद अब उनसे एक सवाल जो बार-बार किया जाता है वह यह कि विद्या अपनी जिंदगी में बच्चे का स्वागत कब करेंगी. इसपर अभिनेत्री ने कहा कि वे अभी मां बनने के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं हैं क्योंकि किसी दूसरे इंसान की जिम्मेदारी उठाना एक मुश्किल काम है.

महिला परिधानों में साड़ी है सबसे पसन्दीदा

सलवार-सूट भी होते हैं खास

भारतीय परिधानों में साड़ी का इतिहास सबसे पुराना है। वैदिक काल से लेकर आज के आधुनिक युग तक के सफर में साड़ी को भारतीय नारी ने हमेशा पसन्द ही नहीं किया बल्कि नेशनल ड्रेस का दर्जा भी दिया है। चाहे वार्डरोब कितने की तरह के पकड़ों से भरा पड़ा हो, लेकिन जब तक उसमें कुछ डिजाइनर, सादा, ट्रेडीशनल, कैजुवल और त्यौंहारी सीजन की साड़ी का कलेक्शन न हो, लगता ही नहीं कि कोई कपड़ा है।

साड़ी से जुड़ी है भारत की संस्कृति

साड़ी भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। साड़ी ऐसा परिधान है जो भारत को एक सूत्र में बांधती है और अनेकता में एकता का संदेश देती है। पारम्परिक कला के साथ ही विभिन्न राज्यों की साडिय़ाँ उन स्थलों की संस्कृति का भी प्रतिनिधित्व करती हैं। उत्तर से लेकर दक्षिण भारत तक और पूर्व से लेकर पश्चिम भारत तक की संस्कृति वहाँ की साडिय़ों में दिखाई देती है। उत्तर के बनारस की बनारसी साड़ी तो दक्षिण भारत से कंजीवरम साड़ी राजसी लुक के लिए पसन्द करी जाती हैं। पूर्व में बंगाल की काँथा साड़ी की पहचान है तो पश्चिम से गुजरात की बांधनी साड़ी मन को मोह लेती है। राजस्थान की लहरिया और बंधेज की साडिय़ों को भला कौन भूल सकता है। लहरिया और बंधेज की साडिय़ों की माँग पश्चिमी देशों में सर्वाधिक है।

खास होते हैं सलवार सूट

वहीं दूसरी ओर युवतियों में सलवार सूट को लेकर अपना एक अलग क्रेज नजर आता है। कोई भी फंक्शन हो, त्योंहार हो, हर औरत सबसे सुन्दर दिखना चाहती है। ऐसे में सभी महिलाओं की पहली पसन्द ट्रेडिशनल सलवार सूट ही होते हैं। लेकिन इतने सारे विकल्प होते हैं कि समझ में नहीं आता कौन सा सूट लें और कौन सा नहीं लें। सलवार सूट ट्रेडिशनल आउटफिट होने के साथ-साथ अब और भी स्टाइलिश एवं ट्रैंडी हो गया है। इसे न सिर्फ शुद्ध भारतीय परिवेश बल्कि इंडो वेस्टर्न स्टाइल में भी कैरी किया जा सकता है। इन दिनों 70 के दशक के रेट्रो लुक और पंजाब के पटियाला शहर में महाराजाओं द्वारा पहनी जाने वाली पटियाला सलवार के फैशन का दौर है।

इन तरीकों से रखें गर्मी में अपने घर को ठंडा

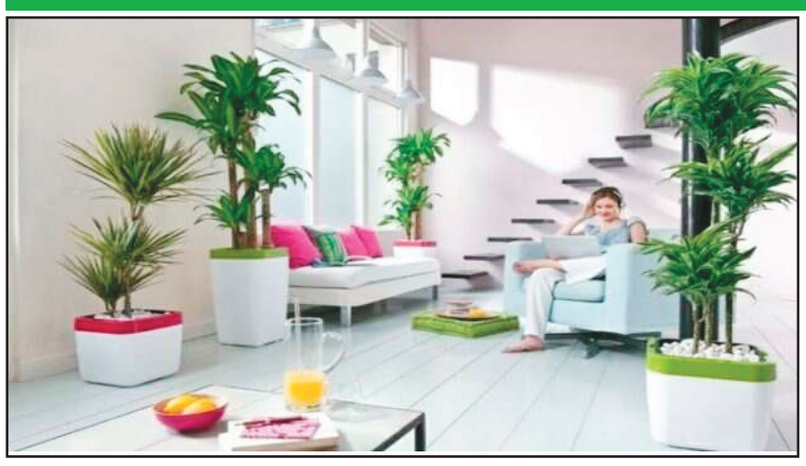

घर को ठंडा करने के लिए पानी का इस्तेमाल करें

होम हैक्स अच्छा काम कर सकते हैं। एक साधारण ट्रिक में एक बाल्टी पानी का उपयोग करना शामिल है। अपने पर्दे की निचली एड़ी को बाल्टी में डुबोएं और पंखे को चालू रहने दें। कपड़े के माध्यम से पानी धीरे-धीरे ऊपर की ओर रिसता है और हवा कमरे में ठंडक ले जाएगी।

कमरों में अंधेरा रखें

हम सभी जानते हैं कि गर्म गर्मी के सूरज की चकाचौंध से दूर और एक ठंडी जगह में, छाया के नीचे कितना सुकून मिलता है। इसे प्राप्त करने के लिए, सबसे गहरे रंग के सूती पर्दे खरीदें। सुनिश्चित करें कि पर्दे की परत मोटी हो, ताकि सूरज की रोशनी उन्हें फीका न करे। गहरा हरा या भूरा आसान विकल्प हैं। सुबह से ही खींचे हुए पर्दों को बंद कर दें। यदि आपका कमरा पूरे दिन धूप से बचा रहता है, तो यह अपेक्षाकृत ठंडा रहने के लिए बाध्य है।

पौधों को खिडक़ी के पास लगाएं

पत्तेदार पौधे भी अद्भुत काम कर सकते हैं। यदि आपके पास कुछ बड़े सजावटी या पॉटेड पौधे हैं, तो उन्हें अपनी खिड़कियों के करीब ले जाएं। वे अधिकांश गर्मी को अवशोषित करेंगे और उनके चारों ओर शीतलन प्रभाव पैदा करेंगे।

फ्रिज को अकेला छोड़ दें

आपको बार-बार ठंडे पानी और आइस-क्यूब्स तक पहुंचने का लालच हो सकता है, लेकिन रेफ्रिजरेटर को कई बार खोलने और बंद करने से इसकी मोटर पर लोड और तापमान बढ़ जाता है। यह बदले में आपके घर में परिवेश के तापमान को बढ़ाता है।

शांत प्रकाश विकल्पों का प्रयोग करें

एलईडी से लेकर फ्लोरोसेंट रोशनी तक, कई शांत प्रकाश विकल्प उपलब्ध हैं, इसलिए गर्म तापदीप्त बल्बों का उपयोग जारी रखने का कोई कारण नहीं है। इसी तरह, जब उपयोग में न हो तो सभी बिजली के उपकरणों, खासकर टीवी को बंद कर दें। यहां तक कि एक मोबाइल चार्जर भी गर्मी उत्सर्जित करता है।

सूती कपड़ों का प्रयोग करें

गर्मी का समय फैंसी साटन या रेशम की चादरों के लिए, या अशुद्ध चमड़े के असबाब के लिए नहीं है। सफेद या पेस्टल रंगों में कुरकुरी सूती चादर का कम से कम एक सेट खरीदें। यदि आपका काउच किसी ऐसे कपड़े से असबाबवाला है जो कपास या लिनन नहीं है, तो कुछ ऐसे सोफा कवर या थ्रो खरीदें जो कपास से बने हों।

सूर्यास्त के समय खिड़कियाँ खोलें

यदि आप अपनी खिड़कियाँ सही समय पर खोल दें तो आपको शाम की ठंडी हवा का लाभ मिलेगा। यह आपके घर के तापमान को कम करेगा और आने वाली रात के लिए इसे और अधिक आरामदायक बना देगा। इसके अलावा, अपने घर के हर आन्तरिक दरवाजे को खोल दें, जिसमें किचन कैबिनेट और बाथरूम, बेडरूम और अलमारी के दरवाजे शामिल हैं। यह दिन के दौरान बनी हुई गर्मी को दूर करने और समग्र तापमान को कम करने में मदद करेगा। अगले दिन भोर होते ही इन दरवाजों को बंद करना याद रखें और सूरज फिर से उठे।

चुकंदर के पानी से बालों को मिलेगी मजबूती

चेहरे की खूबसूरती सिर्फ चमकदार त्वचा से ही नहीं बालों से भी होती है। लंबे, घने, रेशमी बाल खूबसूरती को बढ़ाने का काम करते हैं। जब बाल गिरने और सफेद होने लगते हैं तो हर महिला परेशान हो जाती है। बालों को मजबूत बनाने और कलर करने के कई घरेलू नुस्खे हैं। जिन्हें प्रयत्न करने से लाभ होता है।बाजार में बालों की देखभाल करने वाले कई उत्पाद मौजूद हैं। लेकिन कई बार ये बालों के झड़ने और टूटने का कारण भी बन जाते हैं। इसलिए आप चाहें तो घर में बने खास टॉनिक का इस्तेमाल कर सकते हैं। चुकंदर के पानी से बना यह टॉनिक बालों में नई जान डालता है। तो आइए जानें हेयर टॉनिक बनाने का तरीका। इस हेयर टॉनिक की रेसिपी को टीवी एक्ट्रेस जूही परमार ने फैन्स के साथ शेयर किया है। जिसमें वह बालों को लंबा और घना बनाने का तरीका बता रही हैं।

हेयर टॉनिक बनाने के लिए आपको चाहिए एक कटा हुआ चुकंदर, एक चम्मच एलोवेरा जेल, एक कप पानी, एक चम्मच गुलाब जल। सबसे पहले चुकंदर को धोकर छील लें और इसके टुकड़े कर लें। - फिर एक बर्तन में पानी गर्म करें और उसमें कटे हुए चुकंदर के टुकड़े डालकर कुछ देर पकने दें. फिर गैस बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें। ठंडा होने पर पानी को छान लें. पानी को छानने के बाद इसमें निश्चित मात्रा में गुलाब जल और एलोवेरा जेल मिलाएं।

अब इस मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में भर लें। तैयार हेयर टॉनिक को बालों की जड़ों में लगाकर पूरे सिर पर हल्के हाथों से मसाज करें। स्कैल्प की नियमित मालिश बालों के विकास में सुधार करती है और बालों को मजबूत बनाती है।

साथ ही बालों में चमक आती है और नेचुरल कलर भी हो जाते हैं। आप चाहें तो इसे शैंपू करने से एक घंटा पहले लगाएं और बालों को धो लें। इससे भी इस टॉनिक को फायदा होगा।

तरबूज खाने के ही नहीं बल्कि चेहरे पर लगाने के भी हैं कई फायदे

गर्मी यानी तरबूज का मौसम। इस मौसम में इस फल को खाने से शरीर में पानी की पूर्ति होती है और शरीर हाइड्रेट रहता है। लेकिन, क्या हो अगर हम कहें कि इसे चेहरे पर लगाने से भी यही फायदे होते हैं। जी हां, तरबूज को चेहरे पर लगाने के कई फायदे हैं। यह वास्तव में एक सफाई करने वाले के रूप में कार्य करता है और त्वचा के छिद्रों को अंदर से साफ करके हाइड्रेट करता है। इसके अलावा यह आपको गुलाबी गाल पाने में मदद करता है।

1. तरबूज से फेस मास्क बनाएं

तरबूज को दरदरा पीस लें और इसका फेस मास्क बना लें। फिर इस मास्क को अपने चेहरे पर लगाएं और कुछ देर के लिए ऐसे ही छोड़ दें। फिर हल्के हाथों से चेहरे की मसाज करते हुए ठंडे पानी से चेहरा धो लें। यह वास्तव में चेहरे को साफ करने में मदद करता है और इसे भीतर से मॉइस्चराइज़ करता है। इस तरह यह त्वचा के लिए फायदेमंद होता है।

2. तरबूज को चेहरे पर मलें

तरबूज को सिर्फ चेहरे पर रगड़ने से भी त्वचा के लिए मालिश का काम करता है। यह रक्त परिसंचरण में सुधार करता है और आपको चमकदार त्वचा पाने में मदद करता है। इसलिए तरबूज का एक छोटा सा टुकड़ा काट लें और इसे अपने चेहरे पर मलें। यह चेहरे में कोलेजन को बढ़ाने के साथ-साथ फाइन लाइन्स को रोकने में मदद करेगा।

3. तरबूज के छिलके का प्रयोग करें

तरबूज के छिलके को आप स्क्रब की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। यह विटामिन सी की मदद से आपकी त्वचा के रोमछिद्रों को अंदर से साफ करने और फाइन रेडिकल्स को कम करने में मददगार है। साथ ही इसके एंटीऑक्सीडेंट आपकी त्वचा को अंदर से स्वस्थ रखने और दमकती त्वचा पाने में मददगार होते हैं। तो इन सभी कारणों से आपको तरबूज को अपने चेहरे पर लगाना चाहिए।

गर्मी में खाने के साथ परोसें पुदीना चटनी, शरीर में बनी रहेगी ठंडक

खाने का स्वाद बढ़ाने वाली पुदीने की चटनी शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होती है. पुदीने की चटनी गर्मी में न सिर्फ शरीर को ठंडक पहुंचाती है, बल्कि पेट के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है। पुदीने की चटनी इसके गुणों के कारण गर्मियों के मौसम में खासतौर पर बनाकर खाई जाती है। अगर आप भी पुदीने की चटनी बनाकर खाना चाहते हैं तो आप हमारे बताए तरीके से इसे बड़ी ही आसानी से तैयार कर सकते हैं। आइए जानते हैं पुदीने की चटनी बनाने की विधि।

पुदीने की चटनी को स्वाद और पौष्टिकता से भरपूर बनाने के लिए सबसे पहले पुदीने की पत्तियों को तोड़कर साफ पानी में डालकर अच्छी तरह धो लें। - इसके बाद पत्तों को पानी से निकालकर काट लें. इसके बाद हरी मिर्च और हरे धनिये को भी काट कर तैयार कर लीजिए. अब एक छोटे कटोरे में एक नींबू को काट कर उसका रस निचोड़ लें। आप चाहें तो चटनी पीसते समय सीधे नींबू का रस निचोड़ सकते हैं।अब मिक्सर जार में पुदीने के पत्ते, हरी मिर्च और हरा धनियां डाल दीजिए. इसमें लहसुन की कलियां और अदरक के टुकड़े डालें। - इसके बाद जार में चीनी और स्वादानुसार नमक डालकर ढककर पीस लें. चटनी को चिकना होने तक पीस लीजिये. - इसके बाद पुदीने की चटनी को एक बड़े प्याले में निकाल लीजिए. स्वाद और पोषण से भरपूर पुदीने की चटनी तैयार है. इसे लंच या डिनर में सर्व करें।

पुदीने की चटनी बनाने की सामग्री

पुदीने के पत्ते - 1/2 कप
लहसुन - 2-3 कलियां
हरा धनिया कटा हुआ - 1 कप
अदरक का टुकड़ा - छोटा
हरी मिर्च कटी हुई - 2
चीनी - 1/2 छोटा चम्मच
नींबू का रस - 1 छोटा चम्मच
नमक - स्वादानुसार
पुदीने की चटनी रेसिपी

कैसे करें एलोवेरा के पौधे की देखभाल

एलोवेरा एलो जीनस में एक रसीले पौधे की प्रजाति है। पौधे में बिना तने या बहुत छोटे तने वाले पत्ते होते हैं जो पौधे के केंद्रीय तने से निकलते हैं। पत्ती का किनारा छोटे दाँतों से दाँतेदार होता है। एलोवेरा के लिए अप्रत्यक्ष धूप (या कृत्रिम धूप) की आवश्यकता होती है। सीधी धूप पौधे को सुखा सकती है और इसकी मांसल पत्तियों को पीला कर सकती है, इसलिए यदि आपका एलो विशेष रूप से धूप वाले स्थान पर है, तो आपको इसे अधिक बार पानी देने की आवश्यकता हो सकती है।

बहुत अधिक पानी ना डालें

आपको सर्दियों में एलोवेरा के प्लांट में बहुत अधिक पानी को नहीं डालना चाहिए। ऐसा करने से एलोवेरा का प्लांट बहुत जल्दी खराब होता है और उसकी जड़ें भी सडने लगती हैं। इस कारण से प्लांट मर भी सकता है। सर्दियों में अगर आपको एलोवेरा के प्लांट में उसकी मिट्टी बहुत अधिक सूखी हुई नजर आती है तो आप प्लांट को पानी दे सकती हैं। आपको एक दिन प्लांट में पानी डालने के बाद सर्दियों में कम से कम दो दिन तक पानी नहीं डालना चाहिए। सर्दियों में आपको एलोवेरा का प्लांट वहां रखना चाहिए जहां पर अधिक धूप भी आती हो। इससे प्लांट में अगर अतिरिक्त पानी होगा तो वह सूख जाएगा।

कैसे डालें खाद

आपको पौधों में बहुत अधिक खाद नहीं डालनी चाहिए। अगर आप बहुत अधिक खाद डालेंगे तो इससे भी आपके एलोवेरा के पौधे को नुकसान पहुंचेगा। इससे पौधे को कई सारे पोषक तत्व मिलते हैं। आपको रासायनिक खाद की जगह जैविक खाद का ही यूज करना चाहिए। आप सब्जियों के छिलके को जैविक खाद के रूप में यूज कर सकते हैं।

पौधे की सफाई करें

एलोवेरा के पौधे पर गंदगी भी अधिक जम जाती है। ऐसे में आप एक साफ कपड़े की मदद से एलोवेरा की पत्तियों को साफ कर सकते हैं। इसके साथ-साथ आपको पौधे की उन अतिरिक्त पत्तियों को निकाल देना चाहिए जो बाकी पत्तियों को खराब कर सकती हैं। इसे फेंकने की जगह आप स्टोर भी कर सकते हैं और फिर इसका किसी अन्य काम में उपयोग भी कर सकते हैं।

कपड़े धोते वक्त अपनाएं यह उपाय, दूर होगी कपड़ों की बू, आएगी खुशबू

बेकिंग सोडा

बहुत बार कपड़ों में बदबू गंदगी की वजह से भी आती है। ऐसे में कपड़े धोते वक्त बेकिंग सोडा इस्तेमाल किया जा सकता है। 1 चम्मच बेकिंग सोडा आपके कपड़ों से ना सिर्फ गंदगी दूर करेगा बल्कि उन्हें बदबू से भी बचाएगा।

पुदीने के पत्ते

घर के बहुत से कामों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाला पुदीना कपड़ों को भी खुशबूदार बना सकता है। आपको बस कपड़े धोते वक्त पानी में 1 कप पुदीने के पत्ते डालने हैं। इससे कपड़ों की बदबू खत्म हो जाएगी। साथ ही कपड़ों के धुलने के बाद भी आप अलमारी में पुदीने के पत्ते रख सकते हैं। इससे ना ही कीड़े आते हैं और ना ही बदबू।

परफ्यूम का करें इस्तेमाल

आमतौर पर सभी के घर में कोई ना कोई परफ्यूम होता ही है। कपड़ों को खुशबूदार बनाने के लिए भी परफ्यूम का इस्तेमाल किया जा सकता है। वाशिंग मशीन में कपड़े डालने के बाद आप उसमें थोड़ा सा परफ्यूम डाल दें। परफ्यूम कितना डालना है यह बात आपके परफ्यूम की गंध और कपड़ों की संख्या पर निर्भर करती है। इस ट्रिक की मदद से सारे कपड़ों में से धीमी-धीमी महक आती है।

कॉफी बींस

कॉफी बींस भी आपके कपड़ों को महका सकती है। आपको बस कॉफी बींस को मशीन में डालना है। 4 से 5 कॉफी बींस आपके पूरे कपड़ों को महका देगी। हालांकि कॉफी डालते वक्त ध्यान रखना चाहिए कि आप जरूरत से ज्यादा कॉफी ना डालें।

नौकरी खोजने में मदद करने वाली कंपनी में छंटनी

लिंक्डइन ने 716 एम्प्लॉइज को निकालने का किया ऐलान, चीन में इनकरियर ऐप को बंद करेगी कंपनी

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। लोगों को नौकरी खोजने में मदद करने वाले प्लेटफॉर्म लिंक्डइन ने अब खुद छंटनी करने का ऐलान किया है। लिंक्डइन ने बताया कि डिमांड वेवर के रूप में कंपनी के 716 एम्प्लॉइज को नौकरी से निकाला जाएगा। लेटेस्ट राउंड की इस छंटनी में सेल्स, ऑपरेशंस और सपोर्ट टीम्स के ज्यादातर एम्प्लॉइज प्रभावित होंगे।

फरवरी में की थी पहले राउंड की छंटनी

लिंक्डइन ने बताया कि कंपनी अतिरिक्त लागत को कम करने के लिए अपने ऑपरेशंस को फिर से अरेंज कर रही है। लिंक्डइन ने फरवरी में पहले राउंड की छंटनी की थी, जिसमें ज्यादातर रिक्रूटिंग टीम के एम्प्लॉइज प्रभावित हुए थे।

लिंक्डइन में हैं लगभग 20,000 एम्प्लॉइज

माइक्रोसॉफ्ट के स्वामित्व वाले जॉब प्लेटफॉर्म लिंक्डइन में 20,000 से ज्यादा एम्प्लॉइज है।

5 मई 2003 को लॉन्च हुआ था लिंक्डइन

- 20,000 से ज्यादा एम्प्लॉइज काम करते हैं।
- कंपनी का हेड-क्वार्टर कैलिफोर्निया में है।
- 930 मिलियन से ज्यादा रजिस्टर्ड यूजर्स हैं।
- लिंक्डइन के फाउंडर रीड हॉफमैन हैं।
- माइक्रोसॉफ्ट ने 2016 में लिंक्डइन खरीदी थी।

पिछली दो तिमाहियों में रेवेन्यू में ग्रोथ के बावजूद कंपनी ने छंटनी करने का फैसला किया है।

कंपनी नए जॉब्स क्रिएट करेगी : सीईओ

एम्प्लॉइज को भेजे गए लेटर में लिंक्डइन के सीईओ रेयान रोसलैंस्की ने कहा कि छंटनी का उद्देश्य कंपनी के ऑपरेशन को फिर से अरेंज करना है। लेटर में यह भी कहा गया है कि कंपनी नए जॉब्स क्रिएट करेगी और छंटनी से प्रभावित एम्प्लॉइज भी फिर से अप्लाई करने के लिए फ्री हैं।

चीन में इनकरियर ऐप को बंद करेगी कंपनी

रिपोर्ट्स के मुताबिक, छंटनी के अलावा लिंक्डइन अपने चाइना-फोकस्ड ऐप इनकरियर्स को भी बंद कर देगी। लिंक्डइन ने भी इनकरियर्स के पेज को अपडेट किया है और पुष्टि की है कि यह ऐप 9 अगस्त 2023 तक काम करेगा।

कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर लिखा, 'हमारी इनिशियल प्रोग्रेस के बावजूद इनकरियर्स ने टफ कॉम्पिटिशन और चैलेंजिंग मैक्रोइकॉनॉमिक कंडीशन का सामना किया है। जिसकी वजह से हमें अपनी सर्विसेज को बंद करने का फैसला लेना पड़ा है।'

दिसंबर 2021 में की थी इनकरियर्स की शुरुआत

लिंक्डइन ने अपने यूजर्स को डेडलाइन से पहले इनकरियर्स अकाउंट का डेटा डाउनलोड करने की सलाह दी है। दिसंबर 2021 में लिंक्डइन ने इनकरियर की शुरुआत चाइना के प्रोफेशनल्स को नौकरी और कंपनियों को चीन में ग्रेट टैलेंट खोजने में मदद करने के लिए की थी। यह iOS और एंड्रॉयड के लिए फ्री में अवेलेबल था।

फिच ने भारत की संप्रभु रेटिंग को बताया मजबूत बेहतर ग्रोथ है कारण

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। रेटिंग एजेंसी फिच ने मंगलवार को भारत की संप्रभु रेटिंग के परिदृश्य को स्थिर बताते हुए कहा कि भारत का विकास मजबूत दिख रहा है। फिच रेटिंग्स ने अपने बयान में कहा कि फिच रेटिंग्स ने भारत की दीर्घकालिक विदेशी मुद्रा जारीकर्ता डिफॉल्ट रेटिंग को स्थिर परिदृश्य के साथ 'बीबीबी' के स्तर पर रखा है। फिच ने कहा कि संप्रभु रेटिंग के लिए मजबूत वृद्धि क्षमता एक महत्वपूर्ण वजह है।

संप्रभु रेटिंग के लिए इन मानकों को बनाया जाता है आधार

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारत की रेटिंग अन्य देशों की तुलना में मजबूत ग्रोथ और बाहरी वित्तीय लचीलापन दर्शा रही है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को पिछले साल के बड़े बाहरी झटकों से पार पाने में मदद मिली है। एजेंसी अगस्त 2006 से भारत की रेटिंग को 'बीबीबी' पर रख रही है, जो सबसे कम निवेश ग्रेड रेटिंग है। बता दें कि अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियां विभिन्न देशों की सरकारों के तय समय में उधार चुकाने की क्षमता के आधार पर संप्रभु रेटिंग तय करती हैं। इसके लिए अर्थव्यवस्था, बाजार और राजनीतिक जोखिम को आधार बनाया जाता है। संप्रभु रेटिंग से पता चलता है कि कोई देश भविष्य में अपने उधार और देनदारियां चुका सकता या नहीं। पूरी दुनिया में स्टैंडर्ड एंड पूअर्स, फिच और मूडीज इन्वेस्टर्स जैसी रेटिंग एजेंसियां ही संप्रभु रेटिंग तय करती हैं।

राजस्थान का लिथियम भंडार 80% डिमांड पूरा कर सकता है

आनंद महिंद्रा बोले-चीन जैसी रिफाइनिंग कैपेसिटी के लिए तेजी से कदम बढ़ाना होगा

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के डेगाना में मिले लिथियम भंडार के बाद इंडस्ट्रियलिस्ट आनंद महिंद्रा ने इसकी रिफाइनिंग को बड़ा चैलेंज बताया। उन्होंने कहा, 'सप्लाई चेन का की-एलिमेंट रिफाइनिंग है, रिजर्व नहीं। जहां चीन के पास भारी बढ़त है। हमें उस कैपेसिटी को इंस्टॉल करने के लिए तेजी से कदम बढ़ाने की जरूरत है।' आनंद महिंद्रा ने ये भी कहा कि हमारे पास 21वीं सदी में विकास के लिए महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन का बड़ा भंडार है। यह संकेत है कि भारत का 'इलेक्ट्रिफाइड फ्यूचर' है। इससे पहले भी जब जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में लिथियम का भंडार मिला था तब भी उन्होंने कहा था, 'इसमें कोई शक नहीं है कि भारत का भविष्य उज्ज्वल है।'

देश की 80% मांग को पूरा कर सकता राजस्थान का लिथियम

जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, केंद्र या राज्य सरकारों की ओर से राजस्थान के लिथियम रिजर्व को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन न्यूज एजेंसी आईएएनएस ने जीएसआई और राज्य सरकार के अधिकारियों के हवाले से कहा कि यह खोज भारत की 80% मांग को पूरा कर सकती है। लिथियम का यूज मोबाइल-लैपटॉप, इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए चार्जेबल बैटरी बनाने में किया जाता है।

चीन पर निर्भरता और कम होगी

डेगाना में मिले लिथियम से आयात के मामले में भारत की चीन पर निर्भरता और कम होगी। लिथियम आयात करने के लिए भारत ताइवान और अर्जेंटीना के साथ भी डील करता है। ये लिथियम भंडार दुनिया में लिथियम के एकाधिकार को समाप्त करने की संभावना रखता है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य- मेष में		मेष-	04-20 बजे
चंद्र- धनु में		वृष-	06-04 बजे
मंगल मिथुन में		मिथुन-	08-04 बजे
बुध- मेष में		कर्क-	10-17 बजे
गुरु- मेष में		सिंह-	12-28 बजे
शुक्र- मिथुन में		कन्या-	14-36 बजे
शनि- कुंभ में		तुला-	16-41 बजे
राहु- मेष में		वृश्चिक-	18-52 बजे
केतु- तुला में		धनु-	21-04 बजे
		मकर-	23-12 बजे
		कुंभ-	
		मीन-	01-02 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885124
सूर्योदय- 05-50
सूर्य अस्त- 18-45
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- पंचमी - 13 -49 तक उपरान्त षष्ठी
मास - ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष , बुधवार May 10
नक्षत्र - पूर्वाषाढ़ा - 16- 12 - तक उपरान्त उ.षाढ़ा
योग - साध्य - 18 - 16 - तक उप - शुभ
करण- तैतिल - 13 -49 - तक उप- गर
विशेष:- व्रत -त्योहार - मंगल कर्क में -13-49 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:13 से 13:49 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

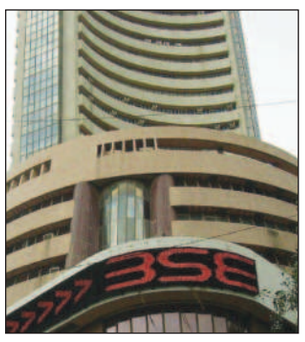

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05:50 - 07:24	शुभ	उत्पात	18:35 - 20:02	अशुभ
अमृत	07:24 - 09:00	शुभ	शुभ	20:02 - 21:25	शुभ
काल.	09:00 - 10:36	अशुभ	अमृत	21:25 - 22:49	शुभ
शुभ..	10:36 - 12:13	शुभ	चंचल	22:49 - 00:12	शुभ
रोग	12:13 - 13:49	अशुभ	रोग	00:12 - 01:36	अशुभ
उत्पात	13:49 - 15:25	अशुभ	काल	01:36 - 02:59	अशुभ
चंचल	15:25 - 17:02	शुभ	लाभ	02:59 - 04:23	शुभ
लाभ	17:02 - 18:35	शुभ	उत्पात	04:23 - 05:50	अशुभ

बिजनेस शुरू करने के लिए भारत दुनिया के टॉप-5 में

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। देश की महिलाएं खुद का बिजनेस शुरू करने के मामले में भी कहीं आगे हैं। इस मामले में दुनिया की टॉप-5 इकोनॉमी वाले देशों में अमेरिका के बाद हम दूसरे नंबर पर हैं। आबादी में हमसे लगभग बराबरी पर खड़े चीन से तुलना करें तो पिछले साढ़े 3 साल में अपना बिजनेस शुरू करने वाली महिलाओं की तादाद चीन के मुकाबले भारत में दोगुने से भी ज्यादा है। देश के नए उद्यमियों (एंटरप्रेन्योर) में महिलाओं की हिस्सेदारी जहां 11% तक है, वहीं चीन में यह आंकड़ा सिर्फ 5% पर अटका है। अमेरिका में यह हिस्सेदारी 18%, जर्मनी में 7% और जापान में सिर्फ 3.6% है। ग्लोबल एंटरप्रेन्योरशिप मॉनिटर की 2022-23 की ग्लोबल रिपोर्ट में यह तस्वीर सामने आई है।

सेंसेक्स 2 अंक की गिरावट के साथ 61,761 पर बंद

मुंबई, 9 मई (एजेंसियां)। आज यानी मंगलवार (9 मई) को शेयर बाजार में सपाट कारोबार रहा। सेंसेक्स 2 अंक की गिरावट के साथ 61,761 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में महज 1 अंक की तेजी रही, ये 18,265 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 में बढ़त और सिर्फ 12 में गिरावट देखने को मिली है। आज बाजार दिन के ऊपरी स्तर से 300 अंक नीचे बंद हुआ है।आज के कारोबार में बैंकिंग, रियल्टी, मेटल शेयरों में ऊपरी स्तर से बिकवाली देखने को मिली। निफ्टी बैंक में दिन की ऊंचाई से करीब 1% गिरावट आई। वहीं पीएसयू बैंक इंडेक्स ऊपरी स्तर से 3.68% गिरकर बंद हुआ। जबकि निफ्टी रियल्टी इंडेक्स ऊपरी स्तर से 1.74% गिरा और मेटल इंडेक्स ऊपरी स्तर से करीब 1.50% गिरा है। वहीं रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 25 पैसे कमजोर होकर 82.05 रुपए पर बंद हुआ।

चौथी तिमाही में रेमंड का मुनाफा घटा

चौथी तिमाही में रेमंड कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 7.1% घटकर 562.4 करोड़ रुपए रहा जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 605.6 करोड़ रुपए रहा था। वहीं आय 3,549 करोड़ रुपए से बढ़कर 3,778.1 करोड़ रुपए रही है। इसका शेयर आज फ्लैट 1,586 रुपए पर बंद हुआ।

आज से खुला नेक्सस सेलेक्ट ट्रस्ट का आईपीओ

ग्लोबल प्राइवेट इक्विटी फर्म ब्लैकस्टोन के निवेश वाली फर्म नेक्सस सेलेक्ट ट्रस्ट का आईपीओ आज से निवेश के लिए खुल गया है। इस इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ के जरिए कंपनी 3200 करोड़ रुपए जुटाएगी। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 9 मई से 11 मई तक अप्लाय कर सकेंगे। 19 मई को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर कंपनी के शेयर लिस्ट होंगे। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 150 शेयरों के लिए अप्लाय करना होगा। कंपनी ने आईपीओ का प्राइज बैंड 95-100 रुपए प्रति शेयर रखा है। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 100 रुपए के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाई करते हैं तो आपको 15,000 रुपए लगाने होंगे।

50 रुपये किलो से कम भाव पर सेब के आयात पर पाबंदी, केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। सरकार ने सेब आयात को लेकर अहम शर्तें प्रभावी कर दी हैं। इसके तहत 50 रुपये किलो से कम के भाव पर सेब का आयात नहीं किया जा सकेगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने सोमवार को एक अधिसूचना में कहा कि अगर सेब की कीमत 50 रुपये किलो से अधिक है तो आयात की अनुमति होगी। अगर सीआईएफ (लागत, बीमा, माल ढुलाई) आयात कीमत 50 रुपये किलो से कम है तो सेब के आयात पर पाबंदी होगी। न्यूनतम आयात मूल्य की शर्त भूटान से होने वाले आयात पर लागू नहीं होगी।भारत को सेब निर्यात करने वाले मुख्य देशों में अमेरिका, ईरान, ब्राजील, संयुक्त अरब अमीरात, अफगानिस्तान, फ्रांस, बेल्जियम, चिली, इटली, तुर्की, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और पोलैंड शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका से आयात 2022-23 के अप्रैल-फरवरी में 84.8 प्रतिशत बढ़कर 1.85 करोड़ टन रहा। इसी प्रकार पोलैंड से आयात इस दौरान 83.36 प्रतिशत बढ़कर 1.53 करोड़ टन रहा। हालांकि, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस और अफगानिस्तान से आयात में कमी आई।

नए कॉन्ट्रैक्ट से खुश नहीं पायलट !

एयरलाइन ने संशोधित मुआवजा ढांचे पर सोचने के लिए दिया और समय

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। एयर इंडिया ने अपने पायलटों को संशोधित मुआवजा ढांचा (रिवाइज्ड कंपनसेशन स्ट्रक्चर) स्वीकार करने के लिए और समय दिया है। हालांकि, इस ढांचे का दो पायलट यूनियनों ने विरोध किया था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, एयर इंडिया ने अपने कई पायलटों के साथ उनकी चिंताओं के बारे में बातचीत की। इसके बाद फैसला लिया गया कि जिन पायलटों ने अभी तक नए अनुबंधों पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, उन्हें अभी थोड़ा और समय सोचने विचारने के लिए दिया जाए। इस दौरान पायलट गंभीरता से सोच कर फैसला लें कि उन्हें क्या करना है।वता दें, एयरलाइन ने नए अनुबंधों पर हस्ताक्षर करने के लिए इस सप्ताह के अंत तक का समय दिया है। हालांकि समय सीमा बढ़ाने पर एयर इंडिया की ओर से कोई टिप्पणी नहीं की गई। गौरतलब है, इससे पहले नए अनुबंधों को स्वीकार करने की समय सीमा 30 अप्रैल थी, जो खत्म हो चुकी है। अब समय बढ़ाने का फैसला ऐसे वक्त में लिया गया है, जब संकटग्रस्त गो फर्स्ट ने उड़ान बंद कर दी है और इसका भविष्य अनिश्चित बना हुआ है। ऐसे में इसके पायलट कहीं और नौकरी के अवसर तलाश रहे हैं।सूत्रों ने कहा कि लगभग 800 पायलट ने नए ढांचे को स्वीकार नहीं किया था। यह सभी चार मई को टाउन हॉल में शामिल हुए। इसे एयर इंडिया के परिचालन प्रमुख कैप्टन राजविंदर सिंह संधू ने संबोधित किया। इस बैठक में शामिल एक पायलट ने कहा कि संधू ने भरोसा दिया था कि सभी मुद्दों को सुलझाया जाएगा और संशोधित अनुबंधों के किसी भी खंड का दुरुपयोग नहीं किया जाएगा।

चांदी में निवेश हो सकता है फायदेमंद

सिल्वर ईटीएफ के जरिए 100 रुपए से भी कम में कर सकते हैं निवेश की शुरुआत

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। सिल्वर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड यानी सिल्वर ईटीएफ निवेशकों को रास आने लगी है। मार्च, 2023 तक इनका एसेट बेस बढ़कर करीब 1,800 करोड़ रुपए हो गया। सेबी ने करीब डेढ़ साल पहले सिल्वर ईटीएफ की शुरुआत की थी। इसके जरिए आप शेयर की ही तरह चांदी में भी निवेश कर सकते हैं। हम आज आपको सिल्वर ईटीएफ के बारे में बता रहे हैं।

सबसे पहले समझें ईटीएफ क्या है?

चांदी को शेयरों की तरह खरीदने की सुविधा को सिल्वर ईटीएफ कहते हैं। ये एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड हैं, जिन्हें स्टॉक एक्सचेंजों पर खरीदा और बेचा जा सकता है। चूंकि सिल्वर ईटीएफ का बेंचमार्क स्पॉट सिल्वर की कीमतें हैं, आप इसे चांदी की वास्तविक कीमत के करीब खरीद सकते हैं। कम मात्रा में भी खरीद सकते हैं चांदी : ईटीएफ के जरिए सिल्वर यूनिट्स में खरीदते हैं। इससे कम मात्रा में या एसआईपी

(सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के जरिए चांदी खरीदना आसान हो जाता है। सिल्वर ईटीएफ की 1 यूनिट की कीमत अभी आप 100 रुपए से भी कम है। यानी आप 100 रुपए से भी कम में इसमें निवेश की शुरुआत कर सकते हैं। चांदी रहती है सुरक्षित : इलेक्ट्रॉनिक चांदी डीमैट अकाउंट में होती है जिसमें सिर्फ सालाना डीमैट चार्ज देना होता है। साथ ही चोरी होने का डर नहीं होता। वहीं फिजिकल चांदी में चोरी के खतरे के अलावा उसकी सुरक्षा पर भी खर्च करना होता है। व्यापार की आसानी : सिल्वर ईटीएफ को बिना किसी परेशानी के तुरंत खरीदा और बेचा जा सकता है। यानी पैसों की जरूरत पड़ने पर आप जब चाहे इसे बेच सकते हैं।

सिल्वर ईटीएफ में निवेश क्यों करना चाहिए?

चांदी प्रभावशाली बुलियन बनती जा रही है। एक्सपर्ट्स के अनुसार जब भी अर्थव्यवस्थाएं मजबूत होंगी, चांदी की मांग बढ़ने लगेगी।'' इसका एक मतलब यह भी है कि बढ़ती महंगाई वाले दौर में सोने के मुकाबले चांदी की कीमत ज्यादा बढ़ेगी। ऐसे में महंगाई से बचाव के साधन (हेजिंग टूल) के तौर पर चांदी बेहतर साबित होगी।

90 हजार तक जा सकती है चांदी

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के अनुमान के अनुसार इस साल चांदी 90 हजार रु./किलो तक जा सकती है। इंडस्ट्रियल डिमांड बढ़ने और सोने की कीमतें ज्यादा होने से भी चांदी की कीमतों में उछाल आ रहा है।

आपका राशिफल

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपके मिलनसार स्वभाव के कारण आपके बहुत सारे दोस्त हैं लेकिन ये सभी विश्वसनीय नहीं हैं । आज किसी भी दोस्त पर विश्वास करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जान लें । आज आप बिलकुल स्पष्ट सोच रहे हैं और आप मुश्किल योजना बनायेंगे और उसे बहुत अच्छी तरह कार्यान्वित भी कर पायेंगे ।

वृष ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो,
आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहेगा ,या तो आपके पास मेहमान आयेंगे या आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं । इसी समय आप अपने घर का नवीकरण ,नया घर खरीदने या दूसरी जगह शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । हालांकि आप पूरा दिन बहुत व्यस्त रहेंगे,फिर भी आप दिन का हरेक पल आनंद लेंगे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा,
आपको आज कोई अप्रत्याशित अनुभव हो सकता है । ऐसा नहीं है कि आप इससे परेशान हो होंगे लेकिन इससे आपके मन में हलचल जरूर मच जायेगी । इससे आपके दृष्टिकोण में व्हास बदलाव भी आ सकता है । अपनी भावनाओं को व्यक्त करने न घबराएं लेकिन यह समय अपने स्थान पर दूसरों की भावनात्मक मांगों को प्राथमिकता देने के लिए अधिक उपयुक्त है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा, डी, डू, डे, डो,
आपको कोई करीबी शायद आपके कारण भावनात्मक उथल-पुथल के दायरे में है । आप एकदम से निष्कर्ष पर पहुंच जाते हैं और इस बार भी आपने सही से समझे बिना ही इस व्यक्ति पर पक्षपात न होने का आरोप लगा दिया है । आपके लिए अच्छा यही होगा कि आप पहले शांति से बैठकर सही समय तक का इन्तजार करें और अच्छे से सोच लें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप आज उल्लास और कुछ कर गुजरने के मूड में हैं । आपके सामने आज भूत से अवसर आयेंगे और आप उनका पूरा लाभ उठाने के लिए बहुत उत्साह में हैं । आज अगर आप अपने दिल की सुनेंगे तो वित्तीय,निजी जीवन तथा संबंधों में भी बहुत सफलता मिलेगी । आज दिन घटनाओं भरा रहेगा और आप इसका हरपल आनंद उठाएंगे ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,
आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं । आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं । इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए । आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं । अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो, ता, ती, तू ,ते,
अप्रत्याशित रूप से काफी खर्च हो सकता है । आप कोई ऐसी चीज खरीद सकते हैं जिसकी आपको जरूरत नहीं है लेकिन आपको अच्छी लगती है,इससे आपकी वित्तीय स्थिति काफी प्रभावित भी होगी । अपनी इस खर्च करने की प्रवृत्ति पर नियंत्रण रखें तो दिन शांति से गुजर जाएगा । आपको आज कुछ नयी वित्तीय योजनायें भी पता चलेंगी ।

वृश्चिक लो,ना,नी, ने,नू, या ,यी ,यू,
समय लोग आपके बेहतरीन विचारों को सुनने –जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं आपको अब उनसे जो भी बात मनवानी हैं,आप आसानी से मनवा सकते हैं,इसके लिए कोई कसर न छोड़ें । अपनी अधिकार जताने की प्रवृत्ति को नियंत्रण में रखें,यह आपके खिलाफ जा सकती है । अपना दिमाग खुला रखें,इस समय लोग आपके बेहतरीन विचारों को सुनने –जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं आपको अब उनसे जो भी बात मनवानी हैं,आप आसानी से मनवा सकते हैं,इसके लिए कोई कसर न छोड़ें ।

धनु ये, यो,य, भी, भू, धा ,फा, ढा, भे
अपनी अधिकार जताने की प्रवृत्ति को नियंत्रण में रखें,यह आपके खिलाफ जा सकती है । अपना दिमाग खुला रखें,आपके पास पिछले कामों की भरमार रहेगी,आप पिछले कुछ समय से अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाह रहे हैं,आज का दिन आपके उन सब कामों के लिए बहुत अच्छा है आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए इच्छाशक्ति,अनुशासन और एकाग्रता से काम लेना होगा ।

मकर मो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी
आज आपसे अत्यधिक काम की अपेक्षा की जायेगी ,आप कुछ भी किस्मत के भरोसे या कोई छोटा सा भी काम किसी और के भरोसे नहीं छोड़ सकते हालांकि दिन के अंत में कोई बहुत अच्छी खबर मिलेगी जो आपके प्रयासों की सफलता से सम्बंधित होगी शाम का समय आपके लिए चुनौतीभरा हो सकता है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,
संचार कुशलता आपकी विशेषता है,आप किसी दोस्त या करीबी से आज कोई ऐसी बात बांटना चाहेंगे जो आप काफी लम्बे समय से सोच रहे हैं । आज अपने गुस्से और निराशा को बाहर निकलने दें । बात करते हुए कोई समाधान भी मिल सकता है ,लेकिन बातें दिल खोलकर करें । दिन के अंत में कोई चौंकाने वाली खबर मिल सकती है ।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज के दिन की खासियत आपकी किसी प्रभावी व्यक्ति से मुलाकात रहेगी जिसका प्रभाव आपके जीवन पर पर काफी लम्बे समय तक रहेगा । आप किसी ऐसीस्थिति या व्यक्ति के संपर्क में भी आ सकते हैं जहाँ आपको विपरीत दृष्टिकोणों का सामना करना पड़ सकता है । आपको रचनात्मक आलोचना को सही तरीके से लेना हो ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

पाकिस्तान को जल्द ही आईएमएफ ऋण मिलने की कोई संभावना नहीं

इस्लामाबाद, 9 मई (एजेंसियां)। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान को विस्तारित फंड सुविधा (ईएफएफ) के तहत अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से जल्द ही महत्वपूर्ण किश्त नहीं मिल सकती है, क्योंकि देश का ऋण कार्यक्रम 17 मई तक ऋणदाता के कार्यकारी बोर्ड के एजेंडे में नहीं है।

लोकल मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। जियो न्यूज ने बताया कि पाकिस्तान और आईएमएफ फरवरी से समीक्षा में राजकोषीय नीति के उपायों पर चर्चा कर रहे हैं, जिसका लक्ष्य नवंबर में 1.1 अरब डॉलर के रुके हुए फंड को फिर से शुरू करना है, जो 2019 में 6.5 अरब डॉलर के कार्यक्रम पर सहमत हुआ था।पाकिस्तान महत्वपूर्ण नौवीं समीक्षा को अनलॉक करने की कोशिश कर रहा है क्योंकि अन्य बहुपक्षीय उधारदाताओं ने आईएमएफ कार्यक्रम के पुनरुद्धार को फंडिंग अनलॉक करने के लिए पूर्व शर्त के रूप में निर्धारित किया है। भुगतान संकट के संतुलन के दौरान अपने बाहरी भुगतान दायित्वों पर डिफॉल्ट को टालने के लिए, आईएमएफ फंडिंग पाकिस्तान के लिए महत्वपूर्ण है, जिसमें विदेशी मुद्रा भंडार केवल चार सप्ताह के नियंत्रित आयात तक कम हो गया है। सूत्रों के मुताबिक, वैश्विक ऋणदाता पाकिस्तान के अधिकारियों ने साझा किया कि पाकिस्तान ने मित्र देशों द्वारा उसे दिए गए आश्वासन से संतुष्ट नहीं है। नाम न छापने की शर्त पर वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने साझा किया कि पाकिस्तान ने ऋण सुविधा के पुनरुद्धार के लिए ऋणदाता द्वारा निर्धारित कई शर्तों को पूरा किया है।

उन्होंने कहा कि नौवीं समीक्षा पर कर्मचारी स्तर के समझौते पर नौ फरवरी तक हस्ताक्षर किए जाने थे।पिछले हफ्ते, पाकिस्तान में आईएमएफ मिशन के प्रमुख नाथन पोर्टर ने कहा कि कर्जदाता बेलआउट कार्यक्रम की नौवीं समीक्षा पूरी करने के लिए पाकिस्तान के साथ काम कर रहा है। शर्तों के हिस्से के रूप में, पाकिस्तान ने आश्वासन दिया है कि जून में समाप्त होने वाले इस वित्तीय वर्ष में भुगतान संतुलन का अंतर पूरा तरह से वित्त पोषित है। पाकिस्तान ने सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात से वित्तपोषण सहायता में 3 अरब डॉलर की प्रतिज्ञा की घोषणा की है, लेकिन धन अभी तक नहीं आया है।

'केरल स्टोरी' यूपी-एमपी में टैक्स-फ्री तो बंगाल में बैन क्यों?

क्या है फिल्मों को टैक्स फ्री करने की असली वजह?

नई दिल्ली, 10 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। विवेक अग्निहोत्री की फिल्म 'कश्मीर फाइल्स' के टैक्स फ्री होने के 14 महीने बाद अब 'द केरल स्टोरी' को कई राज्यों में टैक्स फ्री किया गया है। 9 मई को यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर कहा है कि- 'द केरल स्टोरी उत्तर प्रदेश में टैक्स फ्री की जाएगी।'

इससे एक दिन पहले मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने इस फिल्म को टैक्स फ्री करने का ऐलान किया। वहीं, कुछ राज्यों में इसे बैन भी किया गया है। आज जानेंगे कि किसी फिल्म को टैक्स फ्री करने की असली राजनीतिक वजह क्या है?

'द केरल स्टोरी' फिल्म अपनी कहानी और दावों को लेकर चर्चा में है। 26 अप्रैल को इसका ट्रेलर रिलीज हुआ। फिल्म 4 युवतियों की जिंदगी पर बेस्ड है। 2 मिनट 45 सेकेंड के ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे कॉलेज जाने वाली 4 युवतियां एक आतंकी संगठन से जुड़ जाती हैं। ट्रेलर की शुरुआत केरल की हिंदू लड़की शालिनी उन्नीकृष्णन के परिचय से शुरू होती है, जिसमें वो आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़ने की पूरी कहानी बता रही है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे एक गिरोह केरल की युवतियों का ब्रेनवॉश करके धर्म परिवर्तन कराता है और फिर आतंकी संगठन आईएसआईएस का हिस्सा बना देता है। इसके लिए कभी फिजिकल रिलेशन तो कभी धार्मिक मान्यताओं को टूल की तरह इस्तेमाल किया जाता है। अब एक ओर भाजपा इस फिल्म को आतंकवाद का असली चेहरा उजागर करने वाली फिल्म बता रही है। वहीं, कांग्रेस, टीएमसी समेत कई विपक्षी दलों ने इसे प्रोपेगैंडा मूवी बताया है। लड़कियों की ये कहानी केरल पर आधारित है। ऐसे में रिलीज होने के बाद इस फिल्म को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा केरल में ही है। खुद मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने इस फिल्म को संघ की झूठ फैक्ट्री का प्रोडक्ट बताया है। विजयन का कहना है कि केरल में बीजेपी की रणनीति फेल हो गई है, इसीलिए इस तरह की फिल्मों के सहारे वो यहां राजनीति करना चाह रहे हैं।

8 मई को पश्चिम बंगाल में 'द केरल स्टोरी' फिल्म पर बैन लगाया गया है। सरकार ने इसके पीछे तर्क दिया है कि इससे अशांति पैदा हो सकती है। इससे पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस फिल्म को लेकर कहा था कि 'द कश्मीर फाइल्स' समाज के एक वर्ग को अपमानित करने के लिए बनाई गई थी, जबकि केरल स्टोरी को दक्षिणी राज्य केरल को बदनाम करने के लिए बनाया गया है।

केरल और पश्चिम बंगाल के बाद 'द केरल स्टोरी' पर तमिलनाडु में भी संकट मंडरा रहा है। भले ही तमिलनाडु सरकार ने इस फिल्म पर बैन नहीं लगाया है, लेकिन 7 मई को तमिलनाडु मल्टीप्लेक्स एसोसिएशन ने ऐलान किया कि वो राज्य में फिल्म की स्क्रीनिंग नहीं करेंगे।

7 मई को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक वीडियो जारी कर कहा कि केरल स्टोरी फिल्म में दिखाया गया है कि लव जिहाद के जाल में फंसी बेटियों की जीवन कैसे बर्बाद हो जाती है। यह आतंकवाद के असली चेहरे को उजागर करती है। उन्होंने कहा कि यह फिल्म सभी को देखनी चाहिए, इसीलिए मध्य प्रदेश सरकार इसे टैक्स फ्री कर रही है।

9 मई को यूपी में द केरल स्टोरी फिल्म को टैक्स फ्री कर दिया गया है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा है कि हर किसी को द केरल स्टोरी देखनी चाहिए। मैं अपनी सभी बहनों से अपील करूंगा कि वे फिल्म देखें और समझें कि एक राज्य में बहनों पर कैसे अत्याचार होते हैं।

9 मई को उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 'द केरल स्टोरी' फिल्म ये दिखाती है कि कैसे बिना बंदूक और हिंसा के भी देश में आतंकवाद को फैलाया जा सकता है। धामी खुद ये फिल्म देखने सिनेमा हॉल गए। इसके

बाद उनके ट्रांसपोर्ट मंत्री ने जल्द इस फिल्म के टैक्स फ्री करने की बात कही है।

बीजेपी के सांसद नितेश राणे और दूसरे नेताओं ने सीएम एकनाथ शिंदे से महाराष्ट्र में केरल स्टोरी फिल्म को टैक्स फ्री करने की मांग की है। हालांकि, सरकार ने अभी इसका ऐलान नहीं किया है।

असम में भी इस फिल्म को टैक्स फ्री करने की मांग हो रही है। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि जो कांग्रेस पीएम मोदी पर बने फेक बीबीसी डॉक्यूमेंट्री का समर्थन कर रही थी। वही अब केरल स्टोरी के विरोध में बैन की मांग कर रही है।

'केरल स्टोरी' फिल्म के बारे में बहुत चर्चा हो रही है। ये फिल्म देश को भीतर से खोखला करने वाली चालों को उजागर करती है। 'द केरल स्टोरी' ऐसे राज्य में पनप रहे आतंकी साजिश का पर्दाफाश करती है, जहां के लोग खूबसूरत, मेहनती और प्रतिभाशाली हैं।'

5 मई को कर्नाटक के बेल्लारी में चुनाव प्रचार करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने ये बात कही। इसके बाद ही इस फिल्म को कई भाजपा शासित राज्यों में टैक्स फ्री किया गया है। अब सोशल मीडिया पर इस बात की चर्चा है कि बीजेपी अपने फायदे के लिए इस फिल्म को प्रमोट कर रही है, लेकिन क्या ये बात सही है? क्या सरकार अपने फायदे के लिए ऐसा करती है? इन सवालों के जवाब जान लेते हैं। इसका जवाब न्यूयार्क टाइम्स में लिखे गए मिशेल सी पुत्ज के एक ब्लॉग में मिलता है। अमेरिका में हुए एक रिसर्च के हवाले से उन्होंने बताया कि कोई फिल्म लोगों की राजनीतिक सोच को सीधे प्रभावित करती है। मिशेल ने बताया कि 2012 में अमेरिका में एक फिल्म 'आर्गो' और 'जीरो डार्क थर्टी' रिलीज हुई। इस फिल्म को देखने वाले लोगों पर रिसर्च के बाद यह पता चला कि इन फिल्मों को देखने से पहले 25% लोगों को लगता था कि उनकी सरकार अपने देश को सही दिशा में ले जा रही है, जबकि फिल्म देखने के बाद यह आंकड़ा बढ़कर 28% हो गया। साफ है कि सिनेमा सिर्फ समाज की असलियत ही नहीं दिखाता बल्कि लोगों की सोच पर भी असर करता है। दुनिया भर की सरकारें अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए फिल्मों का सहारा लेती हैं।

अब अगली स्लाइड में देखिए कि किस तरह फिल्म सरकार के प्रति लोगों के विचारों को प्रभावित करती है। फिल्मों को टैक्स फ्री करने को लेकर कोई तय नियम नहीं है। आमतौर पर फिल्मों से होने वाली कमाई पर राज्य सरकारें टैक्स लेती हैं। ये उस राज्य की सरकार पर निर्भर करता है कि वह किस फिल्म को टैक्स फ्री करे।

समान्य तौर पर देखें तो जिस फिल्म से समाज में कुछ पॉजिटिव मैसेज जाय वैसी फिल्मों को सरकार टैक्स फ्री करती हैं। हालांकि आजकल ज्यादातर अपनी विचारधारा को प्रमोट करने के लिए सरकारें फिल्मों को टैक्स फ्री करती हैं। चाहे सरकार जिस भी दल की हो वो अपने फायदे के हिसाब से इस मुद्दे पर फैसला लेते हैं।

किसी फिल्म को टैक्स फ्री होने की वजह से उसके टिकट की कीमत कम हो जाती है। इसकी वजह से ज्यादा से ज्यादा लोग फिल्म देखने के लिए सिनेमा हॉल जाते हैं। इससे सरकार को दो तरह से फायदे मिलते है। इस तरह की फिल्मों से समाज में एक पॉजिटिव मैसेज भेजना संभव होता है। लोगों को आसानी से सामाजिक और शैक्षणिक तौर पर जागरूक किया जाना संभव होता है। सरकार अपने विचार को आसानी से लोगों तक पहुंचा देती है। फिल्मों पर लगने वाले टैक्स को एंटरटेनमेंट टैक्स कहते हैं। जीएसटी लागू होने के बाद दो तरह के टैक्स टिकट के बेस प्राइस पर लगते हैं। 100 रुपए या इससे कम टिकट है तो इस पर 12% जीएसटी लगता है। ये दो हिस्सों में बांटा जाता है- सेंट्रल और स्टेट। 100 रुपए से ज्यादा टिकट का दाम होता है तो 18% जीएसटी टैक्स लगता है। इसमें भी आधा हिस्सा केंद्र और आधा राज्यों का होता है। अगर कोई राज्य सरकार किसी फिल्म को टैक्स फ्री करती है तो इसका मतलब हुआ कि राज्यों का हिस्सा ही माफ होगा। इसे ऐसे समझिए।

मान लीजिए भोपाल के वेव सिनेमा मल्टीप्लेक्स के एग्जीक्यूटिव क्लास में 'द केरल स्टोरी' फिल्म के टिकट की कीमत 180 रुपए है। इस पर 18% यानी 22 रुपए टैक्स लगता है। इसमें 11 रुपए राज्य जबकि 11 रुपए केंद्र के हिस्से में जाता है। अब राज्य सरकार ने इस फिल्म के टैक्स फ्री होने का ऐलान किया। इसका मतलब ये हुआ कि टिकट का 9% यानी 11 रुपए कीमत कम हो जाएगी। अब वही टिकट आम लोगों को 169 रुपए में मिलेगा।

केरल हाईकोर्ट में इस फिल्म पर रोक लगाने के लिए एक याचिका दायर की गई थी। 5 मई को इस याचिका को खारिज करते हुए जस्टिस एन नागरेश और जस्टिस सोफी थॉमस ने रोक लगाने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा था कि फिल्म केवल सत्य घटनाओं से प्रेरित है। फिल्म सर्टिफिकेशन बोर्ड ने इसे देखने के बाद रिलीज की इजाजत दी है। इसके बाद इस फिल्म पर रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दर्ज की गई। जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज करते हुए कहा था कि- 'फिल्म के ट्रेलर में किसी विशेष समुदाय के लिए कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है। अब ये फिल्म अच्छी है या नहीं, ये बाजार को तय करने दीजिए।'

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की बड़ी बैठक

प्रदेश प्रभारी कुमारी सेलजा मंत्रियों और महापौरों की लेंगी बैठक, चुनावी रणनीतियों पर होगी अहम चर्चा

रायपुर, 10 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव करीब है। ऐसे में छत्तीसगढ़ की कांग्रेस प्रभारी कुमारी सेलजा बड़ी बैठक लेने वाली हैं। राजधानी रायपुर पहुंचते ही सबसे पहले प्रदेश के मंत्रियों की बैठक होगी। जिसमें तमाम कैबिनेट मंत्रियों के साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी बैठक में शामिल होंगे।

प्रदेश में सत्ता और संगठन के आपसी सामंजस्य के साथ ही राजनीतिक हालातों पर चर्चा होगी। इसके अलावा विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति पर भी मंथन किया जाएगा।

सूत्रों की मानें तो कांग्रेस ने प्रदेश की सभी विधानसभा सीटों के लिए सर्वे रिपोर्ट तैयार कर ली है। और इस रिपोर्ट के आधार पर अब 90 विधानसभा सभा सीटों में विधायकों की परफॉर्मेंस के अलावा प्रभारी मंत्रियों के काम की भी समीक्षा की जाएगी।

इस वक्त सभी विधानसभा सीटों के लिए चेहरों को लेकर कांग्रेस में नए समीकरण तैयार किए जा रहे हैं। जिसमें स्थानीय विधायकों के कामकाज के अलावा ये भी देखा जा रहा है की जमीनी स्तर पर कार्यकर्ता अपने विधायक से कितना संतुष्ट हैं। साथ ही जिन विधायकों की परफॉर्मेंस खराब है। या फिर प्रभारी मंत्रियों ने अपने प्रभार वाले जिलों में विधायकों से आपसी सामंजस्य बिठाकर नहीं रखा है। ऐसे मंत्रियों की क्लास कुमारी सेलजा बैठक में लें सकती हैं।

इसके बाद अगले दिन शहरी सरकार में कांग्रेस के महापौरों की बैठक होगी। जिसमें दिए गए टारगेट को पूरा करने के साथ ही चुनाव को लेकर निकायों के महापौर की भी भूमिका तय की जाएगी।

लगातार ईडी की कार्रवाई के बाद संगठन की आगामी रणनीति को लेकर चर्चा

छत्तीसगढ़ समेत देश के कई राज्यों में लगातार हो रही ईडी की कार्रवाई को लेकर भी बैठक में चर्चा की जाएगी। इस वक्त छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव से पहले ईडी की छापेमार कार्रवाई की है। जिसके बाद चुनाव से पहले संगठन की इस मामले में क्या भूमिका होगी और मंत्रियों का सहयोग क्या होगा इस पर भी चर्चा संभव है।

छत्तीसगढ़ की प्रदेश प्रभारी कुमारी सेलजा आज 2 बजे तक रायपुर पहुंचेगी। यहां पहुंचते ही दोपहर 2 बजकर 30 मिनट पर कांग्रेस के मंत्रियों की बैठक शुरू होगी।

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव सप्तगिरी शंकर उल्का बुधवार को कोरापुट ओडिशा से जगदलपुर पहुंचेंगे। और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करेंगे। इसके अलावा उल्का गुरुवार को राजीव भवन में होने वाली महापौरों की बैठक में शामिल होंगे।

शादी में डांस करते बीएसपी के इंजीनियर की मौत

भांजी की शादी में खुशी से रिश्तेदारों के साथ इतना नाचे कि आ गया हार्ट अटैक

भिलाई, 10 मई (एजेंसियां)। भिलाई स्टील प्लांट के इंजीनियर दिलीप राउतकर को शादी समारोह में नाचते समय हार्ट अटैक आ गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना का लाइव वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

भिलाई स्टील प्लांट से मिली जानकारी के मुताबिक, दिलीप राउतकर दल्ली राजहरा में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग बीएसपी में असिस्टेंट इंजीनियर थे। दिलीप के दोस्त केशव जाम्बुलकर ने बताया कि 4 मई को उनकी भांजी की दल्ली राजहरा में ही शादी थी। वो भांजी की शादी को लेकर काफी खुश थे। रात 12 बजे के करीब दिलीप और उनके रिश्तेदारों ने स्टेज पर दूल्हा-दुल्हन के साथ जमकर डांस किया।

डांस करने के बाद 52 वर्षीय दिलीप को अचानक सीने में दर्द हुआ, लेकिन जब तक लोग इस बात को समझ पाते, वे स्टेज पर ही लुढ़क गए। उन्हें अस्पताल ले जाने का भी मौका नहीं मिला। मौके पर ही उन्होंने दम तोड़ दिया। लोगों ने दिलीप को हिलाकर उठाने की कोशिश की, लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं।

फिर भी परिजन दिलीप को लेकर डोंगरगढ़ अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अगले दिन 5 मई को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मामा की शादी के बाद शादी वाले घर में मातम पसर गया है।

दिलीप राउतकर के बड़े भाई राजेश राउतकर डोंगरगढ़ में आंख के डॉक्टर हैं। वहीं दिलीप अपने पीछे 10 और 12 साल की दो बेटियों और पत्नी को छोड़ गए हैं। उनके जाने से बेटियों के सिर से पिता का साया उठ गया है।

हेमंत सोरेन ने सौंपा नियुक्ति पत्र

सहायक लोक अभियोजक को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सौंपा नियुक्ति पत्र कहा, झारखंड के लोगों को आपकी जरूरत

रांची, 10 मई (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आज 113 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपा है। यह आयोजन प्रोजेक्ट भवन में किया गया रिजल्ट करीब एक महीने पहले ही जारी हुआ है, जिसमें कुल 113 अभ्यर्थी सफल हुए थे। कार्यक्रम दोपहर एक बजे से रांची के धुर्वा स्थित प्रोजेक्ट भवन में हुआ।

कई केस पेंडिंग, बेगुनाह भी भुगत रहे हैं सजा

इस दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने संबोधित करते हुए सभी सफल उम्मीदवारों को बधाई दी। उन्होंने कहा इस तरह का समारोह पहली बार नहीं है, आपने खुशियों की कड़ी में और कड़ी जोड़ी है। हमने कई चयनित बच्चों को यहां पहले भी नियुक्ति पत्र दिया है। मैं एक बात कभी भूला नहीं पाता हूं, राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने एक बात कही थी कि हमें जेल बनाने की क्या जरूरत है, हमें इसे कम करने की तरफ क्यों ध्यान नहीं दे रहे हैं। साफ है कि वर्तमान समय में न्यायपालिका के अंदर कई सारे केस पेंडिंग हैं, यही वजह है कि जेल के अंदर कैदियों की संख्या बढ़ रही है। यह संकेत ना राज्य के लिए ना देश के लिए बेहतर है। कई बेगुनाह जेल के अंदर है सजा भुगत रहे हैं उनकी मनोदशा क्या होगी। डॉक्टर और वकील को लोग भगवान की तरह मानते हैं इनके छवि को और बेहतर करने की जिम्मेदारी आपके कांधे पर है। झारखंड के आम लोगों को नियम कानून की जानकारी कम है, ऐसी स्थिति में उन्हें न्याय दिलाना, उनके पक्ष में खड़े रहना कितना मुश्किल होता है आप अनुभव करेंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा, झारखंड की जेल में कई ऐसे गरीब लोग हैं जो पैसे के अभाव में वकील नहीं कर पाते। सरकार उनके लिए भी वकील करती है, सहायता उपलब्ध कराती है। मेरी जानकारी जहां तक है गरीबों को इसकी जानकारी नहीं है, वकील का खर्च सरकार देती है गरीब नहीं, लोगों को अभी और जागरूक करने की आवश्यकता है। देश के कई राज्यों में झारखंड की स्थिति थोड़ी अलग है। इस राज्य के हर एक जिले में अलग- भाषा के लोग है। यहां के कई ग्रामीण क्षेत्र के लोग हिंदी नहीं जानते। आपको उनके साथ भी संवाद स्थापित करना है। आपको न्याय दिलाने में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। आप इन भाषाओं को समझें जाने तभी राह आसान होगी। गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग अंतर्गत विभिन्न पदों के लिए यह विज्ञापन 2018 (संख्या-03/2018) में जारी किया गया था। यह परिणाम 23 मार्च को जारी किया गया था। जिसके तहत कुल 113 लोगों को आज नियुक्ति पत्र सौंपा गया।

झारखंड लोक सेवा आयोग की ओर से रिक्त 143 पदों के लिए सीधी भर्ती नियुक्ति परीक्षा ली गयी थी। सहायक लोक अभियोजक के परिणाम में निखर बर्णवाल स्टेट टॉपर बने थे, वहीं गरिमा पांडे और अभिलाषा साहनी क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर थी। झारखंड हाईकोर्ट के निर्देश के बाद यह रिजल्ट जारी किया गया था। जानकारी यह भी हो कि साल 2018 के चली आ रही नियुक्ति प्रक्रिया को साल 2022 में रद्द कर दिया गया था, जिसके बाद अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया और अदालत ने प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया था।

ट्रक और बोलेरो की टक्कर में 4 लोगों की मौत

6 लोग गंभीर रूप से घायल, शादी कार्यक्रम से वापस लौटते वक्त हुआ हादसा

सूरजपुर, 10 मई (एजेंसियां)। सूरजपुर जिले में अंबिकापुर-बनारस स्टेट हाईवे पर बुधवार सुबह भीषण सड़क हादसे में 2 महिलाओं समेत 4 लोगों की मौत हो गई। जबकि 6 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। सभी घायलों को अंबिकापुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। मामला भटगांव थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, शादी में शामिल होने के बाद 10 लोग बोलेरो में सवार होकर बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के खेसारी गांव वापस लौट रहे थे। इनकी गाड़ी बुधवार सुबह करीब 9 बजे सूरजपुर जिले के सोनगरा इलाके में पहुंची, तभी तेज रफ्तार ट्रक ने इनकी बोलेरो को जबरदस्त टक्कर मार दी। ट्रक के साथ आमने-सामने की भिड़ंत में बोलेरो के परखच्चे उड़ गए।

हादसे में 2 महिलाओं और बोलेरो चालक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक व्यक्ति की मौत अंबिकापुर जिला अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में हुई। हादसे के बाद लोगों ने भटगांव थाना पुलिस को सूचना दी। मौके

पर पहुंची पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। 6 घायल लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद अंबिकापुर जिला अस्पताल ले जाया गया।

भटगांव पुलिस ने बताया कि बोलेरो में सभी शव फंसे हुए थे। जिन्हें बड़ी मशक्कत के बाद गाड़ी से बाहर निकाला गया। और पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया गया। हादसे के बाद ट्रक छोड़कर आरोपी ड्राइवर फरार हो गया है। जिसकी तलाश की जा रही है। जल्द ही आरोपी ड्राइवर को पकड़ लिया जाएगा।

पुलिस ने कहा कि घायलों की हालत बेहद गंभीर है। ऐसे में मौत का आंकड़ा बढ़ सकता है। ट्रक को फिलहाल जब्त कर लिया गया है। और आगे की कार्रवाई जारी है। मृतकों और घायलों के नाम अब तक सामने नहीं आए हैं।

संगठन छोड़ चुके माओवादियों का पुलिस ने किया एनकाउंटर

नक्सली लीडर ने पुलिस पर लगाया फर्जी मुठभेड़ का आरोप, बोले- घर से उठाकर ले गए और मार दी गोली

जगदलपुर, 10 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में हुई पुलिस नक्सली मुठभेड़ को माओवादियों ने फर्जी बताया है। नक्सली लीडर्स का आरोप है कि पुलिस ने संगठन छोड़ चुके दो माओवादियों को घर से उठाया और उनको जंगल में लेकर गए, जहां उनका एनकाउंटर कर दिया। माओवादियों का कहना है कि जंगल में न तो पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई और न ही वहां पर उनके कोई और साथी थे। पुलिस ने मुठभेड़ की मनगढ़ंत कहानी बनाई है।

दरअसल नक्सलियों के दक्षिण बस्तर डिवीजन कमेटी के सचिव गंगा ने प्रेस नोट जारी किया है। गंगा ने कहा कि, लगभग 1 महीने पहले मड़कम एर्रा और पोडियम भीमे संगठन छोड़ चुके थे। दोनों दंतेशपुरम गांव में रहकर जीवन यापन कर रहे थे। लेकिन अचानक पुलिस गांव पहुंची। दोनों को घर से उठाया और जंगल ले जाकर गोली मार दी। गंगा ने प्रेस नोट के माध्यम से कहा कि, एर्रा एलओएस कमांडर था और पोडियम एलओएस की सदस्य थी।

गंगा ने बस्तर के आईजी और सुकमा के एसपी पर आरोप

लगाया है कि, जब जंगलों में हमारी पार्टी के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई ही नहीं तो आखिर कैसे अफसर विस्फोटक सामान, हथियार बरामद कर लिए? यह एक तरह से पुलिस ने झूठी कहानी गढ़ी है।

दरअसल, पुलिस ने जानकारी दी थी कि, सुकमा जे भेज्जी थाना इलाके में नक्सलियों के साथ जवानों की मुठभेड़ हुई थी। इस मुठभेड़ में जवानों ने एलओएस कमांडर और महिला माओवादी को ढेर कर दिया। जवानों की टुकड़ी 8 लाख रुपए के इनामी माओवादी के आने की सूचना पर रवाना हुई थी। वहां से लौटने के दौरान ही माओवादियों ने फायरिंग कर दी। इसका जवानों ने मुंहतोड़ जवाब दिया और 2 नक्सलियों को मार गिराया।

अफसरों ने कहा था कि, डीआरजी, कोबरा, सीआरपीएफ 219 के जवान अलग-अलग स्थानों से दंतेशपुरम के जंगल की ओर रवाना हुए थे। फोर्स को यह सूचना मिली थी कि एलओएस कमांडर और 8 लाख का माओवादी मड़कम एर्रा अपने कुछ नक्सली साथियों के साथ दंतेशपुरम के जांगल में मौजूद है। इसके बाद जब सोमवार सुबह जवानों की अलग-अलग टुकड़ी जंगल की तरफ से लौट रही थी, उसी दौरान नक्सलियों ने फायरिंग करनी शुरू कर दी।

भाजपा में जा रहे हैं लोबिन हेंब्रम?

भाजपा में जाने पर लोबिन ने तोड़ी चुप्पी और हेमंत सोरेन पर साधा निशाना

रांची, 10 मई (एजेंसियां)। झारखंड मुक्ति मोरचा के बागी विधायक लोबिन हेंब्रम ने एक बार फिर अपनी ही सरकार पर निशाना साधा और हेमंत सोरेन को चेतावनी देते हुए कहा है कि 30 जून को विस्फोट होगा। लोबिन ने कहा, मुख्यमंत्री अच्छा काम नहीं कर रहे हैं। पार्टी ने चुनाव से पहले सीएनटी-एसपीटी एक्ट, पेसा कानून और 1932 के खतियान का वादा किया था। सत्ता में आते ही इन वादों को भूल गयी। शिबू सोरेन जिन उद्देश्यों को लेकर चले थे पार्टी उसे ही आगे नहीं बढ़ा रही। शिबू सोरेन ने अलग राज्य का सपना देखा था इस सपने के साथ झारखंडियों के कई हित भी जुड़े थे वो सपने पूरे होते नजर नहीं आ रहे। राज्य में 30 जून को बड़ा विस्फोट होगा। अगर सरकार अपने वादे पूरे नहीं करती तो सरकार के खिलाफ भी आंदोलन

करने से गुरेज नहीं करेंगे। 30 जून को सिदो-कान्हू की जन्मस्थली भोगनाडीह से राजनीतिक विस्फोट होगा। जब उनसे पत्रकारों ने पूछा कि क्या आप भाजपा में शामिल हो रहे हैं। लोबिन हेम्ब्रम ने कहा, फिलहाल बीजेपी में शामिल होने या नई राजनीतिक पार्टी का गठन करने से इनकार कर दिया।

लोबिन हेम्ब्रम ने कहा, राज्य में झामुमो-कांग्रेस-राजद गठबंधन की सरकार को साढ़े 3 साल पूरे हो गये। इतने वक्त में कोई बेहतर काम नहीं हुआ। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का एक भी काम अच्छा नहीं है। लोबिन हेम्ब्रम ने कहा कि यही हेमंत सोरेन थे जिन्होंने 1932 के खतियान के मुद्दे पर अर्जुन मुंडा की सरकार गिरा दी थी थी। तब भी कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाई और अब भी गठबंधन में है लेकिन 1932 का खतियान इन्होंने ही लागू नहीं किया। महागठबंधन सरकार झारखंड की जनता को छल रही है। लोबिन कई बार कई मंचों पर अपनी ही पार्टी के सरकार को घेर चुके हैं। उन्होंने हमेशा शिबू सोरेन से अपने संबंध अच्छे बताए और कहा है कि मैं हमेशा गुरुजी की सम्मान करता हूं। पिछले साल जनवरी महीने से ही लोबिन हेम्ब्रम मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर खुलकर हमला कर रहे हैं। विधानसभा में भी जब उन्हें बोलेने का मौका नहीं मिला तो उनके आंसू निकल आये थे।

गाजा पट्टी पर इजराइल के हवाई हमले

इस्लामिक जिहाद के टॉप कमांडरों समेत 12 की मौत, 48 एयरक्राफ्ट ने 3 जगहों पर अटैक किया

जरूसलम, 9 मई (एजेंसियां)। गाजा पट्टी में इजराइल के हवाई हमले में 12 लोगों की मौत हो गई। वहीं 20 लोग घायल हुए हैं। हमास के नियंत्रण वाली हेल्थ मिनिस्ट्री ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक मरने वालों में फिलिस्तीन इस्लामिक जिहादी मूवमेंट के टॉप 3 कमांडर और उनके परिवार के लोग शामिल हैं। इजराइली सेना ने भी इस ऑपरेशन की पुष्टि की है। एक बयान जारी कर कहा गया है कि हमले के दौरान फिलिस्तीन के इस्लामिक जिहादियों को टारगेट पर रखा था। हमला सोमवार सुबह 2 बजे के आसपास हुआ।

40 एयरक्राफ्ट से 3 जगहों पर की स्ट्राइक

टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक सोमवार को गाजा पट्टी में हुआ हमला सरप्राइज अटैक था। इसमें फाइटर जेट समेत 40 एयरक्राफ्ट शामिल थे। जिन्हें कुछ ही सेकेंड में तीन जगहों पर हमले करने थे।

एडमिरल डेनियल हगारी ने बताया कि इजराइल की डिफेंस फोर्सेस ने शुरूआती हमलों में ही अपना मकसद पूरा कर लिया था। इस कैंपेन को ऑपरेशन 'शील्ड एंड एरो' नाम दिया गया था। फोर्सेस का मकसद सिर्फ टारगेट हिट करना नहीं बल्कि सुरक्षित वापस लौटना भी था। अटैक से पहले इलाके के 40 किलोमीटर के एरिया में रहने वाले इजराइलियों को बॉम्ब शेल्टर में भेज दिया गया था।

टॉप कमांडरों की पत्नियां और बच्चे भी मरे

अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक मरने वाले 12 लोगों में से 3 टॉप कमांडरों की पत्नी और बच्चे थे। वहीं एक 58 साल का शख्स भी शामिल है, जो 11 बच्चों का पिता था।

इजराइल की इस कार्रवाई पर जिहादी संगठन ने बदला लेने की बात कही है। संगठन ने एक बयान जारी कहा- इजराइल को इस हमले की कीमत चुकानी पड़ेगी। धमाके का बदला धमाके से और अटैक का बदला अटैक से लिया जाएगा।

सोमवार को गाजा पट्टी में हुआ ऑपरेशन इजराइल की जवाबी कार्रवाई थी। दरअसल, पिछले हफ्ते एक फिलिस्तीन ने भूख हड़ताल कर इजराइल की जेल में दम तोड़ दिया था। जिसके बाद फिलिस्तीन की तरफ से इजराइल के बॉर्डर वाले इलाके में कई रॉकेट दागे थे।

क्या है फिलिस्तीन का इस्लामिक जिहाद संगठन?

फिलिस्तीन इस्लामिक जिहाद संगठन को 1981 में बनाया गया था। इसकी शुरुआत मिस्त्र में पढ़ने वाले फिलिस्तीनी लड़कों ने की थी। ये वेस्ट बैंक, गाजा और इजराइल के कब्जे वाले इलाकों में फिलिस्तीन का कब्जा चाहता है। इजराइल इस संगठन को ईरान का साथी बताता है। जो इजराइल को तबाह कर देना चाहते हैं। इस्लामिक जिहाद संगठन फिलिस्तीन को आजादी दिलाने वाले दूसरे बड़े संगठनों की तुलना में छोटा है। इसे ईरान से फंडिंग मिलती है।

सड़क पर उतरी आम आदमी पार्टी पेयजल को लेकर खोला मोर्चा

रायपुर, 9 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में पेयजल संकट को लेकर आम आदमी पार्टी ने आज प्रदेशव्यापी आंदोलन किया। इस क्रम में प्रदेश के हर जिले में आप के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने मटका फोड़ आंदोलन किया। रायपुर के अंबेडकर चौक में आप नेताओं ने मटका फोड़कर विरोध जताया। इस दौरान राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सरकार से पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की। भीषण गर्मी में पेयजल की मांग को लेकर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता प्रदेश के 33 जिलों में सड़क पर उतरे। आप कार्यकर्ताओं ने पेयजल की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। इस क्रम में प्रदेश के रायपुर, दुर्ग, महासमुंद, बलौदाबाजार-भाटापारा, सूरजपुर, जांजगीर, नारायणपुर, बलरामपुर, बिलासपुर, कबीरधाम, जांजगीर-चांपा, कांकेर समेत कई जिलों में विरोध प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। पेयजल समस्या के निदान के लिए संबंधित जिलों के कलेक्टर्स को ज्ञापन सौंपा गया।

सत्तारूढ़ पार्टी के अध्यक्ष बने सचित

46 साल के मेहरा पर इलेक्शन में जीत दिलाने का जिम्मा, पीएम ट्रूडो के करीबी दोस्त हैं

टोरंटो, 9 मई (एजेंसियां)। भारतीय मूल के सचित मेहरा कनाडा की सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी के नए प्रेसिडेंट बन गए हैं। इसके लिए शनिवार को इलेक्शन हुए थे। सोमवार को नतीजों का ऐलान किया गया। 46 साल के सचित ने मीरा अहमद को हराया।

सचित प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के करीबी दोस्त हैं और करीब 32 साल से लिबरल पार्टी से जुड़े हैं। शेड्यूल के मुताबिक, कनाडा में 2025 में जनरल इलेक्शन होने वाले हैं। ट्रूडो अलायंस के साथ सरकार चला रहे हैं। इसके लिए कॉमन मिनिमम प्रोग्राम बनाने वालों में भी सचित की अहम भूमिका थी। लिबरल पार्टी के इस चुनाव में मुकाबला कड़ा माना जा रहा था। इसकी वजह यह थी कि उनका मुकाबला मीरा अहमद से था जो पहले भी इस पार्टी की प्रेसिडेंट रह चुकी हैं। जीत के बाद सचित ने पार्टी मेंबर्स का शुक्रिया अदा किया। कहा- यह जीत एक हिसाब से नई चुनौती की शुरुआत है। हमें इसी वक्त से अगले चुनाव की तैयारी शुरू करनी है। अपने कैंडिडेट्स को जिताने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। हम चाहते हैं कि देश के हर हिस्से में लिबरल पार्टी के कैंडिडेट्स जीतें और हम मजबूत सरकार बनाएं। मेहरा ने आगे कहा- इसमें किसी को कोई शक नहीं होना चाहिए कि लिबरल पार्टी एकजुट थी, है और रहेगी। अब हमारे सामने सबसे बड़ा चैलेंज यह है कि देश में चौथी बार हम सरकार कैसे बनाएं। इसके लिए बहुत मेहनत की जरूरत है। जिस कन्वेंशन में मुझे नेशनल पार्टी प्रेसिडेंट चुना गया, उसमें सभी ने देखा कि हमारी टीम के पास कितने अच्छे लोग और आईडियाज हैं।

कनाडा में भी पार्टी प्रेसिडेंट की वही अहमियत है जो भारत में होती है। यह पार्टी की इंटरनल फंक्शनिंग का हेड होता है। राज्यों के प्रेसिडेंट और दूसरे ओहदेदारों का चुनाव इसी के गाइडेंस में होता है।

लिबरल पार्टी को एक नेशनल बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स चलाता है। मेहरा इसके भी हेड होंगे। देश में आम चुनाव 2025 में होने हैं, लेकिन इसके पहले राज्यों में भी इलेक्शन एक्टिविटीज होती रहती हैं। सचित के ऊपर इन इलेक्शन्स में पार्टी को जिताने की जिम्मेदारी होगी। सचित ने खुद कहा- इलेक्शन के पहले मुझे और मेरी पार्टी को हर आम आदमी तक पहुंचना है। इसके लिए कार्यकर्ताओं को तैयार करना होगा।

इसमें अनुष्का कुरियन मदद करेंगी। अनुष्का भी भारतीय मूल की हैं और लिबरल पार्टी की चीफ इलेक्शन स्ट्रैटेजिस्ट हैं। सचित के पेरेंट्स 1960 के आसपास दिल्ली से कनाडा शिफ्ट हुए थे। उनके पिता का नाम कमल और मां का नाम सुधा मेहरा है। इस परिवार को कनाडा के अमीरों में शुमार किया जाता है। उनके पास रियल एस्टेट के अलावा रेस्टोरेंट्स की फूड सप्लाई चेन है।

तुर्किये के गांधी हैं कमाल कलचदारलू

दांडी मार्च की तरह 450 किमी जस्टिस मार्च निकाला हमले झेले, अब एर्दोगन को सबसे कड़ी चुनौती दे रहे

अंकारा, 9 मई (एजेंसियां)। 14 मई को तुर्किये में आम चुनाव हैं। बीते दो दशक में पहली बार राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन का सिंहासन डोलता नजर आ रहा है। राजनीतिक जीवन में पहली बार उन्हें कड़ी चुनौती मिल रही है। उनके सामने हैं 74 साल के पूर्व नौकरशाह कमाल कलचदारलू। कमाल की पहचान अब 'तुर्किये के गांधी' के तौर पर बन चुकी है। स्थानीय मीडिया उन्हें 'गांधी कमाल' कहता है।

वह महात्मा गांधी की तरह ही चश्मा पहनते हैं, उन्हीं की तरह राजनीतिक शैली भी विनम्र है। मुख्य विपक्षी दल रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी (सीएचपी) के कमाल की लोकप्रियता इस कदर बढ़ गई है कि 6 विपक्षी दलों ने एर्दोगेन के खिलाफ उन्हें अपना प्रत्याशी चुन लिया है। इस गठबंधन को 'टेबल ऑफ सिक्स' नाम दिया गया है। कैसे एक शिक्षाविद् और पूर्व लोक सेवक एर्दोगन के गले की फांस बन गया है। 1948 में जन्मे कमाल ने अंकारा एकेडमी ऑफ इकोनॉमिक्स एंड कॉमर्शियल साइंसेज से अर्थशास्त्र की पढ़ाई की। इसके बाद देश के आर्थिक और वित्तीय संस्थानों में शीर्ष पदों पर रहे। 2002 में वे सीएचपी से जुड़े। यह देश का सबसे पुराना राजनीतिक दल है। इसकी स्थापना आधुनिक तुर्की के संस्थापक मुस्तफा कमाल अतातुर्क ने की थी। 2010 में वीडियो लीक के बाद सीएचपी प्रमुख बायकल ने इस्तीफा दे दिया। तब कमाल को पार्टी की कमान सौंपी गई। हालांकि वे इच्छुक नहीं थे। नागरिक अधिकार, सामाजिक न्याय और लोकतंत्र के लिए तो वे लड़ ही रहे थे, 2011 में एर्दोगन के पीएम बनने के बाद कमाल ने अभियान और तेज कर दिया।

'मार्च फॉर जस्टिस' में 10 लाख से ज्यादा लोग शामिल हुए

गांधी जी की दांडी यात्रा से प्रेरित होकर कमाल ने 2017 में एर्दोगन के खिलाफ अंकारा से इस्तांबुल तक (450 किमी) रैली 'मार्च फॉर जस्टिस' निकाला था। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक इसमें 10 लाख से ज्यादा लोग शामिल हुए थे। विरोध को दबाने के लिए एर्दोगन ने 2 लाख लोगों को जेल भिजवा दिया था। देश की सभी 372 जेलें क्षमता से ज्यादा भर गई थीं। कमाल की एक खासियत और है कि वो उग्र नहीं होते। 2014 में संसद में एक शख्स ने उनके चेहरे पर घूंसे मारे थे। इससे उनके गाल व आंख चोटिल हुई थी।

सोशल मीडिया स्टार हसबुल्ला दोस्तों संग गिरफ्तार

मॉस्को, 9 मई (एजेंसियां)। वायरल होने के बाद हसबुल्ला एक सोशल मीडिया सेलिब्रिटी के रूप में उभरे हैं और इंटरनेट पर कई लोग उन्हें प्यार भी करते हैं। लेकिन ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोशल मीडिया स्टार को कुछ दोस्तों के साथ यातायात के नियमों का उल्लंघन करने के लिए उत्तरी रूस के दागिस्तान से गिरफ्तार किया गया है। आनुवांसिक विकार (जेनेटिक डिसऑर्डर) के कारण हसबुल्ला का शरीर ग्रोथ होर्मोन का उत्पादन करने में असमर्थ हैं, जिसने उन्हें एक औसत वयस्क पुरुष की तुलना में छोटा बना दिया है। हालांकि, कई लोग उन्हें एक छोटा बच्चा मानते हैं। दिलचस्प बात यह है कि वायरल सोशल मीडिया स्टार हकीकत में एक वयस्क व्यक्ति हैं और जल्द ही उनका 21वां जन्मदिन करीब आ रहा है। हसबुल्ला और उनके कुछ दोस्तों को यातायात कानूनों का उल्लंघन करने पर गिरफ्तार किया गया है। कई मीडिया रिपोर्ट्स से पता चलता है कि सड़क पर अन्य ड्राइवरों को परेशान करने के बाद उन्हें और उसके साथ के लोगों को गिरफ्तार किया गया।

किंग चार्ल्स की ताजपोशी का प्रोग्राम 3 दिन बाद खत्म

विलियम-केट दिखे, प्रिंस हैरी को न्योता नहीं

लंदन, 9 मई (एजेंसियां)। ब्रिटेन में किंग चार्ल्स की ताजपोशी के बाद रॉयल फैमिली ने पहली बार नए राजा-रानी का ऑफिशियल पोर्ट्रेट जारी किया। तस्वीर में चार्ल्स ने पर्पल रंग के कपड़े और शाही रोब्स पहन रखी हैं। उनके सिर पर इम्पीरियल स्टेट क्राउन, हाथ में सेप्टर और सॉवरिन ऑर्ब है। चार्ल्स जिस सिंहासन पर बैठे नजर आ रहे हैं। वो 121 साल पुराना है। इस तब के राजा किंग जॉर्ज पंचम और क्वीन मैरी के लिए बनाया गया था।

इसके अलावा भी रॉयल फैमिली ने कई तस्वीरें जारी कीं। इनमें नई क्वीन कैमिला, सहित राजा-रानी की साथ में फोटो और एक फैमिली फोटो भी शामिल हैं। इसमें किंग-क्वीन के साथ राजगद्दी के वारिस प्रिंस विलियम और उनकी पत्नी केट भी नजर आ रही हैं। हालांकि, इस फोटो के लिए प्रिंस हैरी को न्योता नहीं दिया गया।

किंग चार्ल्स ने कहा- शानदार समारोह के लिए सभी को धन्यवाद

ब्रिटेन में 3 दिन तक चले

ताजपोशी समारोह के खत्म होने पर किंग चार्ल्स ने एक संदेश भी जारी किया। उन्होंने समारोह में शामिल होने के लिए सभी मेहमानों को धन्यवाद दिया। इसके अलावा उन्होंने कहा- इस समारोह को सफल बनाने के लिए मैं और मेरी पत्नी उन सभी लोगों को शुक्रिया कहते हैं जिन्होंने अपना कीमती समय दिया। लंदन, विंस्डर और देशभर में अलग-अलग जगहों पर सेरेमनी के दौरान सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए भी सबका धन्यवाद।

जिन लोगों ने भी अपने घरों में या स्ट्रीट पर पार्टीज की उनको भी इस जश्न में शामिल होने के लिए मैं शुक्रिया कहता हूं। देश की जनता ने रॉयल फैमिली में हमेशा भरोसा जताया है और इसी नाते हम उनकी सेवा के लिए हमेशा तैयार रहेंगे।

कोहिनूर की जगह कलिनन हीरे वाला ताज पहना

किंग चार्ल्स को इम्पीरियल स्टेट क्राउन पहनाया गया है। इसका वजन 1.06 किलोग्राम है। इसमें 2 हजार 868 हीरे, 17 सैफायर, 11 एमरल्ड, 269 मोती और 4 रूबी जड़े हुए हैं। इस ताज में कलिनन डायमंड का दूसरा सबसे बड़ा टुकड़ा कलिनन II डायमंड जड़ा हुआ है। इसे कोहिनूर की जगह लगाया गया है। कलिनन दुनिया का सबसा बड़ा हीरा है।

ब्रिटेन के सबसे बुजुर्ग राजा-रानी बने चार्ल्स-कैमिला

पिछले साल सितंबर में क्वीन एलिजाबेथ के निधन के बाद चार्ल्स को नया राजा घोषित किया गया था। इसके बाद 6 मई को ताजपोशी समारोह का आयोजन किया गया। दोपहर 3:30 बजे शुरू हुई इस सेरेमनी में चार्ल्स और कैमिला को यूके के नए राजा-रानी घोषित किया गया। इसके साथ ही किंग चार्ल्स ब्रिटेन के अब तक के सबसे बुजुर्ग राजा बन गए। किंग चार्ल्स की उम्र 74 साल है। किंग-क्वीन का काफिला दोपहर करीब 2:50 पर बकिंघम पैलेस से डायमंड जुबली स्टेट कोच से निकला। इसके बाद करीब 2 किलोमीटर की यात्रा करके काफिला वेस्टमिंस्टर ऐबे चर्च पहुंचा।

श्रीलंका की अदालत का आदेश

राजपक्षे सरकार के पतन की वर्षगांठ पर न आयोजित हों कार्यक्रम

कोलंबो, 9 मई (एजेंसियां)। श्रीलंका की एक अदालत ने मंगलवार को पुलिस के उस अनुरोध को स्वीकार कर लिया, जिसमें उन घटनाओं की बरसी पर होने वाले कार्यक रोक लगाने की मांग की गई थी, जिसके कारण एक साल पहले राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे की दिवालिया सरकार को इस्तीफा देना पड़ा था। पिछले साल नौ मई को गोटबाया राजपक्षे के कार्यालय पर सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों ने हमला कर दिया था, जिसके कुछ घंटे बाद महिंदा राक्षपक्षे ने इस्तीफा दे दिया था।

पिछले साल हजारों प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति गोटाबाया और प्रधान मंत्री महिंदा के इस्तीफे की मांग करते हुए देशभर में विरोध प्रदर्शन किए थे। श्रीलंका की सरकार के पास जरूरी वस्तुओं के आयात के लिए भी पैसे खत्म हो गए थे। इससे आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही थीं और ईंधन, दवाओं और बिजली की आपूर्ति में भारी कमी थी।

पुलिस ने मंगलवार को कहा कि कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट ने विरोध प्रदर्शन की बरसी पर राष्ट्रपति भवन, राष्ट्रपति सचिवालय, वित्त मंत्रालय और प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास जैसे प्रमुख प्रतिष्ठानों में प्रवेश रोकने के लिए एक निरोधक आदेश जारी किया है। कोलपेट्टी पुलिस के अनुरोध के आधार पर फोर्ट मजिस्ट्रेट की अदालत ने मंगलवार को यह आदेश जारी किया। श्रीलंका में एक साल पहले आज के ही दिन 9 मई 2022 को देशव्यापी अशांति भड़की थी। कोलंबो के गल्ले फेस में श्रीलंका पोडुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) पार्टी के समर्थकों द्वारा सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों पर हमला करने के बाद अशांति फैल गई थी। सरकार के कुछ राजनेताओं पर उन प्रदर्शनकारियों पर हमला करने का आरोप लगा था जिन्होंने गोटबाया के इस्तीफे की मांग की थी। द्वीप राष्ट्र 1948 के बाद पहली बार दिवालिया हो गया था। मार्च में श्रीलंका को आईएमएफ बेलआउट कार्यक्रम की पहली किस्त के रूप में 330 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिले थे।

कूनो में एक और चीते की मौत

मेटिंग के दौरान मेल चीते ने पंजा मारकर घायल किया था, अब 17 चीते ही बचे

श्योपुर, 9 मई (एजेंसियां)। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क में फीमेल चीते दक्षा की मौत हो गई है। दक्षा को इसी साल दक्षिण अफ्रीका से कूनो लाया गया था। मुख्य वन्य संरक्षक जेएस चौहान ने इसकी पुष्टि की है। बताया गया है कि मेल चीते को दक्षा के बाड़े में मेटिंग के लिए भेजा गया था। मेटिंग के दौरान ही दोनों में हिंसक इंटरैक्शन हो गया। मेल चीते ने पंजा मारकर दक्षा को घायल कर दिया था। कूनो नेशनल पार्क की मॉनिटरिंग टीम को दक्षा घायल हालत में मंगलवार सुबह मिली थी। उसे इलाज के लिए ले जाया गया। दोपहर करीब 12 बजे उसकी मौत हो गई। पिछले डेढ़ महीने में कूनो नेशनल पार्क में 3 चीतों की

मौत हो चुकी है। यहां अब 17 चीते ही बचे हैं। दक्षा को एक नंबर बाडे. में रखा गया था।

पिछले दिनों कूनो में हुई चीता टास्क फोर्स के अधिकारियों की मीटिंग में 7 नंबर बाड़े में मौजूद दक्षिण अफ्रीका से लाए गए मेल चीते कोयलिशन, अग्नि और वायु को फीमेल चीता से मिलाने का निर्णय लिया गया था।

केरल एचसी बोला- नाव हादसा लालच और लापरवाही का नतीजा

बच्चों के बेजान शरीर देखकर कलेजा फटा पूछा- अधिकारी कहां थे, क्या कर रहे थे?

तिरुवनंतपुरम, 9 मई (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने तनूर में 7 मई को हुए नाव हादसे को चौंकाने वाला करार दिया। हाईकोर्ट ने मंगलवार को कहा कि हम यह निश्चित करेंगे कि कभी भी ऐसा हादसा ना हो इसलिए खुद इस मामले की सुनवाई कर रहे हैं। जस्टिस देवन रामचंद्रन और जस्टिश शोभा अन्नमा इआपेन ने सवाल किया- अधिकारी कहां थे, वो कर क्या रहे थे?

अदालत ने केरल सरकार से पूछा कि जहां हादसा हुआ, वहां पोर्ट अफसर कौन था? उसके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गई? कोर्ट ने कलेक्टर से 12 मई तक रिपोर्ट मांगी है।

केरल के मलप्पुरम में रविवार को एक टूरिस्ट बोट पलटने से 22 लोगों की मौत हो गई थी। इसमें 15 बच्चे भी शामिल थे। बोट में क्षमता से ज्यादा लोग बैठाए गए थे और उतनी लाइफ जैकेट बोट में नहीं थी।

हाईकोर्ट ने की नाव हादसे पर टिप्पणियां

अधिकारियों ने नाव चलाने की इजाजत क्यों दी?

हाईकोर्ट ने कहा, हम खुद याचिका पर सुनवाई करेंगे। यह पता करेंगे कि अधिकारियों ने ऐसी नाव का संचालन जारी रखने की मंजूरी कैसे दे दी, जिस पर नियमों को तोड़ने का आरोप लग रहा है।

लालच-लापरवाही-निर्दयता के चलते हादसा

जज बोले, हमने जब बच्चों के बेजान शरीर देखे तो हमारा कलेजा फट गया। हम सो नहीं पाए। यह हादसा निर्दयता, लालच और अधिकारियों की लापरवाही का जानलेवा कॉम्बिनेशन है।

लगातार हो रहे हादसे डराने वाले अदालत ने कहा, ऐसे नाव हादसे लगातार हो रहे हैं, यह डराने वाला है। 1924 में कोल्लम से कोयट्टम जा रही नाव पालना में डूब गई थी। तब केरल ने अपने महाकवि कुमारनासन को खो दिया था।

रूस की विक्ट्री-डे परेड में शामिल हुए 10 हजार सैनिक

पुतिन ने यूक्रेनी नेताओं को नाजी कहा, बोले- पश्चिमी देश हमें तबाह करना चाहते हैं

मॉस्को, 9 मई (एजेंसियां)। रूस में आज विक्ट्री-डे मनाया जा रहा है। इसी दिन सोवियत यूनियन ने वर्ल्ड वॉर 2 में नाजी जर्मनी को हराया था। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन क्रेमलिन से रेड स्क्वायर पहुंचे जहां परेड का आयोजन किया गया। विक्ट्री डे पर अपनी 10 मिनट की स्पीच के दौरान पुतिन ने कहा- नाजियों की हार को 78 साल बाद एक बार फिर से रूस और पूरी दुनिया पर खतरा मंडरा रहा है। रूस के खिलाफ असली युद्ध की शुरुआत हो चुकी है। पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ चल रही जंग की तुलना नाजियों के साथ हुए युद्ध से की। उन्होंने कहा- यूक्रेन के लीडर्स दुनिया के नए नाजी हैं। यूक्रेन जंग

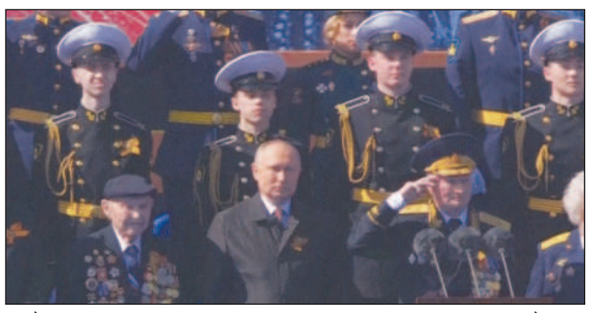

ने वैश्विक समुदाय को एक ब्रेकिंग पॉइंट पर ला दिया है। रूस भविष्य में शांति स्थापित करना चाहता है लेकिन पश्चिमी देश ऐसा नहीं चाहते। वो लगातार लोगों में नफरत और रशोफोबिया (रूस के खिलाफ नफरत और डर) की भावना को बढ़ावा दे रहे हैं। वो सिर्फ हमारे देश को बर्बाद करना चाहते हैं। यूक्रेनी नागरिक पश्चिमी देशों के बुरे मंसूबों के गुलाम बन गए हैं। विक्ट्री डे सेलिब्रेशन में उन 6 देशों ने भी हिस्सा लिया जो कभी सोवियत संघ में शामिल थे। कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, आर्मेनिया, उजबेकिस्तान, तजीकिस्तान और बेलारूस के लीडर्स पुतिन के साथ नजर आए। सभी ने रेड स्क्वायर पर दूसरे विश्व युद्ध के दौरान मारे गए रूसी सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

इस दौरान 125 मिलिट्री व्हीकल्स और 10 हजार रूसी सैनिकों ने परेड निकाली। इसमें रूस की इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल और S-400 मिसाइल सिस्टम भी शामिल थे। हालांकि, कुछ दिन पहले ही क्रेमलिन पर हुए ड्रोन अटैक को देखते हुए इस साल परेड में कोई मिलिट्री फ्लाईपास्ट नहीं निकाला गया।

पाकिस्तान से सैनिक गठजोड़ बनाने की चीन ने साफ कर दी अपनी मंशा?

बीजिंग, 9 मई (एजेंसियां)। चीन अब पाकिस्तान को अपनी सैनिक धुरी में और भी ज्यादा जकड़ने की कोशिश कर रहा है। यह बात सोमवार को चीन के रक्षा मंत्री और पाकिस्तान के नौ सेनाध्यक्ष की मुलाकात के बाद जाहिर हो गई। चीन के रक्षा मंत्री ली शांगफू ने पाकिस्तान के नौ सेनाध्यक्ष से कहा कि दोनों देशों की नौ सेनाओं सहित तमाम सेनाओं को 'नए क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार' करना चाहिए, ताकि 'इस क्षेत्र को सुरक्षित रखने' की अपनी क्षमता को वे बढ़ा सकें।

रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक इस टिप्पणी का मतलब यह है कि चीन पाकिस्तान को अपनी सैन्य रणनीति और सैन्य तैयारियों का

हिस्सा बनाना चाहता है। वह दोनों देशों की सेनाओं में एक तरह निकट जुड़ाव कायम करना चाहता है, जिससे युद्ध के समय जरूरत पड़ने पर वे मिल कर लड़ सकें। चीन और पाकिस्तान की सेनाओं में संबंध वर्षों पुराने हैं। दोनों देशों की वायु सेनाएं और नौ सेनाएं साझा अभ्यास भी करती रही हैं। चीन अब इस संबंध को एक स्तर और ऊंचा ले जाना चाहता है। विशेषज्ञों के मुताबिक चीन की नजर अरब सागर तक उसकी पहुंच बनाने के लिहाज से पाकिस्तान की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। अगर मलक्का जलडमरूमध्य में युद्ध के कारण रास्ता बंद हो गया, तो उस समय अरब सागर के जरिए चीन अपने आयात-निर्यात को सुरक्षित करना चाहता है। इसमें पाकिस्तान की नौ सेना की सहायता की जरूरत चीन को पड़ेगी। कूटनीति जानकारों के मुताबिक चीन की पाकिस्तान की सेना के साथ निकटता बढ़ाने की चीन की कोशिश पर अमेरिका और उसके साथी देश निकट निगाह रख रहे हैं। इसके पहले 2017 में चीन ने हिंद महासागर के उत्तर-पश्चिमी छोर पर जबूती में अपना एक सैनिक अड्डा बनाया था। उसके बारे में भी समझा गया था कि चीन युद्ध की स्थिति में अपने व्यापार हितों को सुरक्षित करने के एहतियाती कदम उठा रहा है।

पीएम बोले- मेडिकल कॉलेज बनाते तो डॉक्टर कम नहीं पड़ते

उसी मंच से सीएम गहलोत ने कहा- गुजरात से आगे निकल गया राजस्थान

राजसमंद, 10 मई(एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक ही मंच से एक-दूसरे पर सियासी तंज कसा है। गहलोत ने प्रधानमंत्री से विपक्ष का सम्मान करने की बात तो मोदी ने कांग्रेस के शासनकाल में रुके विकास कार्यों का जिक्र किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ लोग देश में अच्छा होते हुए देखना ही नहीं चाहते। उन्हें केवल विवाद खड़ा करना अच्छा लगता है। यदि पहले ही मेडिकल कॉलेज बना दिए जाते तो देश में डॉक्टर्स की कमी नहीं होती।

वहीं, मुख्यमंत्री ने मोदी के सामने एक बार फिर ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट को पूरा करने की मांग रखी और कहा कि सरकार कोई भी हो उसे विपक्ष का सम्मान करना चाहिए। क्योंकि बिना विपक्ष के सत्ता पक्ष कुछ नहीं है।

दरअसल, प्रधानमंत्री आज एक दिन के राजस्थान दौरे पर पहुंचे हैं। उन्होंने नाथद्वारा में भगवान श्रीनाथजी के दर्शन के बाद रेलवे लाइन सहित पांच हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया।

नाथद्वारा में भगवान श्रीनाथजी के दर्शन के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ये प्रोजेक्ट राजस्थान की कनेक्टिविटी को नई ऊंचाई पर ले जाएंगे। मोदी के इस दौरे के साथ ही भाजपा ने राजस्थान में चुनावी अभियान की शुरुआत कर दी है।

गहलोत के भाषण में मोदी-मोदी के नारे

सभा में जब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भाषण के लिए मंच पर पहुंचे तो काफी देर तक मोदी-मोदी के नारे लगते रहे। लोगों को शांत करने के लिए प्रधानमंत्री ने हाथ से इशारा भी किया। इसके बाद मोदी के निर्देश पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने जनसमूह को शांत कराया।

मोदी बोले- राजस्थान पर सबसे ज्यादा फोकस

प्रधानमंत्री ने कहा कि राजस्थान देश के सबसे बड़े

राज्यों में से एक है और भारत के शौर्य, धरोहर का वाहक है। राजस्थान जितना सिद्ध होगा, भारत के विकास को गति मिलेगी। इसलिए हमारी सरकार राजस्थान में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर सबसे ज्यादा काम कर रही है। जब इंफ्रास्ट्रक्चर की बात करता हूं तो रेल और रोड नहीं होता है।

शहरों और गांवों में कनेक्टिविटी बढ़ाता है और दूरी कम करता है। समाज में सुविधाएं बढ़ाता है और उसे जोड़ता है। डिजिटल सुविधाओं को बढ़ता है और लोगों का जीवन आसान करता है। विरासत को बढ़ावा देने के साथ ही विकास को गति देता है। जब हम आने वाले 25 साल में विकसित भारत के संकल्प की बात करते हैं तो उसके मूल में यही इंफ्रास्ट्रक्चर ताकत बन उभर रहा है।

विपक्ष पर साधा निशाना

प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि हमारे देश में कुछ लोग नकारात्मकता से भरे हुए हैं। देश में कुछ भी अच्छा होते हुए देखना नहीं चाहते। तब उन्हें सिर्फ उन्हें विवाद खड़ा करना ही अच्छा लगता है। कुछ लोग उपदेश देते हैं कि आटा पहले या डाटा पहले।

सड़क पहले या सैटेलाइट पहले, लेकिन इतिहास गवाह है तेज विकास के लिए मूल सुविधाओं के साथ आधुनिक इंफ्रा बनाना जरूरी।

जो कदम कदम को वोट के तराजू से तोलते हैं वे देश को ध्यान में रखकर योजनाा नहीं बना पाते हैं।

हम कई बार देखते हैं गांव में बनी टंकी चार-पांच साल में छोटी हो जाती है। सड़क और फ्लाईओवर कम पड़ जाते हैं। दूरदृष्टि के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं बनाने का नुकसान राजस्थान ने भी बहुत उठाया है।

केंद्र सरकार लाए राइट टु हेल्थ कानून- गहलोत

जनसभा में गहलोत ने कहा कि राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है। एक गांव से दूसरे गांव की दूरियां लंबी है।

राजस्थान की योजनाओं में पानी, बिजली पहुंचाते हैं और योजनाएं पहुंचाते हैं। हम हाईवे और सड़क बना रहे हैं। पहले हम गुजरात से मुकाबला करते थे, अब हम गुजरात से काफी आगे बढ़ चुके हैं।

ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट को लेकर बोले कि सेंट्रल मध्यस्थता करवाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपने दो बार रिपीट भी किया था कि उसी भावना के साथ आगे बढ़ाए। केंद्र सरकार की योजना जल जीवन मिशन को भी आगे बढ़ा रहे है।

सीएम ने राइट टु सोशल सिक्योरिटी और राइट टु हेल्थ एक्ट बनाने की मांग की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज एक मंच पर सभी बैठे हैं। हमारी कोई दुश्मनी नहीं है, लोकतंत्र में विचारधारा की लड़ाई है और सभी को बात रखने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि विपक्ष का भी सम्मान होना चाहिए, बिना विपक्ष के सत्ता पक्ष भी कुछ नहीं है।

पार्टी में चल रहा विवाद चिंताजनक शीर्ष नेतृत्व जल्द सुलझाएगा -

कैबिनेट मंत्री डॉ चंद्रभान

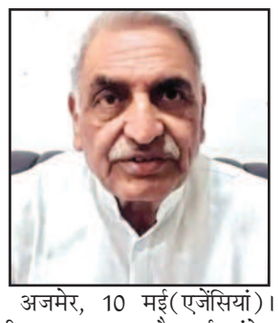

अजमेर, 10 मई(एजेंसियां)। बीसूका उपाध्यक्ष और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष डॉ चंद्रभान बुधवार को एक दिवसीय दौरे पर अजमेर पहुंचे। सर्किट हाउस पहुंचने पर कांग्रेसियों के द्वारा उनका स्वागत किया गया। डॉ चंद्रभान ने कांग्रेस में चल रहे विवाद पर कहा कि पार्टी में चल रहा गतिरोध चिंताजनक है और आज के परिपेक्ष में सही नहीं। लेकिन इसे लेकर शीर्ष नेतृत्व जल्द ही मामले को सुलझा लेगा। करीब 1 या 2 दिन में प्रदेश प्रभारी रंधावा मीडिया से बातचीत कर इस पूरे मामले की जानकारी देंगे। डॉ चंद्रभान बुधवार को रीट कार्यालय में बीसूका की बैठक लेने के लिए अजमेर पहुंचे थे।

बुधवार को बीसूका उपाध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री डॉ चंद्रभान के अजमेर पहुंचने पर सर्किट हाउस में कांग्रेसियों के द्वारा स्वागत किया गया। प्रदेश कांग्रेस में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच चल रहे विवाद के सवाल पर डॉ चंद्रभान ने कहा कि पार्टी में चल रहा गतिरोध चिंताजनक है और आज के परिपेक्ष में सही नहीं है। लेकिन इसे लेकर शीर्ष नेतृत्व जल्द ही मामले को सुलझा लेगा।

डॉ चंद्रभान ने कहा कि प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा विगत कुछ दिनों में मीडिया से बातचीत कर मामले की जानकारी देंगे। इससे पहले किसी भी बड़े नेता को इस पर बयान नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश और राष्ट्रीय नेतृत्व इस पूरे घटनाक्रम को लेकर अपडेट है और इस मामले में जल्द ही कोई निर्णय लेते हुए मामले को सुलझाया जाएगा।डॉ चंद्रभान ने कहां की मामला राष्ट्रीय नेतृत्व का है और उनके द्वारा इस पर कोई टिप्पणी नहीं की जा सकती है।

70 लाख स्टूडेंट्स को हर दिन मिलेगा फ्री-दूध

नए शैक्षणिक सत्र से शुरू होगी योजना, 864 करोड़ होंगे खर्च

जयपुर, 10 मई(एजेंसियां)। राजस्थान में चुनावी साल शुरू होने के साथ ही सरकार आम जनता को खुश करने की कोशिश में जुट गई है। इसी कड़ी ने राजस्थान सरकार ने प्रदेश के सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले 70 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स को नए शैक्षणिक सत्र से हर दिन फ्री दूध देने का फैसला किया है। मंगलवार को राजस्थान सरकार ने बाल गोपाल योजना की समय अवधि को 4 दिन बढ़ा दिया है।

ऐसे में जो भी विद्यार्थी स्कूल जाएगा। उसे शैक्षणिक दिनों (सप्ताह में 6 दिन सोमवार से शनिवार) में फ्री दूध उपलब्ध करवाया जाएगा। मंगलवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस योजना के लिए 864 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति जारी की है।

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद आयुक्त मोहन लाल यादव ने बताया कि सरकारी स्कूलों में बाल

गोपाल योजना के तहत कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों को 150 मिली लीटर और कक्षा 6 से 8 तक के बच्चों को 200 मिली लीटर मिल्क पाउडर से बना दूध प्रार्थना सभा के बाद दिया जाएगा। इसके तहत स्कूलों में राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन की मदद से दूध पहुंचाया जाएगा। इस योजना में दूध वितरण की जिम्मेदारी स्कूल प्रबंधन समिति की रहेगी। जबकि दूध की गुणवत्ता फेडरेशन और एसएमसी (स्कूल मैनेजमेंट कमेटी) द्वारा जांची जाएगी। राजस्थान सरकार की बाल गोपाल योजना के तहत स्कूली बच्चे जो कक्षा एक से आठवीं तक में पढ़ते हैं। उन्हें अबतक सप्ताह में केवल 2 दिन गर्म दूध दिया जाता था। जिसके लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने साल 2022 के बजट में 476.44 करोड़ रुपए फंड का प्रावधान किया था।

खाचरियावास बोले-कोई गलतफहमी में न रहे कि सरकार उसने बचाई

कहा- सोनिया राहुल के नेतृत्व पर भरोसे के कारण एकजुट थे 102 विधायक

दौसा, , 10 मई(एजेंसियां)। धौलपुर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान के बाद मचे सियासी बवंडर के बीच खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने बड़ा बयान दिया है। दौसा सर्किट हाउस में मीडिया से बात करते हुए खाचरियावास ने कहा हमारी सरकार को जब संकट आया तब मैं फ्रंटफुट पर आकर बयान दे रहा था।

102 विधायकों ने किया सोनिया-राहुल पर भरोसा

उस वक्त सभी 102 विधायकों ने सोनिया गांधी व राहुल गांधी के मजबूत नेतृत्व पर भरोसा किया। उसकी वजह से ही सरकार बची, क्योंकि आलाकमान के दूत अजय माकन, रणदीप सुरजेवाला व केसी वेणुगोपाल होटल में आकर बैठ गए थे। तब उसे हाईकमान का संदेश मानते हुए 102 विधायकों ने पार्टी नेतृत्व पर

भरोसा किया था।

किसी को गलतफहमी न हो कि सरकार उसने बचाई

उन्होंने कहा किसी भी व्यक्ति को यह गलतफहमी नहीं होनी चाहिए कि सरकार उसने बचा ली। सरकार तो सोनिया गांधी व राहुल गांधी के चेहरे पर बची थी। उनके नेतृत्व के कारण ही 102 विधायक एकजुट रहे थे यह बहुत बड़ी बात है। आलाकमान के दूत होटल में बैठे रहे और पार्टी नेतृत्व ने जो हिम्मत दिखाई उसकी बदौलत सरकार बच गई।

वसुंधरा की भूमिका के सवाल पर बचते दिखे

सियासी संकट के वक्त पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे द्वारा सरकार बचाने का सीएम गहलोत द्वारा दिए गए बयान पर मंत्री खाचरियावास ने कहा उनकी (वसुंधरा राजे) भूमिका थी या नहीं, मुझे इसकी जानकारी नहीं है। ये मुख्यमंत्री का बयान आया है उन्हीं की जानकारी में होगा।

क्योंकि सरकार बचाने में सोनिया गांधी व राहुल गांधी के नेतृत्व में 102 विधायकों की उपस्थिति सरकार बचाने में बड़ी भूमिका थी। लेकिन वसुंधरा राजे की क्या भूमिका थी इसके बारे में तो मुख्यमंत्री ही बता सकते हैं। वह हमारी पार्टी के सीनियर लीडर और सदन के नेता हैं।

वहीं खाचरियावास ने कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनने का दावा करते हुए कहा भाजपा देश में जाति व धर्म के नाम पर ध्रुवीकरण की राजनीति कर रही है। जबकि सियासत तो विकास के मुद्दे पर होनी चाहिए। इस दौरान कई मंत्री का स्वागत किया।

राजस्थान में अब विदेशी शराब की कीमत तय

एक्साइज डिपार्टमेंट ने 15 से ज्यादा ब्रांड की तय की रेट लिस्ट; एमआरपी भी बढ़ाई

जयपुर, 10 मई(एजेंसियां)। राजस्थान में शराब पीने वाले शौकीन लोगों के लिए ये खबर जरूरी। आबकारी विभाग ने विदेश से इम्पोर्ट होकर भारत में आने वाली शराब की रेट्स निर्धारित की है। पिछले साल (अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक) विभाग ने इन शराब की रेट्स का निर्धारित नहीं की थी। इसके कारण ये गैरकानूनी तरीके से राजस्थान के ठेकों पर बिक रही थी, जो पास के राज्य उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा से मंगवाई जा रही थी। इस बार आबकारी विभाग ने जो रेट्स इन शराब की तय की है। उसकी एमआरपी भी बढ़ाई है।

आबकारी सूत्रों के मुताबिक राजस्थान में पिछले साल विभाग की ओर से विदेशी शराब की रेट्स तय कर दी थी, लेकिन कंपनियों ने उसे मानने से मना कर दिया

था। इस कारण अधिकांश दुकानों, बार और होटल में जो शराब बेची गई वह सब गैरकानूनी थी। इससे विभाग को करोड़ों रुपए के रेवेन्यू का नुकसान हुआ। जयपुर, जोधपुर, उदयपुर समेत प्रदेश के तमाम बड़े होटल (3 सितारा या उससे ऊंची कैटेगिरी के) और बार में विदेशी शराब की बिक्री सबसे ज्यादा होती है। इसके अलावा होटलों में होने वाले आयोजन और पार्टी में भी अधिकांशतः विदेशी शराब ही दी जाती है।

150 करोड़ रुपए का मिलता है रेवेन्यू

सूत्रों के मुताबिक राजस्थान में एक साल में अलग-अलग ब्रांड की विदेशी शराब की 2 लाख से ज्यादा पेटियां बिकती है। एक पेटी पर अलग-अलग मद में सरकार को करीब 6 से लेकर 7 हजार रुपए का रेवेन्यू मिलता है। इस तरह एक साल में सरकार को करीब 150 करोड़ रुपए से ज्यादा का रेवेन्यू विदेशी शराब से मिलता है।

15 से ज्यादा ब्रांड की रेट्स निर्धारित, एमआरपी भी बढ़ाई

राजस्थान में अभी तक देशी और भारत निर्मित अंग्रेजी और विदेशी शराब ही कानूनी रूप से बिकने के लिए अधिकृत थी। लेकिन अब विभाग ने 15 विदेशी शराब (जो बाहर से बनकर आती है) के ब्रांड की रेट्स तय कर दी है। इसमें 1600 रुपए से लेकर 12870 रुपए तक की शराब है। इन शराब की एमआरपी को सरकार ने अब 10 फीसदी तक बढ़ाया है। जो शराब एक साल पहले तक 2 हजार रुपए की आती थी वह अब 2200 से 2300 रुपए में आ रही है।

जयपुर में 14 दुकानों की दोबारा होगी नीलामी

सरकार के बड़े रेवेन्यू सोर्स में से एक शराब की दुकानें इस बार अब तक पूरी नहीं उठी। जयपुर में 14 ऐसी दुकानें है जो 2 बार नीलामी करने के बाद भी नहीं उठी है। अब विभाग ने इन दुकानों की रिजर्व प्राइज को 25 फीसदी तक कम करके वापस नीलाम करने का फैसला किया है। दुकानें नहीं उठने के पीछे बड़ा कारण कॉम्पीटिशन है। क्योंकि इन दुकानों के आसपास खुली दुकानों के संचालक नीलामी में बड़ी बोली लगाकर नीलामी को रोक देते है और दुकान भी नहीं उठाते।

'गहलोत व पायलट के बयान सोची समझी साजिश'

प्रह्लाद गुंजल बोले- एक मुख्यमंत्री रहना चाहते है, दूसरे बनाना चाहते है

कोटा, 10 मई(एजेंसियां)। कांग्रेस के दो बड़े नेताओं द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को लेकर दिए बयानों से सियायत गरमा गई है। इस बीच वसुंधरा गुट से पूर्व विधायक प्रह्लाद गुंजल ने मोर्चा खोला है। गुंजल ने वीडियो बयान जारी कर कहा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट का बयान एक सोची-समझी राजनीतिक साजिश है। दोनों ही ना उम्मीद नहीं है। एक मुख्यमंत्री बने रहना चाहते हैं। एक उम्मीद लगाए बैठे है कि मैं आगे मुख्यमंत्री बनूंगा।

बता दें रविवार को धौलपुर के राजाखेड़ा के पास महंगाई राहत कैंप की सभा में गहलोत ने बीजेपी से निष्कासित विधायक शोभारानी कुशवाह के साथ वसुंधरा राजे और कैलाश मेघवाल की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था शोभारानी कुशवाह ने राज्यसभा चुनावों में कांग्रेस का साथ दिया था।गहलोत के बयान पर मंगलवार को सचिन पायलट ने

खुलकर जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'पहली बार देख रहा हूं कि कोई अपनी ही पार्टी के सांसदों और विधायकों की आलोचना कर रहा है। भाजपा नेताओं की तारीफ और कांग्रेस नेताओं का अपमान मेरी समझ से बाहर है। यह पूरी तरह गलत है।' 'मुख्यमंत्री की बातों से लगता है कि उनकी नेता वसुंधरा राजे हैं, सोनिया गांधी नहीं।

गहलोत व पायलट के बयानों प्रह्लाद गुंजल ने खारिज करते हुए कहा कि दोनों नेता ये ठीक तरीके से जानते हैं कि वसुंधरा जी के नेतृत्व में चुनाव होते ही सत्ता इनके लिए सपना बन जाएगी। इसीलिए दोनों डायरेक्ट, इन डायरेक्ट सोची-समझी योजना के तहत वसुंधरा जी को टारगेट कर रहे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सचिन पायलट से अनकंफर्ट है। उनकी सोच है कि वसुंधरा जी को टारगेट करके सचिन आउट हो जाए और मेरे झूठे आरोपों से वसुंधरा जी, बीजेपी में एक्सपोज हो जाए। जिससे 2023 का मेरा रास्ता साफ हो जाए। ठीक इसी परंपरा पर सचिन पायलट चल रहे हैं। उनकी सोच है कि गहलोत को एक्सपोज कर दूं और ताकतवर नेता वसुंधरा जी का विरोध करके राजस्थान में जमीन को मजबूत कर लूं। दोनों की यह सोची समझी चाल है। मैं समझता हूं इसके पीछे दोनों नेताओं के मन में भय है। बीजेपी में वसुंधरा के नेतृत्व में राजस्थान का चुनाव होता है तो इनके लिए सत्ता एक कपोल कल्पना जैसी हो जाएगी।

सरकार को अर्जुन वाली आंख बनना है: जितेंद्र सिंह

पूर्व केंद्रीय मंत्री बोले- राजनीति में सब चलता है, टिकट परफॉर्मेंस वालों को ही मिलने चाहिए

अलवर, 10 मई(एजेंसियां)। सचिन पायलट के साथ पूर्व की यूपीए सरकार में केंद्रीय मंत्री रहे जितेंद्र सिंह ने कहा कि राजस्थान में गहलोत सरकार को अर्जुन की आंख बनकर काम करना है। जिसमें गरीब व जरूरतमंद तबके को आगे बढ़ाना जरूरी है। बाकी सब राजनीति में चलता रहता है। उससे अधिक दुखी और विचलित होने की जरूरत नहीं है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार अपने आवास पर पहुंचे। यहां जब पूर्व मंत्री से पूछा गया कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार अच्छा काम कर रहा है तो सचिन पायलट क्यों सरकार से नाराज हैं। इसके जवाब में जितेंद्र सिंह ने बिना किसी का नाम लिए कहा कि सरकार को अर्जुन

की आंख बनकर काम करना है। बाकी राजनीति में सब चलता रहता है। उससे अधिक दुखी और विचलित होने की जरूरत नहीं हैं।

सरकार को अर्जुन वाली आंख से देखने की जरूरत है। ताकि गरीबों को अधिक से अधिक फायदा कर सकते हैं। इसी मकसद से सरकार ने रेसाई गैस, बिजली व किसानों को बड़ी छूट दी है। बाकी सब राजनीति में सब चलता रहा है। उससे अधिक विचलित और दुखी होने की जरूरत नहीं है।

सरकार तो रिपीट होगी। मौजूदा राज्य सरकार ने पांच साल अच्छे काम किए हैं। गरीबों का आशीर्वाद सरकार के साथ है। मैं इस बात से सहमत हूं कि जिनका परफॉर्मेंस अच्छा नहीं रहा हो।

पाकिस्तान से आ रही गर्म हवा, झुलसने लगा राजस्थान

बाड़मेर में 43 डिग्री पहुंचा पारा; जैसलमेर-उदयपुर-भीलवाड़ा में सबसे गर्म दिन; अब चलेगी लू

जयपुर, 10 मई(एजेंसियां)। राजस्थान में गर्मी अब झुलसाने लगी है। मंगलवार को आठ शहरों को छोड़कर शेष सभी में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक रहा। जैसलमेर, बाड़मेर, उदयपुर, भीलवाड़ा में कल सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। बाड़मेर में तो पारा 43 डिग्री तक पहुंच गया। वहीं, जयपुर में दिन का अधिकतम तापमान लगातार दूसरे दिन 39 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि एक-दो दिन में राज्य के कुछ शहरों में दिन का अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर जा सकता है, इसके बाद हीटवेव का दौर शुरू हो जाएगा। दरअसल, पाकिस्तान के बलूचिस्तान एरिया से गर्म हवाएं आनी शुरू हो गई हैं। इससे गर्मी बढ़ेगी, लू चलेगी। मौसम केंद्र जयपुर से जारी फोरकास्ट के मुताबिक अगले 3-4 दिन राज्य में मौसम पूरी तरह ड्राई (शुष्क) बना रहेगा। तीखी धूप निकलेगी। आंधी, बादल, बारिश की अगले कुछ दिनों तक कोई संभावना नहीं है। वहीं, उत्तर-पश्चिम दिशा से अब गर्म हवाओं का फ्लो धीरे-धीरे बढ़ना शुरू हो गया है। इससे राज्य में दिन में गर्म हवाएं चलनी शुरू हो गईं।

जयपुर में आज भी सुबह से मौसम साफ है और तेज धूप निकली है। कल भी दिन में तेज धूप थी। शहर में कई जगहों पर दोपहर 12 बजे बाद से लोगों की आवाजाही कम दिखी। राजधानी में रात में पारा बढ़ने लगा है। बीती रात जयपुर का न्यूनतम तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

राजस्थान कल सबसे ज्यादा गर्मी बाड़मेर में रही। बूंदी, टोंक, डूंगरपुर, सिरोही, करौली, बाड़मेर, जैसलमेर, फलौदी, जालोर में अधिकतम तापमान 41 जबकि जोधपुर, बीकानेर, चूरू, बारां, धौलपुर, कोटा, भीलवाड़ा में 40 डिग्री सेल्सियस किया गया। पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, फलौदी, बीकानेर, जैसलमेर एरिया में दिन में हल्की धूलभरी गर्म हवाएं भी चलनी शुरू हो गईं। हालांकि तापमान अब भी सामान्य नीचे बने रहने के कारण हीटवेव का असर नहीं है।

हैदराबाद-सिकंदराबाद में जप और तप की लहर छाई

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साध्वीश्री डॉ. मंगलप्रज्ञाजी की प्रेरणा से हैदराबाद संपूर्ण श्रावक परिवार द्वारा महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमण जी के संयम स्वर्ण उत्सव पर तप का अनूठा उपहार भेंट किया गया। चातुर्मास से पूर्व साध्वीश्री डॉ. मंगलप्रज्ञाजी अपनी सहवर्तनी साध्वी सुदर्शनप्रभाजी, साध्वी सिद्धियशाजी, साध्वी डॉ. राजुलप्रभाजी, साध्वी डॉ. चैतन्यप्रभाजी, साध्वी डॉ शौर्यप्रभाजी के साथ श्रावक परिवार सम्हाल हेतू जागरण यात्रा के निरंतर गतिमान होते हुए आज तारनाका पहुंचे। साध्वीश्री जी द्वारा ज्ञान, दर्शन, चरित्र और तप की विशेष प्रेरणाएं सब एरिया में दी जा रही है। नगर विचरण के दौरान गुरुदेव श्री महाश्रमण जी के संयम स्वर्णोत्सव पर साध्वीश्री जी द्वारा जप और तप की विशेष प्रेरणा प्रदान की गई। साध्वीश्री ने कहा महातपस्वी आचार्य प्रवर साधना के शिखर पुरुष है। महाश्रमण नाम विघ्न निवारक और शक्ति प्रदायक है। संयम चेता आचार्य प्रवर का वर्धापन तपस्या से होना चाहिए। साध्वीश्री के इस महनीय चिंतन की सभी ने सराहना की। हजारों भाईयो एवं बहनों ने एकादश कोटि जप अनुष्ठान हेतु अपने नाम दर्ज करवाएं। जप के साथ-साथ 4 मई वैशाख शुक्ल चतुर्दशी को एकासन, आयंबिल और उपवास का प्रत्याख्यान एक साथ सिकंदराबाद तेरापंथ भवन में श्रावक परिवार द्वारा किया गया। यह मनोरम दृश्य सबके भीतर आनंद का संवर्धन करने वाला था। इस जप, तप महायज्ञ साधना में ज्ञानशाला,किशोर मंडल, कन्या मंडल, तेरापंथ सभा, तेरापंथ महिला मंडल, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, ज्ञानशाला प्रशिक्षिका गण, अणुव्रत समिति, हैदराबाद में प्रवासी महासभा के पदाधिकारी, अखिल भारतीय संस्थाओं के जुड़े सदस्यों ने उत्साह के साथ भाग लिया। स्वयं की भावनाओं से ओतप्रोत हर मानस आनंद की अनुभूति कर रहा था। गुरु दीक्षा महोत्सव पर तेले तप की आराधना के साथ अनेक त्याग प्रत्याख्यान किए गए। 4 मई वैशाख शुक्ल चतुर्दशी के दिन तप के साथ 11 करोड जप की शुभ शुरुआत हुई। जिसे अग्रिम प्रेरणा के साथ वर्ष भर गतिमान रखा जाएगा। साध्वीश्री डा. मंगलप्रज्ञाजी द्वारा तेरापंथ भवन, सिकंदराबाद के प्रांगण में आयोजित संयम स्वर्ण उत्सव अभिवंदना कार्यक्रम में सामूहिक अनुष्ठान का शुभारंभ करवाया गया।

दिल्ली यूनिवर्सिटी ने राहुल गांधी को नोटिस जारी किया

कहा- भविष्य में बिना अनुमति कैंपस में नहीं आएं, दौरे से स्टूडेंट्स की सुरक्षा को खतरा

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। दिल्ली यूनिवर्सिटी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नोटिस जारी किया है। इसमें कहा गया है कि वे भविष्य में यूनिवर्सिटी कैंपस में बिना अनुमति के नहीं आएंगे। यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार विकास गुप्ता ने कहा कि नोटिस में यूनिवर्सिटी राहुल को बताएगी कि इस तरह यूनिवर्सिटी में आना स्टूडेंट्स की सुरक्षा को खतरे में डालता है। स्टूडेंट्स के साथ किसी भी बातचीत के लिए उचित प्रोटोकॉल का पालन करने की जरूरत है। मालूम हो कि राहुल शुक्रवार दोपहर को यूनिवर्सिटी नॉर्थ कैंपस के पोस्ट ग्रेजुएट मेन्स हॉस्टल पहुंच गए थे और वहां स्टूडेंट्स के साथ बातचीत की थी। राहुल ने स्टूडेंट्स से उनकी समस्याओं और उनके करियर की योजनाओं के बारे में बात की थी। उन्होंने होस्टल में स्टूडेंट्स के साथ लंच भी किया था।

रजिस्ट्रार ने कहा कि राहुल ने दौरा बिना अनुमति लिए किया था। जब वे कैंपस में आए तो कई स्टूडेंट्स लंच कर रहे थे। हम इसे अपने कैंपस में बर्दाश्त नहीं कर सकते।

हम राहुल गांधी को नोटिस भेजकर कहेंगे कि उन्हें इस तरह की हरकत नहीं दोहरानी चाहिए और छात्रों की सुरक्षा को खतरे में नहीं डालना चाहिए। इस बीच, कांग्रेस की छात्र शाखा नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए प्रशासन पर दबाव था। रजिस्ट्रार ने आरोप का खंडन किया और कहा, ऐसा कोई दबाव नहीं है। यह अनुशासन का मामला है। राहुल की यात्रा के एक दिन बाद, दिल्ली यूनिवर्सिटी ने एक तीखा बयान जारी किया था। इसमें कहा गया कि अचानक और बिना अनुमति के दौरे ने होस्टल के स्टूडेंट्स और कांग्रेस नेता के लिए गंभीर सुरक्षा चिंता पैदा कर दी है। यूनिवर्सिटी के अधिकारी इस तरह की घटनाओं से बचने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि भविष्य में ऐसा न हो।

अंजनशलाका प्रतिष्ठा महामहोत्सव में उमड़ा जनसैलाब, भव्य वरघोड़ा आज

गुंटूर, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नगर के श्री कुंथुनाथ जैन मंदिर व दादावाड़ी के अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव का 6 मई को दिव्य शंखनाद महोत्सव के निश्रादाता पूज्य आचार्य भगवंत खरतरगच्छाधिपति जिन मणिप्रभ सुरीश्वरजी म.सा. की पावनकारी निश्रा में प्रारंभ हुआ व महोत्सव में धर्मप्रेमी उत्साह व उमंग पूर्वक भाग लेते हुए नजर आ रहे है। मुकेश आर. चौपड़ा व राजेश एम.बाफना ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि महोत्सव के अंतर्गत प्रतिष्ठित होने वाली परमात्मा व अन्य प्रतिमाओ का मंगल प्रवेश हुआ। प्रवेश यात्रा दरम्यान महिलाओं ने सर पर कलश धारण कर स्वागत किया वही युवा व वडिल प्रभु व गुरु भक्ति में थिरकते हुए नजर आए। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न पूजन व अनुष्ठान, परमात्मा का च्यवन कल्याणक, जन्म कल्याणक, 56 दिग कुमारी, इंद्रासन मंगल, मेरुपर्वत पर 250 अभिषेक, प्रीयवंदा द्वारा जन्म बधाई, परमात्मा का विवाह, मायरा, राज्याभिषेक महोत्सव का मंचन हुआ जिसमे सभी ने उत्साह पूर्वक भाग लेकर भगवान के जीवन चरित्र का दर्शन किया।

मंदिर के निर्माणकर्ता व प्रतिष्ठा दीक्षा महोत्सव के आयोजनकर्ता मूलचंद, छगनराज, सुखराज, दलपतराज, अशोक कुमार हुंडिया परिवार ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। उल्लेखनीय है की प्रतिष्ठा कार्यक्रम दरम्यान पादरू निवासी मदुरै प्रवासी मुमुक्षु अंकिता श्रीश्रीमाल की भागवती दीक्षा 11 मई को होगी । दीक्षा के निमित्त केशर छांटना व हल्दी का कार्यक्रम आयोजित हुआ।

महोत्सव के पांचवे दिवस कल 10 मई को सुबह 8 बजे परमात्मा के दीक्षा कल्याणक व मुमुक्षु अंकिता के वर्षीदान का वरघोड़ा व शाम को 7.30 बजे विदाई समारोह आयोजित होगा। 11 मई को सुबह परमात्मा व अन्य जिनबिंबो की प्रतिष्ठा , मुमुक्षु अंकिता श्रीश्रीमाल की दीक्षा का भव्य कार्यक्रम होगा।

मदनूर में सर्वसाधारण सभा संपन्न

मदनूर, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंडल विकास अधिकारी राजेश्वर गौड़ ने हर तीन माह को संपन्न होने वाली सर्वसाधारण सभा मंडल विकास अध्यक्षा वागमारे लक्ष्मीबाई की अध्यक्षता में मंगलवार के दिन सुबह ठीक 11.00 बजे मंडल विकास कार्यालय भवन में बुलाई। इस सभा में जुक्कल विस क्षेत्र के विधायक हनमंत शिंदे मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। मंडल में मंगल कार्य रहने से सर्वसाधारण सभा एक घंटा देरी से प्रारंभ की गयी। इस सभा में विविध गांव के सरपंच के साथ एमपीटीसी, विविध शाखा के अधिकारी उपस्थित थे। विविध विषयों पर नाम मात्र चर्चा किया गया। इस समय सरपंच संघ के अध्यक्ष सुरेश, डोंगली, सोसायटी अध्यक्ष राम पाटील, मंडल विकास अधिकारी राजेश्वर गौड़ जेडपीटीसी अनीता नामेवार के साथ विविध शाखा के अधिकारी व विविध गांव के जनप्रतिनिधि उपस्थित थे

लोगों को बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने में बीआरएस सरकार अक्षम : गज्जला

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सेरिलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र के भाजपा प्रभारी गज्जला योगानंद ने 45वें दिन लिंगमपल्ली ग्राम नंदू मंडल के अध्यक्ष राजू शेट्टी कुरुमा और रंगारेड्डी शहरी जिला महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष बिमानी विजया लक्ष्मी के नेतृत्व में जन मुद्दों की पदयात्रा के तहत लोगों से मुलाकात कर जनसमस्याओं की जानकारी दी। योगानंद ने स्थानीय लोगों से छोटे व्यापारियों की पीड़ा, आम लोगों के कल्याण, संभाग की कई महत्वपूर्ण समस्याओं और लोगों की कठिनाइयों के बारे में सुना। इस मौके पर बोलते हुए योगानंद ने आरोप लगाया कि इतने साल तेरसा सरकार आने के बाद भी कोई विकास नहीं हुआ।

योगानंद ने आरोप लगाया कि जहां केसीआर राज्य में लोगों का पैसा लूट रहे हैं, वहीं सेरिलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र में विधायक अरिके पुडी गांधी जमीन हथियाने के साथ करोड़ों रुपये लूट रहे हैं। कार्यक्रम में संभाग महासचिव सत्य कुरुमा, उपाध्यक्ष श्रवण पांडेय, रत्नाकर, सचिव वीरेश खेलगी, बी. सत्य नारायण, रामा कृष्णा, सिद्दू, राजू, कल्पना देवी, भार्गव राम, वी रमेश, फिरोज सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया।

बीसी सर्टिफिकेट मिलने में हो रही समस्याओं की दी जानकारी

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। माली समाज, तेलंगाना के प्रतिनिधि मण्डल ने तेलंगाना माली युवा संगम के अध्यक्ष एवं भाजपा नेता अविनाश देवडा के नेतृत्व में राष्ट्रीय पिछडा वर्ग आयोग की बैठक में पधारे आयोग के चेयरमैन हंसराज गंगाराम अहीर एवं भाजपा राष्ट्रीय पिछडा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद डॉ.के. लक्ष्मण को ज्ञापन देकर तेलंगाना राज्य में माली समाज को बी.सी. सर्टिफिकेट मिलने में हो रही समस्याओं से अवगत कराया। हंसराज अहीर ने इस विषय पर अधिकारियों से बात कर हल निकालने का प्रतिनिधिमण्डल को आश्वासन दिया। प्रतिनिधि मण्डल में राहुल भाटी, उमेश गहलोत, सुरेश, चन्द्रकला देवडा, सुमन गहोलत, राजेश्वरी भाटी, उगी देवी एवं अन्य समाज बन्धु उपस्थित थे।

ब्रिगेडियर और ऊपर की रैंक के अधिकारी पहनेंगे एक-जैसी वर्दी

सेना के कमांडरों ने लिया फैसला, 1 अगस्त से लागू होगा

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। सेना में ब्रिगेडियर और उससे ऊपर की रैंक के अधिकारियों के लिए 1 अगस्त से एक जैसी वर्दी होगी। हाल ही में सेना के कमांडरों के एक सम्मेलन में चर्चा के बाद यह फैसला लिया गया है। यह फैसला सभी अफसरों पर लागू होगा चाहे उनका कैडर कुछ भी हो और उनका अपॉइंटमेंट कभी भी हुआ हो। वहीं, कर्नल और नीचे की रैंक के अधिकारियों की वर्दी में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक सेना के सूत्रों ने बताया कि इस फैसले के तहत सीनियर अधिकारियों की टोपी, कंधे के बैज, गोरगेट पैच, बेल्ट और जूते एक जैसे होंगे। वहीं, फ्लैग रैंक के अधिकारी अब कोई डोरी नहीं पहनेंगे।

क्यों लिया गया ये फैसला :

सेना के एक सूत्र ने कहा कि रेजीमेंट की सीमाओं से परे, सीनियर लीडरशिप के बीच सेवा मामलों में सामान्य पहचान और नजरिए को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए यह फैसला लिया गया है। ये एक निष्पक्ष और न्यायसंगत संगठन होने के लिए भारतीय सेना के चरित्र को और मजबूत करेगा। एक जैसी वर्दी सभी सीनियर रैंक के अधिकारियों को समान पहचान देगी।

बता दें कि इंडियन आर्मी में ब्रिगेडियर और उससे ऊपर वे अधिकारी होते हैं, जो पहले से ही यूनिट या बटालियन की कमान संभाल चुके हों। इनमें से ज्यादातर की तैनाती हेडक्वॉटर्स में होती है। जहां सभी आर्म्स और सेवाओं के अधिकारी एक साथ काम करते हैं।

भारतीय सेना में ब्रिगेडियर से ऊपर चार रैंक होती हैं। इसमें सबसे ऊंची रैंक फील्ड मार्शल है। इसके बाद जनरल, लेफ्टिनेंट जनरल और मेजर जनरल है। वहीं, ब्रिगेडियर से नीचे कर्नल, लेफ्टिनेंट कर्नल, मेजर, कैप्टन, लेफ्टिनेंट, सूबेदार मेजर, नायब सूबेदार, हवलदार, नायक लांस, नायक के पद होते हैं।

इससे पहले जनवरी 2022 में भारतीय सेना ने नए डिजिटल पैटर्न वाली छलावरण लड़ाकू वर्दी तैयार की थी। सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने 15 जनवरी यानी सेना दिवस पर लड़ाकू अभियानों के लिए भारतीय सेना की नई वर्दी का उद्घाटन किया था।

समलैंगिक शादियों पर सुनवाई के दौरान सीजेआई की अहम टिप्पणी :

बोले- लाइव स्ट्रीमिंग से कोर्ट घर-घर पहुंचा

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि उसकी कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग अदालत को आम नागरिकों के घरों और दिलों तक ले गई है और वह यह सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की कोशिश कर रहा है कि लाइव-स्ट्रीम की गई सामग्री अंग्रेजी के अलावा अन्य भाषाओं में एक साथ उपलब्ध कराई जाए ताकि अधिक से अधिक लोग इसका अनुसरण कर सकें। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने की मांग करने वाली याचिकाओं पर आठवें दिन दलीलें सुनने के दौरान यह टिप्पणी की। मध्य प्रदेश की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने कहा कि कार्यवाही का एक महत्वपूर्ण परिणाम यह है कि समाज में मंथन हो रहा है।

अमित शाह भारत-बांग्लादेश सीमा पर पहुंचे

कहा- हमारे संबंध कोई नहीं तोड़ सकता, टैगोर की जन्मस्थली जाकर श्रद्धांजलि दी

कोलकाता, 9 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल का दौरा किया। उन्होंने सुबह कोलकाता के जोरासांको ठाकुरबारी में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

शाह ने बाद में भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना में इंटीग्रेटेड-चेक पोस्ट (आईसीपी) पेट्रापोल में लैंड पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एलपीएआई) और बीएसएफ के कुछ डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और उद्घाटन भी किया।

भारत और बांग्लादेश की दोस्ती काफी गहरी :

भारत और बांग्लादेश के आपसी संबंधों को लेकर अमित शाह ने कहा, भारत, बांग्लादेश के साथ गहरे संबंध साझा करता है। हमारी संस्कृति, धर्म, रीति-रिवाज और जीवनशैली हजारों सालों से आपस में जुड़ी हुई है। कोई भी बांग्लादेश के साथ हमारे संबंधों को कभी नहीं तोड़ सकता है। भारत ने बांग्लादेश के इतिहास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

लैंड पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की भूमिका अहम :

पड़ोसियों के साथ संबंधों को मजबूत करने में लैंड पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की भूमिका की सराहना करते हुए शाह ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2016-17 में एलपीएआई के माध्यम से 18,000 करोड़ रुपये का व्यापार अब 30,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है। एलपीएआई न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है बल्कि यह हमारे पड़ोसियों के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में भी मदद करता है।

बॉर्डर के बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी में सुधार :

अमित शाह ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने 2014 से सीमा के बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी में सुधार पर जोर दिया है। उन्होंने कहा, हमारी नीति स्पष्ट है। हम व्यापार और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में मजबूत बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर और बेहतर कनेक्टिविटी चाहते हैं। उन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा में बीएसएफ की भूमिका की भी सराहना की।

अमित शाह ठाकुरबारी में रवींद्रनाथ टैगोर की जन्मस्थली भी घूमे :

भारत-बांग्लादेश सीमा पर जाने से पहले अमित शाह कोलकाता में ठाकुरबारी में रवींद्रनाथ टैगोर की जन्मस्थली गए थे। यहां उन्होंने पहले टैगोर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए, फिर उनके निवास का भ्रमण किया। यहां शाह ने टैगोर की पुरानी तस्वीरों को प्रणाम किया और कविताओं को पढ़ा। बता दें रवींद्रनाथ टैगोर को उनके कविता संग्रह गीतांजलि के लिए 1913 में नोबेल पुरस्कार मिला था। उन्होंने भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका के राष्ट्रगान की भी रचना की।

मंत्री केटीआर के प्रति जताया आभार

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के विकास में मंत्री केटीआर के विशेष योगदान के लिए स्थानीय नेता व नागरिकों ने मंत्री के प्रति आभार जताया। टीआरएस नेता एम. आनंद गौड़ के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में लोगों ने आईटी और उद्योग मंत्री केटीआर को गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए काम करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह केटीआर के प्रयासों के कारण था कि जामबाग में मोजनजही बाजार को एक पर्यटन क्षेत्र के रूप में स्थापित किया गया। अफजलगंज में राज्य केंद्रीय पुस्तकालय को 13 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की गई और निर्वाचन क्षेत्र में कई विकास कार्य किए गए। राज्य केंद्रीय पुस्तकालय अधिकारी पीजीवी रानी ने विकास के लिए स्थानीय विधायक और स्थानीय सांसद की उपेक्षा की। आनंद गौड ने कहा कि जैसे ही केटीआर को ट्विटर के जरिए इस मामले की जानकारी मिली, केटीआर ने प्रमुख सचिव अरविंद कुमार को एस्टीमेट बनाने और 13 करोड़ की मंजूरी लेने के लिए भेजा। इस मौके पर श्री गौड़ ने बताया कि अफजलगंज स्थित स्टेट सेंट्रल लाइब्रेरी में मेटे भवन के निर्माण की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पूर्व पीएम इमरान ...

आईएसपीआर ने एक बयान जारी कहा था कि इस तरह के आरोप लगाना दुर्भाग्यपूर्ण हैं। ऐसा आरोपों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

गिरफ्तारी से कुछ घंटों पहले इमरान खान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से ट्विटर पर बहस कर रहे थे। उन्होंने शहबाज के लिए लिखा था, पिछले कुछ महीनों में दो बार मेरी हत्या की कोशिश हुई है। क्या मैं शहबाज शरीफ से कुछ सवाल पूछने का साहस कर सकता हूं? क्या एक नागरिक के तौर पर मुझे उन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का अधिकार है, जो मेरी हत्या के प्रयास के लिए जिम्मेदार है? मुझे एफआईआर दर्ज कराने के मेरे कानूनी और संवैधानिक अधिकार से वंचित क्यों किया गया? क्या शहबाज शरीफ यह कहना चाहते हैं कि उनके अधिकारी कानून के ऊपर हैं? अगर हम आरोप लगाते हैं कि उनमें से किसी एक ने अपराध किया है, तो यह संस्था को बदनाम करना कैसे हो गया?

पंजाब में पीटीआई सरकार के सत्ता में रहने के दौरान वजीराबाद जेआईटी को बर्बाद करने वाला शक्तिशाली व्यक्ति कौन था? क्या शहबाज शरीफ जवाब दे सकते हैं कि 18 मार्च को मेरी उपस्थिति से पहले शाम को आईएसआई ने आईसीटी न्यायिक परिसर को अपने कब्जे में क्यों लिया? सीटीडी और वकीलों के भेष में आईएसआई के जवान क्यों थे? मकसद क्या था और आईएसआई का कॉम्प्लेक्स में क्या काम था?

इमरान खान के इस ट्वीट के जवाब में शहबाज शरीफ ने लंबा ट्वीट लिखा जिसकी शुरूआत कुछ इस तरह की, मुझे कोई संदेह नहीं है कि आपकी राजनीति घोर झूठ, यू-टर्न और संस्थानों पर हमला पर टिकी हुई है। मैंने अपने ट्वीट में आपके बारे में जो कहा वह पिछले कुछ वर्षों के तथ्यों से साबित होता है।

बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान खान पर कुल 83 मामले दर्ज हैं। एक मामला पार्टी के लिए बेनामी फॉरेन फंडिंग का है। एक अन्य मामले में उनके ऊपर विदेशी मेहमानों से मिले गिफ्ट को कम दाम में खरीदकर, अधिक दाम में बेच अवैध तरीके से धन कमाने का आरोप है। यह मामला तोशाखान केस नाम से मशहूर है।

एक मामला इमरान खान की मां के नाम पर बने अस्पताल से जुड़ा है। खान पर आरोप है कि उन्होंने अस्पताल के नाम पर चंदा लेकर उसका इस्तेमाल पार्टी के काम के लिए कर लिया।

सबसे गंभीर मामलों में से एक है चुनाव आयोग से जानकारी छिपाना। इमरान खान की पहली पत्नी जेमिमा से हुई बेटी का नाम टैरिन व्हाइट है। वह तीस साल की हैं और लंदन में अपनी मां के साथ रहती हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, विदेशी न्यायालयों में यह साबित हो चुका है कि टैरिन इमरान खान की बेटी हैं। लेकिन उन्होंने चुनाव आयोग को इस बात की जानकारी नहीं दी थी। पाकिस्तान में इस मामले को टैरिन व्हाइट केस के नाम से जाना जाता है।

गहलोत की नेता ...

ये वापस पैसा क्यों नहीं ले रहे हैं? यह पैसा वापस क्यों नहीं मांग रहे हैं?

शाह से पैसे लेने के गहलोत के आरोपों पर पायलट ने कहा, किसी पर भी आरोप लगा दो कि हजार करोड़ खा गया, एक लाख करोड़ खा गया, इसका कोई मतलब नहीं है। अगर पब्लिक लाइफ में किसी के पास कोई तथ्य, प्रमाण है तो कार्रवाई कर देनी चाहिए थी। अब तक वह क्यों नहीं की गई। जिन लोगों का पूरा राजनीतिक जीवन सिर्फ पैसे के दम पर पनपा हो, शायद उनको हर चीज में पैसा दिखाई देता है। ऐसा नहीं है, पब्लिक जज्बात और इमेज भी कोई चीज होती है। जिन लोगों की राजनीति सिर्फ पैसे के दम पर चलती आई हो, उन्हें अगर हर चीज में पैसा दिखता हो तो इसका मेरे पास कोई इलाज नहीं है।

जिन विधायकों ने आपको सीएम बनाया, आप उन्हें ही बदनाम कर रहे :

उन्होंने कहा, मेरे पर अगर कोई अंगुली उठा सकता है तो बता दें। हम भी बड़े-बड़े पदों पर रहे हैं। इस तरह के आरोप लगाने से कोई किसी का लाभ नहीं होने वाला। आरोप मैं भी लगा सकता हूं। जुबान खोलने में किसी को क्या दिक्कत है? लेकिन हम संयमित रहे। तमाम गालियां खाने के बाद भी हमने पार्टी का अनुशासन नहीं छोड़ा। आरोप लगाना आसान होता है, लेकिन पब्लिक को जवाब देना मुश्किल होता है। कांग्रेस के विधायकों, जिनके दम पर हम मुख्यमंत्री बने हैं, सोनिया गांधी जिनके आशीर्वाद से हम मुख्यमंत्री बने, आप उन्हीं को बदनाम कर रहे हैं। उन्हीं की आलोचना कर रहे हैं, उन्हीं को बदनाम कर रहे हैं तो छह महीने बाद क्या

अग्रणी महिला मंच द्वारा महाराणा प्रताप जयंती पर हिमायत नगर स्थित कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेती हुईं मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, सुनयना नरसरिया, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, रूपा गुप्ता व एवं पवन भुवानिया।

नौकरी में धोखाधड़ी करने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

राजन्ना-सिरसिल्ला, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिरसिल्ला टाऊन पुलिस ने मंगलवार को एक व्यक्ति को सिरसिल्ला और वेमुलावाड़ा के सरकारी अस्पतालों में नौकरी दिलाने का वादा करके बेरोजगार युवकों से पैसे वसूलने के आरोप में गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन ने कहा कि सिरसिला कस्बे के निवासी कुम्मानी उपेंद्र ने 13 बेरोजगार युवकों से दो सरकारी अस्पतालों में सफाईकर्मी, अटेंडर और वार्ड ब्वाय की नौकरी दिलाने का झांसा देकर 9.40 लाख रुपये लिए. पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मंगलवार को उपेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से फर्जी नियुक्ति पत्र तैयार करने में इस्तेमाल होने वाली तीन रबर स्टांप बरामद हुई हैं।

बिंदिया ने वेटलिफ्टिंग में सिल्वर जीता, पीछे जल उठा गांव

दंगों में मारे गए 2-3 पड़ोसी ; खिलाड़ी बोलीं- प्लीज, मेरा पुराना मणिपुर लौटा दो

मुंबई, 10 मई (एजेंसियां)। भारत की वेटलिफ्टर बिंदियारानी देवी ने साउथ कोरिया में चल रही एशियन वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीत लिया। बिंदिया रानी मणिपुर के इंफाल वेस्ट जिले से आती हैं। यहां मैतेई और नगा-कुकी समुदाय में हो रही हिंसा की आग वेटलिफ्टर के गांव लंगोल तक भी पहुंच चुकी है। इसमें गांव के कुछ लोगों की मौत हो गई, लेकिन परिवार ने बिंदियारानी को मुकाबले से पहले हिंसा के बारे में कुछ नहीं बताया। वे नहीं चाहते थे कि इस विवाद का असर बिंदियारानी के खेल पर पड़े। बिंदियारानी खुद मैतेई समुदाय से आती हैं, जो हिंसा का हिस्सा है। हिंसा में शामिल कुकी समुदाय के लोग उनका गांव छोड़कर चले गए हैं। बिंदिया ने साउथ कोरिया में चैम्पियनशिप के दौरान बात की। उन्होंने कहा, 'मैं चाहती हूं, कोई हमारा पुराना वाला मणिपुर जल्दी से लौटा दे। जैसे हम पहले रहते थे, वैसे ही फिर से मिलकर रहें। सरकार से गुजारिश है कि जल्द इस मसले का हल निकाले।'

हमारे गांव में कुकी समुदाय और हम सब मिल कर रहते थे। कभी पता ही नहीं चला कि वे शेडयूल ट्राइब के हैं। चुरचांदपुर में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच कुछ दिन पहले हुई हिंसा का असर मेरे गांव पर भी पड़ा। मैं चाहती हूं कि वहां फिर से शांति लौट आए और सभी लोग पहले की तरह मिलकर रहें।

बिंदिया रानी के अचीवमेंट्स

कॉमनवेल्थ गेम्स
साल: 2022 | वेट: 55 KG | मेडल: सिल्वर

कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप
साल: 2010 | वेट 55 KG | मेडल: गोल्ड
साल: 2021 | वेट 55 KG | मेडल: सिल्वर

मेरा परिवार ठीक है, लेकिन गांव में 2-3 लोगों की मौत हुई है। घर वालों से सोमवार को बात हुई थी। इवेंट से पहले और बाद में भी बात हुई। हिंसा से मेरे परिवार वाले परेशान हैं। कुछ लोगों के गांव से चले जाने से वे दुखी भी हैं। वे सब हमारे जानने वाले ही थे। मेरा इवेंट 6 मई को था। हिंसा के बारे में मुझे पता चला तो मैंने बात की। घरवालों से बात नहीं हो पा रही थी। चार दिन तक बात नहीं हुई तो मैं बहुत परेशान हो गई। तब हिमाचल में रहने वाले एक भैया को फोन किया। वे टेबल टेनिस कोच हैं। उन्होंने घरवालों से बात कराई, लेकिन गांव में हुई मौत के बारे में माता-पिता ने नहीं बताया। वे नहीं चाहते थे कि इसे लेकर मैं परेशान रहूं और इसका असर मेरे इवेंट पर पड़े।

उन्होंने इवेंट में बेहतर करने का आशीर्वाद दिया। मेरे मन में गांव में कुछ अनहोनी की अशंका थी। उनके फोन काटने के बाद मन नहीं लग रहा था। मैं रोने लगी। फिर मैंने खुद को संभाला। इवेंट से पहले अपने मम्मी-पापा का फोटो निकालकर देखा और खुद को समझाया कि सब भूलकर देश के लिए मेडल जीतना है। मैं मेडल जीत गई, फिर घर वालों से बात हुई तो उन्होंने घटना के बारे में बताया।

मैं यही कहना चाहती हूं कि जो हुआ उसे भूलकर फिर से हमें मिलकर रहना चाहिए। प्रदेश के सीएम से कहना चाहती हूं कि मसले को जल्द से जल्द सुलझाएं। मुझे तो मेरा पुराना वाला मणिपुर और गांव चाहिए, जहां सभी लोग मिलकर रहते थे। प्लीज, कोई मेरे पुराने मणिपुर को लौटा दे।

पिछले साल अगस्त में मणिपुर गई थी। साउथ कोरिया से लौटने के बाद मैं पटियाला जाऊंगी। वहां आगे के कॉम्पिटिशन की तैयारी में जुटना है।

मैंने वेटलिफ्टिंग में ऐसा कभी नहीं सुना है। हमारे कोच विजय शर्मा सर काफी कोऑपरेटिव हैं और गार्जियन की तरह हम सभी खिलाड़ियों का ध्यान रखते हैं।

नहीं। फेडरेशन ने सभी को मौका दिया है। हमें कभी भी ऐसा नहीं लगा कि कोई भेदभाव हो रहा है। मैंने किसी साथी वेटलिफ्टर से कभी नहीं सुना है और न ही कभी देखा है कि किसी वेटलिफ्टर के साथ कुछ गलत हो रहा है।

मैं प्लेयर के तौर पर उनके दर्द को समझ रही हूं। मैं बहुत ज्यादा नहीं जानती, पर इतना चाहती हूं कि उनकी जो भी मांग है उस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए। जो भी मामला हो उसे जल्द से जल्द सुलझाना चाहिए। कुछ महीनों बाद एशियन गेम्स हैं। मैं चाहती हूं कि मामला जल्द सुलझे, ताकि वो तैयारी में जुटें।

मैं एशियन गेम्स में 55 किलो वेट में ही हिस्सा लूंगी। उसके बाद मैं 59 किलो वेट में शिफ्ट करूंगी। उसके बाद पेरिस ओलिंपिक के लिए होने वाले क्वालिफाइंग इवेंट के दौरान 59 किलो वेट में ही हिस्सा लूंगी।

मेरे मम्मी-पापा के अलावा बड़ी बहन, बड़ा भाई और छोटी बहन हैं। बड़ी बहन और भाई की शादी हो चुकी है।

दरअसल 3 मई को चुराचांदपुर जिले में ऑल ट्राइबल स्टूडेंट यूनियन मणिपुर ने मैतेई समुदाय को एसटी का दर्जा देने के विरोध में आदिवासी एकजुटता मार्च निकाला था। आरोप है कि हथियारबंद लोगों की भीड़ ने उसी दौरान मैतेई समुदाय के लोगों पर हमला कर दिया। इसके बाद हिंसा भड़क गई। इसी घटना का असर बिंदिया के गांव लोंगल में भी पड़ा। बिंदिया के गांव में मैतेई और कुकी समुदाय दोनों रहते हैं।

भारतीय टीम ब्रिज गेम खेलने पाकिस्तान पहुंचा

30 प्लेयर्स ने वाघा बॉर्डर से एंट्री ली

लाहौर, 10 मई (एजेंसियां)। क्रिकेट में भारत -पाकिस्तान के बीच एशिया कप के वेन्यू को लेकर चल रही गहमागहमी के बीच ताश के पत्तों का खेल कॉन्ट्रैक्ट ब्रिज की भारतीय टीम पाकिस्तान के लाहौर पहुंची। दरअसल, पाकिस्तान में ब्रिज फेडरेशन एशियन चैंपियनशिप खेली जा रही है। इसमें भारतीय टीम भी हिस्सा ले रही है।

5 मई से खेली जा रही चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए 30 सदस्यीय भारतीय टीम गुरुवार को वाघा बॉर्डर के रास्ते लाहौर पहुंची थी।

क्या होता है कॉन्ट्रैक्ट ब्रिज गेम

ब्रिज की शुरूआत वर्ल्ड ब्रिज फेडरेशन नाम की संस्था ने की। इसे ट्रिक-टेकिंग कार्ड गेम भी कहा जाता है। साल 1958 में नॉर्वे के ओस्लो शहर में इसकी शुरुआत हुई थी। इस खेल में हर एक टीम के दो खिलाड़ी शामिल होते हैं। खेल लगातार 7 दिनों तक खेला जाता है। हर एक दिन खेल को खेलने वाले प्लेयर्स लगातार इसे 7 घंटे तक बैठकर खेलते हैं।

खेल में कार्ड के 52 पत्तों में से 13 पत्ते हर एक खिलाड़ी को बांटे जाते हैं। खिलाड़ी परम्यूटेशन और कॉम्बिनेशन के आधार पर इस खेल को खेलते हैं।

आने वाले कार्ड पर निर्भर करता है कि वह किस तरह अपना स्कोर बढ़ा सकते हैं। दूसरे खेलों की तुलना में यह एक माइंड गेम है।

एशियन गेम्स का हिस्सा है ब्रिज

ब्रिज मल्टीस्पोर्ट इवेंट एशियन गेम्स का भी हिस्सा है। 2018 एशियन गेम्स खेलों में 14 देशों के कुल 213 एथलीटों ने ब्रिज में भाग लिया था। इसमें भारत ने ब्रिज में 1 गोल्ड और दो ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। भारत के प्रणब बर्धन और शिवनाथ सरकार ने मेंस टीम में गोल्ड अपने नाम किया था। एशियन गेम्स में सबसे ज्यादा गोल्ड चीन ने जीते थे।

एचसीएल के फाउंडर शिव नादर और उनकी वाइफ किरण नादर भी ले रहे है हिस्सा

एचसीएल कंपनी के फाउंडर शिव नादर भी पाकिस्तान में आयोजित चैंपियनशिप में हिस्सा ले रहे है। नादर के साथ उनकी वाइफ किरण नादर भी टूर्नामेंट में 30 सदरस्यी टीम की हिस्सा है। नादर एचसीएल कंपनी में भी ब्रिज की लीग आयोजित कराते रहते है।

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप: सचिन प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, मालडोवा के सर्गेई नोवाक को हराया

ताशकंद, 10 मई (एजेंसियां)। तेइस साल के सचिन ने अपने लंबे कद का फायदा उठाकर दमदार पंच लगाकर पहला दौर आसानी से जीत लिया।

पहली बार विश्व चैंपियनशिप में खेल रहे भारतीय मुक्केबाज सचिन सिवाच (54 भारवर्ग) ने मालडोवा के सर्गेई नोवाक को हराकर जीत से शुरुआत की है। पूर्व यूथ चैंपियन ने जजों के 5-0 के सर्वसम्मत निर्णय से बेंटमवेट वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। तेइस साल के सचिन ने अपने लंबे कद का फायदा उठाकर दमदार पंच लगाकर पहला दौर आसानी से जीत लिया। दूसरे दौर में सचिन के आक्रामक तेवर जारी रहे। उनका रक्षण भी मजबूत था। तीसरे दौर

में उन्होंने एक जबर्दस्त अपर कट लगाया था।

इससे पहले भारतीय मुक्केबाज दीपक भोरिया ने रविवार को दमदार प्रदर्शन करते हुए टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता कजाखस्तान के साकेन बिबोसिनोव को हराकर विश्व चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दीपक को विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघाल की जगह टीम में शामिल किया गया था और उन्होंने आखिरी तीन मिनट में आक्रामक अंदाज अपनाते हुए मैच जीत लिया।

भारतीय मुक्केबाज ने 2021 विश्व चैंपियन साकेन को 5-2 से शिकस्त देकर अगले दौर में जगह बनाई। दीपक ने मुकाबले में धीमी शुरुआत की और उन्हें अपनी लय पकड़ने में थोड़ा समय लगा। इसका फायदा साकेन ने उठाया और उन पर कुछ पंच जड़ दिए। इसके बाद दीपक तीसरे राउंड में अपनी लय को पकड़ते हुए पूर्व विश्व चैंपियन मुक्केबाज पर हावी हो गए। दीपक अगले मैच में चीन के झांग जिमाओ के खिलाफ रिंग में उतरेंगे।

दो बार के राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 भारवर्ग) ने रूस के एडुआर्ड सविन को 5-0 से पराजित करके क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। उनका अगले दौर में सामना अजरबैजान के उमिद रुस्तामोव से होगा।

जोफ्रा आर्चर आईपीएल से बाहर

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के डेथ ओवर स्पेशलिस्ट क्रिस जॉर्डन होंगे रिप्लेसमेंट

खेल डेस्क, 10 मई (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर आईपीएल के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं। मुंबई इंडियंस ने उनकी जगह पर रिप्लेसमेंट के तौर पर इंग्लैंड क्रिकेट टीम के डेथ ओवर स्पेशलिस्ट क्रिस जॉर्डन को साइन कर लिया है। जोफ्रा अपने देश इंग्लैंड जाएंगे। इस सीजन में मुंबई के 10 मैचों में से वह 5 मैचों में ही खेले थे। मुंबई इंडियंस ने साल 2022 में मेगा ऑक्शन में इन्हें 8 करोड़ में खरीदा था। जोफ्रा 2022 में एक भी मैच नहीं खेल पाए थे।

आईपीएल की बात करें तो अब तक इस टूर्नामेंट से 17 खिलाड़ी बाहर हो चुके हैं। इनमें मुंबई इंडियंस के जसप्रीत बुमराह,

गुजरात टाइटंस के केन विलियम्सन और कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान श्रेयस अय्यर, लखनऊ जायंट्स के कप्तान केएल राहुल जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं।

क्रिस जॉर्डन ऑक्शन में थे अनसोल्ड

क्रिस जॉर्डन आईपीएल के 16वें सीजन के लिए हुए मिनी ऑक्शन में अनसोल्ड रहे थे। उन्हें आर्चर की जगह मुंबई इंडियंस ने 2 करोड़ रुपये में शामिल किया है।

जॉर्डन ने 2016 में आईपीएल में डेब्यू किया था और उसके बाद अब तक उन्होंने 28 आईपीएल मैच खेले हैं और इनमें 27 विकेट अपने नाम किए हैं। तेज गेंदबाज ने 87 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करते हुए 96 विकेट लिए हैं।

मुंबई ने 5 मैच जीते हैं

पांच बार की आईपीएल चैंपियन मुंबई इंडियंस आईपीएल के 16वें सीजन में 8वें स्थान पर है। अभी तक खेले 10 मैचों में से 5 मैच जीते हैं। अगर मुंबई मंगलवार को अपना मैच जीतती है तो वह तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगी।

एशियाई चैम्पियनशिप: अजित नारायण और अचिंता शेउली 73 किग्रा के ग्रुप बी में शीर्ष दो स्थान पर रहे

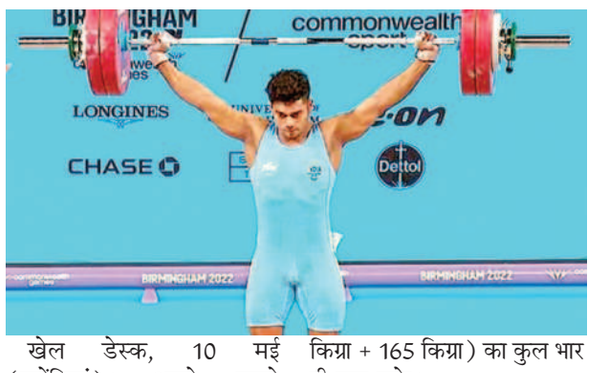

खेल डेस्क, 10 मई (एजेंसियां)। अपने पहले सीनियर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा कर रहे अजित ने कुल 307 किग्रा (139 किग्रा + 168 किग्रा) का भार उठाया, जबकि अचिंता केवल 305 किग्रा (140 किग्रा + 165 किग्रा) का कुल भार ही उठा सके।

भारतीय भारोत्तोलक अजीत नारायण और अचिंता श्युली सोमवार को यहां एशियाई चैंपियनशिप की पुरुषों की 73 किग्रा स्पर्धा के ग्रुप बी में क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर रहे। अपने पहले सीनियर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा कर रहे अजित ने कुल 307 किग्रा (139 किग्रा + 168 किग्रा) का भार उठाया, जबकि अचिंता केवल 305 किग्रा (140 किग्रा + 165 किग्रा) का कुल भार ही उठा सके।

भारत के इन दोनों भारोत्तोलकों को उनके शुरुआती भार के आधार पर ग्रुप बी रखा गया था। भारोत्तोलन में अधिकतम शुरुआती भार रखने वाले खिलाड़ियों को ग्रुप ए और उसके बाद के खिलाड़ियों को ग्रुप बी में रखा जाता है।

राहुल की जगह ईशान डब्ल्यूटीसी फाइनल की टीम में

आईपीएल में चोटिल हुए थे केएल; उमेश-उनादकट भी इंजर्ड, लेकिन उनके रिप्लेसमेंट तय नहीं

मुंबई, 10 मई (एजेंसियां)। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए विकेटकीपर बैटर केएल राहुल की जगह ईशान किशन को भारतीय स्क्वॉड में शामिल किया गया है। BCCI ने सोमवार को इस बात की जानकारी दी। डब्ल्यूटीसी फाइनल लंदन के द ओवल स्टेडियम में 7 से 11 जून के बीच भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जाएगा।

1 मई को केएल राहुल लखनऊ के इकाना स्टेडियम में बेंगलुरु के खिलाफ खेले गए मैच में फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए थे। आरसीबी की पारी के दूसरे ओवर में फाफ डु प्लेसिस का शॉट रोकने के प्रयास में राहुल के पैर में चोट लगी थी। तब वे मैदान से बाहर चले गए थे। आखिर में राहुल चोट के बावजूद बैटिंग करने उतरे थे, लेकिन उन्हें रन दौड़ने में परेशानी का सामना करना पड़ा था।

राहुल के पैर की सर्जरी होनी है। इसके बाद करीब एक महीने तक उन्हें आराम करना होगा। ऐसे में 7 से 11 जून तक होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल में उनका खेलना मुमकिन नहीं है।

उनादकट भी फाइनल से लगभग बाहर

बीसीसीआई ने प्रेस रिलीज में उमेश यादव और जयदेव उनादकट की चोट के बारे में भी बताया, लेकिन उनके रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया। ऐसे में इन दोनों गेंदबाजों के खेलने की उम्मीदें अब भी बाकी हैं।

आईपीएल के 16 वें सीजन के दौरान 16 खिलाड़ी चोट की वजह से बाहर हो चुके हैं। सबसे ज्यादा खिलाड़ी चेन्नई सुपर किंग्स के बाहर हुए हैं। यहां देखें उनके नाम।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के प्लेइंग-11 में अगर ईशान किशन को मौका मिलता है तो यह उनका पहला ही इंटरनेशनल टेस्ट मैच होगा। इससे पहले उन्होंने कभी टेस्ट नहीं खेला, हालांकि वे 48 फर्स्ट क्लास मैच खेल चुके हैं।

रिप्लेसमेंट के बाद डब्ल्यूटीसी के लिए भारतीय टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे, केएस भरत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दूल ठाकुर, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, जयदेव उनादकट, ईशान किशन।

स्टैंड बायः ऋतुराज गायकवाड, मुकेश कुमार और सूर्यकुमार यादव।

पाकिस्तान से छिन सकता है एशिया कप

भारत के मैच दूसरे देश में कराने का प्रपोजल खारिज, श्रीलंका-बांग्लादेश ने मेजबानी मांगी

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)। एशियाई क्रिकेट परिषद ने एशिया कप को पाकिस्तान से बाहर कराने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल पर कराए जाने के प्रस्ताव को सदस्य देशों ने खारिज कर दिया।

पाकिस्तान में 2 से 17 सितंबर के बीच एशिया कप होना था। अब यह श्रीलंका में हो सकता है। अभी यह मेजबानी का सबसे प्रबल दावेदार है। हालांकि, अभी एसीसी की ओर से एशिया कप को पाकिस्तान के बाहर कराने की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। आईसीसी के कैलेंडर में 2023

में होने वाले एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान को दी गई है। बीसीसीआई ने कैलेंडर जारी होते ही यह साफ कर दिया था कि भारतीय टीम खेलने के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी। बीसीसीआई ने एशिया कप किसी न्यूट्रल वेन्यू पर कराने को कहा था, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड नहीं माना, क्योंकि अपनी बिगड़ी हुई आर्थिक स्थिति संवारने के लिए उसे एशिया कप से ही उम्मीद है।

हालांकि, पाकिस्तान ने टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल पर कराने का प्रस्ताव भी दिया था। इसके मुताबिक, भारत के मैच बाहर करा दिए जाएंगे। टूर्नामेंट के बाकी मैच पाकिस्तान में होंगे। भारत अगर फाइनल में पहुंचता है तो फाइनल भी पाकिस्तान के बाहर होगा।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड वर्ल्ड कप में नहीं खेलने की भी धमकी देता रहा है। दरअसल, वनडे वर्ल्ड कप अक्टूबर में भारत में होना है। पीसीबी भी धमकी देता रहा है कि अगर भारत एशिया कप खेलने नहीं आता है, तो वह भी भारत में खेलने नहीं जाएगा। वहीं, पाकिस्तान ने वर्ल्ड कप में अपने मैच बाहर कराने का भी अनुरोध आईसीसी से किया है। वहीं, श्रीलंका हमेशा बीसीसीआई के साथ रहा। आईसीसी भी पाकिस्तान को भारत के बाहर अपने मैच खेलने (विश्व कप में) के लिए सहमत दिखाई नहीं पड़ रहा है। अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि पीसीबी क्या फैसला लेता है।

मेसी ने लॉरियस स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर जीता

अर्जेंटीना सर्वश्रेष्ठ टीम, एक साल दोनों अवॉर्ड जीतने वाले मेसी पहले खिलाड़ी

पेरिस, 10 मई (एजेंसियां)। अर्जेंटीना फुटबॉल टीम के स्टार और दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी लियोनल मेसी को लॉरियस स्पोर्ट्स मैन ऑफ द ईयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। पेरिस में सोमवार को आयोजित समारोह में यह पुरस्कार उन्हें दिया गया। वहीं अर्जेंटीना टीम को लॉरियस वर्ल्ड टीम ऑफ द ईयर घोषित किया गया। इसके साथ ही मेसी पहले खिलाड़ी हो गए हैं, जिन्हें स्पोर्ट्स मैन ऑफ द ईयर और टीम ऑफ द ईयर दोनों एक ही साथ मिले हैं।

मेसी और अर्जेंटीना को यह सम्मान पिछले साल की आखिरी

में आयोजित फीफा वर्ल्ड कप जीतने के लिए दिया गया। कतर में आयोजित इस टूर्नामेंट के फाइनल में मेसी ने फाइनल में अपनी टीम के लिए दो अहम गोल किए थे। विजेता का फैसला पेनल्टीज से हुआ था। निर्धारित समय में दोनों टीमें 3-3 से बराबरी पर थीं। बाद में पेनल्टीज में अर्जेंटीना ने फ्रांस को हरा दिया। मेसी का करियर का यह पहला वर्ल्ड कप खिताब है।

मेसी को दूसरी बार मिला लॉरियस स्पोर्ट्स मैन ऑफ द ईयर

मेसी को दूसरी बार लॉरियस स्पोर्ट्स मैन ऑफ द ईयर का अवॉर्ड दिया गया है। इससे पहले साल 2020 में उन्हें फॉर्मूला वन ड्राइवर लुईस हैमिल्टन के साथ यह अवॉर्ड दिया गया था।

लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स के लिए किस तरह से होता है चयन

लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स के लिए सबसे पहले वर्ल्ड मीडिया के ओर से खिलाड़ियों और टीमों के प्रदर्शन के प्रदर्शन के आधार पर उनको नॉमिनेट किया जाता है। उसके बाद लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स एकादमी के 71 सदस्य बहुमत के आधार पर विभिन्न अवॉर्ड के लिए खिलाड़ियों और टीमों का चयन करते हैं। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स की स्थापना साल 2000 में की गई थी। उसके बाद से हर साल इन पुरस्कारों को दिया जाता है।

खोई हुई शान फिर से हासिल करेगा सदियों पुराना कोतवाल कार्यालय

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पुरानी हवेली में सदियों पुरानी कोतवाल कार्यालय की इमारत जीर्णोद्धार कार्यों के साथ अपने पुराने स्वरूप को फिर से हासिल कर लेगी।

मौजूदा समय में इस इमारत में पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) का कार्यालय है। नगर पुलिस आयुक्त, सीवी आनंद ने भवन के जीर्णोद्धार कार्यों को चिह्नित करने के लिए पट्टिका का अनावरण किया। पहले, भवन में शहर के पुलिस आयुक्त का कार्यालय था। बाद में इसे बशीरबाग में स्थानांतरित कर दिया गया। हालांकि, शहर में महत्वपूर्ण बंदोबस्त कार्यक्रमों के दौरान वरिष्ठ अधिकारी अभी भी यहां शिविर लगाते हैं। इस मौके पर नगर पुलिस ऑयुक्त ने कहा कि मेरे कई पूर्ववर्तियों ने शुक्रवार की प्रार्थना और अन्य जुलूसों आदि की निगरानी करते हुए यहां डेरा डालना पसंद किया। मैं उसी परंपरा को जारी रख रहा था और देखा कि इमारत की स्थिति एक दिन तक बिगड़ती जा रही थी, लेकिन एक हैदराबादी होने के नाते, मुझे लगा कि यह है इन विरासत संरचनाओं को संरक्षित और पुनर्जीवित करने की हमारी जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि शहर की पुलिस ने इस संरचना को बहाल करने का फैसला किया क्योंकि इसका अस्तित्व हैदराबाद के इतिहास से जुड़ा हुआ है और यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। दक्षिण जोन के पुरानी हवेली में ऐतिहासिक कोतवाल कार्यालय भवन जल्द ही अपने पुराने आकर्षण को फिर से हासिल कर लेगा। शहर के 176 साल पुराने पुलिस इतिहास का उदाहरण है। एक सदी पहले निर्मित भवन 1920 से 2002 तक कोतवाल के कार्यालय के रूप में कार्य करता था। 2002 में सीपी के कार्यालय को दूसरे बशीरबाग में स्थानांतरित करने के बाद, इसे कैंप कार्यालय के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था और प्रमुख समीक्षा बैठकें आयोजित की जा रही थीं। इस अवसर पर मीर बरकतुल्लाह खान, एमडी डेक्कन टेरेन, एआर श्रीनिवास, अतिरिक्त सीपी (अपराध और एसआईटी), पी.साई चैतन्य, आईपीएस डीसीपी साउथ जोन और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

बंडी संजय ने पार्टी लोगों से जेपीएस के साथ खड़े होने को कहा

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से तेलंगाना के आंदोलनकारी कनिष्ठ पंचायत सचिवों (जेपीएस) के साथ खड़े होने को कहा। उन्होंने उनसे जेपीएस के घरों का दौरा करने और उनके साथ एकजुटता व्यक्त करने को कहा। उन्होंने उन्हें राज्य भर में जमीनी स्तर पर उचित कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कहा, जिसमें मांग की गई कि राज्य सरकार उनकी सेवाओं को नियमित करे। उन्होंने जेपीएस के समर्थन में राज्य सरकार के अन्य विभागों के कर्मचारियों को लामबंद करने के लिए भी कहा। उन्होंने जिला पार्टी अध्यक्षों, विधानसभा संयोजकों और सह-संयोजकों के साथ आयोजित एक टेलीकॉन्फ्रेंस के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश जारी किए।

इस अवसर पर बोलते हुए, संजय ने 11 मई को संगारेड्डी में बेरोजगार मार्च और 14 मई को हिंदू एकता यात्रा जैसे आगामी पार्टी कार्यक्रमों को कैसे बनाया जाए, इस पर पार्टी कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन प्रदान किया। जेपीएस द्वारा जारी हड़ताल पर उन्होंने कहा कि हड़ताल उचित है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर सरकार ने जेपीएस को "धोखा" दिया, जिन्हें एक परीक्षा के आधार पर चुना गया था। किसी भी सरकारी नौकरी के लिए केवल दो साल की परिवीक्षा अवधि होने की बात कहते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जेपीएस के लिए तीन साल की परिवीक्षा अवधि रखी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने न केवल उनके विरोध में भाग लिया बल्कि इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर उनकी सेवाओं को नियमित करने की मांग की। उन्होंने पार्टी कैडरों से 11 मई को संगारेड्डी में आयोजित होने वाले बेरोजगार मार्च को बनाने का आग्रह किया, जिसमें मांग की गई कि राज्य सरकार सनसनीखेज टीएसपीएससी पेपर लीक मामले में उच्च न्यायालय के एक सिटिंग जज द्वारा जांच का आदेश दे, मंत्री केटीआर को उनके पद से बर्खास्त करे और प्रश्नपत्र लीक मामले में नुकसान झेलने वाले बेरोजगार युवकों को एक लाख रुपये की सहायता का भुगतान करे।

टीएस इंटरमीडिएट परिणाम घोषित लड़कियों ने लड़कों को पीछे छोड़ा

टीएस इंटरमीडिएट परिणाम जारी करती हुईं शिक्षा मंत्री पी. सबिता इंद्रा रेड्डी व अन्य।

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को यहां इंटरमीडिएट पब्लिक एग्जामिनेशन (आईपीई) के नतीजे घोषित किए गए। प्रथम, द्वितीय वर्ष और व्यावसायिक सहित कुल लगभग 9.47 लाख छात्रों ने परीक्षा दी, जिसमें 63.49 प्रतिशत छात्रों ने सभी पेपर पास किए। मंगलवार को यहां परिणामों की घोषणा करते हुए शिक्षा मंत्री पी. सबिता इंद्रा रेड्डी ने कहा कि पहले वर्ष में उत्तीर्ण प्रतिशत 62.85 रहा जबकि दूसरे वर्ष में 67.27 प्रतिशत रहा। पहले वर्ष में, कुल 4,33,082 छात्रों ने परीक्षा दी, जिसमें 2,72,208 छात्रों ने परीक्षा पास की। इसी तरह, कुल 3,80,920 छात्र दूसरे वर्ष की परीक्षा में शामिल हुए, जिसमें 2,56,241 छात्र पास हुए। लड़कियों ने परिणामों में लड़कों को पीछे छोड़ दिया है। लड़कियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 68.68 है जबकि लड़कों का 54.66 प्रतिशत है। मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार ने छात्रों के बीच शैक्षणिक दबाव को कम करने के लिए इस वर्ष टीएस ईएएमसीईटी के लिए 25 प्रतिशत वेटेज की सुविधा को हटाने का फैसला किया था और उन छात्रों से भी अपील की थी जो परीक्षा पास नहीं कर सके। उन्होंने आगे बताया कि उन्नत पूरक परीक्षाएं 4 जून से शुरू होंगी और पुनर्गणना प्रक्रिया 10 से 16 मई के बीच होगी। छात्र पुनर्मूल्यांकन के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। नतीजे वेबसाइट https://tsbie.cgg.gov.in पर उपलब्ध करा दिए गए हैं।

टीएस एमसेट आज से, एक मिनट की देरी भी बर्दाश्त नहीं

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार से शुरू होने वाले तेलंगाना स्टेट इंजीनियरिंग, एग्रीकल्चर एंड मेडिकल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीएस एमसेट) 2023 के लिए उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों को एक मिनट की देरी से भी परीक्षा केंद्रों में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। सुबह के सत्र के लिए परीक्षा हॉल में प्रवेश सुबह 7.30 बजे और दोपहर के सत्र के लिए दोपहर 1.30 बजे शुरू होगा। एक बार परीक्षा शुरू होने के बाद यानी सुबह के सत्र के लिए सुबह 9 बजे के बाद और दोपहर के सत्र के लिए दोपहर 3 बजे के बाद उम्मीदवारों को हॉल में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि वे परीक्षा के दौरान किसी भी बाहरी डिजाइन या पैटर्न जैसे मेहंदी, टैटू, स्याही आदि को अपने हाथों पर लगाने से बचें और बायोमेट्रिक फिंगरप्रिंट विवरण प्राप्त करने के लिए अपने हाथों को साफ रखें। टीएस एमसेट के लिए 3,20,384 छात्रों ने पंजीकरण कराया था। कुल 1,14,981 उम्मीदवारों ने 10 और 11 मई को होने वाली एएम स्ट्रीम परीक्षा के लिए आवेदन किया था, जबकि 2,05,031 छात्रों ने 12, 13 और 14 मई को होने वाली इंजीनियरिंग परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया था।

दोनों परीक्षाएं दो सत्रों में यानी सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक तेलंगाना में 104 केंद्रों और आंध्र प्रदेश में 33 केंद्रों पर आयोजित की जाएंगी। परीक्षा के लिए हॉल टिकट पहले ही वेबसाइट https://eamcet.tsche.ac.in / पर उपलब्ध करा दिए गए हैं।

यात्री और माल ढुलाई दोनों क्षेत्रों में दमरे का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने नए वित्तीय वर्ष 2023-24 की जोरदार शुरुआत की है। जोन ने किसी भी वित्तीय वर्ष में अप्रैल महीने के लिए यात्रियों और माल ढुलाई दोनों क्षेत्रों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया है। जोन ने अप्रैल 2023 के दौरान 465.38 करोड़, रुपये की मूल यात्री आय हासिल की है। यह किसी भी वित्तीय वर्ष में अप्रैल महीने के लिए सेगमेंट में अब तक की सबसे अधिक कमाई है। यह किसी भी वित्तीय वर्ष की दूसरी सबसे अच्छी मासिक कमाई भी है। अप्रैल 2022 में 17.23 मिलियन की तुलना में अप्रैल 2023 में 21.90 मिलियन के साथ मूल यात्रियों की संख्या में वृद्धि देखी गई, जिसमें 27.10 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। नियमित ट्रेनों के अलावा, यात्रियों की गर्मियों की मांग को पूरा करने के लिए जोन ने इस अवधि के दौरान अतिरिक्त विशेष ट्रेनों की शुरुआत की है। अप्रैल, 2023 में यात्री भीड़ को पूरा करने के लिए 65 विशेष ट्रेनों का संचालन किया गया, जिसके परिणामस्वरूप 464 फेरे लगे। इससे 3.39 लाख यात्रियों को राहत मिली और अप्रैल, 2023 में 26.60 करोड़ का राजस्व मिला। माल ढुलाई खंड पर, ज़ोन ने अप्रैल 2023 में 11.298 मीट्रिक टन माल लदान दर्ज किया है, जो किसी भी वित्तीय वर्ष में अप्रैल के लिए अब तक का सबसे अच्छा माल लदान है। यह पिछले वर्ष दर्ज की गई लोडिंग से लगभग 7.57 अधिक है। इसके साथ ही, इस वर्ष के दौरान माल ढुलाई राजस्व में 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अप्रैल 2023 में 1,105.79 आय हुई। जबकि अप्रैल 2022 में 937.21 करोड़ की आय हुई। कोयले ने 13 प्रतिशथ की वृद्धि दर्ज करके और 5.98 मीट्रिक टन लदान में योगदान करके जोन के समग्र माल लदान में वृद्धि का नेतृत्व करना जारी रखा। अन्य महत्वपूर्ण वस्तुएं जिन्होंने दक्षिण मध्य रेलवे के समग्र माल लदान में योगदान दिया है। इसमें सीमेंट (2.95 मीट्रिक टन), खाद्यान्न (0.52 मीट्रिक टन), उर्वरक (0.547 मीट्रिक टन) और लौह अयस्क (0.278 मीट्रिक टन) आदि शामिल है। जोन मौजूदा कमोडिटी स्ट्रीम को मजबूत करते हुए ट्रैफिक की नई धाराएं शुरू करके अपनी माल ढुलाई की टोकरी को चौड़ा करने पर विशेष ध्यान दे रहा है। वैगनों की समय पर आपूर्ति के साथ सक्रिय कार्रवाई के कारण माल ग्राहकों को प्रतिदिन औसतन 5,732 वैगनों की आपूर्ति की जा रही है। एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत में इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए परिचालन और वाणिज्यिक दोनों टीमों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियों से निश्चित रूप से कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा और आगे बढ़ने में मदद मिलेगी

सिकंदराबाद-दानापुर और सिकंदराबाद-डिब्रूगढ़ के बीच बारह विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मी के मौसम में यात्रियों की भीड़ को क्लियर करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) सिकंदराबाद-दानापुर और सिकंदराबाद-डिब्रूगढ़ के बीच बारह विशेष ट्रेनें चलाएगा। आज यहां एक विज्ञप्ति में दमरे ने कहा कि ट्रेन सं. 07419 सिकंदराबाद-दानापुर विशेष ट्रेन 13, 20 व 27 मई शनिवार को सिकंदराबाद से दोपहर 3.15 बजे रवाना होगी और रविवार को रात 11.15 बजे दानापुर पहुंचेगी। इसी क्रम में ट्रेन नंबर 07420 दानापुर-सिकंदराबाद स्पेशल ट्रेन 15, 22 व 29 मई सोमवार को दानापुर से दोपहर 2 बजे निकलेगी और मंगलवार को रात 11.50 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी। ये विशेष ट्रेनें दोनों दिशाओं में काजीपेट, पेद्दापल्ली, बेल्लमपल्ली, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, नागपुर, इटारसी, पिपरिया, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज च्यूकी, पं. दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर और आरा स्टेशनों पर रूकेगी। ट्रेन नंबर 07046 सिकंदराबाद-डिब्रूगढ़ स्पेशल ट्रेन 15, 22 और 29 मई को सोमवार को पूर्वाह्न 11.00 बजे प्रस्थान करेगी और बुधवार को रात 8.50 बजे डिब्रूगढ़ पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 07047 डिब्रूगढ़-सिकंदराबाद स्पेशल ट्रेन 18, 25 मई और 1 जून को गुरुवार को सुबह 9.20 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार को शाम 4.30 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी। ये विशेष ट्रेनें दोनों दिशाओं में नलगोंडा, मिर्यालगुडा, सत्तेनपल्ली, गुंटूर, विजयवाड़ा, एलुरु, राजमंड्री, समालकोट, दुव्वाडा, विशाखापत्तनम, विजयनगरम, श्रीकाकुलम, पलासा, ब्रह्मपुर, खुर्दा रोड, भुवनेश्वर, कटक, भद्रक, बालासोर, खड़गपुर, दानकुनी, बर्धमान, रामपुर हाट, मालदा टाउन, किशनगंज, न्यू जलपाईगुड़ी, जपाईगुड़ी रोड, न्यू कूचबिहार, न्यू अलीपुरद्वार, कोकराझार, न्यू बोंगाईगांव, गोलपारा, गुवाहाटी, जगी रोड, होजई, लुमडिंग जंक्शन, दीफू, दीमापुर, फुर्केटिंग जंक्शन, मरैनी, सिमलुगुरी, नहरकटिया और न्यू तिनसुकिया स्टेशनों पर रूकेगी।

जगनाना विद्या कनुका किट अगले महीने वितरित की जाएगी

विजयवाड़ा, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश सरकार शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 से पहले राज्य में 39.95 लाख छात्रों को जगनाना विद्या कनुका किट देने की तैयारी कर रही है। सभी किट तैयार रखने की समय सीमा, जिसमें कार्य पुस्तिकाएँ, पाठ्यपुस्तकें, कपड़े के तीन सेट, बैग, जूते और नोट्स शामिल हैं, 31 मई है। अधिकारियों ने कहा कि जेवीके किट जून में स्कूल के फिर से खुलने से पहले वितरित किए जाएंगे।

आंध्र प्रदेश शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव, प्रवीण प्रकाश, वितरकों के गोदामों में स्कूल यूनिफॉर्म और अन्य सामग्रियों की गुणवत्ता का निरीक्षण कर रहे हैं और समय पर आपूर्ति सुनिश्चित कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, 35,4,61,730 पाठ्यपुस्तकें और कार्यपुस्तिकाएं मुद्रित की जा चुकी हैं, और जल्द ही परीक्षण किया जाएगा। 14 मई तक, पाठ्यपुस्तकें और कार्यपुस्तिकाएँ वितरित की जाएँगी और जिलों में उपलब्ध होंगी। अभी तक 3,9,95,992 के एकसमान सेट तैयार हैं। प्रति दिन एक लाख सेट की मौजूदा उत्पादन क्षमता के कारण उम्मीद है कि 26 मई तक सभी वर्दी प्रदान कर दी जाएगी।

ट्रांसफार्मर का फ्यूज बदलते समय करंट लगने से किसान की मौत

मेदक, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिले के चेरलापल्ली तांडा में मंगलवार की सुबह एक दुखद घटना में 48 वर्षीय एक किसान की ट्रांसफॉर्मर पर करंट लगने से मौत हो गई। पीड़ित गुरु नागुलु था, जो अपने खेत में विभिन्न सब्जियों की खेती कर रहा था। मंगलवार को जब उसके खेत में बिजली की आपूर्ति बाधित हो गई, तो किसान बिजली की आपूर्ति की जांच करने के लिए ट्रांसफार्मर पर पहुंच गया। वेलदुर्ती पुलिस के अनुसार, नया फ्यूज तार लगाते समय नागुलु बिजली के तार की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। नागुलु के परिवार में उनकी पत्नी पद्मा, एक बेटा और एक बेटी है। मामला दर्ज किया गया था।

सतुपल्ली में महिला और दो बेटों ने की आत्महत्या

खम्मम, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के सतुपल्ली में एक ही परिवार के दो नाबालिगों समेत तीन लोगों की कथित तौर पर आत्महत्या कर ली गई। मृतकों की पहचान साथुपल्लीशहर में एनटीआर कॉलोनी के पतिबंदला मृधुला (40), प्रज्ञान (8) और महान (5) के रूप में की गई है। कहा जाता है कि महिला अपने बच्चों के साथ सोमवार रात कस्बे से कुछ दूरी पर तमारा चेरुवु टैंक में कूद गई थी। मंगलवार सुबह टैंक से शव बरामद किए गए। खम्मम एसआई रामू ने कहा कि महिला के परिवार के सदस्यों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया था। वारदात के पीछे पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है।

सीएस व डीजीपी ने की राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के चेयरमैन से मुलाकात

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी और डीजीपी अंजनी कुमार ने मंगलवार को यहां हरिता प्लाजा में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर से मुलाकात की। एक दिवसीय दौरे पर शहर आए हंसराज गंगाराम अहीर ने बीआरएस सरकार द्वारा तेलंगाना में पिछड़े वर्ग के विकास के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली। बैठक के दौरान, मुख्य सचिव ने हंसराज गंगाराम अहीर को तेलंगाना में ओबीसी आरक्षण, रोस्टर प्रणाली और अन्य योजनाओं के कार्यान्वयन के बारे में बताया। डीजीपी अंजनी कुमार ने बताया कि पुलिस विभाग ने महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक उद्देश्य के साथ "शी टीम्स" लॉन्च की थी और तेलंगाना में पुलिस समुदाय के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाओं की शुरुआत भी की थी।

रेवंत ने की जेपीएस की सेवाएं नियमित करने की मांग, सीएम को लिखा पत्र

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी प्रमुख और कांग्रेस सांसद रेवंत रेड्डी ने आज मांग की कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव उन सभी कनिष्ठ पंचायत सचिवों (जेपीएस) की सेवाओं को नियमित करें, जिन्होंने अपनी परिवीक्षा अवधि पूरी कर ली है। उन्होंने इस मुद्दे पर सीएम को एक खुला पत्र लिखा। अपने पत्र में, रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार जेपीएस के साथ बंधुआ मजदूरों से भी बदतर व्यवहार कर रही है और कहा कि उन्हें हर तरह के बंधुआ काम करने के लिए मजबूर किया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार उनकी समस्याओं के समाधान और उनकी मांगों को पूरा करने में लापरवाही दिखा रही है. उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि जेपीएस पिछले 12 दिनों से धरना प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन राज्य सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी के नेता राजनीति कर रहे हैं और जेपीएस के विरोध को नजरअंदाज कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि हाल ही में राज्य सरकार द्वारा जीते गए केंद्र सरकार के पुरस्कारों के पीछे पंचायत सचिवों की कड़ी मेहनत है।

उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा कि इस तथ्य को न भूलें कि पंचायत सचिवों की कड़ी मेहनत के कारण राज्य ने अब तक 79 पुरस्कार जीते हैं। उन्होंने सीएम से यह भी पूछा कि क्या पंचायत सचिवों का उत्पीड़न उनके द्वारा आंदोलनकारी जेपीएस को दिया जा रहा इनाम है। उन्होंने सीएम को बताया कि करीब 1500 जेपीएस ने नौकरी छोड़ दी और 44 की विभिन्न कारणों से मौत हो गई। उन्होंने यह भी मांग की कि सीएम जेपीएस की सेवाओं को ग्रेड- 4 पंचायत सचिवों के रूप में तुरंत नियमित करें।

एसएससी के नतीजे आज

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बोर्ड स्कूल एजुकेशन बुधवार को एसएससी के नतीजे घोषित करेगा। शिक्षा मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी यहां दोपहर 12 बजे नतीजे घोषित करेंगी। एसएससी परीक्षा राज्य में 3 से 11 अप्रैल के बीच आयोजित की गई थी। कुल 4,84,384 छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे। छात्र वेबसाइट https://www.bse.telangana.gov.in (NSS) पर रिजल्ट चेक कर सकते हैं।

विशाखापट्टणम चिड़ियाघर में व्हाइट टाइगर की 19 साल की उम्र में मौत

अमरावती, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विशाखापट्टणम के इंदिरा गांधी चिड़ियाघर में व्हाइट टाइगर कुमारी की 19 साल की उम्र में मृत्यु हो जाती है। व्हाइट टाइगर कुमारी का जन्म 2004 में हुआ था और 2007 में हैदराबाद के नेहरू जूलॉजिकल पार्क से अपने पुरुष साथी के साथ विजाग चिड़ियाघर में लाई गई थी। कुमारी ने विजाग चिड़ियाघर में सफेद बाघ के नौ शावकों को जन्म दिया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में कहा गया है कि व्हाइट टाइगर कुमारी की मौत मल्टीपल ऑर्गन फेलियर की वजह से हुई है। मुख्य भूमि के बाघ की एक ल्यूसिस्टिक रंजकता भिन्नता सफेद या प्रक्षालित बाघ है। भारतीय राज्यों मध्य प्रदेश, असम, पश्चिम बंगाल, बिहार और ओडिशा के साथ-साथ सुंदरबन क्षेत्र और विशेष रूप से रीवा के पुराने राज्य में, यह कभी-कभी जंगली में मौजूद होने के लिए जाना जाता है। हालांकि यह क्लासिक ब्लैक टाइगर धारियों को धारण करता है, इसके बाकी कोट सफेद या लगभग सफेद होते हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.